HRC an USUA The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51]

मई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 21, 1974 (अप्रहायण 30, 1896)

No. 51]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 21, 1974 (AGRAHAYANA 30, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग Ш...खण्ड 1

PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक रोबा आयोग, रेस दिसाग और भारत सरकार के संसम्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 श्रक्तूबर 1974

म० ए.० 12025 (ii)/1/74-प्रशासन-III—वित्त संवर्गे के स्थायी महायक तथा प्रमुभाग प्रधिकारी ग्रेड की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1971 के परीक्षा परिणामों के प्राधार पर संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के प्रमुभाग प्रधिकारी ग्रेड को प्रावंदित एवं 2 मितम्बर, 1974 (पूर्वाह्म)तक, प्रव वे उस संवर्ग से मुक्त किए गए थे, वित्त मंत्रालय के रक्षा प्रभाग में ग्रनुभाग अधिकारी के पद पर उधार के प्राधार पर बनाए रखे गए श्री पन्ना लाल को राष्ट्रपति द्वारा 2 मितम्बर, 1974 के पूर्वाह्म में ग्रागमी ग्रादेशों तक संघ लोक मेवा श्रायोग में केन्द्रीय मचिवालय सेवा मंवर्ग के प्रमुभाग ग्रिधकारों ग्रेड में स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मं० ए.० 32014/1/74-प्रणा०-III—इस कार्यालय की सममंख्यक ग्रिधमूचना दिनाक 11 जुलाई, 1974 के ग्राणिक प्राणोधन में सघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय मेवा सबर्ग के स्थायी महायक श्री योगेन्द्र नाथ को राष्ट्रपति द्वारा, 23 ग्रगस्त, 1974 से 26 दिसम्बर, 1974 तक 131 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा ग्रागामी श्रादेशो तक, जो भी प्रहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III--इस कार्यालय की सममख्यक अधिसूचना दिनांक 28 अगस्त, 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एस० दत्ता को राष्ट्रपति द्वारा, 1 सितम्बर, 1974 से 26 दिसम्बर, 1974 तक की 122 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेणो तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 31 अक्तूबर 1974

स० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा ध्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक श्री एस० पी० गुप्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 18-9-74 से 17-12-74 तक 91 दिन की ध्रवधि के लिए ग्रथवा ध्रगामी भ्रादेश तक, जो भी पहेंले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

दिनाक 12 नवम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा ध्रायोग मे केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के ध्रनुभाग ध्रधिकारी ग्रेड के स्थायी ग्रधिकारी श्री बी० एन० रोज्डी को राष्ट्रपति द्वारा 4-10-1974 से 26-12-1974 तक 84 दिन की प्रविध के लिए श्रथवा नियमित ग्रिधिकारी के कार्यभार संभालने तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुवत किया जाता है।

> एम० आर० भागवत अवर मचिव, (प्रशासन प्रभारी) मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 नवम्बर 1974

सं० ए० 32014/1/74-प्रणा०-I—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय मचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड II श्रधिकारी मर्बश्री धार० एल० ठाकुर श्रीर के० सुन्दरम की, जिन्हें इस कार्यालय की ममसंख्यक श्रधिसूचना दिनांक 1-8-1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर स्थानापश्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 15-10-1974 के श्रपराह्म से उसी सेवा के ग्रेड-II में उसी सवर्ग में प्रत्यावर्तित किया गया है।

सं० ए० 32013/2/73-प्रणा०-I—इस कार्यालय की प्रिक्षिसूचना सं० ए० 32013/2/73-प्रणा०-I दिनाक 20 प्रप्रैल, 1974 के प्रमुक्तम में केन्द्रीय सिचवालय मेवा के ग्रेड I के स्थायी प्रिक्षकारी श्री ग्रार० एस० गोयल को, राष्ट्रपति द्वारा 5-10-74 से 28-2-1975 तक (दोनों दिनो सिहत) ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेण तक, जो भी पहले हो, उक्त मेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने की श्रन्मित प्रदान की गई है।

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० डी० जोशी को, राष्ट्रपति द्वारा 14-10-74 से 30-11-74 तक 48 दिन की अविधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-[में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/74-प्रणा०-]:—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिखवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री श्रार० पंडित को, राष्ट्रपति द्वारा 27-9-74 से 26-12-74 तक तीन मास की अविध के लिए अथवा नियमित श्रधिकारी के श्राने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० ए०-32013/1/74-प्रणासन-I—संघ लोक सेवा म्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग म्राधिकारी ग्रेड के स्थायी म्राधिकारी श्री टी० एन० चेन्ना की, राष्ट्रपति द्वारा 6-10-1974 से 26-12-1974 तक 82 दिन की म्रविध के लिए भ्रथवा नियमित म्राधिकारी के म्राने तक जो भी पहले हो, उक्त रोवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न म्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32013/1/74-प्रणा०-I — संघ लोक सेवा झायोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के झनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री सी० श्रार० श्रानन्द को, राष्ट्रपति द्वारा 3-10-74 से 26-12-1974 तक 85 दिन की श्रवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के श्राने तक जो भी पहले हो, उक्त मेवा के ग्रेड-। में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी, अवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी) मंघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 तवम्बर 1974

सं० ए०-32015/7/72-प्रणा०-II --सचित्र, संघ लोक सेवा ग्रायोग एतदहारा संघ लोक गेवा श्रायोग के कार्यालय में रथायी सहायक ग्रधीक्षक (हालिंग्य) श्री एस० पी० बंसल को 1 श्रवतूबर 1974 से 10 श्रवतूबर, 1974 तक 10 दिन की श्रवधि के लिए श्रायोग के कार्यालय में श्रधीक्षक (हालिर्थ) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

एम० आर० भागवत अवर सचिव, **हरो** सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 नवम्बर 1974

सं० ए०-32013/3/74-प्रणा०-I -- इस कार्यालय की अधी-सूचना स० ए०-32013/3/73-प्रणा०-I दिनाक 17-8-74 में ग्रांशिक श्राशोधन करते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा ग्रौर लेखा सेवा के ग्रिधिकारी श्री क० वे० रामकृष्णन को जिन्हें संघ लोक सेवा श्रायोग कार्यालय में 28-2-1974 तक परीक्षा नियंत्रक के पद पर कार्य करते रहने की ग्रनुमित प्रदान की गई थी, ग्रब उसी कार्यालय में 21-10-1974 से 28-2-1975 तक की ग्रवधि के लिए संयुक्त सचिव के पद पर स्थानायन्न रूप में कार्य करने के

> एम० श्रार० भागवत, श्रवर सचिव, **कृते** श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा अयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 नवम्बर, 1974

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-: I—संघ लोक सैवा श्रायोग द्वारा गठित भर्ती नीति एवं चयन पद्धित समिति के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सिचवालय स्टेनोग्राफर सेवा का ग्रेड II) सर्वश्री श्रार० एल० ठाकुर श्रीर के० सुन्वरम को, भध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा गठित 17-10-1974 (पूर्वाल) से तीन मास की श्रवधि के लिए पूर्णत: श्रस्थायी श्रीर सर्वर्थ श्राधार में विरुट्ठ वैयक्तिक महायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-I) के पद पर नियक्त किया जाता है।

दिनांफ 21 नवस्बर, 1974

सं० ए०-26014/1/74-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेंड के स्थायी ग्राधकारी श्री एम० एम० टामस को, जो संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में संयुक्त सचिव के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य कर रहे थे, 21 श्रक्तूबर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक परीक्षा नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 26 नवम्बर 1974

मं० पी०/1821-प्रशासन-I—भारतीय कृषि श्रनुसंधान संस्थान मे पादप विकृत विज्ञानी (नेभाटोडस) डा० गोपाल स्वरूप को 1 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप मचिव के पद पर नियुवत किया गया है।

> पी० एन० सुखर्जी, ग्रथर सचिव, कृते श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—— भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), कार्यालय श्रजंन रेज, कानपुर कानपुर, दिनाकः 4 जुलाई 1974

निर्देश स० 95 भ्र/भ्रर्जन/कानपुर/73-74/1073--यत , मुर्भा, वाई० खोखर सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-कानपुर ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 खाके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है ग्रीर बाजार जिसकी सं 0 16/157 है, जो बादशाही नाका कुलीयाजार कानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबक्क अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के भ्रधीन 25-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विजेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भ्रौर यह कि अन्तरक (श्रन्तरको) श्रौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर भिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भ्रौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यस . आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

द्यत द्यब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, न्नर्थात :---

- श्री विधामभर नाथ गुक्ला ग्रौर श्री जयकरन नाथ गुक्ला पुत्र श्री विधव नाथ गुक्ला नि० 6 हरवण मोहाल कानपुर (ग्रन्तरक,
- 2. ला॰ फूल चन्द पुत्र ला॰ पन्ना लाल जैन नि॰ 76/128 कुली बाजार कानपुर:—— (ग्रन्तरिती)

- 1 मैसर्स पच्चापाल एण्ड सन्स।
- 2. मैसर्स स्रेश ग्रायरन इ डस्ट्रीज ।
- 3 मैसर्स कैलाश नाथ काशी नाथ।
- 4 मैंसर्स मोहन लाल प्रशोक कुमार।
- 5 मैसर्स वैज नाथ भ्रमर नाथ।
- 6 मैसस विश्वनाथ गुप्ता एण्ड सस ।
- 7 मैसर्स विहारी लाल जयराम दास ।
- 8 ठा० शिव कुमार सिह ।
- मैसर्स कालिका प्रसाद उमारमन ।
- 10 श्री सरज् प्रसाद मारफत नवजीवन लैण्ड कार्यालय ।
- 11. मैसर्स खेडेलवाल ब्रादर्स (प्रा०) लि०।
- 12 भूप नारायन व्रिपाठी ।
- 13 केदार नाथ दीक्षित ।
- 13 वृजभूषण सिह ।
- 15 मेंसर्स नव निर्माण लैण्ड कार्याक्षय ।
- 16. श्री मुकुट बिहारी पुत्र श्री गजाधर प्रसाद ।

सभी-मारफत, 16/157, बादशाही नाका कुली बाजार, कानपुर। वह व्यक्ति जिसके श्रिधभाग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया भुरू करता हु।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियए जाएं गे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिष्ठकार होगा।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त मन्दो श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

असुसूची

मकान न० 76/157 का 1/2 भाग प्रविभाजित जिसका क्षेत्र फल 210 वर्गगज स्थित बादशाही नाका में हस्तातरण किया गया है ।

> ृवाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्कत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-7-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 5 भ्रगस्त 1974

निर्देश सं 1418-22/ए०-48/टि० एस० के०/74-75--यत:, मुझे, एन० पचुन्नौ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की घारा 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है और भ्रौर जिसकी सं० डाग नं० 2018 (पुराना), पि० पि० नं० 998 (पुराना) है, जो वार्ड नं० 11, टिन सुकीया टाऊन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, टिन सुकीया में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे बारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- मेसरण टिनसुकीया डिवेलपमेन्त कारपोरेशन लिमिटेडें टिनसुकीया (श्रन्तरक)
 - 2. भ्राननदिलाल बजारि, टिनसुकीया (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृशारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेने।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 10852 स्कुएर फीट जोकि स्टेट ट्रान्स्पोर्ट दफतर के पीछे टिन सुकी। टाऊन में है। इस के चारों स्रोर शहर के जमीन को डाग न० 2018 से घिरी हुई है।

> ्न० पचुत्रौ मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख 5-8-1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, चण्डीगढ़

चन्द्रीगढ़ दिनाक सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एम०एल०/1/74-75—यतः मुझे जी०पी०सिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन है, जो मन्डी गोबिन्द गढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीफर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रमलोह में भारतीय रिजस्ट्रीफरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्रत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पात्त के अजन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (i) श्री चिरंजी लाल
- पुक्त श्रीविशनामल
- (ii) श्री हरी चन्द

निवासी गोबिन्द गढ़

(iii) श्री हरबन्स लाल

श्रव मालक रोड, मास्टर इन्डस्ट्रीज, राजपुरा

(ग्रन्तरक)

2. श्री रतनलाल पुत्र श्री गिरधारी लाल, जी० टी० रोड, गोबिन्द गढ़

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तसम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या सत्संबंधी व्यक्तिया। पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि का एक टुकड़ा, खसरा नं० 74 गिन जोकि चारों तरफ इस तरह है:---

उत्तर -- कोठी श्री बनारसी दास

दक्षिण — गली

पूर्व -- मकान श्री गोबिन्द लाल ईशर दास,

पश्चिम --- प्लाट श्रीमती परतिभा देवी, पत्नी श्री रतन लाल वार्ड नं० 5 मन्डी गोबिन्द गढ

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 2-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई 1974

निर्देश स० 95/अर्जन/कानपुर/73-74/1074—यतः, मुझे, वाई० खोखर श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 76/157 है, जो बादशाही नाका कुली बाजार कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गाव्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री विशम्भर नाथ शुक्ला घौर जयकरन नाथ शुक्ला पुत्र श्री विश्वनाथ शुक्ला नि० 62/143 हरबश मोहाल कानपुर (श्रन्तरक)
- ला० फूल चन्च पुत्र ला० पन्ना लाल जैन नि० 76/178, कुली अजार कानपुर (ग्रन्तरिसी)

- मैसर्स पंच्योपाल कार्मोकार एण्ड सन्स ।
 - 2. मैसर्स सुश भ्राइम इण्डस्ट्रीज ।
 - 3. मैसर्स कैलाशनाथ काशीनाथ ।
 - मैसर्स मोहन लाल ग्रशोक कुमार ।
 - 5. मैसर्स बैजनाय ग्रमरनाथ ।
 - मैससे विश्वनाथ गुप्ता एण्ड सन्स ।
 - 7. मैसर्स बिहारी लाल जयराम दास ।
 - 8 ठा० शिव कुमार सिंह ।
 - 9. मैसर्स कालिका प्रसाद उमारमन ।
- 10. श्री सरजू प्रसाद c/o नवजीवन लैण्ड कार्यालय ।
- 11. मैसर्स खण्डेलवाल बादर्स प्रा० लिमि०।
- 12. भूप नरायन न्निपाठी ।
- 13. केंदार नाथ दीक्षित ।
- 14. वुज भूषन सिह
- 15 नव निर्माण लण्ड कार्यालय ।
- 16. श्री मुकुट बिहारी पुत्र श्री गजाधर प्रसाद।

सभी c/o 76/157, बादशाही नाका कुली बजार, कानपुर । (वह ध्यिनित जिनके स्रिधभाग में सम्पत्ति हैं को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुक्षारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्वारा आगे यह अधिसूचिस किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वकर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्ध्होकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

मकान नं० 76/157 का 1/2 भाग ग्रविभाजित जिसका कुल क्षेत्र फल 210 वर्ग गज स्थित बादमाही नाका कुली बजार कानपुर जिसका 35000 रु० में हस्तांतरण किया गया ।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कामपूर।

तारीख 4-7-1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस० ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैंक्टर 9-बी० चण्डीगढ़, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० लुधि०/सी०/159/74-75--यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 की 43) भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **इचित बाजार** मृल्य 25,000/- रुपये से भौर जिसकी सं० प्लाट तरफ काराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लिधयाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनांक मार्च 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती बी॰ राये पत्नी श्री कुलभूषण राये, श्रीर श्री कुलभूषण राये पृत्न श्री कुलबन्त राये, ढण्डा, सामने जिला कचैहरी, लुधियाना (अन्तरक)
- 2. गुरदेव धर्म अर्थ ट्रस्ट, लुधियाना, द्वारा श्री जोगिन्द्र सिंह ग्रेवाल, रतन बिल्डिंग, सामने जिला कचैहरी, सिविल लाईन्म, लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो तो:—

- (क) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्तारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अघ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 339 वर्ग गज, खेवट खतौनी नं०, 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141।

खसरा नं० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 729, 730, 731, 725। जमा बन्दी 1970/71 तरफ कारा बारा तहसील लुधि-

याना ।

जी० पी० सिह, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज, चण्डीगढ़।

दिनांक: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 27 मितम्बर 1974

निर्देश लुधि ०/सी ०/160/74-75 ---यतः, सं० मेझे, जी० पी० सिह, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था-घर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट तरफ कराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ल्धियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रमुसार ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अता, अस, घारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपधारा

- (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---
- शे कुलभूषण राय पुत्र श्री कुलबन्त राय, खुद श्रीर करता, एव० यू० एफ०, निवासी सामने जिला कीर्र, लुधि-याना। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० गुरदेव धर्मांथं द्रस्ट, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्द्र सिंह ग्रेवाल एउवोकेट रतन विन्दिङ्ग, सामने जिला कचहरी, सिविल लाईन्ज लुधियाना। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्बारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने पाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

्लाट तरफ कारा बारा, सिध्याना, 339 वर्ग गज, खेवट खतौनी नं० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141, श्रौर खसरा नं० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, जमांबन्दी 1970-71 के श्रनुसार।

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण). म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक: 27 सितम्बर 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रक्तन रेज-2, श्रहमदाबाद

भहमदाबाय, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निर्देश सं० 162/ए० सी० क्यू > - 23-251/19-7/73-74 यतः, मुझे, पी० एन० मित्ता श्रायकर शक्षिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका **उचित बाजार** मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी मं० नोध न० 1889 पैकी व्यू० वार्ड नं० 8 है, जो संधाडिया वाड, गोपीपुरा, सूरत में िथत है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-**नियम**, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन 30-3-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम **के दृश्यमान प्र**तिफल के निए श्रिश्टिकन विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति था उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है आर यह वि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में क्मी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किभी धन या अन्य आस्तियों, को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1955 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के भव्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 2—376GI/74

- 1 श्री गणपति लाल छोटुभाई वकील ऊपावेन गणपतिलास वकील सूरत (श्रन्तरक)
 - 2 में अधर्मा तिल्डर्म, सूरत की श्रोर से उसके सहिचारी,
- (1) धनसुखलाल भगन लाल णाह (2) हंसा बेन धनसुख साल गाह (3) स्मिता धनमुख लाल णाह (ग्रवयसक) (4) भगन लाल मोती लाल णाह (5) गीता नटवरलाल णाह (6) मनसुख लाल मगनलाल णाह (7) महेश चन्द्र जीवनजी देसाई (8) कान्ताबेन मगनलाल (श्रन्तरिती)
- 3. (1) धी० डे० डायरेकटर आफ इन्डस्ट्रीज 2. सीनियर इन्स्पेक्टर श्राफ इन्डस्ट्रीज (यह व्यक्ति जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उषत मम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हों तो :-

- (क) इस सूचना के राजगत्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बनी व्यक्तियों पर सूचना ी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि मृनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के समय सुन जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल संपत्ति (भूमि ग्रीर मकान) क्यू० वार्ड नं० 8, नोंध नं० 1889 पैकी स्थित, जमीन का क्षेत्रफल 250 वर्ग गज हैं जो संधाडिया बाड, गोपी पुरा गुलाब दास बकील रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सूरत के मार्च 1974 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1161 में प्रदर्शित हैं।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण, श्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 30-9-1974

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस० ----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजेन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1974

पी० मित्तल निरीक्षण सहायक, श्रायकर श्रायक्त, लखनक **ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास** करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/-६० से प्रधिक है श्रोर जिसकी जो निम्बाहैडा डिस्टीलरी की जमीन है, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्द्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, निम्बाहैडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बाधीन 25, ब्राप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार वन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनामा।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे ब्रारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तिमों, अर्थात् :---

- 1. मैसर्स बैरामणाह के इलावा एण्ड संस राजस्थान हैड आफिस महू (म० प्र०) 2 मिस होमाय पुत्नी बैरामणाह इलावा पारसी सा० महू (म० प्र०) 3 मिसेज डोली पत्नि बहराम जी मसानी सा० महू (म० प्र०) तीनों खरीददार द्वारा श्री फिरोज पुत्न श्री बैरामणाह इलावा श्रीर 4. श्री फिरोज पुत्न श्री बैरामणाह इलावा (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री महेश प्रकाश, सुरेन्द्र प्रकाश पुत्रान श्री चान्दमल जी शारदा निवासी निम्बाहैडा जिला चित्तौड़ (राजस्यान) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारी खा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ना से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मिल के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यह कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्मिल के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अयिकत को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्बाहैड़ा स्थित डिस्टीलरी की खुली जमीन जिसका क्षेत्र-फस 9855 वर्ग फीट है।

> बी० पी० मित्तल, सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-10-1974

नोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०~

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कायौक्य, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 अन्टूबर 1974

निर्देश सं० 25-बी/अर्जन-यतः मुझे, के० एन० मिश्रा आयकर श्रिष्ठियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रधिक है भीर जिस की सं० 193 है जो, ग्राम हड़ेला में स्थित है (भ्रौर उससे उपावद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) जिला-खीरी रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखीमपुर खीरी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

14-3-1974

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिल किये गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधाता (1)के अधीन निम्मिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती द्रोपदी देवी (श्रन्तरक)
- (2) बिशन सिह सन्धू व प्रन्य (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एदद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किया कृषिक भिम जिसका क्षेत्रफल 30.64 एकड़ है, ग्राम--हडेला जिला-खीरी में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, ल**ब**नऊ

तारीख: 10-10-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए० एस०आ२०/पी०एच०एल०/एपी-1295/74-75 ---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घके प्रधीन सक्षम शाधि । परी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ५पये से अधिक है भ्रौर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत जिलेख नं० 4590 मार्च 1974 लिखा है. जो गाव पामला में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधि-कारी के कार्यालय, फिल्लीर में भारतीय र्राजस्ट्यारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्चको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षुरयमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रेहत अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिपान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित मे वास्तविक लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातुः—

- (1) श्री पग्गु पुत्र राम चद वासी पासला त० फिल्लौरं (अन्तरक)।
- (2) श्री रणजीत सिह पुत्र करतार सिह वासी पासला फिल्लौर (श्रन्तरिती)।
- (3) जैसा कि नं 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविदे का तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा
- (ख) इस सूचना के भाजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिमूचित विधा जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचन के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और न्यान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतर्द्वारा आगे यह अधिमूनित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पेरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए आधकार होगा।

स्पन्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्सूची

धरती, पामला तहमील फिल्ली जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ४५९० मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीवर्धी अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 सिनम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रजन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० बी-3/74(6)1/292 बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं अकान है, जे। बाली में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद अनुस्चि में और पूर्ण ६५ से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बाली में भारतीय राजिस्क्रीकरण श्राधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधान को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रुजिरट्रीइत विलेख के अनसार अस्तिति की गई है और मझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 की 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) सिरेमल पुत्र श्री श्रनराज जाति जैन श्रीसवाल निवासी कोट न० बाली जिला पाली (राज०) (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शेवरी बाई पहिन मोहन लाल जी 2 श्री दिलीप कुमार 3 श्री मफतलाल 4 श्री हर्ष कुमार पुज्ञान मोहनलाल जरिए श्री मोहनलाल एवं श्रीमति थेवरीबाई पन्निश्री मोहनलाल संरक्षक नं० 2, 3 श्रीर 4 नाबालिग पुत्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशित की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से ति.नी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ सिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्हारा यह अधिसूचित विया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति एम सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए छाएंगे क्येर उसका सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप विया है तथा सम्पति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधियूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्थक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पध्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराने पोरट क्राकिस बाली जिला पाली (राज०) में स्थित दो मजिला इमारत ।

> वी० पी० मित्तल, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जय_ुर

तारीख 8-10-1974 मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

निवेश सं० 5-म्राई/म्रर्जन---यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा

तारीख 10 अक्तूबर 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिफका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिस की सं० डी-57/58 है जो, सिगरा, कस्तूरबा में स्थित है और उससे उपाबद्ध अनमूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) नगर कालोनी, वाराणसी रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-3-1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य षापुर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फ ल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मृणाल बनर्जी (ग्रम्सरक)
- (2) श्रीमती इन्द्रोदेबी व प्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्वंवर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

एक किता मकान नं० डी० 57-58 का ग्राधा भाग, सिगरा, कस्सूरवा नगर कालोनी, वाराणसी में स्थित हैं।

कि० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 10-10-1974 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियमें, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 श्रवतूबर 1974

निर्देश सं ० एस०-454/मार-II/कलकत्ता/74-75---यतः मृझे धार० बटानी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 57/2 है, जो डायमन्ड हारवर रोड, थाना इकबालपुर, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार 24-परगना. ग्रलीपुर में भारतीय रजिस्ट्री-ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 2-3-1974 को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दुश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती ग्रहणा रानी दा
 12,शिव कृष्ण दा लेन, कलकत्ता-7

(अन्तरक)

- 2. मैसर्स लान्डस हाऊसिग्स एण्ड डेवलमेन्ट क० 3 मैन्गो लेन कलकत्ता 1
- 3. (1) श्रीमती भ्रजन्तारानी दत्ता
 - (2) श्रीमती ग्रमीता रानी दा
 - (3) श्री श्ररीम चन्द्रदा
 - (4) ग्रर्चना रानी दा (अन्तरिती) (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वाराकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतप्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेगों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैंग के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सं नं 57/2, डायमन्ड हारबर रोड, थाना, इकबालपूर कलकत्ता में स्थित, 1 बीधा 1 चिट्टांक 41 वर्ग फीट क्षेत्र फल समीन का अभिवाजित पांच का एक हिस्सा।

> ग्राप० एल० बुटानी सक्षम प्राधिकारी [सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज II, पी०13, चोरंगी स्कीयप, कलकता-1

तारीख: 7-10-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भाग्त संग्कार कार्यालय सहायक स्रायक्त प्रायुक्त निरीक्षण स्रजी रेज, श्रमृतसर

अमुमसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निर्देश स० ध्रमृतसर/जालधर/ए०पी०-1296/74-75--यत:, मुझे डी० एस० ग्रता, आयनर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 2:9-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से अधिव है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रियम्ट्रीकृत विलेख न० 10744 मार्च 1974 लिखा है, जो बस्ती दानिरामदा जालधर में स्थित है (भीर इसरो उपायद अनुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्द्रीक्ता श्रिकारी के नार्यालय जानधर मे भारतीय रजिस्ट्रकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च को पर्जोषत सम्मिल के उचित कम के दृष्टमान प्राप्ता के लिए रजिल्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य उसके दारमान प्रतिपत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिपस्त का एन्द्रह एति एस अन्तरक (अन्तरको) और अन्ति नी (उत्सित्या) के कीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रीत्मल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण शिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में ,ई विसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 वा 43) के अधीन कर देने के अन्तरव के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए क्षेकर बनाना;

अगेर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:---

- (1) दुर्गा देवी पत्नी श्री अमर नाथ पुत्र किरपा राम वासी वस्ती वावा खेल, जालधर। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज रेखा सैण्ड (प्रा०) लिमिटेड, ब्राच प्राक्तिस सामने नाज सिनेमा, जालधर मार्फत कृष्ण कुमार मैनेजिन दायरॅक्टर (अन्तरिनी)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहरनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राज्यस में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी स्थितियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से विसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन वे भीतर उदत रथावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्द्वारा यह अधिमृचित पिया जाता है कि इस म्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में पिए गए आक्षेपो यदि कोई हो, की सुनवार्ट के लिए तर्ग्य छ अंर स्थ न नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचिस किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पटिकरण: --इसमे प्रयुवत शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथ परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धरती, बस्ती दानिरामदा, जालधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत बिलेख न० 10744 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्धा प्रधिकारी जालधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रजन रेज, ग्रमृतसर

तारीख 28 सितम्बर 1974 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, नागपुर का कार्यालय नागपुर, दिनाक 8 घ्रक्तूबर 1974

निर्देश सं आये ए० सी । ए०सी ० न्यू ० / 37 / 74-75---यतः, मझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जो छायाचित्र मन्दिर नाम मे पिरिचित हैं जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं भौर जिसकी सं० म्युनिसिपल सं० 5-1-117, उदिगर, जिला उम्मानावाद है जो उदिगर में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध प्रमुम्ची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदिगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के प्रधीन 29-3-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ठ प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री बालचन्त्र दिनानाथ सावे
 - (2) श्री जयंत दिनानाथ सावे
 - (3) श्रीएस०बी०सावे
 - (4) श्रीमती रमाबाई दिनानाथ सावे
 - (5) श्रीमती गांताबाईचंदूरालसावे। (ग्रन्तर)

- 2 (1) मै० मुक्काबार ब्रदर्स पार्टनरिशप फर्म तर्फे पार्टनर श्री बालकृष्ण रामचंद्र मुक्काबार
 - (2) श्री सुभाष रामचन्द्र मुक्कावार
 - (3) श्री सदाणिव रामचन्द्र मुक्कावार
 - (4) श्री रमेश रामचन्द्र मुक्कावार
 - (5) श्री श्यामसुन्दर रामचन्द्र मुक्कावार (माईनर) ग्र० पा० श्रीमती शांताबाई रामचन्द्र मुक्कावार
 - (6) श्री विजयकुमार रामचन्द्र मुक्काबार (माईनर) ग्र० पा० श्रीमती शांताबाई रामचन्द्र मुक्काबार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उद्दिगर में छायाजिल मन्दिर के नाम से ज्ञात जगह जिसका म्युनिसिपल नं० 5-1-117 है, जो पूरी तरह चारो श्रोर दीवार से चिरा हुश्रा है। इसके मध्य स्थित, परिसर, बाहरी मकान, छप्पर एवं इसी से जुड़ी हुई जगह, प्लाट भ्रोर उसके चारों श्रोर का खुला स्थान, जिसकी चतुः सीमा इस प्रकार है:—

पूर्व — नगरपालिका रास्ता

पश्चिम — नगरपालिका रास्ता

दक्षिण — श्री वसीउद्दीन की खुली जगह

उत्तर —पी० डब्ल्यू० डी० रोड,

स्थान -- उदगिर

जिला -- उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)

एस० एस० राय

मक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) 1974 भ्रजीन रेंज, नागपूर

तारीख: 8-10-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

द्मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज जयपुर जयपुर, दिनांक 8 भ्रम्तूबर 1974

निर्देश सं० जी०-2/74(5)34/83---यतः, मुझे, बी० अधिनियम, आयकर 1961 (1961 का 43) की घारा 269खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संब्प्लाट नंव 4 एचव एव है, जो श्री गंगानगर मे में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसुची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय, श्री गंगानगर में भारतीय राजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 27 ग्राप्रैल 1974 की पूर्वोक्त उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरिम गई है और मुझे यह विश्वास करने का है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पाइह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए भुक्तर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री मेम सिंह जाट बहैसियत कुदरती बली एवं पिता श्री कुलदीप सिंह (नाबालिंग) निवासी/8 हम ० ए० ब्लाक, श्री गंगानगर । (ग्रन्तरक)
- श्री जीतेन्द्र सिंह पुत्र श्री मिल्कयत सिंह जाट सिख निवासी
 /4 क्यू० तहसील एवं जिला श्री गंगानगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निमत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० ब्लोक श्री गंगानगर स्थित प्लाट नं० 4 एच० ए० का माधा भाग (पश्चिम भाग) क्षेत्रफल 50'-30'

> बी० पी० मिसल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जयपुर

तारीख: 8-10-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 28-9-74

निर्देश स० एन० 11/74(6) 1/297--- पतः, मुझे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/- रुपये से अधिक बाजार मल्य है (भीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, निम्बाहैंडा में भारतीय रजिट्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 29 मार्च 1974 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुक्षर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थाप् :---

- (1) मैसर्स बैरामशाह के इलावा एण्ड सस राजम्थान हैंड धाफिस महू 2 मिस होमाय पुत्री बैरामशाह इलावा पारसी सा महू (म० प्र०) 3. मिसेज डॉली पितन बहुरामजी मसानी:—तीनो खरीददार द्वारा श्री फिरोज पुत्र श्री बैरामशाह इलावा श्रीर 4. श्री फिरोज पिता बैरामशाह इलावा. (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेण प्रकाण पुत्र श्री श्रीनिवास शारका सा० निम्बाहैडा जिला-चिल्लौकगढ़ (राज०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्दारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थाव सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसूचिन किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

तिम्बाहैंड्रा स्थित डिस्टीलरी की खुली जमीन जिसका क्षेत्रकल 13,557 वर्गफीट हैं।

> वी० पी० मित्तम, मझम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जमपुर।

तारीख: 28-9-1974

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 3 ध्रक्टूबर, 1974

निवेश सं० एस० श्रार० जबलपुर 13-3-74---श्रतः, मुझे, एस० एफ० मुन्शो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 652 है, जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन 13-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाता; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री कस्तूरी लाल मथुरा दास पुत्र श्री मोती राम मथुरा दास, निवास 91, क्लीन्स रोड, पेरल मेन्सन बाम्बे-20 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री टी॰ एन॰ भास्कर पुत्र श्री ए॰ एन॰ भास्कर, 652, नेपियर टाउन, जवलपुर (म्रन्तरिती)
- 3 श्रीमती हाकिम पत्नि श्री एस० पी० हाकिम रिटायर्ड डिस्टिक जज, 652, नेपियर टाउन, जबलपुर (वह श्राक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पति में द्वितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमीं पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 652, नेपियर टाउन, जबलपुर।

एम० एफ० मून्ज्ञी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 3-10-74

ग्राजन रेज, भोपाल।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ.(1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय महायक श्रायक्षर श्रायक्षत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख 10-10-1974

निदेश सं० 19-पी/ग्रर्जन—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

मौर जिस की सं० 12 है जो, लाजपत राय मार्ग में स्थित है (म्रीप उससे उपाबद्ध अनसूर्ची में भ्रीप पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यमा 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 25-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के रिष्ठित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अमेर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिव कर से संवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पात्त के अजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानु:—

- (1) श्री मदन गोपाल व ग्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स प्रदेशीय इन्डस्ट्रीयल एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कारपोरेशन श्राफ यू० पी० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवतसम्पत्ति को अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, घही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका नम्बर 12 है, लाजपत राय मार्ग, लखनऊ में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजंन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-10-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजेन रेंज, जयपुर जयपुर, तारीख 27-9-74

निर्देश सं० जे-3/74(6) 27/14—यतः, मुझे घी० पी० मित्तल आयक्टर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक ग्रीर जिसकी सं० मकान है, जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपादद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29 मार्च 1974. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) दुर्गा प्रसाद भट्ट पुत्र श्री मांगीलाल भट्ट हिण्डौन वार्लि निकासी प्लाट न० 101 लंबर कालोनी बनीपाक जयपुर।
 - (अन्तरक)
- (2) स्रोम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री नन्द किशोर खण्डेलवाल बाह्मण निवासी सोतियों का मुहल्ला कुन्दीगरों के भैरव का रास्ता चोकड़ी बाटगेट जयपुर। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्णन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

भ्रनुसूची

कल्याण जी का रास्ता चौकड़ी तोपखाना शहर, शहर स्थित मकान का आधा उत्तर की सरफ का हिस्सा मकान का कुल क्षेत्रफल 500 वर्गगज ।

> वी० पी० मित्तल, सझम प्राधिकारी, सञ्चायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर।

सारीख: 27~9-74

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज III कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 30-9-1974

निदेश सं० 164/एकुरे III/74-75/कल--यतः, मुझे एल० के० बालासबमिनियन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है ग्रीर जिमकी मं० 9 है, जो लोयर रउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है भीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय दि रजिस्ट्रार श्राफ एम्रेन्सेस, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 कलकत्ता में भारतीय (1908 का 16) के पाधीन 27-3-74 को सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अश्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

घ्रतः ध्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :--- लाभनेल एडवाडंस लिमिटेट, 22. घोल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट, भलकता । (अन्तरक)

शोमित तरुलता श्याम 6, मल रोड, दमदम, 24 परगनाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्-द्वारा कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूषित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजैन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 के अध्याय 20-क)में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 11 छटाक बास्तु जमीन साथ उस पर श्रवस्थित दोतल्ला मकान, आउट हाउसेस, गरेज भौर अन्य सामग्री या टन्क, मोटर आदि जो 9, लोयर रचडन स्ट्रीट, कलकत्ता पर ग्रवस्थित भौर जो रेजिस्ट्रार आफ एसुरेसेन्स, कलकत्ता का पास दिलल सं० 2807/1974 द्वारा रेजिस्ट्री हुआ।

> एल० के० बालसुक्रमिनयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज-III कलकक्षा

तारीख: 30-9-1974

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपूर

जयप्र, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1974

निदण सं० जी०-2/74(5)33/82—यत:, मुझे, वी**०**पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपये से अधिक भ्रौर जिसकी प्लाट न० 4 एच० ए० है, जो श्री गंगानगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण (रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27 ग्रप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करनेका कारणहै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफ्ल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म की उपधारा** (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्री गुरवचन सिंह पुत्र श्री मेघ सिंह जाट बहैसियत कुदरती वली एवं पिता श्री कुलदीप सिंह (नाबालिंग) निवासी /8 एच० ए० ब्लांक श्री गंगानगर । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रजीत कौर पत्नि श्री मल्कियत सि**ह जाट** मिख निवासी /4 क्यू० तह० एवं जिला श्रीगंगानगर।(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गुई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० ब्लाक श्री गंगानगर स्थित प्लाट नं० 4 एच० ए० का श्राधा भाग (पूर्वी भाग) क्षेत्रफल 50'—30'।

> बी० पी० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जयपुर

तारीखा : 8-10-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अक्तूबर 1974

निदेश सं० 29-मार/मर्जन--यतः मुझे, के० एन० मिश्रा भायकर मधिनियम, 1961 (1961का

43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 1319,1320 तथा 1322 है। जो, सिविल लाइन्म, में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे विणित हैं) सीतापुर रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मीतापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1974

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का ﴿﴿3) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 4—376 GI/74

- (1) मैसर्स य० पी० फाइनैनिभयल कारपरेशन व म्रन्य (म्रन्तरक)
- (2) रामजीलाल खेतान व प्रन्य (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिशी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परिटीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता इमारत जिसका क्षेत्रफल 2094 वर्गफुट है तथा एक खाली जमीन जिसका क्षेत्रफल 10,800 वर्ग फुट है, सि(वल लाइन्स, सीतापुर में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 10-10-1974

प्ररूप आई० ती० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

प्रजीन रैंज, लखनऊ

तारींखा 10-10-1974

निवेश स० 20-पी/ए० सी० वयु०---यत:, मुझे, के० एन० मिश्रा, निरीक्षी महायक श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है म्रोर जिसकी सं० 230 है जो, गांधी नगर में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम 18-3-74 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरूय से कम के दृश्यामान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्म-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) इलाहाबाद ग्राइरन सेन्डीकेट प्राइवेट लि० इलाहाबाद द्वारा राजा राम जैसवाल (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम न। गयन ग्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं :----

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संस्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपीं, यवि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान मियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किया गोदाम जो कि गांधी नगर मुट्ठी गंज इलाहाबाद में स्थित है।

> कें० एन० मिश्रा समझ प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 10-10-1974

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तासीख 10-10-1974

निदेश सं० 10-सी/बर्जन---यतः, सुझे, के०एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रीवित्रम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रोर जिसकी सं कि सिनेमा हाल है जो, क्षेचेरी रोड तथा रामनगर रोड, काक्षीपुर जिला नैनीताल में स्थित है (श्रोर उससे उपावढ श्रमुखी में श्रोर पूर्ण रूप से बाजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के जिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) विद्यावती मेहता (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स चीमा पैलेस (ग्रन्ति(ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तिमो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

निम्नलिखित सम्पत्ति कचेरी रोड तथा राम नगर रोड, काशीपुर जिला नैनीताल में स्थित हैं।

- 1. जमीन जिमका क्षेत्रफल 3452 वर्ग गज है।
- 2. इमारत जिसका क्षेत्रफल 18,030 वर्गफुट है।

के० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**ख**नऊ।

तारीख : 10 अक्तूबर, 1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

अहमबाबाद, दिनांक, 11 श्रक्टूबर 1974

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-347 (93)/1-1/74-75—यत:, मुझे जं० कथरिया

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 10, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 6 है, जो पाल्डी, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, (1908 का 16) के 1961 4-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक्ष है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरको) ग्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

श्रीर यत: आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

भ्रतः भ्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथितः—

- (1) सेठ मणीलाल रणछोड़लाल वर्गरए के ट्रस्टी :—
- बाबुलाल खुशालदास गांधी, जेठाभाईनी पोल, खाड़िया भ्रष्ठमदाबाद,

- 2. नानालाल वाडीलाल शाह, मंगल पारेख का खांचा, शाहपुर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री दशरथलाल मानेकलाल पटेल, 4, श्रर्पण सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)
 - 1. जगदीश रतिलाल, वेराईपाड़ा, खाड़िया, ग्रष्टमदाबाद
 - 2. वीनस कार्पोरेशन, रिलीफरोड़, ग्रहमदाबाद
- श्री कन्हैयालाल भोगीलाल शाह रिलीफ़रोड़, मौहनबूट हाऊस के ऊपर, श्रहमदाबाद ;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्बारा धार्ग यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट, जिसका सर्वे नं० 311 पैली है, ग्रौर जिसका फायनल प्लाट न० 10, सब प्लाट नं० 2 है भीर जो टी० पी० एस० नं० 6 में पड़ता है, ग्रौर जिसका क्षेत्रफल 3000 वर्गगज है, भ्रौर जो पाल्डी, सिटी, तालुका ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रौर जो रजिस्ट्रिंग श्राफिसर ग्रहमदाबाद के मार्च 74 के ब्रिकी दस्तावेज नं० 2116 में विणित हैं।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीखा: 11-10-74

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 क 43) की धारा 269-षं (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 27 सितम्बर, 1974

निर्देश सं० ए० सी-106/भ्रार०-4/कल०/74-75---यतः, मुझं, जर्ज वर्गिस भागकर श्रधिनिमम, 1961 का 43) की धारा 269 खा के ग्राधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक ग्रीर जिसकी सं० 164 (श्रंग) है, जो प्रिन्स ग्रनवर शाह रोड़, कलकत्ता में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ ग्रसियौरेन्सेस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज,र मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के प्रनुसार भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यिह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्बवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए गए हैं।

भ्रत : श्रब, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, श्रावकर उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रथीत:—

(1) बंगलूर लण्ड डेवेलमेट कारपोरेशन लि०, 5, देशप्राण भासमल रोड़, कलकत्ता-33 (श्रन्तरक) (2) पी० एन० बी० एमप्लियज हाऊसिंग कोन्नारेटिय सोसाईटी लि०, 18, बाबोर्न रोड़, कलकत्ता। (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के

लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां भुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के प्रति भ्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बद्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्राधमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्राधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

10 कथ्टा-2 छटाक-7 स्कोयार फीट जमीन, जो प्रेमिसेस संव 164, प्रिन्स श्रनवर शाह रोड़, (प्लाट संव 41, नर्थंबल्क 'ए', अंगलूर पार्क) कलकत्ता की श्रंश है श्रौर जैसे के ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रन्तरण लिखित में।

> जर्ज वर्गिस, सक्षम प्राधिकारी, स**ह**ायक **धा**यकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज 4, कलकत्ता

तारीख: 27 सितम्बर, 1974।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रजन रेंज, लखनऊ

खखनऊ, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1974

निर्देश सं० 25-श्रार०/ग्रर्जन--यतः, मुझे, के० एन०मिश्रा (1961 म्रधिनियम, 1961 **क**। 43) की धारा 269 ख के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक भौर जिसकी सं० ---है जो, पन्ना लाल रोड़ में स्थित है (ग्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 21-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दुस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरका) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत म्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के म्राधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भ्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

भ्रत : ग्रब, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीन :--

- (1) श्रीमती प्रतिभा मुखर्जी । (ग्रन्तरक)
- (2) डा० रमेश कुमार व भ्रन्य। (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता ह।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जात। है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आग यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होंगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

तीन किता 'लाट्स जिसका पूर्ण विवरण निम्मलिखित है, पन्नामाल रोड़, इलाहाबाद में स्थित है।

1.	क्षेत्रफल	803	वर्गगज
2.	1)	113	,,
3.	••	859	

कें० एन० सिश्चा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रा**यु**क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

तारीख: 10 प्रक्तूबर 1974

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन मूचना

भारत सरकार

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज लखनऊ का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक, 10 भ्रष्ट्बर 1974

निर्देश सं० 28-एम/ग्रर्जन—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं०—है जो, मु० सागर सराय में स्थित है (ग्रीर

उससे उपाबड अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता

भिकारी के कार्यालय मुगदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य रो क्षम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक कप से
कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीनकर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

श्रीर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कः के मध्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखत किए गए हैं।

श्वतः ग्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रथिन:⊶ 1. श्रीमती राजरानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री मंगल मेन चन्दल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह श्रिभ्स्वित िक्या जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला जिसका क्षेत्रफल 92 वर्ग गज है भौर जोकि मुहल्ला सागर सराय मुरादाबाद में स्थित है।

> कें० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लखनऊ

दिनांकः 10 प्रक्टूबर 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-II, कलकत्ता दिनोक 7 सम्तुबर 1974

निर्देश सं० एसि०-53/आर-II/कलकता/74-75--यतः मुझे

बटानी म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000 रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 57/2 है, जो डायमन्ड हारवर रोड, थाना, इकबालपूर, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एन्स्युरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-3-1974 को पर्बोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ग्राचिंना रानी दा (ग्रान्तरक)
 12, शिव कृष्णा दा लेन कलकता-7
- 2. मैसर्स लान्ड्स हाऊसिंग्स एण्ड डेबलपमेन्टकं० 3, मैन्गो लेन, कलकत्ता-1 (अन्तरिसी) (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबब है)
 - 3. (1) श्रीमती ग्ररुणा रानी दा
 - (2) श्रीमती अजन्ता रानी दत्ता
 - (3) श्रीमती ग्रमिता रानी वा
 - (4) श्री श्ररीम चन्द्रवा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सं० नं० 57/2, डायमन्ड हारबर रोड, थाना इकबालपूर, कलकत्ता में स्थित, 1 बीधा, 1चिट्टाक 41 वर्ग फीट क्षेत्रफल जमीन का मिभवाजित पांच का एक हिस्सा।

> श्रा२० एल० बुटानी सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-II, पी०-13, चीरंगी स्कोयर, कलकत्ता-1

तारीख: 7-10-74

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), कार्यालय स्रजंन रेज-चार वम्बई

बम्बई दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1974

निर्देश स० ऐ० पी० 188/ग्राई० ए० मी० ए० ग्रार०-4/74-(निरीक्षण) भ्रजंन रेज-चार भ्रायक्षर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी स०एस० न० 304 सी० टी० एम० न० 884/8 (प्रश) श्रीर 884/9 है, जो मुलुन्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरको) भ्रौर भ्रन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत आयकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना और/या ,
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

स्रीर यत : स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के सञ्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा स्रिभिलिखित किए गए हैं।

न्नत मब, धारा 269-ग के न्ननुसरण में मैं, न्नायकर भिधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के न्नधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, न्नथीत —

- (1) श्री विकटर गेसकेटम इंडिया लि० एस०, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुन्ड बम्बई-80 । (श्रन्तरक)
- 2 ग्रेब्रिल इंडिया लि० एस० ३०४ लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मलुन्ड, बम्बई- 801 (श्रन्तरिती) 5—376GI/74

3. ग्रेबिल इन्डिया लि० वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हू।

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है, म्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो आयकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

(1) वे सभी दुकडे या जमीन का स्वीग या जमीन को आगरा रोड (जो ग्रभी लाल बहादुर शास्त्री मार्ग कहलाता है) गाव मुलुन्ड, ग्रभी बृहत्तर बम्बई मे शामिल और स्थित है और रिजस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई शहर और बम्बई उपनगर, जो माप में 2508 39 वर्गमीटर ग्रथित् 3000 वर्ग गत्र है और जिसका नगर सर्वेक्षण न० 304 (श्रश), सी० टी० एस० न० 884/8 (अश), 884/9 साथ मे, जिस पर बिल्डिंग खडी है।

(2) वे सभी टुकडे या जमीन का स्वोग जो आगरा रोड़ (जो सभी लाल बहादूर शास्त्री मार्ग कहलाता है) गाव मुलुन्ड-बृहत्तर बम्बई मे, और रिजस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई शहर और बम्बई उपनगर और जिसका नगर सर्वेक्षण न० 304 और 305, सी० टी० एस० न० 884 (अश), 884/8 (अश) और 884/10 जो माप में 6,249 84 वर्गमीटर (जो 7,475 वर्गणज के बराबर है) माथ मे जिस पर बिन्डिंग खड़ी है।

बिल्डिंग जो जमीन पर खडी है जिसका म्युनिसिपल वार्ड और म्ट्रीट न० टी० 2674 भ्रोर टी० 2674(2) है।

ग० सो० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-चार बम्बर्डू।

तारीख 1 भ्रम्त्बर, 1974 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 30-9-1974

निर्देश सं०/एन-9/74(6)1/172--यतः, मुझे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है फ्रौर जिसकी सं क्षेक्टरी बिल्डिंग है, जो चैनपुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, निवाई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 प्रप्रल 1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अधोत् :—

- (1) मैंसर्स सिफलकर ब्रद्स (इडिया) लिमिटेड कं० रिजस्टेर्ड कार्यालय ताज बिल्डिंग 210 दादाभाई नारोजी रोड बम्बई द्वारा श्री रवीन्द्र काक पुत्र श्री निरंजन नाथ काक सेकेटरी एवं मस्त्यार खास उपरोक्त कं० (अन्तरक)
- (2) रिव मेहता पुत्र श्री किशोर मल महता निवासी कोटा हाल निवासी निवाई जिला टीफ (राज०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए पतव्दार कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अनत सम्पात्त के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना धी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राम चैनपुरा तह० निवाई जिला टौक स्थित कम्पनी की बिल्डिंग जो कि खसरा नं० 835,837, 1000 व 10001 भूमि पर निर्मित है बिल्डिंग में निम्न शामिल हैं फैक्टरी शेड 60'×70'×30'× भोबर हैंड, वाटर स्टोरेज, टैक 30' ऊंचा । दो गेस्ट इस 'रसोई मय सनेटरी फिटिंग। श्रार० मी० सी० का निर्मित लंचक्म, मोटर गैरेज, गोडाउन तथा जनश्टर हम।

घी० पी० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज जयपुर

तारीख : 30-9-1974

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

न्नायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल कार्यालय

दिनांक, 11 ग्रक्टूबर, 1974

निर्देश सं० एम० ग्रार० भोपाल 1 मार्च 1974--यतः, मुझं एम० एफ० मुन्शी श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रधिक श्रौर जिसकी सं मकान नं ० 9 का हिस्सा है, जो मुनलिन पारोड़ में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दु*ण्*यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐ से भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रौर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनबकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत : ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यधाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत : ग्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री मेसर्स राजपुताना मोटर्स 13 महारानी रोड़ इंदौर (श्रन्तरक)
- (2) ताहिरा असरफः पुत्नी डा मोहम्मद असगर अली पत्नी डा० ग्रहमद परिखान कमानी दरवाजा, जावरा एम० पी० जनरल मैनेजर टेलीकमन्यूकेन एम० पी० सर्कल, भोपाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा म्रागे यह म्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के म्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए म्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मुनिसपल मकान नं० 1 का हिस्सा स्थित सुल्तानिया रोड़, भोपाल।

> एम० एफ० मुंशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 11 प्रक्टूबर 1974

है:---

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार निरीक्षक सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त का कार्यालय म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अक्तूबर 1974

निदेश सं० एस० म्रार०/खालियर/मार्च/ 1974--म्रातः मुझे एम० एफ० मुन्शी, श्रधिनियम, (1961 भ्रायकर 1961 43 की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान है, जो लक्ष्मीबाई रोड, लक्कर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार भन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि

श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से

भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना श्रौर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, (1922 का 11) या ग्रधिनियम, (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भ्रोर अतः भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए हैं। अतः अब धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात् :--

- 1. (1) श्री भासकर राव पुत्र श्री बल्वेष राव लक्ष्कर
 - (2) श्री रामनाथ वर्मापुत्रश्री लालाराम जीवर्मा लक्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती सावित्री देवी गुप्ता पति श्री बाब लाल गप्ता लम्कर
- (2) श्री गंगाराम पूत्र कैरीमल लक्कर (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतव-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति भाक्षेप यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पू**र्वोक्त व्**यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए भ्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भ्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रोर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान स्थित लक्ष्मीबाई रोड, फलवाला गेट के सामने लक्ष्कर, खालियर ।

> मन्शी एफ० प्राधिकारी मक्षम सहायक भ्रायकरप्रधायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 11-10-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० एस० भ्रार० /बिलासपुर मार्च-1974—-यतः एम० एफ० मुन्शी, आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है, जो गोडपारा विलासपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय बिलासपूर में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन मार्च, 1974 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिपल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सावित्री बाई

- (2) श्रीमती कीमती बाई पति श्री कन्हैयालाल
- (3) श्रीमती रागनी बाई पति श्री गनेश प्रसाद
- (4) श्रीमती सुन्दरी बाई पित सुसदरलाल
- (5) श्रीमती कल्लाबाई पति श्री कैदार नाथ
- (6) श्रीमती <mark>विद्याबाई प</mark>ति श्री गोपीलाल द्वारा गोपीलाल सराफ निवास गोडापार विलासपुर। (श्रन्तरक)
- 2 (1) श्री रामलाल पुत्र श्री प्रभुदयाल गुप्ता
 - (2) श्री मदनलाल पुत्र श्री रामिकशन गुप्ता निवासी पेन्डा रोड, तहसील विलासपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो:——

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्दारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतवक्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट भीर मकान स्थित गोडपारा विलासपुर । एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-10-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रंज अमृतसर

दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ग्रमृतसर/जालंधर/एपी-1290/74-75---यतः मुझे डी० एस० गुप्ता अधिनियम, 1961 (1961 का की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 कोठी नं० 291 मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10936 मार्च 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर जालंधर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा**बद्ध श्रनुसूची** में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269- ध के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातू:—

- (1) जय सिंह पुत्र गुरिवत्त सिंह पुत्र मेंला राम 270 सट्ट्रेल टाऊन जालंधर (ग्रन्तरक)
- (2) सरदार बक्शीय सिंह पुत्र गुरबचन सिंह वासी झोनोवाल जिला होशियारपुर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हीं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आयेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे श्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 291 मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10936 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज श्रमृतसर

नारीख 28 सितम्बर 1974 मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायक्षर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, म्रमृतसर अमृतसर दिनांक 28 सितम्बर 1974

ग्रम्तसर/फगवाडा/एपी-1291 /74-75---मुझे आयकर अधिनियम, डी० एस० गुप्ता (1961 का 43) की धारा 269-W विशवास के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रुपए से अधिक है भीर धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० मार्च 1974 लिखा है, जो जी० टी० रोड, फगवाडा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974 सम्पत्ति मार्चको पूर्वीवत के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमे के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये मुकर बनाना;

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (2)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1-) श्रीमती सतनाम कौर विधवा श्री मोहन सिंह वासी गांव हदियाबाद (फगवाडा) (ग्रन्तरक)
- (2) लाल चंद पुन्न राम दास मल मार्फत मैसर्ज नैणनल फाउंडरी जी० टी० रोड़, फगवाड़ा (म्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में भिन्न रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यकाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखिस में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आश्रेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतदृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्डीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूषी

धरती जी० टी० रोड़ फगवाड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2283 मार्च 1974 को लिखा है। रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, फगवाड़ा में।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेंज, घ्रमृतसर

तारीखा: 28 सितम्बर 1974

ोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर दिनाँक

निदेश सं० भ्रमृतसर/जालंधर/एपी-1289/74-75--यतः मुझे डी० एस० गुप्ता श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मत्य 25,000/- रुपये से अधिक ग्रीर जिसकी सं० 1/2 कोटी नं० 29/मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10920 मार्च 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर,जालंधर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध <mark>श्रनसूची में श्रौर पूर्ण</mark> रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्करण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16) के ग्रधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात्:----

- (1) जय सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह पुत्र मेला राम, 270, सैंट्रल टाउन, जालंधर (श्रन्तरक)
- (2) श्रवजीत कौर पुत्नी वलवंत सिंह पुत्र दीदार सिंह वासी झोनोवाल जिला होशियारपूर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 291 मास्टर मोतासिह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10920 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकसी ग्रिधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, स्थाम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजंन रेज श्रमृतसर।

तारीखः मोहरः

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक ।। भ्रमसूबर 1974

निर्देश सं० एस० धार०/रायपुर/4मार्च1974~~यत. मुझे एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम. (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं०पी० सी० नं० 107 है, जो वानुवख नं० 170 में स्थित है (और इसमे उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत भिधिकारी के कार्यालय, रायपुर ग्राम **चिरहुलदेव** रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-3-1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अम्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय थाया गया ऐसे अन्सरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 को 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्मिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अं।र यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

। श्री ठाकुर प्रताप सिंह पुत्न ठा० रामलाल सिंह निवास ग्राम अञ्चरवाला तहसील कटनी

(बन्तरकः)

- अर्था करमुमल पुत्र श्री लेड्सल, गनेणराम नगर रायपुर
 - (1) भी हरीकिणन
 - (2) श्री चन्व
 - (3) प्रकाश पुत्रगण श्री सन्शासल
 - (4) श्रीमती मीराबाई पत्नी श्री मन्गामल
- (5) कुमारी परमेसरी बाई ईप्यरी बाई, क्रुष्णाबाई पृक्षिया, श्री मन्यामल निवास गणेशराम नगर, रायपुर द्वारा मैसमं रूपकला क्लोध सोप, मालविया रोड, रायपुर।
 (बन्सरिती)

को य**ह सू**चना जारी करके पू**र्वोक्त** सम्पत्ति के अर्<mark>जन के जि</mark>र एतद्यक्कारा कार्यवाहियां भुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, पदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है नथा सम्पत्ति के अन्तरित्री को बी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रेपो की अनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्रापर्टीस स्थित प्राम चिसहुलदेव पी० मी० व० 107 बनुबास्त नं० 170, तहसील भौर जिला रायपुर ।

> एम० एफ० मुन्ती सक्षम प्राधिकारी सङ्गामक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीक 11-19-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज अमृतसर

अमससर दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ग्रम्तसर/आलधर/एपी-1297/74-75--यत

मुझे, डी० एस० गुप्ता अधिनियम, (1961 1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पलि, जिसका मूल्य 25,000 ६० से बाजार भीर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विकेख नं० 10717 मार्च 1974 लिखा है, जो बस्ती दानिशमंदां, जालंधर में स्थित 🕏 (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974. मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पामा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने केलिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनानाः

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याग 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) द्गीदेवी पत्नी अमर नाथ पुत्र किरपा राम वासी बस्ती बाबा खेल, जालंधर।
- (2) मैसर्ज रेखा लैण्ड (प्रा०) लिमिटेड, त्राच भाफिस सामने नाज सिनेमा जालंधर मार्फंत कृष्ण कुमार मैनेजिंग श्रायरैक्टर फर्म (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (घह व्यक्ति जिसके प्रधिभाग मे मधोहस्माक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवझ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्धारा कार्यवाहिया गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य थ्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचिस किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे में अधिसूष्टित विया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अधिपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परदीक्षरण :--इसमे प्रयुवत गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ सोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रमुसूची

धरती बस्ती दानिशमंदौं जालंधर जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख मं० 10717 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में जिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) मर्जन रेंज अमृतसर

28-9-1974 तारीख मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भाकसर भायकत (निरीक्षण) का कामिलय ग्राजीन रेंज, भानतसर

यमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/पी० एच० एल०/एपी-1294/ 74-75---यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सापित, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/~ ह० से अधिक है ग्रौर जिस की सं० धरती, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4527 मार्च 1974 लिखा है, जो गांव पासला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्व भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च को पूर्वीक्ति सम्पति उचित के बाजार मूल्य मे भाग के दृश्यमान प्रतिफल के लिगे रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तिन्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत अन्तरण निखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के फब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-च के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्मलिखित केत्रयों अर्थात्:---

- (1) श्री लक्खा सिंह पुत्र राम सिंह, गांव पासला त० फिल्लीर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीजोगिन्द्र मिंह पुत्र काबूल सिंह गाँव पासला त० फिल्लोर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थाधर सम्बोत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिभूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है नथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे श्यित्स को, जिसे पृथंवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--दसमें प्रयुवत शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

धरती गांव पासला में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4527 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फिल्लौर में लिखा है ।

> षी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रजैन रॅंज, भ्रमुनसर

नारीख . 28 सितम्बर 1974 मोहर

धायकण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भर्जनिरेज, भोपाल

भोपाल दिनाक 11 अन्तुबर 1974

एस॰ घार०/भोपाल/ मार्च,/1974--- घत मुन्शी आयकर मुझे एम० एफ० अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है भीर जिसकी प्लाट नं० 3 है, जो श्रल्पना टाकीज, के पास मे स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अघिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 2-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके षृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देण्य स अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर धनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

नौर अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

मैसर्स श्री दुसैनी द्रेडिंग कस्पनी बैक ऑफ

बडौदा के पीछे हमीदीपा रोड, भोपाल

(भन्तरक)

श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री चिरोजीलाल उपल विलाक नं० 13, भवार्टर नं० 156, गोविन्द नगर, कानपुर-6

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनदद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकें।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसं अयिक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की स्नवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा- परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याम में विया गया हैं।

सन्सूची

एक प्लाट अलाक नं० 3 रमजान होटल के पास भारूपना राकीज हर्ति।दिया रोड, भोपाल एरिया 3432 वर्गफीट। एस० एफ० मुल्ही सक्षम प्राधिकारी

मझायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 11-10-74 मोहर.

PART III-SEC. 1]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

धर्जन रेज, भोषाव भोषाल, दिनांक 11 धक्तूबर, 1974

मिदेश मं० एस० घार० /भोपाल/मार्च, 1974—-यत पृक्षे एम० एफ० मुन्ही, ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है घौर जिसकी म० मजान नं० 9 है. जो सुरुतानिया गेष्ठ में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची मे भौर पूर्ण कप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भोपाल मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम . 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन मार्च, 1974

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ला) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरको द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा 1) के अधीन मिम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः :--- मैससं राजपूताना मोटसं.
 13 महारानी रोड इन्दौर।

(ग्रन्तरक्)

श्री आबिद भ्रमी पुत्र काल मोहस्सट भ्रजगर भ्रमी,
 पेरो रोड बान्त्रा बाम्बे ।

(भ्रन्तरिती)

 जनरल मैनेजर टेली० कमन्य्येशन एम० पी० सर्कल भोषाल ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करक पूर्वीचित सम्पन्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, नो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मै किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीक्ष से 4 दिन के भीतर उवस स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिव कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को यी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्वाकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

स्युनिसियल मकान न० 9 वा गाजिलास्थित सुस्तानिया रोब भोषाल ।

> एम० एफ० मुझी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, धोपाल

तारीच 11-10-74

मोहर .

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनाक । । भ्रक्तूबर, 1974

निवेश म० एस० ग्रार०/भोपाल/मार्च , 1974—यतः मुझे म्फार मुन्धी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269खा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मुल्य 25,900/-रुपये में प्रधिक है भीर भौर जिसकी सं म्युनिसपल नं 1 है, जो सुल्तानिया रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना भ्रधिकारी के कार्यालय भोपाल मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) कै मधीन मार्च, 1974 को सम्पक्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार श्रन्तरित की गई है फ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच तथ पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उपन ग्रन्तरण लिखित में भास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रीधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्थाने के लिए सुकर बनामा ; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घारिसयो, को जिन्हें भारतीय श्राय-कर धिंतियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधितियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः श्रायकर भिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्यक्ति सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रमिलिखित किए गए हैं।

धतः ग्रंब, धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, भागकर प्रिक्षिन नियम 1961 (1961 का 43)) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— मैसर्स राजपूताना मोटर्स
 13, महारानी रोड, इन्द्रीर

(घन्तरक)

- श्री महाअद अली पुत्र डा० मोहम्मद प्रजगर प्रली (अन्तरिती)
- ननरल मैनेजर टेली कमन्य्केणन एम० पी० सरकल भोपाल ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए एस**द्**दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एसब्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के धर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए भाक्षपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भाक्षेप किया है नथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है श्राक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिक्षकार होगा।

स्पद्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, को उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक हिस्सा सुरुतानिया रोड, म्युनिसपल सकान न० एक भुस्तानिया रोड भोपाल।

> एम० एफ० मुन्हीं सक्षम प्राधिकारी सङ्कायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-10-74

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत मरकार

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) का कार्थालय श्रजंत रेच, श्रम्तमर अमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेश स० ग्रम्तमर/जालधर/एवी-1298/74-75---यत भूमो क्वी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- भ्रथ्ये से अधिक है भीर जिस की सं० धरती जैमा कि र्राजिश्ट्रीकृत विलेख नं० 10871 मार्च 1974 लिखा है जो वस्ती दानशमंदा, जालंधर में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 1 त) के श्रधीन 1974 मार्च को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित्र काजार सन्य सेक्स के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमी यह विष्यास घरने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छ्ह प्रतिशन अधिक है और यह कि अन्तर्य (अन्तरको) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण, के लिए प्रतिफल निम्निणिखन उद्देश्य में उनत अन्भरण सिण्यित म बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्सी कर्न था उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या विसी घन या अन्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 / 1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहित था, छिपाने के लिए गुक्रण यनाता।

और यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-य में शब्दों में पूर्वीदत्त राम्पान के आर्थन के निष् कार्य भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

असः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 पा 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री बाबा राम पुत्र श्री किरपा राम वासी बस्ती वाबा खेल, जालंधर (अस्तरक)
- (2) रेखा लैण्डम (प्रा०) लिमिटेड, जालधर (प्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है। (बह क्र्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ब्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहम्ताक्षरी जानना है कि यह सम्पत्ति में हिन हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। एसवृक्षारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावन भम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे त्यिकत की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परहीकरण .---इसमे प्रयुक्त णब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती. वस्ती वानिशमवा जालधर जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख न० 10871 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जासंग्रद में लिखा है।

> डी० एस० गुप्सा सक्षम प्रधिकारी महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन म्चना

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनक

नखनऊ. नारीख 10-10-1974

निर्देण स० उ5एस/प्राजने~~यत मुझे, के० एन० मिश्रा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करनेका कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका नित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है मीर जिसकी संव है जो, ग्राम चरगाव जि० गोरखपूर में स्थित है (धीर उससे उपायद अन्सची मे और पूर्ण रूप से विणित 😮) । रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय गोरखपुर में भारतीय रेजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-3-74 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, न्यिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे विश्वने के लिए सुकर बनाना; और
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियो, कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और अनः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही एक वरने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिल व्यक्तियो, अर्थात्:—

- (1) मैं० बजाज फ्लोर मिल (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० मेठी फ्लोर मिल (प्रा० लि०) (प्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एसद्दारा कार्यवाहियां शरू करना हूं।

उत्रत सम्प्रसि के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तां-

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अर्थाध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (आ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थाम नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हुर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गर्ड है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भन्सची जैसा कि श्रेग्रेजी Version के साथ संस्थान है।

के॰ एम॰ किश्रा सक्षम प्राधिकारी प्रशासक भायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 10-10-74

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत मरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर स्राय्क्त (निरीक्षण) श्रार्वन रेज III, कलकत्ता

म'लपता, दिनाव 19 ग्रक्तूबर 1974

निर्देश स० 262/एक रे III /74-75/कल—यत मुझे एल ० के० बाल सूत्रमनियन भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 43) धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है वि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक श्रीर जिसकी स० 72 है, जो बेक्बागान रो, थाना कराया, क्लक्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिवारी के कार्यालय जिला रजिस्ट्रार, ग्रालिपुर, 24 परगना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 23-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिल किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

 श्री त्राबदुर रेज्जाक श्रोममान 28 ए, रामप्रमाद माहा जोरासाको, कलकत्ता-2।

- 2 श्री महम्मार कासिम श्रीसमान 28 ए०, राम प्रसाद साहा नेन गोरासाको, कलक्ता-2।
- उ श्रीमती ममुद्रीसा वार्र 28 ए. राम प्रसाद साहा लेन जारासाको , कलकत्ता-2।
- 4 श्रीमती हाजरा वाई 28 ए. राम प्रमाद साहा लेन जोरासाकी, ब'लबत्ता-2।
- 5 श्रीमती श्रामना बाई 28 ए, राम प्रमाद माहा लेन जोरासाकी, ऋल्≉ला-2।
- 6 श्रीमती मरियाम बाई 28 ए, राम प्रमाद माहा लेन जारासाको, कलकता-2।
- 7 श्रीमती जैनाब बाई मान्डभि, थाना मान्डिम कछ्छ, गुजराट।
 - 8 स्त्राटिजा वार्ड मान्डिन, थाना मान्डिभ व छ्छगुजराट। (श्रन्तरक)

श्री जहुरूल इसलाम 28, ब्राइट स्ट्रीट तलकत्ता-27। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयक्त गब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है

अनुसूची

वरीब 4 कठ्ठा 22 छटाक 22 स्का फुट जमीन साथ उसपर अबस्थित एक तत्ना असम्पुर्न मनान का अर्धाण जा पौर स० 72 बेकबागान रो, थाना कराया, क्लकत्ता पर अबस्थित और जा जिला रिजिस्ट्रार, श्रालिपुर 21 रपरगना क्षारा रिजिस्ट्री हम्रा दिनल स० अनुसार है।

एल० क० बाल सुत्रमितयन मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्षर ग्रासुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता।

तारीख 19-10-74 मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक प्रायक्षर प्रायक्षत (निरीक्षण) अर्जन रेज प्रमृतसर कार्यालय

नारीख 19 ग्रक्तूबर 1974

निदेश म० ग्रम्तसर/बीटी डी/एपी 1 358/ 7-75--यत: मुझे पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ने 949 मार्च 1974 है, जो जैतो मण्डी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावतः अनुमुची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीर्ता म्रधिकारी के कार्यालय जतो मे भारतीय रजिस्टु-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1974 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजरट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बींच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया 'गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के भव्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री मिलखी राम सपुन्न बालक राम, जैतो (ग्रन्तरक)
- (2) बन्तराम एण्ड कम्पनी जैतो (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में भग्नीहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहम्लाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्हारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :---

- (कः) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वा ा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतय्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 949 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जैनो में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सज्ञम प्रधिकारी महायक ग्रा**य**कर श्रा**युक्**त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रमृतसर

तारीख: 9 मन्त्वर 1974

मोह्यर :

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीकी सहायक यायकर ग्रायुक्त धर्जन रेज, लखनऊ

नारीख 10-10-1974

निदेश तं० 7-यू/श्रजंन—-यतः, मुझे के० एन० मिश्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/-रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी मं० सी-20/1-62 है जो, नई पोखरी में स्थित हैं (ग्रीर उससे उपाबद ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रामा कान्त नगर वाराणसी रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण र्ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य सेकम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिसियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तिकों, की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अस: अब, धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) शिवनाथ सिंह (ग्रन्तरक)
- (2) उमिला निपाठी (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**स्**ची

एक किता मकान जिसका न ० सी-20/1-62 है, जो मोहल्ला नई पोखरी रामाकान्त नगर, वाराणसी में स्थित है।

> के० एन० मिश्रा गक्षम प्राधिकारी महायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्मे रेज, लखनऊ

नारीख: 10-10-1971

मोड्डर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक ग्रायकर भामुकत भार्जन, रेज लखनऊ

तारीख 10-10-1974

निदेश स० 26-ग्रार/ग्रर्जन—यन: मुझे के० एन० मिश्रा **आयकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रुपये से अधिक है **भौ**र जिसकी स० डी-57/58 हैं जो, सिगरा, कस्तूरबा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) नगर कालोनी वाराणसी रजिरदीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-3-1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-भाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा २०९ग के अनुसरण मे, मैं, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मुणाल बनर्जी (भन्तरक)
- (2) श्रीमनी राधा रानी व मन्य (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसृची

एक किता मकान नं बी - 57/58 (श्राधा भाग) तथा जिसका क्षेत्रफल 8 विस्वा है, जो सिगरा, कस्तूरका ननर कालोनी बाराणसी में स्थित है)

के० एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 10-10-1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरोक्षी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन लखनऊ कार्यालय

नारीख 10-10-1974

निदेश सं० 27ए/ग्रर्जन--यतः, मुझे के० एन० मिश्रा अधिनियम, 1961 (1961 की घारा 269 ख अधीन प्राधिकारी **को, यह वि**श्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से अधिक है भीर जिस की संख्या एस-29/411 है जो. शिवपूर वाराणसी मे स्थित हैं (भार उससे उपावड अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणमी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 1-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम २० क के मध्यां में पूर्वायत सम्मति के अर्धन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिजिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधि-नियम,1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) शंकर लाल जालान व ग्रन्य (भन्तरक)
- (2) अभिमन्य कुमार व भन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचिन किया जाता है वि इस स्थावन सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सूचनाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार हागा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ किता सकान जिसका नं ० एस-29/411 तथा क्षेत्रफल 1 विक्या है, मोइल्ला शिवकुर वाराणमी में स्थित है।

> के०एन० मिश्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भार्तन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-10-1974

भाहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1,

श्रह्मदाबाद, दिनांक 1 श्रक्टूबर, 1974

यत:, मझे, जे० कथ्रिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 578/1, टी०पी०एस० नं 3 है, जो मादलपुर (छादाबाइ), ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारती रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के श्रधीन 4-5-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपःल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अग्निनयम, 1961 (1961 का 43) के अग्नीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शक्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. शीमती कृदसबेन समाजान, "मोतीताम", वित्तमश्रीज. अहमक्षाबाद । (ग्रन्तरक)
- सत्य स्मृति को-ग्रापरेटिव हाउभिग मोमाइटी लिमि-टेड के हेतृ तथा उसकी श्रोर से,

- (1) चयरमैन:—श्री किरीट कुमार हीरालाल, टंकशाल, ब्रह्मदाबाद। (2) मैंकेटरी.—श्री नानजीमाई पोपटलाल, सारंगपुर, तलीयानी पोल, श्रहमददाबाद। (श्रन्तरिती) (3) मेम्बर आफ कमेटी:-अमरत लाल धनजीभाई पालडी, अहमदाबा
- (3) (1' श्री चमन लाल पृष्ठपोत्तम ग्राचार्य (2) श्री
 मधुकर पोपटलाल, (3) श्री नरशीभाई चीमनलाल. (4)
 श्री रवजीभाई चीमनलाल पटेल, (5) श्रो० णान्ति मुकरजी,
 (6) श्री एरेणभाई विनायकराव मेहता, मोनीबाग, एलिसब्रिज, श्रह्मदाबाद। (वह व्यक्ति जिनके ग्रिधिमोग
 में मम्पत्ति है।
 - (4) श्री श्रमीत कुमार श्रम्बालाल (वह व्यक्ति, जिसके (बारे में श्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हपाद्शीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक श्रचल सम्पत्ति (बंगला, गैंग्ज तथा ग्राउट हानु-सीम सहित) जिसके म्युनिमिपल सैंसन नं० 308, 308/1, 308/ए०, 308/ए०/1, 308/ए०/2, 308/ए०/3, 308/ए०/ 4, 308/ए०/5 तथा सर्वे नं० 578/5, 578/6, 578/7, 578/8, 578/9, 578/10, 578/11 है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 578/1, टी० पी० एम० नं० 3ऐ० है, श्रीर जो गावलपुर, (छादावाए), गटभयाबाट में स्थित है, श्रीर जिसकी सीमाएं निम्नलिखन है:---

पूर्व :--फायनल प्लाट नं० 578/2, पश्चिम :--फायनल प्लाट नं० 578/7, प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, गहायक श्रायकर श्रागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, णियांग णिलाग, दिनांक 3 श्रस्ट्वर 74

निर्देश स० ए०-७०/दिबीम्राग/७४-७५-२६८९-१६—यतः, मुझे, एन० पचुम्री
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
भौग जिसकी सं० पि० नं० ९, 'लाट नं० एस० इटल्यू०/
3/4/34 भौग 33, दाडा न० 56 गांव—निजमोनकोटा,
मौजा—मानकोटा, खानिकर, डिबरूगढ में स्थित है (भ्रोग इसमे
उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोग पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, डिबरूगढ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्राधिक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के निए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री श्रविद्र रहमान, मन ग्राफ लेट ग्रवदुर रहमान, लाखटोकिया, गोहाटी, (ग्रन्तरक)
 - श्री नाजिम्हीन ब्रह्मद, पंचन्त्रलि, डिबस्गढ़, ब्रासाम । (ब्रतिनि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के एनद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जामिन के माप 1 (एक) विवा 4 (चार) काता जो कि गांव निजमोनकोटा, मौजा—मान कोटा, खानिकर, जिला डिबरूगढ, श्रामाम प्रदेश में हैं। ग्रौर यह पत्ता न० 1, प्लाट न० एम० डथ्ल्य ०/3/4/34 श्रौर 33, दाग नं० 56 में पड़ी हैं।

गृन० पचुत्रौ, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 3-10-74 सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मोहर: भ्रजैन रेंज, शिलांग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

तार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रयजैन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 11 अन्तूबर, 1974

निदेश मं० एम० घार०/भोपाल/मार्च/1974—- घत: मुझे एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घाण 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रूपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 9 है, जो मुल्तानिया रोड का हिस्सा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यिनतयों, अर्थात :---

मैसर्स राजपूताना मोटमं
 13, महारानी रोड, इन्दौर ।

(भ्रन्थरक)

2. श्री मुम्मताज भ्रती पुत्र मोहम्मद मजगर भ्रती कम्मानी दरवाजा, ज्वावरा (एम०पी०) ।

(मन्तरिती)

 जनरल मैनेजर टेली कमन्यकेमन एम० पी० सर्कल, भोपाल ।

(वह व्यक्ति जिसके भिधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एस व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

म्युनिसिपल मकान नं० 9 का हिस्सा स्थित मुल्तानिया रोड, भोपाल ।

> एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपास

तारीख: 11-10-74

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के श्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1974 निदेश सं० एस० श्रार० /भोपाल/मार्चे 1974—यतः मुझे एम० एफ० भुन्मी, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से श्रधिक है भीर जिसकी सं० मकान नं० 9 का हिस्सा है, जो सुल्तानिया रोड, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्टी कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहो शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिए किए गए, हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---8-376GI/74 मैसर्स राजपूताना मोटर्स नं ० 13 महारानी रोड, इन्दौर ।

(भन्तरक)

- 2. श्री खाबिद मली पुत्र डा॰ मोहम्मद मजगर मली गफूर खां की बजरिया, मकान नं॰ 93, इन्दौर (मन्तरिती)
- अनरल मैनेजर टेली कमन्यूकेशन एम० पी० सरकल, भोपाल ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस-सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतब्ढ़ारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आकेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हिस्सा म्युनिसिपल भकान नं० 9 स्थित सुल्तानिया रोड, भोपाल ।

> एम० एफ० मुण्यी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 11-10-74

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त का (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 ग्रक्तूबर, 1974

निदेश सं० एस० मार० /भोपाल/मार्च/1974—मतः मुझे एम० एम० मुंशी

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उ**चित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपये से अधिक है झौर जिसकी संख्या मकान नं० 9 दो मंजिला बना हुन्ना सुल्तानिया रोड, में स्थित है (मौर इससे

उपाबन्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण **मधि**नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनामा और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अमुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैसर्स राजपूताना मोटर्स, 13, महारानी बाई, रोड, इन्बौर ।

(भ्रम्तरक)

- 2. कुमारी फरहाद बानू, पिता डा० मोहम्मद बजगर झली मकान नं 13, गफूर खां की बजरिया, इन्दौर। (भन्तरिती)
- जनरल मैनेजर टेली कमन्युकेशन, एम० पी० सर्नेल, भोपाल ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धाराकार्यवाहियाँ शुरूकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकें।

एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसदद्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्सि को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्ठीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

म्युनिसिपल. मकान नं० ९ का दो मंजिला का द्विस्सा स्थित, सुल्तालिया होड, भोपाल।

> एम ७ एफ ० मुंशी सकाम प्राधिकारी सक्षायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-10-74

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज,

ममुतसर, विनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०ग्रार०/ए०पी०-1262/74-75—यतः, मुझे, श्री० एस० गुप्ता श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है भौर जिसकी संख्या धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10080 मार्च, 1974 में लिखा है, जो जांडियाला में स्थित है (भौर ६ससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पृणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974 मान,

को पूर्वोक्ति सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीइटस विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायिरव में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुद्ध करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री गुज्जर सिंह पुत्र श्री वीर सिंह वासी जंखियाला गुरू। (ग्रन्तरफ)
- (2) श्री संत निरंकारी मंडल (रजि॰), संत निरंकारी कालोनी, दिल्ली-9 (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाए और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किय है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अघ्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अघ्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

धरती जंडियाला में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10080 मार्च 1974 को रस्जिट्रीकर्ता प्रधिकारी, प्रमृत-सर में लिखा है।

ष्टी० एस० गुप्ता, तारीखः 28-9-197ः सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

मोहर: ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज भमृतसर का कार्यौलय अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालंधर/एपी-1299/74-75- यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता,

अधिनियम, 1961 भायकर (1961 43) 269-ख के अधीन धारा सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है भीर जिस की सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10812 मार्च 1974 लिखा है, जो वस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च को पूर्वा-चित सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के पुरस्कान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई जिसी शाथ की बाबत ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कं के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिल किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की ' अपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) दिलवाग सिंह पुत्र ऊधम सिंह भतानी कमलजीत कौर गासी 300-एल माडल टाउन, जालंधर (भन्तरक)
- (2) एस० माई० प्रिक्स एण्ड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड चौक दीपक सिनेमा, लुधियाना (मन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई क्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं :---

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सबेगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पथ्टीकरण: ---इसमें प्रयुवत गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्सू की

धरती गांव बस्ती शेख में, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10812 मार्च 1974 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक ध्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज का कार्यालय, ध्रमृतसर श्रमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेश स० ASR/Phg/AP-1292/74-75--- यत मुझे जी० एस० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०से अधिक है और जिसकी स० धरती जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2268 मार्च 1974 लिखा है, जो फगवाडा गरबी मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण म्प मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मार्च

को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रनिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तिरिती (अन्तिरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिहक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) भ्रन्तरण से हुई जिसी भ्राय की बाबत श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने था उससे बचने के लिए सुक्षर बनाना; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी िषसी श्राय या विसी धन या प्रग्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत. श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए है।

भ्रतः भ्रव, धारा 269-घ के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) गुरदेव सिंह पुत्र गुरवक्ण सिंह वासी रामपुर सुनरा जी० ए० श्राफ श्री गुरमीत सिंह पुत्र पाल सिंह वासी पालाही (श्रन्सरक)
- (2) सुखदेव सिंह पुत्र चनन सिंह वासी भूलर्थी निरवेर सिंह पुत्र राम लोग, भादल न० फिल्लोर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग

मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति झाक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में क्षिए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचिस विया जाता है कि हर एसे त्र्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त गब्दो भीर पदो का, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं प्रथी होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती फगवाडा गरवी, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2268 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी फगवाडा में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, भ्रमृतसर

तारीख 28 सितम्बर 1974 मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज लखनऊ

लखनक,तारीख 10 अक्टूबर 1974

निदेश सं० 26-ए/फर्जन—यतः मुझे के० एन० मिश्रा सहायकर आयकर आयकर आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है धौर जिसकी सं० बी-739 है जो, महानगर हाऊसिंग स्कीम, लखनऊ में स्थित है (धौर उससे उपावद भनुसची में भौर पूर्ण स्प से, वर्षणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन 2-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बमाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अपेर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिकि कित विए गए हैं।

अतः अय, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-निथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) प्रेम चन्द्र टन्डन (ग्रन्तरक)
- (2) घनुल हसन घन्सारी (घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध- किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्परटीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका नं० बी-739 तथा क्षेत्रफल 9840 वर्गफुट है, महानगर हाउसिंग स्कीम, लखनऊ में स्थित हैं।

> के० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, भर्जन रेंज, लखनक

तारीख : 10-10-1974

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 19 श्रक्तूबर 1974

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/एफ० डी० के०/ए० पी०-1359/74-75--पतः मुझे पी० एन० मिलक, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीइन्त विलेख मं० 3717 मार्चे 1974 में लिखा है। जो भोलूबाला रोड फरीवकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फरीवकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 मार्च को

पूर्वोक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजरट्री कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये है।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) श्री देश राज, कशमीरी लाल मार्फत मैंसर्ज प्रीतम सिंह, जोगिन्द्र सिंह पूरानी गंदम मारकीट, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र लाल चन्द, सुरिन्द्र कुमार पुत्र राम नाथ जग्गन नाथ पुत्र परभाती राम बलिन्द्र सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह मार्फत कृष्ण कुमार जगदीश लाल पुरानी गंदम मार्कीट फरीदकोट। (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरीजानता है कि सम्पति में हितवद्र हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं; बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

धरती का टुकड़ा भोसूबाला रोड़ थर फरीदकोट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3717 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, करीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मिलकः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 19-10-1974

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

ष्टायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वे श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय श्रज्ने रेज दोन बम्बई

दिनांक 16 अन्दूबर 1974

निर्देश सं० घ० ६०2/992/2218/74-75--यत: मुझे वि॰ र॰ गृप्ते मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यहं विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचिप्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये** से श्रधिक है घोर जिस की सं० प्लाट न० 26, जुहू, विलेपालें इंट्ह० स्कीम के प्लाट नं ० 4/1 का ग्रंश है, जो जुहू में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद भनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-3-1974 सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ध्रमुसार घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई िसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रीवीत कर हेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यक्षः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय, 20-कं के शब्धों में पूर्वीकत सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः ग्रम, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर मधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सरदुलसिंह उदयसिंह महिदा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स/दुलेराय रतीलाल मेहता और विनोद दुलेराब मेहता (अन्तरिती)
- (3) श्रीमती कांचनलक्ष्मी दुलेराय मेहता कुमार चीरेन दुलेराय मेहता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में घ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह श्रिधस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचता के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए शारीख और स्थान नियस किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा धागे यह घिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वधर्ती पैरा के घधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए प्रधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त भव्दों धौर पदों का, जो आयकर प्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रंथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

वे सभी दुकड़े या कृषि भूमि का भाग या जमीन जो गांव जुहू दक्षिण सालसट तालुका, जिला बम्बई उपनगर रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्ना, भाप में 1460 वर्गगज प्रयत् 1220.70 वर्गमीटर या भासपास, जिसका प्लाट नं० 4/1 का प्लाट नं० 26 जुहूगांव, पालें विकास योजना में स्थित है और घिरा हैं: पूर्व की भीर से भंशत: प्लाट नं० 32 भीर 33 हारा, पश्चिम की भीर से 100 फुट मार्ग हारा, उत्तरकी भीर से 4/1 का प्लाट नं० 27 हारा भीर दिक्षण की और से 4/1 का प्लाट नं० 25 भीर एस० नं० 70 डी का भाग, जुहू गांव भीर जिसकी सीमा रेखा संलग्न प्लान में लाल रंग से खींची गई हैं।

वि० र० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज दोन बम्बई

तारीख: 16 ग्रन्तूबर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रमृतसर

धमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे यू एल/ ए आर -1312/74-75/:—-यत., मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- द० से अधिक प्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10634 मार्च, 1974 में लिखा है, जो दिलकुणा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पंचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भोर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भार्य-वाही को शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

शतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 9-376GI/74

- 1. कर्म सिंह मान पुत्र स० वसत सिंह मान, 389 लाजपत राय नगर, जालधर। 2 स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, जानी शंकर, सिंह पुत्रवल सिंह, नै निहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रतापसिंह मार्फल मैनेजमैट ग्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालधर। (अन्तरक)
 - 2. विविदर सिंह पुत्र लाहौरा सिंह वासी ससूरी (य० पी०) । (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है (वह ध्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 5. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्येवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त मध्यो और पदों का, जो सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

1/5 भाग दुकान न० दिलकुषा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 10634, मार्च, 1974 को रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी,जालधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी क्झायक ग्रायकर श्राबुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख : 28 मित्रवर, 1974

मोहरः

भायकर मितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमतसर अमृतसर, दिनांक 28 मिनम्बर 1974

निदेश सं० ए एस आर/जे यू एस/एपी/1284/74-75—-यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका चित्र बाजार मुख्य 25,000/- द० से अधिक है भीर जिसकी सं धर्मी जैसा कि रजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख नं 10363 मार्च, 1974 लिखा है, जो सतकरतार नगर, जालंधर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च पूर्वोक्त संपत्ति के उचित याजार मृल्य से कम के धुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बुश्यमास प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और मतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .—

(1) लैं० कर्नल शीदार सिंह पुत्र काहन सिंह पुत्र केसर सिंह, 631-बी न्य प्लासिया, इन्डीर । (अन्तरक)

- (2) जितिदर सिंह पुत्र सुञ्चा सिंह वासी जालंधर। (ग्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)।

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **कर्जन के** लिखे एतबुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावन सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गर आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एसद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हा ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गां है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर शिक्षित्यम, 1961 (1961 का अध्याद 20-क) में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, सन करनार नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10363 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है '

डी० एम० गुन्ता, मक्षम प्राधिकारी, तारीख 28-9-74 सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहरः श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, प्रमतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश मं० ए०एस०ग्रार०/मलोट/ए०पी०-1267/74-75-यत: मुझे डी० एस० गुप्ता श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-জ श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- ₹० मुख्य से प्रधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2456 मार्च 1974 में लिखा है, जो..में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मलोट मंडी में भारतीय रिजस्द्रीकरण ऋधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्वीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती इंद कौर पुत्नी जवाला सिंह वासी जंडवाला वासी चढ़त सिंह।

(भ्रन्तः कः)

- (2) श्री नद्य मिह पुत्र धर्म सिह, जडवाला चढत सिह (धन्तिश्ती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षारी जानता है)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस यूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर, सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐमे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2456 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मलोट मडी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता मक्षम अधिकारी

तारीख: 28 सितम्बर 1974 महायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) भोहर: श्रर्जन रेंज प्रमृतसर।

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज , प्रमुतसर

धमृतसर विनांक 28 सितम्बर 1974

निर्वेश सं० ए०एस० घार०/जेय्एल/एपी/270/74-75— यतः, मुझे डी० एस० गुष्ता सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिक्रिक है भीर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10884 मार्च 1974 लिखा है, जो लक्ष्मीपुरा, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंघर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्बों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :----

(1) जतिंदर सींघी पुत्र श्री दिवदर लाल सोंघी पुत्र इरिकशन लाल सीधी वासी बी-1 जो मानक नगर, लखनऊ भटानी भ्राफ श्री दिवदरलाल सोंधी पुत्र हरिकशन लाल वासी सालिंग निवास, लक्ष्मीपुरा, मोहत्ला जालंधर भ्रव वी-55 .सर्वोदय एनकलेव, नर्ड दिल्ली-17। (भ्रन्तरक)

- (2) श्री विश्वन सिंह पुत्र चंदा सिंह पुत्र छुल्ला सिंह गांव डाकखाना गढहा त० नकोदर श्रव वासी 292 मोहल्ला लक्ष्मीपुरा, जालंघर। (ग्रन्सरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रीधिभोग में ग्राधोहस्ताक्षारी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे मे ब्रधोहस्ताकारी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यवित को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 292 मोहल्ला लक्ष्मीपुरा जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 10884 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, जालंधर मे लिखा है।

> डी० एस० गुष्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजंनरेंज, म्रमृतसर।

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज श्रमृतसर का कार्यालय

अमतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए० पीं०-1287/74-75-यत: मुझे डी० एस० गृप्ता अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भायकर 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से अधिक उचित बाजार मूस्य श्रौर जिसकी स० धरती जैमा 🚭 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10851 मार्च 1974 लिखा है, जो प्रीत नगर, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्द्वीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उप्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **t**:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

मीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स के सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अधिनियम, 1961 (1961 新 भायकर की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- तारा सिंह पुत्र जवाहर सिंह पुत्र जेठा सिंह एन० बी० 291 लक्शमी पूरा, जालंधर
- श्री तिलक राज पुत्र राम रक्ष्या मल पुत्र चतर सिंह 6 जी० एन० स्ट्रीट, मद्रास मार्फत श्री विनोद कुमार उसका भाई। (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 पर है (बहुब्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रक्खता हो (वह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एउट्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिदा में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख घौर स्थान नियत किए जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा भाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिती को वी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे च्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना वो गई है, प्राक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही आर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

धरती प्रीतनगर जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10851 माच 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-1-74 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, अमतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निर्देश स० ए०एम० श्रार० / एक० ई ३० के० / ए०पी०-1265/ 7 1.75-यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5535 मार्च 1974 में लिखा है, जा फाजिलका में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्कन के लिए कार्यवाही मुख्य करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. चलदरबाली विधवा श्री नाथू सिंह उर्फ हार লেজ্ चागर खेड़ा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री फक्षीर चन्द पुत्र गिरधारी लाल पुत्र लिखमा राम मार्फत गिरधारी लाल श्रीर किसन कुमार विजय कुमार पुत्र लिखमा राम मार्फत लिखमा राम वासी चांगर खेडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्येवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जागेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अपिकत को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षे ों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख न० 5535 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

> डो० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीम्ब: 28 सितम्बर, 1974

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन-रेज अमृतसर

ध्रमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेश स० ए०एम० प्रार० मिलोट ए०पी०-1266 74-75—
यत: मुझे डी० एम० गुप्ता श्रायकर प्रधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
और जिसकी स० धरनी जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं०
2281 मार्च 1974 लिखा है, जो मलोट में स्थित है
(भौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मलौट मंडी में भारतीय
रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन
1974 मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए रिजिस्ट्री हत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अत., अब धारा 269-घ के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात —

- (1) श्री विरसा सिंह पुत्र तावा सिंह पुत्र में। सिंह वासी भगवान पुरा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरमेहर सिंह पुत्र फौजा सिंह पुत्र केहर सिंह वासी भगवान पुरा। (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि न० 2 पण है। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में
 श्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हिनवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्द्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति ो में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचन। हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐमा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यांक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2281 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलीट मडी में लिखा है।

> ड़ी०एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रामुक्त (निर्राक्षण) प्रजैन रेज श्रमृतसर ।

तारी**ख** 28 सितम्बर 1974 मोहर.

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धाउँन रेंज, धमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांकः 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एम०म्।र/जेयूएल/एपी-1272/74-75-यतः, मुझं डी० एस०गुप्ता श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, ग्रीर जिमकी सं० घरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10158 मार्च 1974 लिखा है, जो मोता सिह नगर, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन्सूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अघिनियम, 1922 (1922 का 1) या आय-कर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

मतः, अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री परमानद, किशन चद पुत्र कर्म चंद पुत्र किरपा राम 98-99 न्य ग्रीन मार्कीट, जालंधर।

(ग्रन्तरक)

(2) मिसेज सिंदर जीत कौर पत्नी मेजर नरशेर सिंह भौर मिस सुईमार कौर पुत्नी स्वर्गीय गुरनाम सिंह मार्फत गुरशेर सिंह वासी 696 माइल टाऊन, जालंधर।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रीधिभोग में

ग्रधोहस्ताक्षारी जानता है)
(4) कौई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है

(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रद्योहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंग्रजेन की एतद्दारा कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाटनं 764 मोता सिंह नगर . जालंधर जैसा कि रजिस्ट्री कृत विलेख नं 10158 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

तारीख: 28 सितम्बर 1974 सक्षम प्राधिकारी मोहर: सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज श्रमुतसर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, अमृतसर

प्रमृतसर, विनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०प्रार०/Malant/ए०पी०-1264/74-75-यतः, मुझे, बी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2268 मार्च 1974 लिखा ₿, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कं।यांलय, मलोट मंडी में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, माचे को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-जिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (स्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग क अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के खधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् .-- 10---376 GI/74

- 1. श्री ग्रजैव सिंह गावि पुत्र गोपाल सिंह वासी महमूद कंग। (ग्रन्तरक)
 - 2. वलजीत सिंह भादि पत्न जंग सिंह महसूद कंज। (श्रम्तरिती)
 - 3 जैसा कि न 2 पर है वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मैं अधोहस्ताक्षरी जानता है
 - अ कोई व्यक्ति जो सम्पित में रूचि रखता है वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितवब है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षप यदि, कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिकृचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यचापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2268 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, मलोट मंडी में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

मोनर:

प्रक्प बाई व टी व एव व एस व ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, <mark>ध्रमृतसर</mark> ध्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निषेश सं० ए०एस० आर०/मलोट/ए०पी०-1268/74-75--यतः, मृझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धर्ती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख मं०
2483 मार्च 1974 लिखा है, जो में स्थिति
है (ग्रीर इससे उपायद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से धणित
है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, मलोट मंडी में भारतीय
रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन
1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

जीर यतः झायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए डार्यवाही शुरू करमें के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर किंचित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-चं की उपचारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

(1) श्री हरमान सिंह मादि पुत्र नंद सिंह वासी कुल सिंधा।

(प्रतरक)

- (2) श्री गुरवक्श सिंह पुत्र केहर सिंह वासी वुर्जा सिंधा। (झन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं॰ 2 पण्है। (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सधोहस्ताकारी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (बह व्यक्ति जिसके बारे में मधोहस्ताक्षारी
 जानता है कि वह सम्पन्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एत्य्बारा यह अधिसूचिस किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सूनवाई के लिए तारीका और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्वरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2483 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, मलोट मंत्री में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम अधिकारी

तारीख: 28-10-74 महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मीहर: मजैन रेंज ममूतसर।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृक्षसर

भ्रमृतसर, विनांक 28 सितम्बर 1974

निटेश सं० ए० एस० म्रार० जलाई/एपी-1269/74-75---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता अधिनियम, 1961 (1961 新 की घारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 10327 मार्च 1974 लिखा है, जो . में स्थिति है (घीर इससे उपावद्व अनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय जालंघर में भारतीय रजिस्टीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोदत सम्पक्ति केल्फिल बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुख्य करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्रीमती प्रतीम कौर पत्नी कर्नल मंजीत सिंह 300-मार० एम० टी० जालंधर।

(ग्रन्सरका)

(2) श्रीमती वलविंदर कौर पत्नी कुलजीत सिंह 300-एम० टी० जालंघर।

(ऋसरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में प्रधोहस्ताक्षारी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बार में मधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुक्र करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस यूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत मंत्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतष्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जेसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10327 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

ताष्त्रीख: 28 मितम्बर 1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मोहर अजैन रेज अमृतसर। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

7252

भारत सरकार

कार्यालय सहायक द्यायकर ब्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निवेश सं० ए०एस०भार०/ए०पी०-1263/74-75--यत , मुझे, ढी० एस० गुप्ता ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961, (1961 43) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से अधिक है धौर जिसकी सं० धरनी माल रोड पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4045 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भ्रमृतसर शहर मे लिखा है, जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है (भीर इनसे उपाबाद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रम्नसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरिती अन्तरक और पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के सब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुद्ध करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्री लखबीर साहनी पत्नी सतवंत सिंह, सोहन न्हिं पुत्र जवाहर सिंह, 39 लारैंस रोड, श्रमुससर। (अन्तरक)
- 2 श्री विशान सिंह पुत्र श्री सता सिंह मार्फत टिप टाप ड्राई क्लीनर्ज, राम बाग, श्रमुतसर। (श्रन्तरिती)
 - 3 जैसा कि न० 2 पर हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में अक्षोह्स्ताक्षरी जानता हैं)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पति में रूचि रखता हो । वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पर्ण के अर्जन के लिय एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, मो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती माल रोड ग्रमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीक्ट्रत विलेख नं० 4045 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रमृतसर शहर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, श्रम्तसर।

तारीख: 28-9-1974

माहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भ्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं०ए०एस० भार०/जेए यूल/एपी-1271/74-75--यतः, मृन्ने डी० एस० गुप्ता सहायक आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सन्नम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्था-यर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/- ६० से अधिक हैं और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10406 मार्च 1974 लिखा है, जो पोलिस लाईन रोख, जालंधर में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिम्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिप्रात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नारतिवक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

धत:, अब, घारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि: नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष की उपघारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री भगवंती रविंदर कुमारदलीप कुमार 85 सिविस साईन्स, जालंधर। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती लीली देवी पत्नी सुखदेव वासी मुरावाली नसील गढ़शंकर मार्फत श्री होगर सिंह मस्ली। (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षारी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में घिष रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 3 भीर 4 पर पोलिस लाईनस रोड़, जालंघर, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10406 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भाधकारी, जालंघर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, संज्ञम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख : 28 सितम्बर 19 74

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस० ————— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्वांसय सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, श्रमृतसर,

मन्तसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

ASR / Jul / AP -1311/ 74-75 :--यस, मुझे डी० एस० गुप्ता 43) मधिनियम, 1961 (1961 द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सभ्यति, जिसका छिषत बाजार मूल्य 25,000/- सपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 682, मार्चे, 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। में स्थित है (घोर इससे उपाबढ़ घनुसूची मे घोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रभीन 1974, मार्चको

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धक्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए कए हैं।

भतः शव, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिकत व्यक्तियों, अर्थात्:—

 कर्म सिंह मान पुल बसंत सिंह मान, 389 लाजपत नगर, जालंधर।

- 2. स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, जानी शंकर सिंह पुत्र वल सिंह मौनिहाल सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैंट आफिस, विलकुशा मार्कीट, जाल-न्धर। (अन्तरक)
- 3. जसपाल सिंह पुत्र लाहौरा सिंह, बासी सीकरी बाजार, श्रांसी (यू॰ पी)। (अन्तरिसी)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न ० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में ग्राधीहस्ताक्षरी जानता है)
- 5. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूपि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रघोष्ट्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। सक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो सी:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्हारा यह अधिम्चित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पन्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पन्ति के अन्तरितों को दी जाएंगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अमुसूची

1/5 भाग बुकान म० 9 ए० दिलकुशा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख म० 10682 मार्च, 1974 को रजिस्टीकर्सा बिधिकारी जालंधर में लिखा है।

> (डी० एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ज्ञायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज भ्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

मीहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रकप साई० टी० एन० एस०....

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का ⁴:) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर भ्रमृतसर, विनांक 28 सिनम्बर 1974

निर्नेश स्०ए०एस० आर/ जे यू एल/एपी-1273/74-75—
यतः, मुझे डी० एस० गृष्टा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
अधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं०
10593 मार्च 1974 लिखा है, जो राय बहादुर बढ़ी वास कालोनी
जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण
रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, जालधर
में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16)
के मधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्स सम्पत्तिके उचित काजार मूल्य से कम के दृष्य-मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीइत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-प्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्राच्याय 20-क के शब्दों में पूर्वों वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ये-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्रीमती झान कोर पत्नी करतार सिंह सेवक जी० ऐ० फार्स रूप है पा करतार सिंह पुत्र पताप सिंह 391 साजपत नगर, जालंधर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हंसा देवी पन्ती हैस० गुरदेव राम वगा। वार्सवालिना दोग्रावा त० जालंधर।

(ग्रन्सरिती)

- (3) श्री/श्रीमती/कूमारी जंसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमोग में ग्रिधोहस्ताक्षारी जानता है)
- (4) श्री/श्रीमती/कृमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वा रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षाणी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ध किसी अस्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्डीकरण:—इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, व होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

र्रेप्लाट नं० 38 मार० बी० वडी दास कालोनी जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 10593 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, जालधर में लिखा है।

डी० एस० गृता

तारीख: 28 सितम्बर 1974

सङ्ग प्राधिकारी

मोहरः

सहायक भ्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, प्रमुत्तसर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सष्टायकः घायकर आयुक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं०ए० एस० आर०/जुल/ए० पी०-1286/74-75—
यत मुझे डी० एस० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी
सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 10802 मार्थ
1974 लिखा है, जो प्रीत नगर जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे
उपावढ अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकृत

बिधकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के एसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आवंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अग्रीन निम्नणिवित व्यक्तियों, अर्थातुः--

- (1) तारा सिंह पुत्र श्री जवाहर सिंह लक्शमी पुरा, जालंघर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती करतार देवी पन्नी राम रक्खा मल पुत्र चतर मिह, ई० बी० 171 काजी मोहन्ला, जालंघर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई स्थित जो सम्पक्ति में विच रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितवढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्वान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, प्रीत नगर जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 10802 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीक्षर्ता प्रधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 28-9-74. महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रर्णन रेंज, ग्रमृतसर।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक्ष ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)श्रर्जन रेज, ग्रमृतमर अमृतसर, दिनांक 28 सिनम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आए/जाल०/ए० पी०-1281/4-75---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, (1961 का 269 ख 43) की धारा विश्वास प्राधिकारी अधीन सक्षम को. यह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है स्रौर जिसकी संबधरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंब 10517 मार्च, 1974 लिखा है, जो मकसूदपुर जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, भार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरवार सिंह पुत्र हरनाम सिंह भीर नंद कौर पश्नी जीवन सिंह वासी रैयया जिला जालंधर। (भ्रन्तरक) 11—376 G1/74

- (2) श्री हरभजन मिह, पाल सिह पुत्र ऊजागर सिह पुत्र बिशन सिह भंडाल त० नकोदर। (ग्रस्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एसद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पर्धाकरण-:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती मकसूदपुर जालंधर में, जैसा कि रिजम्ट्रीकृत विलेख नं 10571 मार्च, 1974 को रिजम्द्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 28-9-74 महायक श्रायक स्थायक स्यायक स्थायक स्यायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्थायक स्

प्रकप बाई० टी० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्माजय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर/जुल ए० पी०-1278/74-75---यत:, मुक्ते, डी० एस० गृप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, धिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 10630 मार्च, 1974 लिखा है। जो किंगरा, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रध-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

बौर यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री तरलोक सिंह पुत्र बाऊ सिंह जी० ऐ० ग्राह्य हरमिवर सिंह, वासी 481 एल मांडल टाऊन, जालंधर (ग्रन्तरक)
- (2) कर्नल गुरिदयाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी वस्ती वाबा खेल चमन लाल धानंद पुत्र स्वर्गीय लाला हरिदयाल मंडी फैंटन गंज, वलीप कुमार ावग पुत्र श्री भीम भैन विग और श्रीमती भागवंती विग पत्नी श्री भीम सैन विग मैसर्ज चौधरी हाऊसिंग श्रारगेनाइजेशन, सैंट्रल टाऊन, जालंधर मार्फत श्री राज कुमार चौधरी मैनेजिंग पार्टनर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं०2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हो, ती :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्दारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजिन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए धाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख भीर स्थान नियत किए जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के धन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्द्वारा ग्रागे यह भिध्यस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भ्रथें होगा, जो उस म्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती , किंगरा जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10630 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी जालंधर में लिखा है। डीं० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

तारीख: 28 सितम्बर 1974 अर्जन रेंज, अमृतसर। मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर/जुल/ए०पी०-1279/74-75---यतः, मुझे डी० सी० गुप्ता, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961, (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है मौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 10627 मार्च, 1974 लिखा है, जो किंगरा, जालंधर में स्थित है (घौर इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालधर में मारतीय रजिस्टीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 軒 16) 1974, मार्च को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर भिध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा।

और यतः, झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भव्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) गुरचरण सिंह पुत्र तरलोक सिंह 481, ऐस माडस टाऊन, जासंघर (प्रन्तरक)
- (2) कर्नल गुरदियाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह, चमन लाल हरदियाल रिवंदर कुमार दलीप कुमार पुत्र श्रीमती भागधंती पत्नी श्री भीम सैन, भैसर्ज चौधरी हाऊसिंग श्रारगेनाईजेशन जालंधर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, सो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए बाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा ग्रागे यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्यादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीव्यमित्रम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

सनुसूची

धरती किंगरा, जासंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10627 मार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्सा ध्रिधकारी, जालंधर में लिखा है। डी०एस०गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ध्रमृतसर।

तारी**खः** 28-9-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

श्रमृतसर , दिनाक 28 मितम्बर, 1974

निदेश ASR/JUL/AP-1309/71-75 — यतः, मुझे ही० एस० गृग्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी स० सन्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10-726 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकृशा मार्कीट, जालधर में स्थित है (और समें स्पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, जम्मधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च को पूर्णिकत सम्पत्ति के

उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) के गैर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की। उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मातः—

 कर्म सिह मान पुत्र वसन सिह मान, 389 लाजपत नगर, जालधर स्वर्ण सिह जौहल पुत्र लाम सिह, ज्ञानी शकर सिह पुत्र वल सिह, नौनिहाल सिह पुस्न गोपाल मिह जागीर सिह पुन्न प्रताप सिह मार्फत मैनेजमेंट ब्राफिस, दिलकृशा माकीट, जालधर । (अन्तरक)

2. लाझौरा सिह पुत्र गुरदियाल सिह वामी विलगा त० जालंधर। (अन्तरिती)

3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 श्री/श्रीमयी/कुमारी कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रिश्व रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्क्कारा कार्यवाहियाँ गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी।

एतद्द्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्थित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 भाग दुकान न० ए० दिलकुशा मार्कीट, जालधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत थिलेख न० 10726 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी, जल्लधर में लिखा है।

> (डी० एस० गुप्ता) सक्ष्म प्राधिकारी स्हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, ग्रमृतसर 1)

तारीखा: 48 सितम्बर, 1974

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
धायकर प्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के ग्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण), भर्जन रेंज-अमृयसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

नवेश सं० ए०एस० ग्रार०/के०पी०एल०/ए०पी०-1336/74-75 यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2876 मार्च 1974 में लिखा है, जो शेखूपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन

मार्च 1974 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनतयों, अर्थातः—

- (1) बखशीश गोपाल पुत्र ला० शंकर दास गाव शेखूपुर।
- (2) श्री लाहौरी राम पुत्र ला० देस राज मार्फत लाहौरी राम श्रवतार ऋष्ण, मण्डिी कपूर थला । वीर भान पुत्र सीना राम द्वारा लाहौरी राम कपूरथला
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधौहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पति से हितवद्ध-है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए एतव्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति धारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूचवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, णेखूपुरा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2876 मार्च 1974को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, कपूर थला में लिखा है।

> (डी० एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर** भ्रायुक्त (निरीक्षण) अमृतसर ।

तारीखः 28 सितम्बर, 1974।

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 **ष (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०भार०/ए०पी०-1337/74-75-यतः, मुझे, डी॰ एस॰ गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10984 मार्च 1974 लिखा है, जो तुंग पाई त० ग्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ब्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमुतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शक्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-त के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखि व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री वेद व्यास पुत्र पंडित श्रनंत राम ब्राहम्ण वासी कृष्णपुरा, श्रमृतसर। (श्रन्सरक)
- (2) श्री राम लाल पुत्न श्री राम रक्खा भल, गली नं० 5, गरीफ पुरा,। ऋष्ण लाल पुत्र मुंग्नी राम 30, मेवा मण्डी, श्रमृतसर। (श्रन्सरिती)
- (3) जैसाकि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म अधोहस्ताक्षरी जााता है)

(4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (क्षष्ट व्यक्ति जिसके वरे म अधिपस्ताक्षारी जाौता है कि वह सम्पति म हि।वब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकेगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एसव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तुंग पाई श्रमृतसर में, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं । 10984 मार्च 1974 की रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 28-9-1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज अमतसर

ग्रमतसर. दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ग्रमतसर/एन एस०/ए०पी०-1334/74-75--यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु०से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4353 मार्च 1974 में लिखा है, जो गांव कतारियां में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवां शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अघि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री प्यारा सिंह पुत्र विरयाम सिंह पुत्र छज्जा सिंह, वासी कोटला त० गढ़ गंकर।
- (2) केहर सिंह पुत्र प्रीतम सिंह पुत्र राम सिंह वासी मुझा त० नवां प्रहर।
- (3) जैंसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मं घिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे म अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में संयापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गांव कतारियां में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 4353 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नवां शहर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अमृतसर

तारीखः 28 सितम्बर, 1974।

> कायिलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रमतसर,

> > भ्रमृतसर , दिनांक 28 सितम्बर, 1974

74-75 ----यत[.], मुझे, डी० एस० गुप्ता ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रु० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी स० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10633 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकूशा मार्कीट, जालधर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत भ्रन्मूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-रकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:----

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ध्रिधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना।

और यतः भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) के भ्रध्याय 20-क के भट्टो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा भ्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं भ्रायकर भ्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयति:--

- 1 कर्म सिह मान पुत्र वसंत सिह मान, 389 लाजपत नग्रैं, जालंधर 2 स्वर्ण सिह जौहल पुत्र लाभ सि ह, ज्ञानी शकर सिह पुत्र वल सिह, नौनिहाल सिह पुत्र गोपाल सिह जागीर सिह पुत्र प्रताप सिह मार्फत मैनेजमैंट श्राफिस, दिलकुणा मार्कीट, जालंधर, । (अन्तरक)
- 2 चनर सिंह पुत्र एल० एस० ग्रौलक वासी कालका जी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न 2 पर है। (बह व्यक्ति, जिसके अधियोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी वोई त्याक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां भुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति भ्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भ्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए भ्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा भ्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पदीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याम 20-क में यथापरिभाषित है, यही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

1/5 भाग दुकान न 9 ऐ० दिलकुषा मार्कीट जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीत विलेख सं० न० 10633 मार्च, 1974 को रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> हीं ० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज ग्रमनसर।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० श्रमृतसर/एन० एस०/ए०पी०-1335/74-75--यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु० से अधिक है श्रीर जिसकी संबधरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंव 4354 मार्च 1974 में लिखा है, जो गांव कतारियां में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह. कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अबधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मलकीयत सिंह पुत्र निर्मल सिंह पुत्र लब्बु राम वासी चन्दीली, त० गढ़ शंकर।
- (2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र श्रीतम सिंह वासी मुझा त० नयां शहर।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतदृद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एनब्द्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिष कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गांव कतारियां में, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4354, मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नवां शहर में लिखा है।

> (ग्री० एस० गुप्ता); सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अमृतसर

नारीख: 28 सितम्बर, 1974

मोइर:

12-376GI/74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, अमृतसर

म्रमृतसर दिनांक 28 सितम्बर 1974 निर्देश सं०ए० एस०भार/ जुलाई /ए०पी०-1274/74-75---यत मुझे, डी० एस० गुप्ता म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक 🕊 भौर जिसकी सं० धरती का टुकडा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 10592 मार्च 1974 लिखा है, जो श्रार० बी० बद्री दास कालोनी जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्र ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे समने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

भौर यतः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याध 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही मुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घात्:---

- (1) श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी स० करतार सिंह सेक्क 391 लाजपत राय नगर जालंधर कारहैत्य भीर जी० ए० आद करतार सिंह पुत्र प्रताप सिंह।
- (2) श्रीगुरदेव राम वग्गा पुत्र मिलखीराम वग्गावासी वालिना दोग्राबा, त० जालंधर। (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा की नं०2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग में मघोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजँन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां भुरु करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो :----

- (का) इस सुचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आखेप किया है तबा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतब्द्वारा आणे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्रक्यों और पदों का, को आयकर अधि-**नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क** में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 38, ग्रार० बी० वडी दास कालोनी, जालंधर जैसा कि एजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10592 मार्च 1974 को प्रक्रिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी , जाबंधर में लिखा है।

बी० एस० गुध्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर।

मोहर:

तारीच: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप श्राईं० टी० एन० एंस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर

दिनौक

निदेश सं० भ्रम् ससर/जार्लधर/एपी/1288/74-75--- गतः

मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-र० से अधिक हैं। बाजार मुल्य भौर जिसकी सं० घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10795 मार्च 1974 लिखा है, जो बस्ती, दानिशमंदा जालंधर में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-करती प्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीम कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के गध्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के म्रर्जन के लिए कार्य-वाही मुक्क करने के कारण मेरे द्वारा म्रिभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः अब, धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्मिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- (1) प्रीतम चंद पुत्र जगत राम पुत्र ग्रहरा वासी मान्नन जिला कपूरथला ग्रब बस्ती वावा खेल जालंधर(ग्रन्तरक)
- (2) रेखा लैंण्ड (प्रा०) लिमिटेड, जालंधर (मन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुवि रखता हो (बह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत्त किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा शाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भ्रायकर श्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, बस्ती दानिशमंदा जालंधर जैमा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10795 मार्च 1974 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज श्रमृतसर

तारीख:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भ्रमृतमर

अमृतसर, तारीख 28 मितम्बर 1974

निर्देश सं० भ्रमृतसर/फिल्लौर/एपी-1293/74-75--यत: मुझे डी० एस० गुप्ता

आयफर अिनियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269 घ के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाजर समाति जिक्का उचित म्लय 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4650 मार्च 1974 लिखा है, जो गांव पामला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1974 को सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से दृश्यमान अशिफल के थिए रिजर्स्, हुत विलेख के अनुसार अन्सरित का गई है और मुझे यह विध्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूर्य, उसके दृष्यमःने प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यहांक अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्रिता (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया रैसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बस्तिबिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई (कसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बजने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर जनाहा;

और एत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित दिए गए हैं :

अन , अन, धारा 269 घ के अनुसरण में. में आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ की सपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित य्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) मेहंगा सिंह पुत्र प्रेम सिंह गांव पासला त० फिल्लौर (ग्रन्तरक)
- (2) गुरनाम सिंह उर्फ सुच्चा सिंह कश्मीर सिंह पुत्र ठाकुर सिंह, पासला त० फिल्लीर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए अक्षियों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसत्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे ध्यवित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अर्धान सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।
स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पटो का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगः, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुभृची

धरती जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4650 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

> डी० एम० गुप्ता सक्ष म प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, श्रम्तमर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमनसर, कार्यालय

अमृतसर, दिनांकः 28 सितम्बर, 1974

निर्देश मं० ASR/Jul/AP-1308/74-75—यत., मुझे, डी० एस० गुन्ता, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिल बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है और जिसकी और जिमकी सं० मम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 10659, 10658, 10657, 10656, 10655, मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुणा मार्किट, जालंधर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर, मैं भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1974, मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिश की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नही कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुवर दमाना और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [1922 का (1)] या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. कर्म सिह मान पुत्र वसंत सिह, 389 लाजपन राय नगर, जालंधर स्वर्ण सिह जोहल पुत्र लाभ सिह, ज्ञानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र स० गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैंट भ्राफिम, दिलकुणा मार्किट, जालं-धर । (अन्तरक)

2 श्रमर्जीत सिंह पुत्र बिशन सिंह पुत्र पूर्ण चन्द, 267 हरनाम बास ——पुरा जालंधर।

संतोष कुमारी पत्नी श्रमरीक सिंह पुत्र विश्वन सिंह , 267 हरनाम दास पुरा, जालंधर । श्रमरीक सिंह पुत्र विश्वन सिंह पुत्र पूर्ण चन्द 267 हरनाम दास पुरा, जालंधर परिमवन्दर सिंह पुत्र श्रमरीक सिंह पुत्र विश्वन सिंह, 267—हरनाम दास पुरा जालंधर ।

राजिंदर सिंह पुत्र ग्रमरीक सिंह पुत्र बिणन सिंह 267, हर-नाम दास पुरा, जालंधर। (अन्तिरिती)

- श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किन रखता हो। (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतब्दारा कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतस्त्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जानें के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 4 सी० दिलकुणा मार्किट जालंधर जैसा कि रजि-स्ट्रीफ़ृत विलेख न० 10658, 10658, 10657, 10656 भौर 10655 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, जालधर में लिखा है।

> (डी० एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रम्तमर ।)

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय तहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/एन०एस०/ए०पी०-1333/75-75--यत:, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से अधिक है, श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4352 मार्च, 1974 में लिखा है जो गांव कोटारीया में स्थित है (घीर इससे उपावस धनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नवां शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीवृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रक्षिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए गुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अन, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) वरयाम सिंह पुत्न छजा सिंह वासी कोटला घ्रटारनी सरवन पुत्र सरयाम सिंह गांव कोटला तहसील गढ़शंकर। (अन्तरक)
- (2) श्री केवल सिह, सन्तोख सिह, गियान सिंह पुत्रान श्री श्रीतम सिंह गांव मोंना, जिला नवां शहर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रक्रिभोग में प्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—६समें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, कोटारिया में जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4352 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकृर्ता श्रधिकारी नहां शहर में लिखा है।

> डिंग्डिंग्डिंग्सर गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-9-1974

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० - ASR/Jul/AP/-1310/74-75:---यतः, मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-₹৹ से भौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10-683 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्यूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, के कार्यालय, जालंधर मैं भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तर्रण के लिए प्रतिफल, मिष्मलिखत उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अख्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपश्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 कमें सिंह मान पुस्र वसंत सिंह मान 389 लाजपत राय नगर, जालंधर ।

- 2. स्वर्ण द्रिंह जाहेल पुत्र लाभ सिंह ज्ञानी शंकर सिंह पुत्र वल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैंक्जमैंट श्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। (अन्तरक)
- 3. मोहिन्दर कौर पुत्नी श्री पूर्ण सिंह बासी गुरदवारा रोड, देहरादून (यृ० पी०) । (अन्तरिसी)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 5. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई ध्यक्ति जो सम्पत्ति में कृषि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षोप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आश्वेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रुयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/5 भाग दुकान न० 9-ए० धिलकुशा मार्कीट, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10683 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालंधर, में लिखा है?

> (डी० एस० गुप्ता), सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 28 सिनम्बर, 1974 प्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर। मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 28 मितम्बर 1974

निदेश सं० एएसग्रार/जोलाई/एपी-1276/74-75—स्तः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0 1)-/ रुपये से अधिक है भीर जिसकी संव धरती का टुकड़ा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नंव 10313 मार्च 1974 लिखा है, जो भ्रारव बीव बद्री दास कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई निसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- फर्कार चंद पुत्र प्रभु दयाल वासी खान खानन जिल्ला जालंघर मार्फत श्रीमती प्रीतम देवी सहगल विधवा जमना दास वासी 238 कृष्णपुरा जालंघर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ब्रिज मोहन सहगल पुत्र श्री जमना दास सहगल पुत्र मालिंग राम बासी 238 कृष्णपुरा जालंधर (म्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी ध्यिक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थाम मियत विए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित निया जाता है कि हर ऐसे ध्यनित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत ग्राब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 65 म्रार० बी० बद्री दास कालोनी, जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10313 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस**० गु**प्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहरक्षः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 28-9-74

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन रूचना

भारत सरकार

भागित्य, सहायक आयक्र आयुवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-- ग्रमतसर

दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/ज्लाई/ए० पी० - 1283/ 74-75--यतः मुझे डी० एस० गृप्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी स० धरती जैंगा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10423 मार्च 1974 लिखा है, जो सत करतार नगर, जालधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुगृची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसें भन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ग्रीर या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922-(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्ति द्वारा प्रकट नही विया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

मीर यतः प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए वार्यवाही गरू करने के बारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित विए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत —

(1) लैं० कर्नल दीदार सिह पुत्र काहन सिह पुत्र केसर सिह, (ग्रन्तरकः) 631-बी न्नु प्लासिया, इन्दौर 13-376GI/74

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी

(भ्रन्तिरिती)

- (3) जैमा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग मे ग्रधोहरताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह स्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शरू करता ह।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विए जासकोंगे।

एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियस किए जाएंगें भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्ति ती को दी जाएगी।

एतदब्वारा प्रागं यह मधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यभित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना वी गई है, प्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पर्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)के घ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती मतकरतार नगर जालधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10423 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर मे लिखा है।

> डी० एम० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख : 28-9-74

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० धार०/जुल/ए०पी०-1277/74-75---यतः, मुझे, डी० सी० गुप्ता, धायकर धिष्टियम,

1961, (1951 का 43) की धारा 269 ख के घंधीन संजय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यसि, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10632 मार्च 1974 लिखा है, जो किंगरा जालंधर में स्थित है घीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी का कार्यालय, जालंधर, में भारतीय रजिस्टीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीम 1974, मार्च पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य के के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रमुसार प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत ग्रंधिक है भीर यह कि मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्तरण शिक्षित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (क) ऐती किसी आय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जब्छ काहिए था. छिराने के लिए सकर बंगाना।

जीर यतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ध्रमिलिकित किए गए हैं।

सतः सब, धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, धायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों धर्यांत् :—

- (1) उरभजन सिंह पुर्व तरलाफ सिंह 181-विन मोदेन देडिन, आनंधर (ऋतरक)
- (2) कर्नल गुरदियाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी बस्ती बाबाखेल चमन लाल ब्रानंद पुत्र स्वर्गीय लाला हरदियाल मंडी फैटन गेज दलीप कुमार विग पुत्र श्री भीम सैन ब्रौर श्रीमती भागवती विग पत्नी भीम सैन विग, मैगर्ज चौधरी हाउसिंग ब्रार-गेनाइजेशन सैट्रल टाऊन, जालधर माफ्त श्री राज कुमार चौधरी, मैनेजिंग पार्टनर। (ब्रन्नरिती)
- (3) जैमा.िक न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखना हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां करता हूं :----

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस मूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यविक्षमों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूधना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए बाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी नई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती किगरा जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10632 मार्च, 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28-9-74 महायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण) मोहर: श्रजन रेंज, श्रेमृतसर।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 28 मितम्बर 1974

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित महीं किया गया है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिधित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-गके अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तारा मिह पुत्र जवाहर सिह, एन० बी० 291 लक्षक्रमी पुरा, जालधर। (ध्रन्तरक)

- (2) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री राम रक्खा पुत्र चतर सिंह मार्फत डीलाईट रबड् इन्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल, ऐरिया जालंधर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि बखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्क्षारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अम्तरिती को वी जाएगी।

एतद्बारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की भुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती प्रीलनगर जालधर, जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10899 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर मे लिखा है।

> ही० एस० गप्ता, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28-9-74 महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर प्ररूप भाई० टी० एन० एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश स० ए०एस०आर/जे०यू०एल०/AP-1282/74-75---यतः, मुझे डी० एस० गृता

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाघर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०10570 मार्च, 1974 लिखा है, जो 646, 647, माइल टाऊन, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्राचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:—

श्री रघवीर सिंह पुत्न नत्था सिंह जालंधर जी० ए० आफ कुलवीप सिंह पुत्न नत्था सिंह वासी जालंधर। (श्रन्तरक)

- (2) श्री दीदार सिंह पुत्र मूला सिंह वासी सनीम पुरे मसांदा, जालंधर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानना है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता कि हर ऐसे व्यक्ति की; जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 646-647 माडल टाऊन, जालधर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं ० 10570 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

तारीख: 28-9-74

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०म्रार०/जे०यू०एल०/एपी-1275/74-75-यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000√- ६० से अधिक है मौर जिसकी सं० धरती काट्क ड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10314 मार्च 1974 है, जो भ्रार० बी० वद्री दास कालोनी, जालंधर, में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-फ के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —

- (1) श्री फकीर चंद पुत्र प्रभ दथाल वासी खान खानन जिला जालंधर मार्फत श्रीमती प्रीतम देवी सहगल विधवा श्री जमना दास वासी 238, क्षुण पुरा जालधर। (प्रन्तरक)
- (2) श्री क्रिज मोहन मेहराल पुत्र श्री जमना दास सहगल पुत्र सालिग राम 238 छूल्णपुरा, जालंधर। (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तक्ष्मम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्कित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अपित की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा । स्पन्धीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 64 ग्रार० बी० वदी दास कालोनी, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10314, मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है।

> डी० ए.स० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्राजीन रेंज, ग्रामृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं ०ए ०एम० आर ०/जल०/ए० पी०-1280/74-75---यत:, मुझे, डी० एस० गुप्ता बायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी संब्धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंब 10626 मार्च, 1974 लिखा है, जो किंगरा जालंधर में स्थित है (ब्रीर इससे उपावद अन्सूची मे ब्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-काही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-द्र क अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-

(1) तरलोक मिह मञ्चर पुत्र थाऊ सिंह जी० ए० आफ हर्समदर मिह वासी 481 एल० माडल टाऊन, जालधर (ग्रन्तरक)

- (2) कर्नल गुरदियाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी बस्ती वाबा खेल जमन लाल मानंद पुत्र स्वर्गी क्याला हरिदयाल, मंडी फोंतन गंज दलीप कुमार विग पुत्र श्री भीम सैन म्रांग श्रीमती भागवेती विग पत्नी श्री भीम सैन विग, मैमर्ज चौधरी हाउसिंग मारंगेनाईजेशन, मैट्रल, टाऊन जालंधर मार्फत श्री राज कुमार चौधरी; मने जिग डायरेक्टर (ग्रन्तरिती)
- (3) चौसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में मधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसक्षे बारे में ब्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, सो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशित की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृक्षारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचता दी गई है, आक्षेत्रों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती किगरा जालंधर में जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10626 मार्च, 1974 को राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एम० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 28-9-74 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), मोहर: ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश मं० ए० एस० भ्रार०/होशियारपूर/ए०पी०-1332/ 74-75-यन:, मुझे डी० एस० गुप्ता आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4906 मार्च, 1974 में लिखा है। जो गांव पतियारी तहसील होणियारपूर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय होणियारपुर में भारतीय र्गजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिन्ती (अन्तिनियों) के बीच तय पाया मया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनामा।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2**69-घ की** उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जगर्दीण सिंह, ज्ञान सिंह महिन्द्र सिंह, प्रिथी सिंह, सपुत्रान हीरा सिंह श्रीमती कौंशल्या देवी, शान्ति देवी, कृष्ण देवी सपुत्रीया श्री हीरा सिंह गांव पितयारी जिला होशियारपुर । (अन्तरक)
- (2) मैसर्ज स्रमीन चन्द एण्ड कम्पनी, भरवैन रोड, होशियारपुर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन के तार्ग खासे 45 दिन की अवधि, या तस्तंबंधी व्यक्तिये। पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुमवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित्ती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि गाव पतियारी जिला होशियारपुर मे, जैसा कि रर्जिस्ट्रीकृत विलेख न० 4906 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है ।

> डी० एम० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, अमृतसर

नारीख: 28-9-1974

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1

मई दिल्ली, दिनाक 7 सितम्बर 1974

निर्देग मं० प्राई० ए० सी० एक्यु०/1/1737/74-75/ 2539---यतः, मुझे डी० बी० लाल ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रु० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 7, हन्मान रोड जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25 मार्च 1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्तनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घ्रन्य भ्रास्तियों को, किस्तें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना, और या;

और श्रतः श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

भ्रतः श्रव धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थात्:—

- 1. श्री कृष्ण स्वरूप, सुपुत्र स्वरूशी ब्रह्म स्वरूप
 - (2) श्रीमती शाम दुलारी, पत्नी स्व० श्री श्रह्म स्वरूप श्रपने पुत्र तथा वकील श्री कृष्ण स्वरूप द्वारा निवासी मोहल्ला देंद राज, जीद, हरियाणा। (श्रन्तरक)
- श्री गणेश लाल राठी, सुपुत्र स्व० श्री गंगा दास राठी, निवासी ग्रार०-59, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली । (धन्तरिती)

- 3. (1) डा० पी० डी० धनेजा
 - (2) श्रीमती धीरज खन्ना,
 - (3) श्री ईश्वर दास मलिक,
 - (4) श्री राम स्वरूप, निवासी 7, हनुमान रोड , नई दिल्ली।

(वह ब्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :- र

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह म्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति मर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गर् म्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा म्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के म्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दो मंजिला कोठी जो कि 7, हनुमान रोड़, नई दिल्ली में स्थित है ग्रीर जिसका क्षेत्रफल 8985.90 वर्ग फुट, जिसमें एक बाहरी मकान, गैरज व खुला मैदान है, ग्रीर जो कि निम्न प्रकार से थिरी हुई हैं:---

पूर्वः लोन ।

पश्चिम: कोठी नं० 9। उत्तर: कोठी नं० 5। दक्षिण: हनुमान रोड़।

ही ० बी ० लाल, तारीख : 7 सितम्बर 1974 सक्षम प्राधिवारी मोहर: महायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रुजन रेंज— 1/2 दिल्ली, नई दिल्ली - 1 प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज श्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ग्रमृतसर/फगवाड़ा/ए० पी०/347/74-75---यत , मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से जिसकी अधिक ŧ भोर सं० धरती जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख नं ० 2219 मा**र्च** 1974 में लिखा है, जो जमालपुर में स्थित है (ग्र**ौर** इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है। रजिस्टीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च को पूर्वीक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पक्तिका उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अम्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित विए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घके अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

 गणेशा सिंह पुत्र गुर्नदित सिंह पुत्र जन्नाला सिंह गांच चाचारी तहसील फिलोर (भ्रम्तरक) 14—376GI/74

- 2 श्री हुजारा राम पुत्र दिवान चन्द पुत्र गन्दू राम भाम्के (श्रन्वरिनी)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिमोग में मधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पाकित्वाः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धरती, जमालपुर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2219 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज, भमृतसर

तारीख 28 सितम्बर 1974 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०- एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रैज-1 अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 3 सितम्बर, 1974

निर्देश मं० ए० मी० क्यू० 23-1/148/16-6/73-74-यत: मुझे जे० कथ्रिया श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० हैं, जो 8 काणी विश्वनाथ रोड, राजकोट में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1961 (1908 का 16) के ग्रधीन 1-3-1974को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आंधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1- श्री-सगनलाल भायवद दोशी, "रसिकविला", गिरनार, सिनेमा के सामने, राजकोट। (ग्रन्नरक)
 - श्री धीरजलाल वचुलाल दोशी,
 - 2. श्री खंती लाल बचुलाल दोशी,
 - 3. श्री अश्वीनकुमार बच्लाल दोणी,
 - श्री ग्रगोककुमार बचुलाल दोशी,
 - 5. श्री चद्रकांत, बचुलाल दोशी,

भारफत किरन ट्रंडिंग कंपनी, राम मंदिर रोड, यवतमल (महाराष्ट्र) । (श्रन्तरिती)

अ. इन्डस्ट्रीज स्परहन्टेन्डेन्ट, राजकोट । (वह ब्यक्ति, जिसके अधिमोग में सस्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अथे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान जो 312-6-72 वर्ग गज भूमि पर स्थित है भीर जो 8, काशीविश्वनाथ रोड, राजकोट पर स्थित है, श्रीर जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं:—

पूर्व रास्ता

पश्चिम--श्री डोलरराय हीरालाल स्रजारिया का मकान । उत्तर--श्रीमती सरयुवेन खंतीलाल दोशी का मकान । दक्षिण---रास्ता।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद।

तारीख: 3-9-1974

मोद्ध्ररः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, अमृतमर

श्रम्तसर, दिनाक 28 मितम्बर, 1974

निदेश सं० ग्रम्त०/जालध०/ए०पी०-1338/74-75---यत. मुझे डी० एस० गप्ता

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है बाजार भीर जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख न० 10803 माच 1974 में लिखा है, जो बस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय र्राजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित मुल्य सेकम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई हैं श्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और यह कि भ्रन्तरक (ग्रन्तरको) भौर भ्रन्तरिती (म्रन्तरितयो) के बीच तय पाया गया ऐसे म्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन श्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भौर/या ,
- (ख) ऐसी किसी म्नाय या किसी धन या ग्रन्य म्रास्तियो को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत . म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्राध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्राभिलिखित किए गए हैं।

म्रत म्रज, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, म्रायकर **प्रधिनियम,** 1961 (1961 मा 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रर्थान:--

- (1) श्री करतार सिंह पुत्र श्री राम सिंह पुत्र उधम सिंह, गाव लामा जिला कपूर थला। (अन्तरक)
- (2) श्री अजीत सिंह पुत्र पूर्ण सिंह श्रीर बलवन्त सिंह पुत्रान भ्रमर सिंह पुत्र गाम सिंह, वासी बसती शेख, जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहम्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पित में हितवब्र है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हा, नो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवाध या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा .
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह ब्राधमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएगे श्रीर उसकी सुचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ब्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ब्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा त्रागे यह श्रधिमुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आ्रक्षेपो की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्रध्याय 20 में यथापरिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, बमती शेख, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10803 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर मे लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी,

मोहर:

सारीख: 28-9-1974।

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतमर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारी

269-व (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, चण्डीगड

चण्डीगढ, विनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सी० एच० डी०/70/74-75--यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, चन्डीगढ़, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी संख्या म० न० 1010 सैम्टर 27-बी० है जो चन्डीगढ़, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) , रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्टास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनामा।

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखत किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्री प्रेम चन्द पंडित, म० न० 31, सैक्टर 4, चन्डीगढ़ (भन्तरक)
 - (2) (1) श्री ग्रानन्द स्वरूप तेहरान,
 - (ii) श्रीमती सुदेश रानी,
- (iii) श्री ग्राशोक कुमार (iv) श्री ग्रारुण कुमार पुत्र श्री म्रानन्द स्वरूप म० न० 510 सैक्टर 8-बी चन्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तौ--

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदुद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्तिः के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैराके अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुतूची

म० न० 1010 सैक्टर 27-बी चन्डीगढ । जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1401 मार्च 1974 की सब रजिस्ट्रार चन्ण्डीगढ़ के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज चण्डीगढ

तारीख: 2-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०~

को यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्तय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, तारीख 28 सितम्बर 1974

निर्देश मं० ग्रम्तसर/जालंधर/ए०पी०-1300/74-75---यतः मझे छी० एस० गुप्ता आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10808 मार्च 1974 लिखा है, जो वस्ती शेख जासंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुमुची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च पूर्वाचित सम्पत्ति के ভিৰিন मुक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सिन्ती (अन्सिरिसियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्सरण के लिए प्रतिफल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने के लिए भुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर गितः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क की शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए कप्

भतः भव, धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-भीवम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) दिलवाग सिंह पुत्र ऊधम मिंह ग्रर्टानी ग्राफ ब्हुलजीत सिंह, 300-एल माडल टाउन, जालंधर (ग्रन्तरक)

- (2) एस० ग्राई० जिक्स ऐण्ड जिल्डरज (प्राः०) लिमिटेड, चौक दीपक सिनेमा, लुधियाना (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं॰ पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में झधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां भुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा झाझेप किया है तथा सम्पत्ति के अम्सरिती को वी जाएगी।

एतवृद्धारा मागे यह मिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के मधीन सूचना वी गई है, मानेपों की समयाई के समय सूने जाने के लिए मधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

धरती बस्ती शेख जालंधर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10808 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहामक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1974

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/781/74-75/ 2488--यतः मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है **धौर जिसकी** सं० **ख**सरा नं० 518/1 है, जो गाय साहिबाबाद, वीलतपुर, बबाना रोड, दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-4-1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान ंप्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उप-बारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ा. श्री गादी लाल गुलाटी सुपुत्र श्री चेत राम, निवासी 6932 बाग, बेरीयाला, पूलबंगश, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मदन गोपाल गुलाटी, मूपूत्र श्री नन्द लाल गुलाटी, निवासी 6257 पक्की गली, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कौर्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपीं, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 बीघा और 17 बिसवा है तथा जिसका खसरा नं० 518/1 है ग्रीर जो गांव साहिबाबाद, दौलत-पुर, बबाना रोड, दिल्ली पर स्थित है।

> सी० बी० गृप्ते सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

तारीख: 4 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलाग

णिलांग, दिनाक 3 सितम्बर, 1974

निर्देश प् ० - 6 6/गी ० / 7 4- 7 5/ 2 2 1 7- 2 7---यत: मुझे, एन० पाचश्रौ न्न्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० डाग सं० 2018, के० पी० पट्टा सं० 332 है, जो फैन्सी बाजार, गौहाटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गौहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अंभिलिखिस किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1. श्री श्रशोक गीएन्का, केयर श्राफ मैसर्स फूट्स, फैन्सी बाजार, गोहाटी, (श्रन्तरक)
- 2. श्री ज्याम सुन्दर गोण्न्का, केयर श्राफ मैंसर्स लिवार्टी क्लोथ स्टोरस, फैन्मी बाजार, गौहारी। (श्रन्तरिती)
 - (1) मैं मर्स राय० एण्ड को०, फैन्सी बाजार, गौहाटी।
 - (2) मैससं गौहाटी हार्डयवयर स्टोरस, फैन्सी बाजार, गोहाटी।
 - (3) श्री रमनी मोहन पाल, प्रोपराईटर स्राफ मैसर्स स्नार० एण्ड एम० पाल, फैल्सी बाजार, गोहाटी।
 - (4) मैसर्स सोमानी बादर्स, फैन्सी बाजार, गोहाटी। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए´ एतदृद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की परिमाप 1 (एक) कट्टा जो आग सं० 2018, के०पी०पट्टा सं० 332 से परिवेध्ठित है और फैन्सी बाजार, गोहाटी, जिला कामरूप, प्रासाम में स्थित है।

> एन० पा**षुमी,** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्मर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख: 3-9-74

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय भ्रजीन रेंज-, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनाक 16 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सी० एच० डी०/60/74-75--यतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक ब्रायकर ब्रायक्त ब्रर्जेन रेंज अन्डीगढ़ भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है बाजार मीर जिसकी संख्या है जो प्लाट नं० 244 सैक्टर 19-ए० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त; सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ग्रीर यत: ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रब्सि:—

- (1) श्री के० सी० सहगल सपुत्र श्री साहिब दयाल सहगल क्वाटर नं० 25/1, जे० सी० ग्रो०, नेशनल डीफेन्स एकडमी, डा० खर्कवासला, पूना-3। (ग्रन्नरक)
- (2) सर्वेश्री मुरारी लाल बन्मल, राम कुमार बन्सल सपुत्र श्री चिरंजी लाल बंसल शो रूम नं० 24, सैंबटर 7-सी, चन्डीगढ़। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्रियधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील भे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिक्षस्थित किया जाता है कि इस स्थानर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को वी जाएंगी।

एतव्दारा श्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यशापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० २४४ सैक्टर 19-ए० चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 16-9-1974

> सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धजन रेंज, भागृतसर कार्यालय भागृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निवेंश सं अमतसर/जैतो/ए० पी०-1348/74-75--यत:, मुझे, बी॰ एस॰ गुप्ता भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार भूरम 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 947 मार्च 1974 में लिखा है, जो मुक्तसर रोड में स्थित है (ब्रीर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है] रजिस्ट्रीकर्ता शक्षिकारी के कार्यालय, जैतो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्थ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजरट्री हुत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृध्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिनाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुक्ष करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीम निम्मकिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मिलखी राम सपुत्र बालफ राम, जैतो (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सम्बदेश स्टील रौविंग मिल्ब, जैतो (भन्तरिती) 15-27601/74

- 3. जीसा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में भ्राभोहस्ताक्षरी जानता है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में घड़ोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एत्द्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ता पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आकोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिचाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मुक्तसर रोड, पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ग० 947 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जैतों में जिखा है।

डी० एस० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्रभाषा आई० टी० एन० एस०——— आयमर अधिनियम, १५६१ (1961 वा ४३) की धारा 260-५ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गापक आसक्तर श्रामुगत (निरीक्षण) शर्जन रेज-2, टिन्सी

तई दिल्सी, दिनाः 4 सिताबर 1974

निर्देग रा०-आई०ए०गी०/एवयु०/11/779/74-75/2488-यतः, मुझे, सी०वी० गुति स्मान्तर णिटिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८०५ वे या अक्षम प्राधिकारी की यह विण्यास करने पात्ता ण कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत १५०००/- स्पर्ये में अधिक है और भीर जिसकी स० 15-दी के जो प्रगणन सम्मानगर, पजाबी बाग, विल्ली-34 में स्थित है (और इपने स्थापत अनुस्ची में और पूर्णे रूप में वर्णित है), रिजरद्रीतकों स्थितारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजर्द्रीकरण अधिविषया 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-4-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित पाणार मूचर से यम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत निलेश ने अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे रह निश्याम करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उतित नाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्क पित्रणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और उन्तिनी (अतरितियो) वे बीच तय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखित में यास्तिहक स्प से कथित नहीं विया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किरी आय की वाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये मुकर बनाना।

भौर यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वाक्त भागत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुमरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियो, अर्थातः——

- 1 श्री विलोक नाथ यग्रवाल सुपृत्त श्री रामदास प्रग्रवाल, तिवासी 18 प्रणोक्षा पार्क एक्सटेणन, रोहतक रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 श्री गगाधर सुपूत श्री मनोहर लाल निवासी 4012 नया बाजार, दिल्ली। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदबारा क्षार्यवाहियाँ गरू करना हू।

उस्त सम्पति ने अर्जन ने प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना वे राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आगे यह अधिसूचित क्षिया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय रखे जाने के जिए अधिकार होगा।

स्परदोकरण---इसमें प्रयुवत शब्दा और पदो का, जो आयकर अधिक्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राधा भाग याति कि (298 1/2 वर्ग गज) क्लाट न० 15 वी का जिसका कुल क्षेत्रफल 597 वर्ग गज है ग्रीर जो कि भ्रन्दकन मौजा सकूरपुर भगवान दाग नगर, दिल्ली-34 में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व---प्लाट न० 16-बी। पश्चिम---विल्डिग पर प्लाट न० 14-बी। उत्तर---सर्विस लँन। दक्षिण---बाकी हिस्सा प्लाट न० 15 बी,

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी महायत त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली

तारीख 4 सितम्बर, 1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 TI 43) की धारा 269-घ (1) ने अधान मूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रामक ग्राय्वत (निरीक्षण) ग्रामंन रज-2, दिल्लो

नई दिल्ली, दिनार 'स्टिस्टर 197

निर्देश स० ग्राई० ए० मा०/ वय०/22/१४६/७४-७5/ 2488--यन मुझ, मील बील गाते श्रायवण श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार १रय. 25,006 म्पये म अधिक है ग्रौर जिसकी सर् 15-बी है, जो भगवान वाल नगर, पञाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसरो उपावह धनुसर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्योता प्रधिकारी के जायीलय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-3-1974 को पूर्वीत सम्पति के उचिन बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल व निए रिजस्ट्रोबन विनेख ने अनुसार अतरित की गई है और मुझे यह विश्वास र रंग का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-रितियो) के बीच तय पाय। गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्टित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की वाबन आयकर अधिनियम, 1961 (104 वा .) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी अल्या विक्या धन ए। जन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीर जापवर अधिन्यम. 1922 (1922 वा 11) ए। जापवर र्यातियम, 1961 (1961 वा 43) ए। धन-वर अधिनियम. 1957 (1957 वा 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए या, श्रिपाने के निए सुकर ननाता।

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के दारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनसरण मे, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1 श्री विलोक नाथ प्रग्नवाल, सुगृत्र श्री राम दास ग्रग्नवाल, निवासी 18 ग्राणोका पार्क, एवसटे एन, रोहतक राड, नई दिल्ली-35 (ग्रान्तरक)
- 2 मर्व श्री श्राम प्रकाश, कुज बिहारा, श्याम लाल, श्रर्जुन लाल, रोशन लाल भगवान दाप गुपुल श्री नरमी दास निवासी नई मण्डी, हिसार हन्याणा। (श्रन्तरिती) को पह सूनना जारा मण्ड पूर्वांवा प्रभान के अर्जन के लिये एतदहारा कर्प्याहिया कुल वरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पो आक्षम, यदि काई कोई हो, तो--

- (क) उस मूचना का राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिए का जारांच का जारांच का जारांच की वारीख से 45 विकास की का का जा की अवधि बाद में समाज्यकात है। का भी अवधि बाद में समाज्यकात है। का भी करी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारी.
- (ख) उस सचार के राजपा में किरणन को तारीख से 45 दिन के भावर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य स्थावत द्वारा, अधारस्थाक्षरी के पास लिखित मंक्रिया सकेंग।

एतब्हारायह अध्यान तिया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति क्षा कर करें के एति क्षा कर करें के एति कि कर्म हों, की सुनवाई के लिए तर्ज ए पर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की कि न लेगा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों का दंग एगी।

अन्सूच

श्राधा भाग (याति कि 198-1 वर्ग गज) प्लाटन० 15-बी का जिसका कुन के नार 397 वर्ग गज है और जो कि अन्दरन मौजा सकूरपुर, भगवार दास तर्ग दिल्ली-34 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व--प्लाट न० 16 बी। पश्चिम--बिल्डिंग पर प्लाट न० 14-त्री। उत्तर--बाबी हिरमा प्लाट न० 15-बी०। दक्षिण--सङ्क।

> मी० बी० गुप्तै सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्कां रेज-2, मई दिल्ली-1

नारीख: 4 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 सितम्बर 1974

मिदेश सं० अमृतसर/जे०यू०एल/ए०पी०-1305/74-75---थतः मुझे डी० एस० गुप्ता

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख मं 2 2763 मार्च 1974 लिखा है, जो गांव सुख घांई में स्थित है (भौर इससे उपावक भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय भवोहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिपत्न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई मिसी क्षाय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत: भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कै भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) सनील कुमार पुत्र बनवारी लाल कृष्ण कुमार पुत्रः राम नारायण सैल्फ भुपिदर कुमार उर्फ भूपिदर कुमार पुत्र राम नारायण मार्फत, कृष्ण कुमार जी० ऐ॰ वासी सीतो गन्नो त० फाजिल्का (भ्रन्तरक)
- (2) सनील कुमार, निर्मेल कुमार, विजय कुमार पुत्र श्री चेतन राम वासी सुखरीन (भन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना क्षी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यबापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

धरती, गांव सुखचैन जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2763 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, प्रवोहर में लिखा है।

> बी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक धायकर धायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, धमुतसर

तारीख: 28 सिसम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सङ्ख्यक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) का कार्यासय ग्रजैम रेंज, धमृतसर

धमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निवेश अमृतसर /जालधंर/ए० पी०-1322/74-75:—-यतः
मुझे डी० एस० गुप्सा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की घारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
10722 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्केट, जालंधर में
स्थित है (धौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
1974, मार्च

को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए रजिस्ट्रीष्ट्रत विशेख के अनुसार अस्तरित की गई है और म्झे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिसिखित किये गए हैं।

अत: बब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के बद्यीन निम्नसिखित म्बन्तियों अर्थात्:— कमें सिंह मान पुत्र वसंत सिंह 389, लाजपत राय नगर,
 जासंघर ।

स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, ज्ञानी शंकर सिंह पुत्र वस सिंह नौनिहास सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमेंट झाफिस, दिसकुशा मार्केट, जालंघर। (अन्तरक)

2. मोहिदर कौर पुत्री पूर्ण सिंह, गुरक्कारा रोड, देहरादून (मृ०पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृक्षारा कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसके ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएंगी।

एसध्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थाधीकरण :-- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर शांक्षित्रयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/3 दुकाल म० 17 बी० दिसकुशा मार्केट, जासंघर में, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख म० 10722 मार्च, 1974 की रिजस्ट्रीकृत्तीं घोषकारी, जालंधर में लिखा है।

> (बी० एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज ग्रमुतसर ।

तारीचा: 28 सितम्बर, 1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत स्रहार

कार्यालय, महास्व प्रायवार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, विक्ली-1 कोन्द्रिय राजरम धवन, नई विक्ली 2

नई दिल्ली, बिनाय: 10 सितम्बर 1974

निर्देश स० आई० ए० मी०/एक्सू०/11/785/74-75/ 2601--याः, मुझे, सी० वंकि गुप्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 4.) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास ारने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- घ्पए भौर जिसकी संउ एड 🛒 👉 . जो कीनि नगर, नई विल्ली में स्थित 🕏 (भौर इससे उप 🚁 नित्यूच। से वर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीर्ण कत्ती अधिकारी क वर्णातम, दिल्ली में भारतीय राजस्दीकरण भिधिनियम, 1903 (1 '03 s't 16) के भिधीन 30/3/1974 1974 को पुर्बोदन सम्पत्ति ने प्राचत क्षाजार मृत्य र तम वे दशनान प्रतिफल रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार वर्गारत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि स्थापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यकान प्रतिपाल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) भीर अन्तरिती (अन्तरिहिण) के जीज तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिगत्ल निम्निनिग्त उद्देश्य से बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण में हुई किनी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मूकर बनाना; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधनार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मार्थ्स में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही गरू करने के कोरण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा १६७-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को १३) की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीम निम्मिस्थित व्यक्तियों, अर्थात्: ——

- श्रीमती जिसल जैन पत्नी श्री श्राप्त के लिन है है सी
 23/5 कला भयन, शक्ति नगर, दिल्ली-7 (श्रन्तपर्क)
- 2 श्रीमती प्रकाश जैन पत्नी भी रिव कुमार जैन निवासी, 9 अवर्ड कमला नगर दिल्ली- ७ । (ग्रन्निंगी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाद्वियां णरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पान आक्षेप, यदि कोई हो, तो .--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्याव्यन्धी व्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन वी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, क शांतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद्ध म एकाश्वन की तारीख में 45 दिन के भीतर उपन रथावर सम्मिन में हितबह किसी अन्य स्थित द्या, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

एतद्द्वारा यह अधिशृचित विधा जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्थावर का जिस के अर्जन के प्रति इस स्थावर के लिए तारीख और स्थाव नियंत किए जायेंगे और उसकी भूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा अक्षेप विया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एसदृहारा आगे यह आधम्जित विया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरावे अर्धात सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मध्यों आंग पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का भाग जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज (30'-60) जिसका प्लाट ग० एच०-87 जो कि श्रिधकृत कालोनी कीर्ति नगर, नई दिल्ली के गांव बम्साई दारावुर दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित हैं:---

उत्तर: मकान न० एच०-87 दक्षिण: मकान न० एच० -86

पूर्व: सङ्कः । पश्चिम: सर्विस लैन

भी० **वी० गुप्ते** सक्षम प्राप्तिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः : 10 सितम्बर 1974

प्रारूप भ्राई०टी०एन०एस०-----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा .269 घं (1) के ग्रधीन सूचना

भागत सरकार

कायलिय महायक श्रायदण श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनावः २ मिलम्बर 1974

निर्देश स० आए० है।० के ० | 8 | 74-75 - - यत , मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आएए आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1901 (1961 हैका 43) की धारा 269-च र अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन अज्ञार रीड नजदीन चंगी खाना है जो रोहतक में स्थित है (प्रार्थ इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण ख्या से विणित है), राजस्त्रीय राजियारी के वार्यालय, रोहतक में भारतीय राजिस्ह्राक्षरण आधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 माच

को पूर्वोक्त भम्पिल क उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजम्हीकृत विलक्ष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) जो अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वाम्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधि-नियम: 1961 (1961 का ±3) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना, आंग/या
- (ख) .ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या श्रायार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या पन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने के लिए सुकर अनाना,

आँग यतः आयक्तर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रक्ष्माय 20-क के गव्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाही सुरू करने क कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए है।

अतः श्रव, धारा 269-ग के यनुसरण में, गै, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्.—

(1) श्रीमती मिर्री देवी पत्नी श्री वखतावर मह, नियासी साहिन तहसीस झज्जर जिला रोहतक (श्रन्तरक) (2) (i) असर मिह (ii) श्री राज मिह (iii) श्री चन्त्रर पुत्रान श्री भगवाना नियामी समधारी खुरव, रोहतक (श्रन्तरिती) को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त भग्पनि के श्रर्जन के लिए एसवृद्धारा कार्यवाहिया एक करना है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति प्राक्षीन, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में रामान होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्ति हो में में किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तः स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचिन किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस श्रुचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुन्द्राई के लिए तारीख और स्थान नियन किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा धाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिनि को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रामे यह श्रिधस्तित तिया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचता दी गई है, माक्षेपों की सुनवाई के भमप सुन जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पच्छीकरण -- इसमे प्रयुक्त भव्दी और पदो का जो ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही यथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रीर विरुद्धिंग, जो कि झज्जर रोड, नजदीक चुगी <mark>खाना</mark> रोहतक ।

इस्ट---झण्जर रोड , वैसट---गली, कण्णा । नारथ---प्लाट ग्राफ श्री यणयन्त मिह. । साऊध---प्लाट ग्राफ श्री यणवन्त सिह. रोहसक ।

> जी० पी० सिह्, सक्षम प्राधिकारी सहास ६ ग्रायक्ष सायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, चण्डीसङ्

नारीख: "2-9-1974

प्रकृप धाई० टी • एन० एस०--

घायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घितन सूचना

भारत सरकार

सद्दायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय धर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं आई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० मार्च-II/1765/74-75/2539 नम---यत:, मुझे की० बी० लाल, भागकर धिनियम. 1961 (1961 की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से और जिसकी सं ० 389-ए है, जो अलाभ नं 2 ई० ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के नीच तथ पाया गया ऐसे झन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उदत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िन्सी आय की बाबस आयंकर अखिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें मारतीय माय-कर मिंचित्यम, 1922 (1922 का 11) या माय-कर मिंचित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर मिंचित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: ग्रम, धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं भायकर भवि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त की उपमारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भवांत्:--

- 1. मैं० डीं० एल० एफ० युनाइटेड लि॰ 40-एफ, कनाट प्लैस, नई विल्ली (अस्तरक)
- 2. श्री मोहन सिंह, सुपुक्त श्री नगोया सिंह, निवासी 52/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्धारा कार्यवाहियां शुक्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के प्रति धाक्षेप, यवि कोई हो, लो:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्चना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अम्सरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा मागे यह मिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के मिधीन सूचना दी गई है, माक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए मिधिकार होगा। स्पब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो मायकर सिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के सम्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही हांगे, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

की होस्ड प्लाट नं ० 389-ए, जिसका क्षेत्रफल 255 वर्ग गण है जो कि ब्लाक नं ० ई ग्रेटर कैलाश-II, नई दिस्सी में निम्न प्रकार से विरा हुआ है :---

पूर्व: सर्विस लेन पश्चिम: सङ्क

उत्तर : प्लाट नं० ई० 391 दक्षण : प्लाट नं० ई० 389

> की ॰ भी ० जाल सकम प्राधिकारी

सह्यक भायकर भायुक्त निरीक्षण भर्जन रॅज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ग्रमुतसर

अमृतसर, तारीख 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० अमृतसर/जालंधर/ए०पी०-1302/74-76---यतः मुझे डी० एस० गुप्ता घायकर मधिनियम, 1961, (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10504 मार्च 1974 को लिखा है, जो नकोदर रोड़, जालंधर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक्क भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केदृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ओर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-घ के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अव, घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 - व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दिलवाग सिंह पुत्र ऊधम सिंह जी० ऐ० आफ कंवलजीत कौर, परमजीत कौर, ग्रमरजीत कौर पुक्षियां दिलवाग सिंह वासी 300-ऐल, माइल टाउन, जालंधर (भ्रन्सरक)
 - (2) एस० ब्राई० व्रिक्स ऐंड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड, दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना। (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति। जसके मधिभीग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती नकोदर रोड़ जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 10504 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुग्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, ममृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर का कार्यालय

तारीख 19 प्रक्तूबर 1974

निर्देश स० ग्रमृतसर/ए० पी०-1346/74-75---यत: मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- र० से अधिक उचित बाजार मृल्य भीर जिसकी स० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4327 मार्च 1974 लिखा है, जो शास्त्री नगर, श्रम्तसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है], रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ध्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के धधीन 1974, मार्च को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ़ृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुर्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—

- 1. श्री राज कुमार पुत्र चमन लाल भाटिया लारैंस रोड नं० 13 अमृतसर श्रीर हीरा लाल पुत्र चमन लाल, गौतम नगर, श्रनकपुरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री सम्पूर्ण सिंह पुत्र हरदित्त सिंह वाजार चौक दरबार साहिब, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमोग गें ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षोप, यदि कोई है, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 . दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित विया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 194, शास्त्री नगर, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4327 मार्च । 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनाक 2 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एम० एन०/2/74-75—यतः मुझे जी०पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० जमीन है, जो मन्डी गोबिन्द गढं में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमलोह में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भन्नेल, 1974

- को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बधने के लिए सुकार बनाना; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. (i) श्री चिरंजी लाल

पुत्र श्री बिशना मल

- (ii) श्री हरी चन्द
- (iii) श्री हरबन्स लाल

ग्रब मालक :— रोड मास्टर इण्डस्ट्रीज राजपुरा । (ग्रन्तरक)

2. प्रतिभा देवी पत्नी श्री रतन लाल द्वारा में ० गिरधारी लाल सरूप चन्द, जी० टी० रोड, गोबिन्द गढ़। (अन्तरिती) की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहंस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना धी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का एक दुकड़ा, खसरानं ०७४ मिन ० चारों तरफ इस तरह है:

उत्तर -- कोठी श्री बनारसीदास

दक्षिण -- गली

पूर्व -- प्लाट श्री रतनलाल पति श्रीमती प्रतिभा देवी

पश्चिम -- रेलवे रोड,

वार्डनं० 5

मन्डी गोबिन्द गढ़।

जी० पी० सिं**ह** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, च**्जीग**ह

तारीख: 2-9-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर का कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० धमृतसर/जालन्धर/ए० पी०-1349/74-75---यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संवधारती का टुकड़ा जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंव 4198 मार्च 1974 लिखा है, जो पुतली घर, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पामा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मार्ब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

 श्री मोहिन्दर नाथ पुत्र शाम दास चालीयां कौरिया, धमृतसर। (धन्तरक)

- मैसर्ज शक्ति प्रिटरेज, पुतलीयर, प्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं2 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वव्हीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का दुकड़ा पुतलीघर ग्रमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्री-फूत विलेख नं० 4198 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रमृतसर में लिखा है ।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

सोहर:

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय ग्रर्जन रेंज, 1/25 दिल्ली-1 केन्द्रीय राजम्ब भवन नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निर्देश सं ० आई० ए० सी ०/एक्यु ०/1/801-III/एम ए आर-HII/1768/74-75/2539—-यतः, मुझे, डी० बी० लाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधीन सक्षम प्राधिकारी 269-₹ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं ॰ डब्ल्यू ॰ 43 है, जो ग्रेटर केलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1974 के उचित बाजार मृल्य से प्रकेषित सम्पत्ति कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल भा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि, भियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1), के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- मैं० डी० एस० एफ० युनाइटेट लि० 40 एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्सी (अन्तरक)
 - 2. (1) श्री अमर मिंह जोसान पुत्र एस० देवा सिंह जोसान,
 - (2) श्री मन्तोख सिंह जोसान पुत्र एस० अमर सिंह,
 - (3) श्री मिबन्दर सिंह जोसान पुत्र एस० अमर सिंह जोसान, निवासी एम-3, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाए और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अम्तरिसी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूँचित किया जाता है कि हर ऐसे अर्योक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जजीन का प्लाट नं ० 43 ब्लाक डब्ल्यू क्षेत्रफल 2654 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली म निम्न प्रकार से स्थित है :--

उत्तर : डिस्पेसरी की जमीन पश्चिम : दूसरों की जमीन

पूर्व : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० डब्ल्यू /41

डी० बी० लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 28-5-1974

प्ररूप आई• टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

अमृतसर, तारीख 28 सितम्बर1974

निदेश मं० भ्रम्तसर/जालंधर/ए०पी०-1303/74 75--यत: माने डी० तम० गुन्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार ग्रीर जिसकी में धरती जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10502 मार्च 1974 लिखा है, जो नकोदर रोड, जालंघर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 1() के श्रधीन 1974, मार्च को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यम।न प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-'नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दिलवाग सिंह पुत्र उधम सिंह जी० ऐ० ग्राफ चरण कौर पत्नी दिलवाग सिंह श्रीर श्रीमती वलविंदर कौर पत्नी कुलजीतसिंह, 300 ऐल माडल टाउन जालंधर (ग्रन्तरक)
- (2) एस० म्राई० क्रिकस एण्ड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड चौक दीपक सिनेमा, लिधयाना (म्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुनि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई-हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई हैं, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती नकोदर रोड जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10502 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ल घधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> ही० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेंज, श्रभतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर/जल०/ए० पी०-1316/**7**4-75--यत. मुझे डी० एम० गुप्ता भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/-ए० से प्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं मम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न 10222 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दोक्षर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स सभ्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच क्षय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घ्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, घारा 269 में अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— कमं सिह मान पुत्र वस्ति सिह मान, 389 लाजपत नगर, जालंधर। स्वर्ण सिंह जोहल पुत्र लाभ सिंह, जानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह, गौनिहाल सिंह पुत्र गोतान सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फन मैनेजमैंट ग्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर।

(अन्तरक)

- 2. कुलवंत सिंह पुत्र मीता सिंह वासी कालका जी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 दुकान नं० 2 एँ० दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10222 मार्च, 1974 को रजिस्ट्री-कत्ती श्रधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुष्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर का कार्यालय

ध्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदश स॰ ग्रम्तसर/जालन्धर/ए० पी०-1350/74-75---यतः मुझे डी॰ एस॰ गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) की घारा 269-ख के अधीन को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है मौर जिसकी स० जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 11002 महीना मार्च 1974 में लिखा है, जो फगवाडा गेट, जालन्धर मे स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची मे भौर पूर्ण से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के मधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ़ुत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बमाना; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः——

- 1. श्री धकाल सरन सिंह सपुत्र धनीर सिंह सपुत्र जीत सिंह बासी 217 लोजपत राय नगर जालन्धर (धन्तरक)
- 2. श्री नत्थु राम साहनी वासी 217 लाजपत राय नगर जालन्धर, हरबन्स लाल भनन्द संपुत्र गोधर शाह धानन्द वासी 217 लाजपत राय नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि न 2 2 पर है (बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति ओ सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ध्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि क्येई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के सभय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयदाद फगवाड़ा गेट जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखन ० 11002 महीना मार्च 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्बर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

सारीख: 28 सितम्बर 1974

मोहर ।

प्ररूप प्राई० दी० एम० एस०-

म्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 सितम्बर 1974

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एसग्रारIII- /मार्च-1/ 1699/74-75--यत:, मुझे डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु० से ग्राधिक है ग्रौर जिसकी सं०एम०-51 है, जो ग्रेटर कैलाश- II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबश ग्रनसुकी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन 12 मार्च 1974 की प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के प्रनुसार बन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (भन्तरको) भीर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-मार अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

मीर यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए **₹**i

अतः, अब घारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० खी० एस० एफ० युनाईटिङ सि० 40 एफ० क्नाट, प्लेस, नई विरुली।

(ग्रम्तरक)

- (2) सर्व श्री (1) सोहन सिंह गियानी पुत्र हुन्ण सिंह
 - (2) श्रीमती जगदीश गियानी निवासी ए०-1/128 वया नन्द कालोनी, लाजपत नगर 4, नई दिल्ली। (भ्रम्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवढ़ारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी व्यक्ति द्वारा, अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकोंगे।

एसदृद्वारा यह अधिमुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान मियत किए जाएंगे और उसकी सुचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्सरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैराके अधीन सूचनादी गई है, आसेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं एम ०-51 क्षेत्रफस 262 वर्ग गज जो कि निवासी कालौनी ग्रैटर कैसाश- II, के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: सड़क

पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट ने० एम०/49

दक्षिण: सर्विस मोन।

डी० बी० लास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः = .7 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, तारीख 28 सितम्बर 1974

निवेण सं० मम्तमर/जालधर/ए०पी०-1301/74-75--यतः मुझो डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10309 मार्च 1974 लिखा है, जो वस्ती शेख जालंधर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, के पूर्वोक्स सम्पत्ति उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-एकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-म के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीव निम्मलिखिल व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) कंवलजीत कौर पुत्नी दिलवाग मिंह भौर वलविंदर कौर परनी श्री कुलजीत सिंह भाफ 300-माडल टाउम, जालंधर मार्फत रु० दिलवाग सिंह उनके जनरल भटार्नी (भन्तरक)
- (2) ऐस॰ भाई॰ श्रिकस एण्ड शिरुडरज (प्रा॰) लिमि॰ चौक दीपक सिनेमा, लुधियाना मार्फत दर्शन सिह उनके ट्रस्टी (प्रश्तिपति)
- (3) जैसा कि नं ० 2 पर हैं (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभाग में प्राथोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में र्रंचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसब्द्वारा कार्यवाहियाँ शुक्त करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत कि आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पाद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती बस्ती शेख जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10309 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता सक्तम प्राधिकारी सहाधक झायकर झायुक्त निरीक्षण प्रजन रेंज, झमुससर

तारीख : 28 सितम्बर 1974

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय सहायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) ग्रजन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 ग्रगस्त, 1974

निर्देश सं० अर्जन/82/श्रागरा/73-74/155---यत: मुर्जी वाई० खोखर भायकर श्रिधिनियम, 1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, मूल्य 25,000/- रू० से **श्रधिक** है भौर जिसकी सं० 27/15 है जो नार्थ विजयनगर, कालोनी, ग्रागरा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय भ्रागरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन 14-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके प्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे म्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तिबों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर वतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्णीक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

धन: धब, धारा 269-ग के धनुसरण में, में, धायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्वात:—

- 2. श्रीमती हरदेबी पत्नी श्री राम लाल, खंग नि० 372, रतनपुरा, श्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्ती देवी परनी श्रीलाल वंशल नि० 27/15 नार्थ विजयनगर कालोनी, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविधि, जो श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह प्रधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्मिक्स को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रबं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्थ विजयनगर कामोनी में स्थित कोठी न० 27/15 का इस्तानांतरण 51,000/- में किया।

वाई० खोखर, सक्सम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज, कानपूर

तारीब : 26-8-74

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1974

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/स्क्यु०/1/एसम्रार०-III/मार्च-II /1740/74-75/2539---यतः, मुझे, डी० वी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था बर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 76 है, जो ब्लाफ नं० एस, ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर जससे उपावद अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन को पूर्विक्स सम्पत्ति 26 मार्च 1974 उपित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरिन गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी सरू करने के कारण मेरे द्वारा अमिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपध्रारा (1) के अधीन निम्मलिखत व्यक्तिमों, अर्थातः— मै० डी० एस० एफ० युनाईटिड सि० 40-एफ, कमझ्ट प्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री हंस राज तनेजा, सुपुत्त श्री भोजा राम तनेजा निवासी 928, कचा कारबृल ग्रतार, चांदनी चौक, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्येवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचमा के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वं वर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड प्लाट नं० 76 जिसका क्षेत्रफल 409 वर्ग गज है जो कि ब्लाक नं० एस० ग्रैटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घरा हुआ है:---

पूर्वः सर्विस लैन।

पश्चिम : सड़क । उत्तर : सड़क ।

दक्षिण:प्लाट न० एस०-78।

ही० बी० लाल

तारीख: 7 सितम्बर 1974

मोहर:

4 सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-I, दिल्ली,

नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1974

निवेश सं० माई० ए० सी०/एक्यु०-1/एसमार०-III/ मार्च-II /1741/74-75/2539—-यतः मुझे डी० बी० लाल अधिनियम, **धायकर** 1961 (1961 軒 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये अधिक भौर जिसकी संख्या डब्ल्यू-42 है, जो ग्रेटर कैलाश-II , नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 26 मार्च 1974] को पूर्वीक्ल के उचित ब।जारमूल्यसे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीहरू विलेख के अनुसार अम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-पूर्वोक्स सम्पत्तिका उत्रित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक 🖁 और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्म-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अम, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- में डी॰ एस॰ एफ॰ युनाईटिड सि॰ 40 एफ कमाट प्लेस, नई विस्ली।

(ग्रम्सरक)

2. सर्वत्ती नागर मल नाथ मल, राधेश्याम श्रोम प्रकाश केजरी-वाल पुलगण श्री क्रिज लाल केजरीवाल नं 2 13, 4 लाजपत नगर, रिंग रोक, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप, यदि कोई हो, हो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अर्घाहरताक्षरी के पास लिखिश में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यम्सि को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यचापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन का प्लाट नं० 42 ब्लाक नं० डक्ट्यू क्षेत्रफल 1642 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व:सर्विस लैन। पश्चिम: सङ्का।

उत्तर:सङ्क।

तारीखा: 7-9-1974

वक्षिण : प्लाट नं० डब्स्यू /44

डी० बी० सास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली, मई दिल्ली-1

प्ररूप माई० टी० एन० एस०——— शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भर्जम रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1974

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/प्राई/एसग्रार०-III/मार्च-II /1742/74-75/2539---यतः, मुझे डी० बी०लाल आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिसकी सं० ई-960 ए० हैं, जो ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 26 मार्च 1974

को पूर्वोशत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-निवंत्र 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपसारा (1) के असीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मै० डी० एल० एफ० यनाईटेड लि० 40-एफ० क्र्नींड म्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मै० रनवेल इष्यिडया, प्रा० लि० पटौदी हाऊस, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई हैं, आसेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यव्हीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फी होल्ड प्लाट संख्या ई-96, ए०, जिसका दिलफल 317 वर्ग गज है और जो कि ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में में जो कि निम्म प्रकार से घिरा हुआ है।:—

पूर्व: सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन । उत्तर : प्लाट सं० ई-98। दक्षिण : प्लाट सं० ई-96।

> डी० बी० लाल सक्षम प्राधिकारी

तारीखः 7 सितम्बर 1974

मोहर:

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 विस्ली, मई विल्ली।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

झायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यु०2/8पी- III/मार- II/ 1747/74-75/2539--- यतः मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10 टोडर मल रोड़ है, जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 मार्च 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्दृोक्षत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रध-नियम, 1961(1961का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

भीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रम, धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :---

1. श्रीमती ठाकुर देवी पत्नी स्व० प्रो० राम देव निवासी 1-49 जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली (2) श्री सुरेश कुमार जोधरी पुत्र स्व० प्रो० राम देव निवासी 1-14 नभाना पाली हिल, रोड़, बान्द्रा, बाम्बई-50। द्वारा श्री सुरेन्द्र कमार जनरल अटारनी

(3) श्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी पृक्ष स्व० प्रो० राम देव निवासी 1-49, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मधुर रानी पत्नी श्री नरेश प्रसाद सिंगल निवासी सी० आई० टी० रोड़ क्लबत्ता आजकल 10 टोटोर मल लैन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती स्वर्ण चन्दरा पृत्नी स्व० प्रो० राम देव दिवासी 10 टोडर मल रोड।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एसद्-द्वारा कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ती---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्कारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए नए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि टर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेधर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 के अध्याय 20-क)में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सारी जायदाद लोजहोल्ड पर जिसका प्लाट नं 10 डोडर मल रोड़ मार्डन स्कूल के पीछे नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरी है:---

उत्तर : सर्विस रोड़ दक्षिण : मैंन रोड़

पूर्व: प्लाट नं० 74 (12 टोडर मल रोइ)

पश्चिम : सर्विस रोड

तारीख: 7-9-1974

डीं० बी० लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-1 प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जं न रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी॰ चन्डीगढ़, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सी० एच० डी०/77/74-75---यत:, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक भायकर भायक्त निरीक्षण भर्जन रेंज चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 **का 43**) भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपये से अधिक भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 39, गली 'सी', सैक्टर 21-सी, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्य भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरद्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974 मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करनेका कारण है कि यदापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे युश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने के लिए सुकर बनाना ।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नवम 1981 (1961 का 43) की घारा 269-थ की उपधारा ों) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्री मनोहर लाल मित्तल, पुत्र श्री शिव करन दास मालगोदाम रोड़, बठिन्डा (ग्रन्तरक)
 - (2) (i) श्रीमती राज कौर, पत्नी ग्रसचर्ज सिंह
- (ii) श्री परीत मुहिन्द्र सिंह पुत्र श्री ग्रसचर्ज सिंह, निवासी 2081, सैक्टर 21-सी०, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुमवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वंदर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(पुराना) प्लाट मं० 39, गली 'सी' सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ (नया) प्लाट नं०, 2085, गली 'सी' सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 2-9-1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत मरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश मं० ए०एस० आर०/जुल/एपी-1306/74-75---यतः, मुझे, डी एस ग्राता, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी गं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10115, 10175, 10118, 10117, 10116 मार्च 1974 लिखा है, जो दिलकुणा मार्कीट जालंधर में स्थित है (और इसमे उपावद्ध मनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिलकुणा मार्कीट जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, जालंधर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत

मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) कर्म सिंह मान पुत्र वसंत सिंह मान 389 लाजपत राय नगर, स्वर्ण सिंह जोहल पुत्र लाभ सिंह जौहल, ज्ञानी संकर सिंह पुत्र वल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह, मार्फत मैनेजमैंट ग्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर (मन्तरक)

- (2) कमलजीत सिंह पुत्र मीता मिह वानी नूरमहल जसवंत कौर पुत्री मेहर सिंह श्रद्डा कपूरथला, जालंधर मीता सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह वस्ती इदापुर, लुधियाना मजीत सिंह पुत्र मीता सिंह वानी लोटस रोड कानपुर कुलवंत सिंह पुत्र मीता सिंह वानी कालका जी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेगों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5 सी, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 10115, 10175, 10118, 10117 श्रीर 10116 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमनसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जुल/ए० पी०-1307/74-75:

-यत:, मुझे, डी० एस० गुप्ता, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10552,10551, 10550, 10549 श्रौर 10635 है, जो, दिलकुणा मार्विट, जालंधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोक्टत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्टत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) कर्म सिंह मान पुत्र वसंत सिंह मान, 289 लाजपत नगर, जालंधर। स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह जौहल जानी गंकर मिंह पुत्र बाल सिंह, तौ निहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फन मैनेजमैट ग्राफिस दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। चतर सिंह पुत्र एल० एस० ग्रौलक वासी कालका जी, नई दिल्ली।

(2) लाहौरा सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह विलगा जमपाल सिंह पुत्र लाहौरा सिंह वासी सीकरी बाजार, जिला जालन्धर मौहिन्दर कौर पुत्री पूर्ण सिंह वासी गुरद्वारा रोड, झांसी देहरादून,

दिविदर सिंह पुत्र लाहौरा सिंह वासी, मसूरी (यू० पी०)

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 परहै। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :-

- (क) इस सूजना के राजपल के प्रकामन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख़ और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 9 सी० दिलकुषा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रजि-स्ट्रीकृत विलेख न० 10552, 10551, 10550, 10549 ग्रौर 10635 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालधर में लिखा है।

ही शाम गुना, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्राय्कन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमुनसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्य भवन, नई विल्ली

नई दिल्ली, तारीख 10 सितम्बर 1974

निर्देश स० ब्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/एस० ब्रार० 1/ 784/ 74-75/2601--यत. मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है भौर जिसकी स० एच०/87 है, चो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) राजिस्ट्री-कर्ता श्राधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-3-1974 पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिरट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

आंर अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के नारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः---

- श्रीमती उमिला जैन पत्नी श्री द्यार० के० जैन, 23/5, णक्ति नगर, विल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रकाश जैन पत्नी श्री रावि कुमार जैन, 93-ई, कमला नगर, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूची

जमीन का प्लाट क्षेत्रफल 200 वर्ग गज $(30'\times60')$ जो कि प्लाट नं० एच० 87 कीर्ति नगर, नई दिल्ली के गाँव बसाई दारापुर दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है :—

उत्तर : मकान नं० एच०/88

पूर्व: सड़क

दक्षिण : सकान नं० एच०/86 पश्चिम : सर्विस लैंग ।

> सी० बी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 10 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 10 सितम्बर 1974

निर्देश सं भाई । ए० सी । / एसप् । 11/एस० मार०-1/74-75/783/2601--यत , मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० एच/87 है, जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-5-1974 भो पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपक्ष, निम्निखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती प्रकाश जैन पत्नी श्री रिव कुमार जैन, निवासी ई-93, कमला नगर, दिल्ली-7 (अन्तरक)
- श्री राजिन्दर कुमार पुत्र श्री लाल चन्द, 8/41 रमेश नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाघर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निष्ण गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतर्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट क्षेत्रफल 200 वर्ग गज (30' × 60') जिसका नं ० एच० 87 है जो कि ग्रधिकृत कोलोनी कीर्ति नगर, नई दिल्ली के गाव बस्साई दारापुर में निश्न प्रकार से स्थित हैं :--

उत्तर : मकान नं॰ एच/88

पूर्न : सड़फ

दक्षिण : मकान न० एच/86

पश्चिम : सर्विम लेन

सी० बी० गुप्ते, मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 10 सिनम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) **ग्रर्जन रेज** 1/2 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 7 मितम्बर 1974

निर्देश म० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०प्रार०-III/ मार्च-I/1712/74-75/2539---यतः, मुझे डी० बी० लाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र०से अधिक है ग्रीर जिसकी स० 45 है, जो ब्लाक न० एम०, ग्रैटर कैलाण, नई दिल्ली में स्थित ह (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय,दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15 मार्च 1974

को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भ्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

श्रीरयतः भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए है ।

ग्रतः ग्रव, धारा 269-ग के धनुसरण मे, मै, ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

1. मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40-एफ०, कनाट पैलेश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री सत्या कोपाल दुग्गल, मूपुत श्री दीवान मदन भोहन गोपाल दुग्गल व श्रीमती राज दुग्गल, पत्नी श्री सऱ्या गोपाल दुग्गल, निवासी जी०-346, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वनित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग्द्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे क्षिये जासकेंगे।

एतदृद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति कं श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत विए जाएंगे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा ।

स्पध्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त मन्दो ग्रीर पदो का, जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फी होल्ड प्लाट न० 45 जिसका क्षेत्रफल 250वर्ग गज है फ्रांर जो कि ब्लाक न० एम० ग्रेटर कँलाश-II, नई दिल्ली मे स्थित है भीर जो निम्न प्रकार से घिरा हुन्ना है :--

पूर्व: सङ्क

पश्चिम:सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट नं० एम०-43 दक्षिण: प्लाट न० एम०-74।

> डी० बी० लाल, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 7 सितम्बर 1974 मोहर:

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 7 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवय०/एम० ग्रार०-III/मार्च-II /1727/74-75--यत , मझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौप जिसकी सं० डब्ल्यू-89 है, जा ग्रेटप केलाश-U, नई दित्ली में स्थित है (और जभग लपाबढ़ धनगुर्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्दीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 मार्च 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-फल का पन्द्रष्ठ प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुक्षर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कं के शब्दों में पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 मै० ছী০ एल० एफ० युनाईटिड लि० 40 एफ फनाट प्लेम, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)

- 2. श्री ग्राशीक पाल पुत्र डा॰ डी॰ पाल
 - (2) कु० भाला पाल पुत्री डा० डी० पाल
 - (3) डा० डी० पाल पुट्ट नानक चन्द्र निवासी डी० ई०-105 टंगोर गाइन, नई दिश्या

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां शुरू करता हं :---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दीं जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका न० 89 ब्लाक नं० डब्ल्यू क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज जो कि निवासी क लोनी ग्रेटर कैलाका-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार में घिरा है:——

पूर्वः सड़क

पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तरःष्लाट नं० डब्ल्यू/89 ए। दक्षिणः दूसरां की जमीन।

> डी० बी० लाल सक्षम प्राधिकारी महायंक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: ७ सितम्बर 1974

भारत सरकार

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, चण्डीगढ़ का कार्यालय चण्डीगढ, दिनांक 2 मितम्बर 1974

निर्देश सं० सी० एच० डी०/99/74-75---यतः, म्झे, जी० पी० सिंह सहायक श्रायक श्रायकत, श्रर्जन रेज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 राये से अधिक है और जिस्की सरया म०नं० 1010 सेक्टर 27-बीं० है जो चन्हींगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ ग्रनुसूची म ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीक्त्तां ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्**टी**करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 श्रप्रैल को पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीयृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उन्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (व) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के एन्द्रों में पूर्व यत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिन किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रेम जन्द पंडित, म० न० 31, सैक्टर 4, चन्डीगढ़ (ब्रन्तरक)

- (2) (i) श्री श्रानन्द स्वरूप
 - (ii) थीमती मुरेण रानी
- (iii) श्री ग्रणांकः कुमार (iv) श्री श्रमण कुमार पृत्र श्री श्रानन्द स्वरूप म० न० 510 मैं क्टर 8 वीं व्यन्तीगढ़ (श्रान्तरिती) को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्दारा कार्यवाहियां गुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी गूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय गुन जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---रममें प्रयुक्त णब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

म० नं ० 10 । ० सँकटर 27-बी ० चन्डीगढ़

जैसे कि रजिस्ट्री कृत विलेख न० 109, श्रप्रैल 1974 को सब रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफतर में लिखा है

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

सारीख: 2-9-1974

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, II, ग्रहमदाबाद दिनांक 25 मितम्बर, 1974

निदेश मं० 160/ए०सी०क्यु०-23-148/19-8/73-74---यत: मुझे पी० एन० मित्तल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० नोंध नं० 1112 मे 1117 तक श्रीर 1118 बी श्रीर 5186, म्यु० वार्ड नं० 4 है, जो दानापीठ बेगमपुरा, सूरत में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 22-3-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—-

- मैं० बी० डी० थियेटर्स, बम्बई की श्रोर से उसके सिंहियारी:
 - (1) बजन दादीया भरुचा
 - (2) श्रीमती ग्रलवा फारमरोज पूनावाला
 - (3) गाताराङ बेगम भरवा
 - ig(4ig) दादी फारम रोज, पूना वाला
 - (5) बुरजोर फारम रोज, पुनावाला
 - (6) साँयाराम फारमरोज पुनावाला
 - (7) रविन्द्रपुरुषोकत्तम पटेल
 - (8) सुरेन्द्र रतिलाल पटेल

(9) हर्षंद रतिलाल पटेल,

(10) घीमभाई उर्फ धरमदास रणछोड़भाई देसाई

(11) बावडभाई मगन भाई देसाई

(12) हरीय भाई मनुभाई पटेल (ग्रन्तरक)

2. श्री मुरेश चन्द्र गमनलाल चोकशी

(2) रमेणचन्द्र गमनलाल चोकशी

- (3) श्रनजनीबेन प्रवीत चन्द्र चोकशी
- (4) जयश्री बेन विमन चन्द्र चोकशी
- 3. (1) प्रोप० नीलम रेस्टोरेन्ट
 - (2) मैं० जनरल सायकल मार्ट
 - (3) मैं० गुप्ता मुन्शी एण्ड कं०(4) संजय एक्सहीबीटर्स

, (यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री नटवरलाल

(वह र्व्याक्त, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता र कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए तद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर मम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'मोती टाकीज' नामक श्रम्बल सम्पत्ति (जमीन श्रीर मकान) नोंध नं । 111, 1113, 1114, 1115, 1116, 1118 बी, श्रीर 5186, म्यु॰ वार्ड नं । 4, जिसका कुल माप श्रमण: 1210 वर्ग गज, 138 वर्गगज, 135 वर्ग गज, 31 वर्ग गज, 30 वर्ग गज, 30 वर्ग गज, 56 वर्ग गज, श्रीर 7 वर्ग गज है (कुल माप 1657 वर्ग गज) जो दाता पीट, बेगमपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी बम्बई के मार्च, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न ॰ 2648/73-श्रार में प्रविशत है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रैंज II, घहमदाबाद

तारीख: 25-9-74

प्रस्प भाई० टी० एन० एम०-

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 क् 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 16 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सी० एच० डी०/डी०एल० आई०/29/74-75---यतः मझे, जी० पी० सिंह सहायक श्रायकर श्रायक्त श्रर्जन रेंज, ग्रधिनियम, 1961 भायकर का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक श्रौर जिसकी सख्या प्लाट न० 40 सैक्टर 7-सी० है जो चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार ग्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है धौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई फिसी श्राय की बाबत श्रायक्षर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर दैने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: श्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्बवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

त्रत : त्रव, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:---

(1) श्री हरबन्स सिंह सुली, 10 एफ०/11, वसन्त विहार, नई दिल्ली (श्रन्तरक) 19—376GI/74 (2) श्री भुतिन्दर सिह, मं० नं० 56 मैं क्टर 9-ए० चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एनद्दारा कार्यवाहिया शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए स्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा श्रागे यह श्राधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के स्रधीन सूचना दी गई है, स्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए स्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 40 मैं क्टर 7-सी० चन्डीगढ़।

जी० पी० सिह् सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज चण्डीगढ़

सारीख: 16-9-1974

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० श्रमृत०/जालन्धर/ए० पी०-1339/74-75—यत : मुझे डी० एस० गुप्ता

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ___25,000/-रु० से ग्राधिक है <mark>प्रौ</mark>र उचित बाजार मृल्य जिसकी मं ० धरती जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख नं ० 10989 मार्च 1974 लिखा है, जो नजदीक माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्नन्यूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचि बाजार से कम के दृश्यमान के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ब्रन्सार ब्रन्तरित की गई है ब्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीव सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है भ्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तकों) भ्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तर्ण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत श्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना ग्रौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-करश्रिधनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यत: ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रधिलिखित किए गए है।

भ्रत : श्रब, धारा 263ग के भ्रनुसरण में, मैं, श्रायंकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीन :---

- (1) श्रीमती सरस्वती बाई विधवा श्री राम लाल पुत्न श्री राम चन्द , डब्ल्यू० एफ०-145, ग्रली मोहल्ला, जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) दी भ्रमृत को स्रापरेटिव हाऊम विर्लाडग सोसायटी लि० जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जसा कि नं० 2 पर है। (वस त्यक्ति जिसके अभि-योग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता हो। (वह क्किक्त जिसके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के एतद्वारा कार्यवाहिया मुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति ग्राक्षिप, यदि कोई हो तो ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबधी व्यवतयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एसद्द्वारा यह श्रिधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पन्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए श्राक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पन्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदहारा श्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूबवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षणो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरणं:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियमं, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्यायं 20-क ूमे यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होंगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन नजदीकं माडल टाऊन, जालन्धर जसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10989 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्त सारीख 28-9-1974। सक्षम प्राधिकारी मोहर: महायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अमृतमर

ग्रम्तसर, दिनाक 28 सितम्बर, 1974

निदेश स० श्रम्तसर/जालन्धर/ए०पी०-1340/74-75--यत:, मुझे डी० एस० गुप्ता,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-०० में अधिक है श्रौर जिसकी स० जमीन का ट्रक्टा जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10233 मार्च 1974 लिखा है, जो गोविदगढ़ जालधर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख श्रनुसार ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्याक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिभत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तको) और अन्तिरिती (श्रन्तरितिया) के बीच तय पाया गया ऐस अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भ्रौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियो को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रधिनिम, 1961 (1961 का 43) य धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

भीर यत : श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रधिलिखित किए गए हैं।

भ्रत अब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रधीत:---

- (1) श्रीमती दयावन्ती विधवा दीना नाथ बासी मोहल्ला कृष्ण नगर, जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरमेज कीर पत्नी श्रत्तर मिह गाव काकी त० जालन्धर । (भ्रन्तरिती)
- (3) जैमा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग मे ग्रधो-हम्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहिया श्रुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के प्रति भ्राक्षे,यदि कोई हो तो .---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यवितयो पर भूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो श्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह ऋधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपो, यदि कोई हो, की मृनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा ब्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी ।

एतदद्वारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, प्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के द्यध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, मोहल्ला गोविन्द गढ़ जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10233 मार्च 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> डी० एम० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 28-9-1974

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भागुक्त निरीक्षण का कार्यालय श्चर्जन रेंज, अमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० भ्रमृतसर/जालन्धर/ए०पी०-1341/74-75--यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का सं प्रधिक है बाजार मृत्य 25000/-भौर जिसकी सं० धरती जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10512 मार्च 1974 लिखा है, जो मकसूद पूर, जालन्धर में रिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित प्रतिफल के लिए र्शजस्द्री कृत कम दृश्यमान विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पनि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि प्रन्तरक (अन्तरकां) भौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग लिखिन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए स्कर बनाना भौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या श्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के **प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए** कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखित किए गए है

श्रत : ग्रब, धारा 269-घ के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :---

- (1) पंडित चरणजीत राय पुत्र पंडित बेली राम पुत्र जीर्धेन दास, वासी गांव मकसूदपुर त० जालन्धर मार्फत जालन्धर कोल्ड स्टोरज, जी० टी० रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) मैं ० हैमको इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, मकसूदा मार्फत श्री श्रोम प्रकाश पुत्र धीरत राम, मैनेजिंग डायरैक्टर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अभियोग मे अधोहम्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो।

एतदृहारा कार्यवाहियां शरू करता हं।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्र है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये

उन्त सम्पत्ति के श्रजंन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई है ते। ---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थादर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्पर मे किये गए श्राक्षेपों, यदि कोई ो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रार स्थान नियत किए जाएगे भ्रोर उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तिश्ती को दी जाएगी।

एतदहारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूबनतीं पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में यथापरिभावित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया है।

भ्रनुसूची

धरती गांव मकसूदपुर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10512 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर मं लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक, भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीखा: 28-9-1974

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-153 (89)/11-4/73-74 यत: मुझे जे० कथुरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सिटी सर्वे न० 5313 तथा 5314 है, जो रेल्वे स्टेशन की उत्तर तरफ, पोरबंदर में स्थित है (श्रीर इसरें। उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीयन्ति श्रधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजरट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अन्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ना पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थातृ:—-

(1) मैसर्ज दताणी इन्डस्ट्रिज पोरबंदर के भागीदार

- (1) श्री वृजलास कानजी दताणी,
- (2) श्री गीरजाशंकर मुलजीभाई थानकी, Co/मैंसर्जणी० दताणी, एम० जी० रोड, पोरबंदर (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री गोरधनदास वल्लभदास,
- (2) श्री छोटालाल वल्लभदास,
- (3) श्री मनुभाई वल्लभदास,

लीमडाचोक, पोरबंदर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, को आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है। श्रनुसूची

जमीन (बांधकाम मरित) जिसका क्षेत्रफल 5408-7-0 वर्ग गज है, भीर जिसका सर्वे नं० 5313 तथा 5314 है भीर जो रेल्वेस्ट्रेगन के उत्तर की थ्रोर, पोग्बंदर में स्थित है, थ्रौर जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्वः ----श्रन्तरककी सम्पत्ति

पश्चिम :---महाराणा मिल्स के क्वार्टर

उत्तर:--महाराणा मिल्स के क्वार्टर

दक्षिण :--रेल्वे सड्क

जे० कयूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-9-1974

प्ररूप आई०टी० एन०एस०-

भायकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1974

निर्वेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-144 (90)/16-6-/73-74—यत: ,मुझं, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 345 तथा 346 है जो नूनन सौराष्ट्र प्रेस के निकट, सदर, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में भारनीय र्राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन 15-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रजिरद्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे भ्रारा अभिलिखित किए गए हैं।

असः अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

(1) श्री सदारगमल गुरुमुखदास मोटवाणी, नूतन सौराष्ट्र प्रेस के निकट, सदर, राजकोट (अन्तरक) (2) श्रीमती जुबेदाबा है नजर ग्रली पटेल, 'कोलम्बा हाउ सू जनसत्ता प्रेस के निकट, राजकोट (श्रन्तरिर्ता) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 307-1 1/2 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं 0 345 तथा 346 है, और जो नूतन सौराष्ट्र प्रेस के निकट, सदर, राजकोट में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्निखित हैं:—

पूर्वः ----दूसरा मकान पश्चिमः----नूतन सौराट्र प्रेस उत्तरः----नाला दक्षिणः -----नूतन सौराय्ट्र प्रेस रोड

> जे० क्थूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-I श्रहमदाबाद

तारीख: 13-9-1974

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 सितम्बर 1974

निदेश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/एस० ध्रार० (मई)/74-75/782/2601-यतः, मुझे, मी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961(1961 का 43) की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ध्रधिक है और जिसकी सं० लाट नं० 40 ब्लाक मी० है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ध्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझ यह विष्यास कन्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (1) हरजीत सिंह (2) थी परमजीत सिंह (3) श्री कंवलजीत सिंह पुत्रगण श्री प्रीतम सिंह निवासी सी-42 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पाम निखित में किए जा मकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क म यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट नं० 40 ब्लाक नं० मी० क्षेत्रफलं 1109 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी राजौरी गार्डन के गांव बसाई दारापुर दिल्ली में है।

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 10 सितम्बर 1974

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43)की धारा 269-घ(1) के धधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज प्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

ΛSR / JUL / AR -1323/ 74-75:---यत मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है बाजार मुल्य सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न । 10684 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुणा मार्कीट जालंधर में स्थित है ओर इससे उपाबद्र अनसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर मैं भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य यापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फ ल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मीं, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

कर्म सिंह मान पुत्र बसंत सिंह 389 लाजपत नगर,
 जालंधर।

स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह जौहल, जानी शंकर सिंह पुत्र यल सिंह, नौनिहाल गिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप गिंह मार्फन मैंनेजमैंट ग्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। (ग्रन्तरक)

2 लाहोरा सिंह पुत्र गुरिंदयाल सिंह वासी कालका जी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

(3) जैना कि नं० 2 पर है। (व र्बा किन जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनयद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति नारा;
- (न्ध) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाल में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

1/3 भाग दुक्षान न० 17 बी० दिलकुशा मार्कीट, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10684 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

> सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्राजन रेंज-2, नई दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/11/786/74-75---यतः, मुक्ते सी० बी० गुप्ते भायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. उचित बाजार मुल्य 25000/- रुपये से अधिक है **भीर जिसकी** सं \circ $v_1 = v_2 = v_3 = v_4 = v_$ है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रिप्तिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 29-2-1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रम्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभि-जिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अखिलियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की क्यांकरा (1) के अधीन निम्नासिकत व्यक्तियों, अविन :---

(1) श्री नारायन दाम पुत्र श्री उत्तम चन्द 5/2 सिंह सभा रोड्, सब्बी मंडी, दिल्ली (श्रन्तरक) 20--376GI/74

- (2) श्री राम लाल पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र 569 गांधी मार्केट, चादनी चौनः, दिल्ली (श्रन्तरिनी)
- (3) सर्वश्री (1) प्रहलाद कुमार साहनी पुत्र श्री राम लाल साहनी (2) श्री गुलाशन कुमार साहनी पुत्र श्री राम लाल साहनी (3) श्री राजिन्दर कुमार साहनी पुत्र श्री राम लाल साहनी सभी निवासी ए-2/6 माडल टाउन, दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहम्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्सी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्मब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्रीहोल्ड प्लाट क्षेत्रफल 450 वर्गगज न० ए०-2/14 जो कि निवासी कालोनी माडल टाउन क्षेत्र गांव मिलकपुर छावनी दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है.---

उत्तर : प्लाट न० ए-2/14ए पर बनी जायदाद दक्षिण : प्लाट न० ए-2/13 पर बनी जायदाद पूर्व ः सड़क

पश्चिम : लैन

मी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीखा: 18 सिनम्बर 1974

मोहर ;

कार्यालय महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भ्रमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

म० ग्रम्तसर/जालन्धर/ए०पी०-1351/74-75 ---यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 २० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० धरती का ट्षड़ा जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10852 मार्च 1974 में लिखा है, जो इंडस्ट्रील एरिया जालन्धर में स्थित है, झौर इससे उपाबद्ध भनसूची में भ्रौर पूर्ण मे विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरको) भ्रौर अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना, श्रौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना।

ग्रीर यतः, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43). के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रीर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखन किए गए है।

श्रतः, श्रब, धारा 269-ध के भ्रनुसरण में, मैं भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो, अर्थान् :--

- 1. श्रीमती शीला वती पत्नी मंगल सिंह वासी डब्ल्यू० बी०-7 मोहल्ला खज्रा, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. तारासिहं सपुत्र जवाहरिमंह वासी एन० बी० 291 लक्षमी पुरा, जालन्धर (प्रन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है ।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनट् तारा कार्यवाहियां गुरू करना हं।

उक्त सम्मति के प्रजीन के प्रति आंक्षीन, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के प्रजंत के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख़ और स्थान नियंत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

धरती का टुकड़ा इन्डस्ट्रीम्रल एरिया जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10852 महीना मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राक्षिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त नि<u>रोक्षण</u>) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निदेश स० बी० जी० ग्रार०/(डी० एल० ग्राई०)/31/74-75--यत:, मुर्झे, जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेज, चन्ज्डीगढ । आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-से श्रिधिक है मुल्य रु० ग्रौरं जिसकी संख्या प्लाट नं । 14, इन्डम्ट्रीयल कालोनी, डी० जी० एफ० इन्डस्ट्रीयल इस्टेट न० 11 है जो फरीदाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली मे भारतीय रजिस्ट्री-**फरण ग्रिधिनियम**, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 1974 मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरको) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से लिखित मे नास्तविक रूप से कथित उक्त ग्रन्तरण महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिल किए गए हैं।

धतः अन, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर धिविनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीया लाल पुत्र श्री गोपी राम, निवासी 11, 12, श्रीर 13, शान्ति निवास, जनपथ लेन, नई दिल्ली (ग्रन्तरक) (2) श्री बासवेव श्ररोड़ा पुत्र श्री करम चन्द श्रराड़ा, निवासी एफ० 31, कीर्ती नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्धी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट (मिन्ती 2329 वर्ग गण नं० 14,) जो कि इन्डस्ट्रीयल कालौनी डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल इसटेट नं० 11, स्टोन न० 13/5, दिल्ली मथुरा रोड़, फरीदाबाद, जिला गुड़गांवा (हरियाणा) में स्थित है।

> जी० पी० सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ

नारीख: 2-9-1974

प्ररूप माई० टी० एन० एस०------म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-2, मद्रास

मद्रास-600008, दिनाक 12 ग्रगस्त 1984

निर्देश स० 1141/74-75---यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव ग्रधिनियम, 1961 (1961 की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ऋधिक है ग्रौर जिसकी स० वड ग्रधरम गाव में खाली भूमि जिसका एस० स० 6 श्रीर 8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1974 को पूर्वीक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार ब्रन्तरित की गई है ब्रौर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत श्रधिक है झौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया --:र्ह

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर भ्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; भीर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती भ्रारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

श्रीर अतः श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रमिलिखित किए हैं।

अत अब धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्रो 1, बी० परन्तः मन, 2 पडमनाबन; 3. चौदिरि;
 4. जयचन्द्रन, 5. श्रीनियासन; 6. पापैया; ग्रौर रानि,
 66 तिरुपति स्ट्रीट, मद्रास-1 (श्रन्तरक)
- 2 1 एस० ए० श्रार० फातिमुनु, 2 इजड० ए० रजीना;
 3. एन० एस० ग्रब्दुल खाडर उम्माल; 4 एम० एस० जैनाल
 नाचि; 5. एन० एस० ग्रज्वाड; 6. सी० एस० एस० ग्रोक
 ग्रब्दुल खादर उम्माल, 7. एस० के० किलुरा फातिमा: 8.
 एन० एस० फातिमा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद-बारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भ्रौर स्थान नियत किए जाएंगे भ्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा भ्रागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना वी गई है, भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दो भौर पदों का, जो भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मेदिया गया है।

प्रनुसूची

वड ग्रगरम गाव में खाली भूमि जिसका एस० ए० 6 घोर 8 (नेस्सन मानिक मुदलि रोड।

> ए० रागधेन्त्र राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 12-8-1974 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 11 जुलाई 1974

निर्देण मं० 32-एम 2/ए सी क्यू 2---यतः, मुझे, के० एन० मिथा, निरीक्षी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, लखनऊ आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० ई० के०-23/28 है, जो वाराणसी में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-3-1974 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे कारण है कि यथापूर्वोक्त यह विश्वास करने का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में. मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्रीमती सतदल बासनी देवी
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्ती देवी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतदढारा आगे यह अधिसूचित किया जासा है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका विस्तृत वर्णन निम्नलिखित है, मोहल्ला—गली चाडू ह्जाम (ग्राजकल रानी कुलां कूचा प्रान नाथ के नाम से प्रसिद्ध जिला वाराणसी में स्थित है।

- मुख्य मकान का क्षेत्रफल
 - 1858 वर्गफुट
- 2. प्लीन्थ से घिरे हुए प्लेट फार्म

काक्षेत्रफल

54.59 वर्ग फुट

3. प्लेटफार्मफुटपाथ का क्षेत्रफल

148.5 वर्ग फुट

कें० एन० मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

श्यक आवकर आयुक्त (गिरावण), श्रर्जन रेज, लखनऊ

नारीख: 11-7-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 18 जुलाई 1974

निर्देश म० प्रर्जन/993/कानपुर/74-75/1196—यत:, मुझे, वाई० खोखर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर ग्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 9 है, जो ब्लाक के० शीशामऊ नाला स्कीम XXVII स्थित खलामी लाइन कानपुर मे

स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधिस बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-भाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री बाधु राम पुत्र श्री जेठानन्द नि० 88/134, प्रेमनगर कानपुर (श्रन्तरक)
- श्री सत्यनरायन सिह पुत्र श्री सुखलाल सिह, नि० मुरारपुर
 बा० विजौली, तह० विन्दकी, जि० फतेहपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ भुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

प्तद्शारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनकाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खलासी लाइन, कानपुर स्थित प्लाट नं० 9 जिसका क्षेष्ठ फल 467 वर्ग गज जो ब्लाक के० सीशामऊ नाला स्कीम XXVII के भ्रन्तर्गत (पट्टेका) प्लाट हस्तांतरित किया गया ।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

नारीख : 18-7-1974

प्ररूप प्रार्थे० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (।) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) का श्रर्जन रेंज, णिलाग

शिलांग, दिनांक 5 श्रगस्त 1974

निर्देण सं० एन०-46/टि० एस० के 2/74-75/1406-12-यत:, मुझे, एन० पनुग्री श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से ग्रिधिक है और जिसकी सं० डाग नं० 2018 (पुराना), पि० पि० सं० 998 है, जो दिन सुकीया टाऊन, वार्ड नं० 11 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य रे विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय टिनमुकीया में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1909 का 16) के ग्रिधीन 30-3-1974 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) श्रन्तरण में हुई किमी श्राय की वाबत श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या ;
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के भव्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

न्नतः ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित स्टिन्स्मो, श्रर्थात:--

- श्री टिन मुकीया डिवेलगमेन्ट वारपोरेणन लिमिटेड टिन गुकीया (श्रन्तप्क)
- 2 सत्या नारायन खाईनान, टिन सुकीया (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एनद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजंन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौरस्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदीं का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 11750 स्कुएर फिट जो कि स्टेट ट्रान्सपोर्ट दफतर के पीछे टिनसुकीया टाउन में हैं। यह पूरी घेराव टाऊन के श्रनुसरन में डाग नं० 2018 में हैं।

> एन० पचुऔ, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 5-8-1974

कार्याचित्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1974

निर्वेश सं० ग्रर्जन/80/भागरा/73-74/1694--यतः, मुझ, वाई० खोखर ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे प्रधिक है ग्रीर जिसकी स० है, जो मौजा गोपालपूरा, ग्रागरा में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूपूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में भारतीय रिजस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन 6-3-1974 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

श्रौर यतः श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रब, धारा 269--ग के ग्रनुसरण में मैं ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- 1. श्री गौरी शंकर शर्मा बल्द श्री राम प्रमाद निः० गोपालपुरा उर्फ गही भदोरिया परगना व जिला श्रागरा (श्रन्तरक)

2. श्री भीकम जन्द शर्मा बन्द पं० मिठनलाल शर्मा नि० गोपालपुरा आगरा सेकेटरी पान्डन नगर गृह निर्माण ममिति लि० आगरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए एतद्**डा**रा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उबर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा मम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, भ्राक्षेपों के सुनवाई समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पट्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया है।

ग्रनुसूची

खाता नम्बरी 42, रकबई 12 वीं 16 वि० पुख्ता का 1/3 भाग ल० स्थिन मौजा गोपाल पुरा श्रागरा में स्थित जो कि 106666.66 एक लाख छैं हजार छैं मौ छियाछठ नथा पै० छियाछठ में हस्तांतरिम किया गया

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीखा: 10-9-1974

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ-(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांकः 19 सितम्बर 1974

निर्देश मं ० 153/ए० सी० क्यू ०-33-152/6-1/74-75--यतः, मुझे, पी॰ एन० मित्तल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी नं ० 122/1 पैकी खुली जमीन जिसका कुल माप 33300 वर्ग फूट है, जो हरनी रोड, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीं-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वर 16) के अधीन 4-3-1974 के उचित को पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्त-रको) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:----

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना, और/या ;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या भाय-कर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना।

और यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए है।

भतः, भव, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, श्रायकर भधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—— 21—376GI/74

- 1. श्री भीखूभाई विमरामभाई कान्द्रेक्टर
- 2. छोट्भाई नाथा भाई सूर्ती
- 3. राघवाजी लीलाधर भरत वाला वड़ौदा (अन्तरक)
- एक्लिंगजी क्रुग कोग्रापरेटिव हाऊसिंग मोसायटी की ग्रांर से उसके चेयरमैंत, नटवर लाल गोबित्द राम पन्डया वडौंदा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति आंक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह म्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भ्रजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेयों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा भ्राक्षप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिती को बीजाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सर्वे नं 122/1 पैकी खुली जमीन जिसका कुल माप 33300 वर्ग फुट है और जो हरनी रोड, बड़ौदा में स्थित है जैमा कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, बड़ौदा के 4-3-1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2898 और 900 में प्रदर्शित है :

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

तारीख: 19-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 27 सितम्बर 1974

निदेश सं ० ए० सी ० क्यु ० 23-I-328 (91)/1-1/74-75--यत मुझे जे० कथ्रिया श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के ब्रधीन एक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से ध्रधिक है भौर जिस की सं2 सर्वे नं० 80, सब-प्लाट नं० 7-बी, एम०पी० नं 180, टी॰ पी॰ एस॰ नं 20 है, जो कीचरब, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के मधीन 28-3-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह दिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपन ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं िक्या गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व की उपधारा

- (1) के अधीन निम्तलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:--
 - (1) श्रीमती भानुमतीबेन भाधनाल चोक्सी, टेमलानीपोल, वगलुपुर, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री मधुकर प्रभुदास चोक्सी, 5, न्यु कमर्णल हाउसिंग सोमायटी एलिमग्रीज, श्रहमदाबाद-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख में 45 दिन की अविध या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मृचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिमने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थीं जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक ग्रचल सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 728-50 वर्ग गज है, ग्रीर जिसका सर्वे न० 80, फायनल प्लाट न० 180, सब प्लाट नं० 7-बी तथा टी०पी० एस न० 20 है ग्रीर जी कोचरब, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथ्रिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राथुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-9-1974

भारत सरकार

कार्यात्तय सहायक ग्रायकर त्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

यतः मुझे डी०एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10181 मार्च, 1974 में लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जोलंधर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय (1908 का 16) रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निजित व्यक्तियों अर्थातः :--

 कमें सिंह मान पुत्र बसंत सिंह मान, 389, लाजपत नगर, जासंघर । स्वर्ण सिंह जोहल पुत्र लाभ सिंह, ज्ञानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैंट म्राफिस, दिलकुणा मार्कीट, जालंधर ।

(म्रन्तरक)

- 2. जसवंत कौर पुत्नी मेहर सिंह वासी, श्रड्डा कपूरवला. आलंधर। (श्रन्सरितो)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (बहु व्यक्ति जिसके प्रधिभोग मधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में दिन रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 दुकान नं 2 - ऐ० दिलकुषा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 0 10181 मार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, श्रमृक्षसर

तारीख: 28 सितम्बर, 1974।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, विनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जल०/ए० पी०-1317/74-75:—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन ससम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10221 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1974

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिपंत्र के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपंत्र से ऐसे दृश्यमान प्रतिपंत्र का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपंत्र, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शस्दों में पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. कमें सिंह मान पुत्र वसंत सिंह मान वासी 389, लाजफ्बर नगर, जालंघर। स्वर्ण सिंह जोहल पुत्र लाभसिंह, जानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैंनेजमैंट ग्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। (अन्तरक)
 - 2. मनजीत सिंह पुत्र मीता सिंह वासी लोटस रोड़, कानपुर। (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
 (वह व्यक्तित जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी
 जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी छ से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस तथावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतपृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वे वर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार ोगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्वो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू घी

1/5 भाग बुकान नं० 2 ऐ० दिलकुषा मार्कीट जालंधर में जैसा कि राजस्ट्रीफ़ुत विलेख नं० 10221 मार्च, 1974 को राजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी, जालंधर में लिखा है।

> बी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, श्रमुतसर

तारीख: 28 सितम्बर, 1974।

किया गया है:--

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायवर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, प्रमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 सितम्बर 1974

निदेश स० ए० एम० आर /श्रवोहर/एपी-1304/74-75---यतः मुझे, डी॰ एस॰ गुप्ता आयशर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2723 मार्च 1974 लिखा है, जो गिडरावाली त० फाजिल्का में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्र भ्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यासय श्रवोहर में भारतीय रजिस्ट्करण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर यष्ट्र कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नानक चंद्र, काश्मीरी लास पुत्र श्री जोधा राम पुत्र वजीर चद वासी गिडरावासी त० फाजिल्का (ग्रन्तरक)

- (2) विजय कुमार पृक्ष श्री ज्ञान चद पृत्न काशी राम वासी गिडरांवाली त० फाजिल्का (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न2 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्राधीहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदबारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतप्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिसी को दी आएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हपद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन गांव गिडरांवाली त० फाजिल्का में, जैसा कि रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 2723 मार्च 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, मवोहर में लिखा है।

> डी॰ एस॰ गुप्ता सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्रारुप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर , दिनांक. 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जल०/ए०पी०-1319/74-75 :---यत: मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10179 मार्च, 1974 में लिखा है, में जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि द्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— कमें सिंह मान पुत्र वस्त सिंह मान, 389, लाजपत नगर जालंधर । स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, ज्ञानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैंट ग्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. स० मीता सिंह पुत्र गुरदीयाल सिंह, एण्डस्ट्रीयल ऐरिया '8' लुधियाना । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर हैं (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एसदृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

्रवन्धींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 दुकान नं० 2 ऐ० दिलकुशा मार्कीट जालंधर में, जैसा कि रॉजस्ट्रीकृत विलेख न० 10179 मार्च, 1974 को रजिस्ट्री-कर्सा ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख :28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांक्य, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

चमुतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निवेश सं०ए०एस० शार०/जुल०/ए०पी०-1324/ 74-75:—
यत: मुझे डी० एस० गुन्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
10721, 10722 और 10684 मार्च, 1974 में लिखा है,
जो दिलकुशा मार्कीट जालंधर, में स्थित है (और इससे उपावद्व
धनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन मार्च 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से प्रथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने, के लिये सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात :-

- कर्म सिंह मान पुत्र बसत सिंह मान 389, लाजपतराय नगर, जालंधर। स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाम सिंह जौहल, ज्ञानी शंकर सिंह पुत्र बाल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैट ग्राफिम, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। (अन्तरक)
- यः जमपाल सिंह पुत्र लाहौरा सिंह, सीकरी बाजार, झांसी। मोहिन्दर कौर पुत्री स० पूर्ण सिंह गुरदवारा रोड़, देहरादून (यू० पी०)।

लाहौरा सिंह पुत्र गुरवियास सिंह, कालका जी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए एतदृद्वारा कार्येथाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ं एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपीं, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जायेगी।

एदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा । स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापिरभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 17-बी० दिलकुशा मार्कीट, आलंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10721, 10722 भीर 10684 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है।

डो० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), ब्राजन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजन रोज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्वेश सं० श्रम्तसर/जालन्धर/ए० पी०/343/74-75--यत : मुझे, डी० एस० गुप्ता भायकर अधिनियम 1961,(1961 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०10105 मार्च 1974 लिखा है, जो लामा पिंड में स्थित है (फ्रीर इसरी उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974 मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितु बाजार मूल्य मे कम के दृश्य-मान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीवृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अधीन :---

श्री जीवन दास पुत्र राम सरन दास पुत्र ग्रमरीक, वासी
 एफ० 474 कृष्ण नगर, जालंधर जी० ए० ग्राफ श्रीमती

हरनाम देवी विधवा श्री शाम लाल और एण्ड श्रार० के० कपूर प्रैमैन्ट, कलकत्ता। (श्रन्तरक)

- 2. श्री मलकीयत सिंह, मुखतार सिंह, सोहन सिंह पुत्र गंगा सिंह, बलदेव सिंह पुत्र नरंजन सिंह पुत्र गंगा सिंह, गुरमेल सिंह पत्र नरंजन सिंह पुत्र गंगा सिंह हरनेक सिंह पुत्र रणजीत सिंह पुत्र गंगा सिंह, मोहिंदर सिंह पुत्र गंगा सिंह पुत्र शिव दयाल, चक्र हुसैनियां, लामा पिंड, जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बार में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनकड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां भुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यवापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन लामा पिड में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 10105 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकित्रा श्रिधकारी, जालन्धर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिनारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर

मम्तसर, विनांक 28 सिसम्बर 1974

निर्देश सं अमृतसर/जालन्घर/ए० पी०-1344/74-75---मायकर अधिनियम, 1961 **थतः, मुक्षे, की**० एस० गुप्ताः (1961 का 43), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहुं विक्वांसे करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसंको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं अरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 10108 मार्च 1974 में लिखा है, जो लामा पिड में स्थित है (ग्रीर इससे उपावंद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्री-कर्ता प्रीक्षकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च मधिनियंग, 1974, की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य सें कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) **के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए** प्रतिफल निम्न-निधित प्रदेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, कियाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-आही शुक्र करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, बारा 269-थ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अजीन निम्बनिधितं व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री जीवन दास पुत्र राम सरन वास पुत्र श्रमृत राय वासी ई० एक० कृष्ण नगर, जालम्धर जी० के० श्रीमती हरनाम देवी विश्ववा शाम लाल श्रीर श्रार० के० कपूर, प्रैजेन्ट कलकता (श्रन्तरक)

- 2. श्री मलकीयत सिंह, मुख्यत्यार सिंह, सोहन सिंह, पुत्र गंगा सिंह बलदेव सिंह, गुरमेल सिंह पुत्र नरंजन सिंह पुत्र गंगा सिंह हरनेक सिंह पुत्र रणजीत सिंह पुत्र गंगा सिंह मोहिन्दर सिंह पुत्र गंगा सिंह पुत्र शिव दयाल चौक हुसैनियां, लामा पिंछ, जालन्धर (श्रन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन, लामा पिंड में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10108 मार्च 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, जालन्धर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख 28 सितम्बर 1974 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वर्ग 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मार्गालय, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, अमृतसर श्रमुतसर, दिनाव 28 सितम्बर 1074

निर्देण सं० अस्तसर/पठानकोट/ए० पी०-1352/74-75---यतः, मुझे, डी० एस० गुन्ता आधनः अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मृत्य 25,000/-- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० जायदाद जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख नं० 304 मार्च 1974 में लिखा है, जो पठानकोट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है,) रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली से भारतीय रिजस्टीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च गन्नों ब**ा** भागसि ξ उचित मूल्य में कम के दाशमान प्रतिपाल है लिए पिनस्टी-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह तिश्वास करने का भारण है वि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसवे दुस्स न १ तिपत रे, तेरी बस्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह् प्रतिशत अधिय है और २६ कि उन्तरक (अन्तरको) और अन्तिनिती (अन्तिरितियों) वे बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण वे लिए प्रतिपल, निम्निनिस्त उद्देष्य से उन्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में गशित नहीं विया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िमसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (खं) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 मैंसर्ज बाबा टिग्बर (प्रा०) लिकिटेड, 8 कैनाल रोड, जम्मू (ग्रन्तरक)

- श्री बी० एन० मक्कर (वासी मुकेरियां) सुपुत्त श्री ए० एन० मक्कर मालक एम्बैसी होटल, ढांगु रोड पठानकोट (ग्रन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्तिं जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तांरीख से बाक विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावरं सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षीपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यन्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हपस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद पठानकोट में (साईट नं० 16 पत्स्ट नं० 4) जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 304 मार्च 1974 में रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी देहली में लिखा है।

> डी० गुस्त गुप्सा मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर्र

तारीख 🗆 28 सिनम्बेर 1974

मॉहर':

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०--

क्रायकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च्(1) के अधीन सूचना

ार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज बिहार, पटना
पटना, तारीख 20-9-1974

म ०-111-87/म्रर्जन /74-75/983---यत ज्योतीन्द्र नाय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज. पटना, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका **उ**चित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है भौर जिस की सं० थाना न०-192 हो० न० 2026 प्लाट नं० 1242, 1243 है (फ्रीर जिसकी सख्या है, जो मोरावादी, राची में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16') के श्रधीन 15-3-74 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमः के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गथा ऐसे अन्तरण के लिए प्रिंतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिस किए गमें हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

- उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात --
 - (1) श्री रजीत कुमार मिल्लिक, न० 8ग्र, सर हरीराम गोयन का स्ट्रीट कलकत्ता (प्रस्तरक)
 - (2) सर्वश्री 1 मगल सिंह 2, मीताराम सिंह, 3 सुदामा सिंह 4 एम० के० सिंह सा०—हेसाल, राची, बिहार 1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया गुरू करता ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति प्राक्षेप, यदि काई हा नो --

- (क) इस सूचना क राजपत्न में प्रकाणन की तारीख़ से 35 दिन की अन्ति सा एम्ब्रह्मा व्यक्तिस्य पर सूचना की नामील से 30 दिन को शबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूत्रता के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हुर ऐसे व्यक्ति को, जिसन ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदक्कारा आगे यह अधिसूचित तिया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिने पूर्ववर्ती पैरा के अधोन स्चना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जान के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो हा, जो आयकर अधिनियम, 1861 (1961 का 13) क अध्याय 20 क म यथापरिभाषित है, यहा अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुमची

जमीन रकवा 3 बीधा 9 वर्टा 9 छ्टाक तथा एक पुराना मकान, सा०—मोरावादी, राची शहर, थाना न०—192 हा० न० 2026 बार्डन० VII अप्रानीट न० 1242 और 1243।

> ज्योतीष्ट्रनाथ राक्षम प्राविकारी महायम प्रायकर आयुक्त निरीक्षण प्रजीन रेज, बिहार पटना

तारीख 20-9-74 मोहर: प्रारूप आई० टी० एम० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

धम्तसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

सं० भ्रम्तसर/ए० पी०-1345/74-75--यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 1/2 कोठी नं० 1260 सिविल लाईस 8 जी० टी० रोड, ग्रम्तसर जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4226 मार्च 1974 लिखा है, जो सिविल लाईस, ग्रम्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपायन श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्तसर में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 क। 16) के मधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के की गई है और अनुसार अन्तरित विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः,अन,धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री बलवंत राय नागपाल, डी०-139 डिफैन्स कालोनी,
नई दिल्ली । (श्रन्तरक)

- 2. श्रीमती सुलक्षणा ग्रग्नवाल पत्नी श्री चरंजीव लाल 53, दयानंद नगर, श्रमृतसर, राज पाल ग्रीर जगदीश लाल पुत जय राम 51, कटरा शेर सिंह, श्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके श्रीविभीग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में ठिच रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मैं हितब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अविक्ष वाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया चाता है कि इस स्वाचन सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए वए बाक्नेपों, यिव कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीब और स्वान निकत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की वी जाएंगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आयोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिधावित है, बही सर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुतुची

1/2 कोठी नं० 1260 सिविल लॉईस, श्रुजी० दी० रोड ग्रम्तसर में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4226 नार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रम्सर में लिखा है।

> की० एस० गुप्ता सनम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंग रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर 1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निदेश सं० 1044/73-74---यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है **भौर जिसकी** सं० 5, पहला मेयिन रोड, कस्तूरिबा नगर, है, जो मद्रास-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सैवापेट, मब्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 7-3-1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाभूवीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरको) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितिया) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से **फथित नहीं** किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिवियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः भ्रायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं।

मतः मध, धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मै, म्रायकर मधि-नियम 1961 (1961 का 43)) की घारा 269-घ की उपधारा

- (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत:--
 - 1. श्रीगती ति० भालिन श्रम्मा, मद्राम-20 (ग्रन्तरक)
 - 2. शीमनी भुबद्रा भनन, मद्राम-20 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त पम्पत्ति के ग्राजेंन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूबना क राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निष्, जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों यिव कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा मम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों को मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

रपद्दीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मजास, कस्तूरिया नगर, पहला मेयिन रोड, डोर सं० 5, में दो ग्राउण्ड-1880 स्कुयर फ़ीट में ग्रादा श्रभिन्न भाग--ग्रउण्ड पलोर पलेट ।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-9-1974

मोतर :

प्रस्त आई० टी० एन० एस०-

ायाः व ियम, 1961 (1961 का 49) **की धारा** 20**9-घ** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वाजावय सहायक भ्राकयर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, मद्रास

् । 1044/73-74—थत , मुझे, ए० रागवेन्द्र राव

एटाए दिनाव 30 सितम्बर 1974

आयार नाधिनाम 1961

(''' (13) को पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिनारी

का निर्माण के का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

का निर्माण के का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

का निर्माण के का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

का निर्माण के कि उ, पहला मेयिन रोड, कस्तुरिवा नगर है, जो

गद्धा 10 के नियत है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे

शौन प्र्णे निर्माण के भागतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908

(1902 का 16) के अधीन 7-3-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति ने उत्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये

रिजर्म्ट्रिक्ट कितेख के अनुसार अन्तिरत की गई है और मुझे यह

विश्वास व्यक्ते का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित

बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

वा परद्रार प्रतिकान अधिय है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और

अन्य त (क्लिक्सियो) ने बीच तय पाया गया ऐसे अतरण के

लियं प्रतिपान, नियनिविद्धत उद्देश्य मे उस्त अन्तरण लिखित

में बारताव्य रूप र वधित नहीं विया गया है .--

- (क) जन्तरण रे हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम 1901 (1961 का 43) के अधीन कर देने क जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने क तिए सुकर बनाना; और/या
- (स) एसी दिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वा, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1901का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957वा 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट हो विद्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

आर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क के शन्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाही भक्ष करने वे कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत , अत्र, धारा 269-घ के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1901 को 13) की धारा 269-घ की उपधारा (1) -के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियो अर्थात: -

- 1 श्रीमती पि० मालनि श्रम्मा, मद्रास-20 (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती श्रार० रुम्मिन श्रम्मा, मद्राम-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उपन स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पित्त के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपी, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमे प्रयुवत शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मद्वास, ऋस्तूरिबा नगर, पहला मेयिन रोड, डोर सं० 5, में दो ग्रउण्ड-1880 स्कुयर फीट में ग्रादा ग्रभिन्न भाग, पहला फ्लोर फ्लेट ।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 30-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्राम

मद्राम, दिनाम 30 मितम्बर 1974

निर्देश मं० 1044/73-74—यत , मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी म० 5. पहला मेयिन रोड, जो कस्तूरिबा नगर है, जो मद्राम-20 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रिजर्टीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, विद्मार में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-1974

को पूर्वोक्स सम्पत्ति वे उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क)ः अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयवर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही एक करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियो, अर्थान --

- 1 श्रीमती पि० मास्रति श्रम्मा, मद्राग-20 (अन्तरः)
- 2 श्रीमती मुबद्रा मेनन, मद्राय-20 ' न्तिः।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति ने अर्जन वि एए एतद्वारा कार्यत्राहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ता --

- (क) इस सूचना के, राजपत्न में प्रकाशन की, टार्का में अह बिन की अवधि या सत्सबंधी व्यक्ति के की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भार को वास्तान में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविता व्यक्ति हो में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में जिनवाह विकी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षण के पास विकित्त में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए नए अक्षेपो, स्वि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थार्में सिता किए जाएने और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आहीप विका है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएनी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर केस व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त गब्दो और पटे ११, जा आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का टे.) रे अध्याय 20-क में स्थादिक कि, दर्ही अर्थ होगा, जो उम अध्याद से दिया गया है।

श्रनुसूची

महास-20, बस्तुरिखा नगर, पहला मेयिन रोड, डोर म० 5, प्लाट सं० 9, में ्रा ग्रजण्ड ग्रीड, 1616 स्कुयर फीट का खाली भूमि, जिसका टी०एस० स० 11 ।

> ण्० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायवर ग्राय्का (निरीक्षण) अर्जी रंज 11, पद्रास

तारीख : 30-9-1974

प्ररूप आई० टा॰ एन॰ एन॰ ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ए) हो धारा 269-घ (1) के अधीन म्लाना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्वानय

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतमर श्रमृतमर, दिनांक 28 मिनम्बर 1974

निर्देश मं० प्रमृतमर/जालन्धर/ ए० पी०-1356/74-75—

यत: मुझे, डी० एस० गुप्ना आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सदाम प्रधिकारी

को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति,

जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर्य रे अधिक है

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख

नं० 10366 मार्च 1974 में लिखा है, जो मोना सिंह नगर,

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में और पूर्ण स्पर्म विजित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में

भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन 1974 मार्च

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित गाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ड़ी हत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण वे लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति वे अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित फिए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. थी रामेश्वर सिंह सुपुत्र डाक्टर कैंप्टन कर्म सिंह, 4 माडल टाऊन, जालन्धर (प्रनारक)
- 2. श्री तारा सिंह सुपुत्र किशान सिंह वासी बिरहां तहसील गढ़णंकर मार्फत सुबेदार मेजर जगत सिंह (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा नं० 757 मोता सिंह नगर जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10366 मार्च 1974 में रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28 सितम्बर: 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) का कार्यालय श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ग्रमृतसर, विनांकः 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं श्रम्समर/पठानकोट/ए० पी०-1355/74-75--यतः, मुन्ने, डी० एस० गृप्ता ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2713 मार्च 1974 में लिखा है, जो सराई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 1974

को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया धेसे अम्तरण के सिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अञ्चाय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

मतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-च की उपकारा** 23-376GI₁74

(1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात '--

- श्रीमती अधा सेठ परनी जतीन्दर लाल सेट उमा सूद पत्नी डाक्टर सुभाष चन्द सुद मुमन कुठालिया लड़की स्वर्गवासी रोशन लाल लीला देवी विधवा रोशन लाल कुटालिया द्वारा रवीन्द्र लाल जी ० ए० वासी 48 शिव दास नगर डाग् रोड पठानकोट (श्रन्तरक)
- 2. श्री दून्द राज पुत्र कुनज लाल करण राज पुत्र दुन्द राज डलहौजी रोड पठानकोट (म्रन्तरिती)
- 3. जैसाकि नं० 2 पर है (बहुब्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में अधोहस्साक्षरी जानता है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्रारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदुद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षोप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

धरती सराई में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2713 मार्च 1974 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, पटानकोट में लिखा 青1

डी० एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: : 28 सितम्बर 1974 मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस० ----

भायगप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 264-घ(।) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज बिहार, पटना
पटना, तारील 27 सितरवर 1974

निर्देश म० -III-85-/74-75/984---यतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण), अर्जन रेज, पटना, आधकर अधिनियम, ∙ विंहार, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000 रुपये से अधिक है क्रौर जिस की सख्या 2 83 एक'ड़ जमीन के साथ मकान इत्यादि है (ग्रौर जिसकी सख्या है, जो दालान, कटिहार, पृणियाँ मे स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के फार्यातय कलकता में भारतीय रजिस्टी-करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिग्रित उद्देश्य से उवन अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है---

- ित्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) वे अधीन वर देने के अन्तरक के दाशित्य में कमी वरने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11 के आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और अत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः—

(1) श्री दाल्राम श्रग्रवाला 134/1 महात्मा राधी रोड रूम न० 38, कलक्षता-700007 (श्रन्तरक) (2) श्री भजनलाल श्रयवाला सा०/पी०---रायगंज पश्चिमी दिनाजपुर पश्चिमी बगाल (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या शत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतव्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतदब्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सृचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थव्हीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथा- परिभाषित हैं, वही अथं होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कुल जमीन 2.83 एकड़ मौजा वालान, कटिहार, पूर्णियाँ के साथ मकान और इमारते तथा श्री हनुमान इन्डस्ट्रीज से लाभ इत्यादि दस्तावेज नं० -I-1543 विनाक 19-3-74 के अनुसार।

ज्योतीन्द्रनाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज बिहार, पटना

नारीख: 27-9-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 नितम्बर 1974

निर्देश सं० श्रमृतसर/तरनत।रन/ए० पी०-1354/74-75— यत्:, मुझे, डी० एस० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिवारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7086 मार्च 1974 में लिखा है, जो गांव झवाल में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तरनतारन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रक्षीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छियान के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्ष बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- सरदार मोटा सिंह पुत्र स० आत्मा सिंह वासी झबाल (अन्तरक)
- 2 श्री मरदूल सिंह पुत्र तारा सिंह, तारा सिंह पुत्र लछमन सिंह श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी क्यूर सिंह म० मोटा सिंह पुत्र श्रान्मा सिंह श्रीमती जसवन्त कौर पुत्नी ठाकुर सिंह बलबीन्दर सिंह पुत्र प्यारा सिंह मारफत राईस एण्ड जनरल मिल्ज झबाल (ग्र-तरिनी)
- 3. जैभा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके ब्रधिओग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में शिव रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप,यदिकोई हो,तो .---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हां, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे स्थिक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रेड़ों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7086 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, तरन तारन में लिखा है।

> डी० ए**स० गृप्ता** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, ग्रमुतसर

तारीखः : 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अभीन सुक्या

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 ग्रगस्त 1974

निर्वेश सं० भ्रर्जन/81/भ्रागरा/73-74/1552--यत: मुझे बाई० खोखर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं014/293 है जो मण्डी सईद खां, ब्रागरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में भारतीय रजिस्दीकरण **भविनिय**म 1908 (1908 का 16) के सम्पत्ति के 18/3/74 事 पर्वोक्त उचित धाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रज्ञ प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रशिकल निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिल्य में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

औरयतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री ईश्वर प्रसाद एम० ठाकर उर्फ भाई लाल एम० ठाकर, पुत्र श्री मोहन लाल, ठाकर निवासी मण्डी सर्दव खां, ग्रागरा। (ग्रन्तरक)
- श्री जवाहर लाल जैन, श्री सिकन्दर लाल जैन, श्री सुरेन्द्र पाल जैन, श्री देवेन्द्र कुमार जैन पुस्नगण श्री कपूरचन्द जैन, निवासी जैन गोशाला, बेलनगंज, श्रागरा । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसवृद्वारा कार्यवमहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तहरीख से 45. विन के भीतर उपत स्थाबर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

एतव्ह्यारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थापर सम्बक्ति के अर्फन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, सवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तासीख और स्थान नियत किए **फायेंगे और उसकी सुचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप** किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, को भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मंडी सईद खा, ग्रागरा में स्थित एक मकान भीर संलग्न भूमि जिसकी माप लगभग 1064 वर्ग गज है, जिसका पुराना नं 251/ 307 भ्रीर नया नं ०14/293 है, जिसका हस्तांतरण 1,00,000 (एक लाख रु०) में किया गया।

> वाई० खोखर. सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, का**न**पूर

तारीख: 27-8-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यक्षिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निर्देश स० श्रमृतसर/जालन्धर/ए० पी०-1353/74-75---यतः, मुझे, डी० एस० गुस्ता

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, और जिसकी सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० न० 11025 मार्च, 1974 में लिखा है, जो मोडल रोड, जालन्धर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हथ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सावत आयकार अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्याना चाहिए था, दिल्पाने के लिए भुकर बनाना।

भौर यतः, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किंद्र कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क की उपजारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. भी रजबीर जुनार अंडियाला पुत्र पृथ्वी राज वासी 270-ब्रार, माङल टाऊन, जालन्धर (ब्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीम राज, जनक राज, रजील्द्र प्रसाद गाम सुन्दर ग्रीर सतीग कुमार पुत्र सनसार चन्द्र ई० सी०---119 खिनगरा गेट, जालन्धर (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है (बहु व्यक्ति जिस के भ्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (व ह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपस सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, खिद कोई हो, तोर----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्वकर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पल्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकालित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सामने इमारत शीव चन्द श्रग्नवाल सोडल रोड पर जालन्धर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11025 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है

डी॰ एस० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 28 सितम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1974

निर्देश सं जगाधरी/12/74-75—यत , मुझे, जी ० पी ० सिह्, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन गांव मादोबाला है जो तहसील जगाधरी जिला अम्बाला में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1918 (1918 का 16) के ग्राधीन 1974, मार्ख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और गृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से भन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयो, अर्थात :---

- श्री प्रकाश चन्द्र श्रग्नवाल पुत्र लाल चरनजोत लाल मार्फत श्री नंद लाल गुप्ता वावाना रोड जगाधरी। (श्रन्तरक)
- 2. सर्व श्री वरकत राम, चौधरी राम, गुलशन कुमार पुतान श्री चनन राम श्रीर श्रीमती विद्यायावन्ती, पत्नी श्री श्रोम प्रकाश निवासी जगाधरी श्राम प्रकाश । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतदब्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसवृक्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन गाव माढोवाला, तहसील जगाधरी, जिला भ्रम्बाला खेबट खतौनी नं० 3/11, 3/12, 3/13, 3/15, 4/17, 3/18, 3/19, 3/20, 3/31।

खेवट खतौनी नं०	खसरा नं०	कनाल श्रोर मरले
3/11	5/15	0-9
3/12	5/23, 8/3/1, 8/3/2, 8/8, 8/9	8-0, 6-8, 1-12, 8-0
3/13	5/22/2, 8/1/1, 8/1/3, 8/2 l	3-7, 0-4, 5-10, 8-0
3/15	5/16/2, 5/17/2, 5/24, 8/4/1, 8/10/1	3-16, 6-13, 7-10, 3-4, 5-2
3/17	5/12/1, 5/12/2	3-8, 2-4
3/18	5/21, 6/25	6-15, 0-21
3/19	8/1/2, 7/5/1	
3/20	7/5/2, 8/1/1	0-9, 0-5
3/21	5/18, 5/19, 8/20 8/22/1	8-0, 8-0, 2-8, 4-13 l

जी० पी० सिह गक्षम प्राधिकारी भहायक भ्राययः प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 3-10-1974

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत मर्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II भद्रास मद्रास, दिनाक 27 श्रगस्त, 1974

निर्देश सं० 2155/73-74—सतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि. स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से श्रधिक **मौर** जिस**की** स० लूर्डम विल्लि, ऊटकमण्ड है, जो ऊटकमण्ड मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपादछ ग्रनुमूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊटकमण्ड में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त गम्पत्ति के उचित बाजार 11-3-74 मुल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए राजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐरो दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपन ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन्त्रकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के गब्दों में पूर्विकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभलिखित किए गए हैं।

ग्रत : श्रवः धारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रार्थान:— 1. श्रीमती शान्ता रामेण्वर रावः, हेदराबाद।

(श्रन्तरकः)

2. श्री एस० श्राई० हबीबुल्ला, एस० श्राई० सतक्षतुल्ला, ग्रोर एस० श्राई० रहमतुल्ला, कण्डल, ऊटि। (श्रन्तरिनी) को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एनदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

एतद्द्राग यह श्रिधसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए भाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौरस्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतक्द्वारा द्यार्गे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-कं में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उटकमण्ड, वार्ड सं० 16, डोर सं० 1 श्रीर 1 ए (लूर्डस विल्ली) में $1.02\,$ एकड़ का भूमि (मकान के साथ), जिसका श्रार० एस० सं० $2733/2\,$ है।

ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्राम।

तारीख: 27-8-1974

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) में अधीन सूचना

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज दिल्ली

नई विल्ली-1, विनांक 4 सितम्बर 1974

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० श्रार० 11/778/ 74-75/2488---यत. मुझे, सी० वी० गुप्ते ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 2/3 भाग प्लाट नं० 7/61 है, जो पंजाबी बाग, नई विरुली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्षित है,) रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 30-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

जतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ की पश्चारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियो, अवीत्:——

- श्री ब्रारका नाथ सेठी (2) श्री जोगिन्दर पाल सेठी पुलगण श्री ग्रमर नाथ सेठी निवासी मन्नं 6478 कसाब पुरा, इदनाह रोड, नई दिल्ली (श्रम्सरक)
- 2. श्री यशपाल सेठी पुत्र श्री ग्रमर नाथ सेठी निवासी ए०/13 किर्ती नगर, नई दिल्ली (ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पात के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तद्द्वारा वह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे अ्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्धी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्धीं और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3 भाग प्लाट नं० 7 सडक नं० 61 क्लास सी० क्षेत्र-फल 547.22 वर्ग गज जो कि पंजाबी बाग, दिल्ली के गांव मगदोषुर, माईल नं० 5, रोहतक रोड में निस्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्ष--सङ्क नं० 61 उत्तर--प्लाट नं० 5 पश्चिम---सर्विस लैन दक्षिण--प्लाट नं० 9 सी० बी० गुप्ते

महायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

सक्षम प्राधिकारी

ग्रर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 सितम्बर 1974

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीधण) श्रर्जन रेंज, विल्ली-1

केंद्रीय राजस्वभवन नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1974

निर्देश में आई० ए० मी०/एक्य०/11/एस० ग्रार० 1/777/74-75/2488---यतः,मुझे,सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सैं० 1/2 प्लाट नं० 14/75 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 14-6-1974

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रसिक्त के लिए रिजर्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रसिक्त से ऐसे वृश्यमान प्रसिक्त का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत भायकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (स) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे के लिये सुकर अनाना;

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----24---376G173

- 1. श्री सुभाष चन्दर श्रग्रवाल पुत्र श्री मदन लाल श्रग्रवाल (2 श्री निरिन्दर कुमार गोरान पुत्र श्री गरन गान श्रग्रवाल निवासी 26/64 पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 (भ्रान्तरक)
- 2. श्री हरबन्स सिंह चड्ढा पुत एस 0 सुन्दर सिंह चड्ढा 7/15 रूप नगर दिल्ली (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिशबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्क्कारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतस्क्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

जमीन का स्राधा प्लाट जिसका नं० 14 क्षेत्रफल 544.45 वर्ग गज सड़क नं० 75 पंजाबी बाग, नई दिल्ली जो कि गांव बस्साई बरापुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं :--

उत्तर प्लाट नं o 14-बी पू o मर्विस लैन दक्षिण प्लाट न o 16 पश्चिम सङ्क नं o 75

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—12, नई दिल्ली-1

सारीख: 4 मिलम्बर 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)' के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश स० एल ही एच/मी/154/74-75/--यतः, मुझे, जी०पी० सिह सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चन्डीगढ़ श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 पा 43) 2.69-ग्रा के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी मख्या प्लाट काराबारा में है जो लुधियाता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के धार्यालय, लिधयाना सं भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाग प्रतिकल से, ऐसे दुण्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीस तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (घ) अन्तरण से हुई किसी आथ की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और गतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे दारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

(1) श्री कुलभूषण राय पुत्र श्री कुलबन्त राय ढण्डा सामने जिला कचेहरी, सिविल लाईन्स लिधयाना।

(ग्रन्तरक)

मोहर:

(2) नेहरू मिद्रारा केन्द्र, लुधियागा द्वारा श्री जोगिन्द्र मिह गरेवाल, रतन बिल्डिंग, मामने जिला कचेहरी, सिविल (ग्रन्तिंगी) लाईन्स, लुधियाना ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अत्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जासकोंगै।

एतदुद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थाम नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट 339 वर्ग गज,

खेवट खतौनी नं० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/21441

खसरा न० 712, 714, 715/1, 715/2, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725,

जमाबन्दी 1970/71 तरफ काराबारा, तहसील लुधियाना।

जी०पी० सिष्ट संक्षम प्राधिकारी तारीख: 28-9-1974 सहायक श्रायकर श्रायक्त (नि**रीक्षण**) श्रर्जन रेज, चण्डीगर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रजंन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेण म० एल डीएच/सं//155/74-75/—यत, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चण्ढीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/-क० से अधिक है और जिसकी मंख्या प्लाट काराबारा है जा लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961का 43) के अधान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना।

ब्बीर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी मुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती बी० राये पत्नी श्री कुलभूषण राय श्रीर कुलभूषण राए पुत्न श्री कुलबन्त राए, पुत्न चौधरी तूलसी राम ढण्डा, मिविल लाईन्म , सामने जिला कचेहरी, लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) नेहरू सियान्त बेन्द्र, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्द्र मिंह गरेबाल, रतन बिल्डिंग सामने जिला कचेहरी, सिविल लाईन्स लुधियाना। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृष्टारा कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

339 वर्ग गज का प्लाट खबट खाताउनी न2 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1949/2128, 1936/2141।

खसरा न० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, जमाबन्धी 1970/71 तफं काराबारा तहसील लुधियाना। जी०पी० सिंह

तारीख .28-9-1974 ग्राधिकारी मोहर . सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज, चण्डीगढ़ ।

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निवेश सं० एल०डी०एच०/378/74-75—-यतः, मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु० से श्रधिक है और जिसकी संख्या प्लाट कारा बारा है जो लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,सुधियाना में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974, मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार ब्रन्सरित की गई है और **मुझे यह विश्वास करने का कारण है** कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत भायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और ग्रतः ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रिभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः—

(1) श्रीमती उ.मा देवी सृष्ति श्री कुलभूषण राय राण्डा, श्रीर श्री कुलभूषण राय पुत्न श्री कुलबन्त राय रान्डा, निवास जिला कवेहरी, के सामने सिविल लाईन्ज, लुधियाना। (श्रन्तरफ) (2) गुरवेब कर्म अर्थ ट्रस्ट, लुधियाना (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह ग्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिधी को दी जाएगी।

एतदब्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसं व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचमा दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खेबाट खतीनी के बाहर 339 वर्ग गंज का प्लाट। नं॰ 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144।

खासरा नं० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, **725 जमाबन्दी 1970/**71। तरफ काराबारा में स्थित है, तहसील **न्धियाना**।

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रापेन रेंज, जण्डीगढ़

तारीख 28-9-1974 मोहरः प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०——— श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रीजीन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर 1974

निदेश स०ग्रमृतसर/जालन्धर/ए०पी०-1342/74-75—-यत ; मुझे, डी० एस० गुप्ता, श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से प्रधिक ग्रीर जिसकी स० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 10517 मार्च 1974 लिखा है, जो जी० टी० रोड. जालन्धर, में स्थित हे (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मुल्य से कम के दंश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार शन्त(रत की गई है ग्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरका) ग्रीर ग्रन्तरिता (भ्रन्तरितिया) के बीच तब पाया गया हैसे भ्रन्तरण के लिए। प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविथ रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकण अधिनयम, 1961 (1961 का 13) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 1) या श्रायकर श्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीमिलिखन किए गए हैं।

श्रतः श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रर्थात:—

(1) सर्वश्री किशोर बन्द पृत्न फतेह चंद पृत्न गुज्जर मल श्राफ र्रे० एफ० 130 वाजार पापशीमां, जानारार व जो० ए० ग्राफ विकास चंद पृत्न मूल चंद वासी जालन्धर चीफ इन्जीनियर सुगर मिल ग्रीर श्री

- जगदीश चंद पुत्र रतन चंद, दिस्सी । श्रीर प्रकाश चंद, इकबाल चंद पुत्र श्रमी चन्द, जालन्धर मोहल्ला मोहिन्द्र, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री गुरदर्शन सिंह, जसवीर सिंह, राजिन्द्रा सिंह, गुरबक्श सिंह पुत्र जगतार सिंह वासी लसारा त० फिल्लौर श्रौर परमजीत सिंह, गुरमीत सिंह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह वासी लासारा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह ब्यक्ति जिसके श्रधिभोग श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोह्म्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन क

लिये एनद्वारा कार्यवाहिया गुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई है तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीक निस्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा अक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पर्व्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त णव्दों ग्रीप पदों, का जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट जी० टी० रोड, जालन्धर नजदीक पंजाब रोडबेज हैड ग्राफिस जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10517 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकंर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ारीख: 28-9-1974।

धर्जन रेज, अमृतसर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश स० ए० एस० आर०/जुल०/ए० पी०-1314/74-75:—यत:, मुझे डी० एस० गुप्पा, प्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10-726, 10683, 10682, 10634 और 10633 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (और इससे उपात्रद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूस्य से कम के पृथममान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत निलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही भुद करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये तैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) कर्म सिह मान पुत्र वसंत सिह मान, 389 लाजपत राय नगर, जालंधर।
- (2) स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, ज्ञानी णंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजभैट आफ्रिंग दिलकुशा, भार्कीट, जालंधर।
 (अन्तरक)

- 2. (1) लाहौरा सिंह पुश्च गुदरियाल सिंह वासी विलगा त० जालंधर ।
- (2) मौहिन्दर कौर पुत्ती पूर्ण सिंह, गुरव्वारा रोड, देहरादून (यू० पी०)।
- (3) जमपाल सिंह पुत्र लाहौरा सिंह बासी सीकरी बाजार, झासी । दिवन्दर सिंह पुत्र लाह्मौरा सिंह वासी मंसूरी (यू० पी०) ।
- (4) चतर सिंह पुत्र एल० एस० ग्रीलक वासी काकला जी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (बह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पति में हित**वग्न है**)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये एतड्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पर्शि के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9 ऐ० दिलकुशा मार्कीट जालंधर जैसा कि राजस्ट्री-कृत विलेख न० 10726, 10683, 10682, 10634 भीर 10-633 मार्च, 1974 को राजिस्ट्रीकृत अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमतमर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1974

निदश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-1/ मार्च-11/787(60)/74-75/2924—यतः, मुझे, मी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका अचित बाजार मूक्ष्म 25,000/- रु० से अधिक ग्रौर जिसकी संावाद नं 23(1/2 भाग) है, जो राजा गार्डन, नई दिस्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दो म पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही की शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

 श्री अबि नित्द किशोर पुत्र लाला लाल चन्द निवासी स्री-3/16 राजौरी गार्चन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

- (2) श्रीमिति शक्तिला रानी उर्फ आधा रानी पत्नी महन लाल निवामी बी-4/638 वैंत गेज, लुधियाना (पंजाव)। (अस्तरिनी)
 - 3. (1) श्री वी० के० माहनी (पहली मंजिल)
 - (2) श्री अमर कौर भचदेवा (पहली मंजिल)
 - (3) श्री एम० जोगिन्दर मिह (ग्राउन्ड फ्लोर)
 - (4) श्री एम० के० कोशल (ग्राउन्ड फ्लोर)
 - (5) श्री एस० हरमोहिन्दर सिंह (ग्राउन्ड पक्षोर)। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिशी को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वध्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

आधी अविभाजित जायदाद जो कि प्लाट नं० 23 क्षेत्र-फल 272 वर्ग गज जो कि अशोका कालोनी आजकल राजा गार्डन क्षेत्र बस्साई दारापुर दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है:

उत्तर: मकान प्लाट न० 62 पर

दक्षिण: सड़क पूर्व: प्लाट नं० 24 पहिचम:प्लाटनं० 22

मी० बी० गुप्ते

नारीख: 26 मितम्बर 1974 मक्षम प्राधिकारी, मोहर: महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2, दिल्ली, नई विल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एनं• ऐस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन मुचना

भारत सण्कार

कार्यालय, महासक आयकर आयक्त (निर्मक्षण) श्रजीन रेज , चण्डीसक्

चण्डीगढ़, दिनांक 29 सितम्बर 1974

निदश सं० एल**० डी० एच०/सी०/375/74-75/--य**त:, मुझे, जी पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक हैं और जिसकी सं • प्लाट नं • 187 में 190, है जो तर्फ साईदा, ल्धियाना में स्थित है (और इसमे उपाबछ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, ल्धियाना में भारतीय रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

कथित नहीं किया गया है:—
(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सूकर बनाना; और/या

के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीगुरमुख सिंह पुत्र श्रीसुन्धर सिंह, पुत्र श्री अस्ट सिंह, निधासी, प्रताप नगर, लक्ष्रियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री आस्म बलब इन्बेस्टमैट प्राईबेट लिमिटेड ल्धियाना।

(अन्मरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्दुरारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस**बद्ध किसी** अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहग्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित विया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप विया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पत्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापिक्सावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं 187 से 190, जोकि तर्फ साईक्षा सहसील लुधियाना में है।

जी०पी० सिंह,

न।रीख: 24-9-74

सक्षम प्राधिकारी

मोहर;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, चण्डीगढ़ ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———————— आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक झायकर झायकत (निरीक्षण) यजैन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनाक 28 मितम्बर 1971

निर्देश म ० एलडी एल में मी 153 | 73- 14 - - यत., मसं, जी ० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चम्छी गढ़ आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अश्वीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | र० से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या प्लाट तरक शाराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रुमुची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रजिजस्द्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1968 (1908 वा 16) के श्रधीन 1974, मार्च को

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजरट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्रों (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री जगदीश राय पुत्र श्री कुलभूगण राये, पुत्र श्री बुलवन्त राय छण्डा शीर श्री कुलभूषण राये सामने डिसिट्टिक्ट *कोर्टम, मिविल लाइन्ज लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नेहरू मिधाना वेन्द्र, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्द्र सिह् गरेवाल रतन बिल्डिंग सामने डिसीट्रक्ट कोर्ट्स सिवल लाईन्ज लुधियाना। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दो गई है, भाक्षेपों को सुनवाई के समय मुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

लाट न ० 339 वर्ग गज खेनट लतौनी नं ० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141, खनरा नं ० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715/717719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725,

जमाबन्दी 1970/71,तरफ काराबारा, तहसील लुधियाना।

जी ० पी ० सिह,
तारीख: 28-9-74 सक्षम प्राधिकारी,
मोहर महायक भ्रापकर भ्राप्कत (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, चण्डीगढ़

25-376G1174

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **ग्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ दिनांक 2 मितम्बर 1974

निवेश सं० एव० एस० श्रार०/18/74-75--- मतः मुक्षे जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजंन रेज, चडीगढ श्रायकर अधिन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,0) -/ रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 89, पीछे डिस्ट्रक्ट कोर्ट (1/2 पाग) है, जो हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्य हिसार में पारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन मार्च, 1974

क प्रधान माच, 1974
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया रेसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से
कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से क्षई विसी आय की बाबत शायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में क्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ध) ऐसी किमी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आथकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण में? द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब,धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:--- श्री भगवान दास पुत्र श्री चन्दर भान, निवासी मकान न० 45. ब्लाक न० 18. तिसार ।

(भ्रन्तरक)

 युधवीर सिंह वकील सैकेटरी,
 जट धर्म शाला, हिसार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा वार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (व) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तार ख से 45 विन की अवधि या तस्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तार्म क से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विमी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है वि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो ना, जो आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्खी

1/2 भाग प्लाट न० 89, पीछे डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, हिसार (मिन्सी 800 वर्ग गज)।

र्जा० पी० सिह्
सक्षम प्राधिकारी
महासक ग्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ

तारीख: 2-9-1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, चन्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० एस०डी०एच०/सी०/377/74-75—पतः, मुझं. जी० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पए से अधिक है और भौर जिसकी सं० प्लाट तरफ काराबाए है जो लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेवणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 की 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और∫या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सूकर बनाना,

आर यतः, आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-गर्के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः—

(1) श्री जगवीश राय पुन्न कुलभूषण राय ढण्डा, निवासी सामने जिला कवैहरी, सिविल लाईन्ज, लुधियाना (अन्तरक) (2) गुरूदेव धर्म ग्रथं ट्रस्ट, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्दर सिंह गरेबाल एडवोकेट रतन बिल्डिंग, सामने जिला कचैहरी, सिविल लाईन्ज, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और श्यान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अमृसूची

्लाट 339 वर्ग गज, खेवट खतौनी न० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144।

खसरा न० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, **729, 730,** 731, 725, जमादन्दी 1970/71 तरफ काराबारा, तहसील, लुधियाना।

िजी० पी० सिह, मक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28-9-74 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर श्रजंन रेज, चण्डीगढ़।

(जो लागू न हा उस काट वीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निदेश सं० ASR / JUL /AP-1327/74-75--यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न 10223 मार्च 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 मार्च को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तय पावा गवा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर आध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना.

और यतः आयकर आंध्रनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अग्निनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् ——

- 1. कर्म सिंह मान पुत्र वसंत सिंह मान, 389 लाजपतराय, नगर, जालंधर।
- 2. स्वर्ण सिंह जाँहल पुत्र लाभ सिंह जाँहल, ज्ञानी गंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमेट श्राप्तिस, विलकुशा मार्कीट, जालंधर।
- 3. श्री चरण सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह बासी सरहाला त० और जिला जालंघर ।
 - 4. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है
- 5. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई श्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखशा हो

को यह सूचना जारी कण्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा प्रागे यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्रीक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिष्ठकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क्ष में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृषी

1/3 भाग दुकान न० 16-बी० दिलकुणा मार्कीट, जालधर जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10223 मार्च, 1974 को रजि-स्ट्रीकृत्ती श्रिधकारी, जालधर में लिखा है।

> (डी० एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 28 सितम्बर, 1974 प्रजैन रे

ग्रजीन रेंज, ग्रमतमः ।

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

আयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

थर्जन रेज, चण्डीगर 156, सैनटर 9-बी० चण्डीगढ़, दिनाक 27 सिसम्बर 1974

निर्देश म० एल० डी० एच०/सी०/162-/74-75--यत
मुझं, जी० पी० सिह, सहायक आयकर अध्वत्त (निर्देक्षण).
ग्रर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारो
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक हैं
ग्रांर जिसकी स० प्लाट नरफ कारावारा है जो लुष्टियाना
म स्थित है (ग्री)र इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप
से विण्त है) रिजस्ट्रीकिन ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना
म भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना
म भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए रिजस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विभ्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रविद्या में वास्तविक हप से कथित नही विया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महो किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुकु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हु।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री ब्रिज भ्षण राय पुत्न श्री कुलवन्त राथ डान्हा द्वारा जर्नल पायर ग्राफ श्रटानी, श्री राम सरन बैरी पुत्र लाला खेक राम निवास ई०-14/1, वसन्त विहार, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) गुरूदंव धर्मार्थ दृस्ट, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्द्र सिंह ग्रेवाल, यकील, रतन बिल्डिंग जिला कचैहरी के सामने सिविल लाईन्स, लुधियाना। (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसृचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनकाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अधे होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खेवट खतांनी के बाह्र 405-1/2 यर्ग गज का प्लाट/ न० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144, खसरा न० 712, 714, 715, 715/1 715/2/1, 717 719, 720, 727, 728 729, 739, 731, 725 अमांबन्दी 1970-71, तरफ काराबा में स्थित है तहसील लुधियाना।

जी० पी० सिह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीग**ह**।

विनांक: 27 सितम्बर 1974। मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यात्रय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/Jul/ए०पी०-1325/74-75-- यत., आयकर अधिनियम, 1961 मुझे, डी० एस० गुप्ता (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है. श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10262 मार्च, 1974 को लिखा है जो दिलकुशा मार्कीट, में स्थित (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकसो भ्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974 मार्चको पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यसे कम के दम्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशस आधक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिर्ता (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर आध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उसने बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. कर्म सिंह मान पुन्न वसंत सिंह मान, 389, लाजपत राय नगर जालंधर।
- 2 म्लर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह जौहल, ज्ञानीशंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप हिंस मार्फत मैनेजमैंट भ्राफिस दिलकुशा मार्कीट, जासंधर ।
- 2. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह हारियाबाद त० फगवाड़ा।
 - 3. जैसा कि न 2 पर है

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में र्हाच रखता हो

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ला:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय भुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—हसमें प्रयुवत शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/3 भाग दुकान न० 16-बी० दिलकुणा मार्कीट, जालधर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 19262 मार्च, 1974 को रजि-स्ट्रीकर्सा अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-9-1974

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, प्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 28 सिलम्बर, 1974

निदेश सं० ASR/Jul/AP/-1326/74-75 :--यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभ्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० से अधिक है फ्रीर जिसकी सं सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न 10260, मार्च 1974 लिखा है, जो दिलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रिजस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्च को पृयोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्सरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व इस सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिपस रो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिव है अँ र यह वि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तिरितियो) वे बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मिल्खित उद्देश्य से उवत अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा आंभलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-य की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 कमें सिंह मान पुत्र वसंत सिंह मान 389 लाजपत राथ नगर, जातंबर।

- 2. स्वर्ण सिंह जीहल पुत्र लाभ सिंह जीहल, ज्ञानि शंकर मिंह पुत्र वस सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैंनेजमैंट स्नाफिस, दिलकुणा मार्कीट, जालंधर
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी सृरिवर सिंह पृत्र गृरदाल सिंह जालंधर कैंट ।
 - 4 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है
- 5. श्री/श्रीमती/कृमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो

को य**ह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के एनबृद्धारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतदृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए अक्षिपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आश्रेणों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पध्टीकरण :--इसमें प्रुयनत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग दुकान नं० 16-बी० दिलकुशा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीझृत बिलेख न० 10260 मार्च, 1974 को रजिस्ट्री कर्ना ग्रिधिकारी जालंधर में लिखा है।

(डी० एस० गुप्ता), सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (विरीक्षण) तारीका 28 सितम्बर 1974 श्रर्जन रेज, श्रम्तसर । मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज—चण्डीगढ

चण्डीगढ दिनांक 28 सितम्बर, 1974 निदेश स0 एल०डी०एच०/सी०/158/74-75—-यतः, मुझे जी० पी० सिंह

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रपये से श्रीष्ठक है और जिसकी सख्या प्लाट तरफ कारावारा है जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम 1974.

मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति वे उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए रिजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अमुसार अस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान-तिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है) और यह वि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई विसी आय की बाबस आयकर अहि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अप देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और या;
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के लिए कार्यवाहीं शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा श्रमिलिखित किए गए हैं। ग्रतः श्रवः, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनिय 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

(1) कुलभूषण राय पुत्र श्री कुलवन्त राय, कर्ता एच० यकाफ० मिबिल लाईस. सामने जिला कचैहरी, लुधियाना। (श्रन्तरक) (2) नेहरू सिद्धांत केन्द्र, लुधियाना, द्वाराश्री जोगिन्देरे सिह गरेवाल, रतन बिन्टिंग सामने जिला कचहरी, सिबिल लाईन्ज, लुधियाना। (ग्रन्निरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के शर्जन के प्रति शाक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (कः) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यविनयो पर सूचना की तामील से 36 दिन नी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीयत व्यवितयों में में िमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकेंगे।

एतद्द्वारा यह ध्रधिसूचित किया जाता है कि इस ल्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपी, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर स्थान नियत किए जाएगें ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप विया है नथा सम्पत्ति के श्रन्ति निर्ती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा प्रागे यह मधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है. श्राक्षेपो सुनवाई कीके समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

म्पष्टीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वह अर्थ होग , जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 339 वर्ग गज, खेयट खतौनी न0.29/44, 556/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141, खसरा न \circ 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731 725, जमा बन्दी 1970/71 नरफ कारावारा तहसील लुधियाना।

जी० पी० सिह् तारीख: 28-9-1974 सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मोहर ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ दिनांक 28 मितम्बर, 1974

निवेण म० एल०डी०एच०/सी०/379/74-75—-यतः, मुझे, जी० पी० मिह.

अयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ अपये से अधिक है श्रीर जिसकी स० प्लाट तरफ काराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित को बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के स्रिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार असिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, रिश्पाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26-376GI/74

- (1) श्रीमती उमा रानी पुत्री श्री कुल भूषण राय ढण्डा, श्रीर कुलभूषण राय पुन्न श्री कुलबन्त राय ढण्डा, निवासी सामने जिला कर्वेहरी, सिविल लाईन्ज, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) नेहरू सिद्धांत केन्द्र, लुधियाना, द्वारा श्री जोगिन्दर सिंह गरेवाल एडवोकेट, रतन बिल्डिंग, सामने जिला कर्चेहरी, सिविल लाईन्ज, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यिं/ कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशक्र की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए प्रारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपे। की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट 339 वर्ग गज, खेवट भौर खतौनी नं2 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144, खसरा नं० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, जमाबन्दी, 1970/71 जो कि काराबारा तहसील, लुश्चियाना।

जी० पी० सिंह तारीख: 28-9-1974 सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रमर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ़। प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रंज, चण्डीगढ

दिनांक 2 सितम्बर, 1974

सं० एच०एस०ग्रार०/17/74-75−-यतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षक) ब्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 89 पीछे पुरानी कचहरी सदर, 1/2 भाग, है, जो हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्षक रूप से

कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियो अर्थात् :—

- 1. (1) ईश्वर देवी पत्नी श्री लाल चन्द.
 - (2) श्रीमती लीला वती पत्नी श्री श्रर्जन दास.
 - (3) श्रीमती जमना बाई, पत्नी श्री गाँरदन दाम. निवासी पटेलनगर, हिसार

(धन्तरक)

 युधवीर सिंह, बकील, सैंकेटरी, धर्मशाला, हिसार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

ग्रनुसूची

1/2 भाग रिहायशी प्लाट न० 89, जिसकी मिन्ती 1600 वर्ग गज, जोकि पुरानी कचहरी सदरहिसार में है।

जी० पी० सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 2-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस ----

आयवर अधिन्यिम, 1961 (1961 मा 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेज, पम्छीगढ

चण्डीगढ़, दिनाक 28 सिलम्बर, 1974 निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/376/74-75--यतः, मुझे जी॰ पी॰ सिह ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 年) 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आणार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है क्यीर जिसकी सख्या प्लाट काराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे बाद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे भार-तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1808 का 16), ्रके श्राधीन 1974, मार्च,

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ़ृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ठ प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियो, अर्थात्:--

(1) श्री कुद्धभूषण राय, पुत्र श्री कुलबन्त राय ढण्डा, खुद ग्रीर करता एच०यू०एफ० निवासी सामने जिला कचैहरी, सिविल लाईन्या, लुधियाना। (मन्तरक)

- (2) गुरदेव धर्म अर्थद्रस्ट, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्दर सिह गरेवाल, एडवोकेट, तरन बिल्डिंग, जिला कचैहरी, के सामने, सिविल लाईन्ज, लुधियाना। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो:---
 - (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
 - (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पथ्दीकरण --इसमे प्रयुक्त णब्दो और पद्दो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

·लाट 339 वर्ग गज, खबट **खतौ**नी न० 29/44, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144, थमरा न० 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719 720 727, 729, 730, 731, 725, जमाबन्दी 1970/71 तरफ काराबारा, तहसील, लुधि-याना ।

मोहर:

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, चण्डीगढ़ तारीख: 28-9-1974

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1974

निदेश सं० 157/ए०सी० क्यू 023-247/7-4/73-74---यतः मुझे पी० एन० मित्तल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से **प्रधिक है** श्रीर जिसकी संरु सर्वे नं राष्ट्री, पैकी म्यु वार्ड नं 3, हार नं० 713-इ है, जो जबेरी सदक्ष, नयसारी, जिला बलसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के श्र**धीन** 13-3-1974 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक [(अन्त-रकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरिक्षियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:----

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के म्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा भ्रभिलिखित किए गए है।

यतः, श्रव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— 1. श्री परागणी दुर्लभ भाई, नायक नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

 श्री नवीनचन्द्र धरम चन्द चौहान, नवसारी

(भन्तरिती

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—
(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबन्धी व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखिस में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृक्षारा ग्रागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे, ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, आक्रोपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्पदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होंगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

'धारानक' नामक श्रवल सम्पत्ति (जमीन तथा मकान) सर्वे नं 12/1पैकी म्यु व वार्ड नं 3, धर नं 713-ई, जो जवेरी सदक, नवसारी जिला बलसार में स्थित है जमीन का माप 4156 वर्ग फुट श्रीरबांधकाम 1357 वर्ग फुट है जैसा कि राजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी नवसारी के मार्च, 1974 के राजस्ट्री:त विलेख नं 540 में प्रदाशित है।

> पी० एन० मित्तर्भ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेज-११ II, श्रहमवाशाध

तारीख 23-9-1974 मोहर: प्ररुप आई० टी० एन० एस०...

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैनटर 9-वीठ चण्डीगढ़, दिनाव 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० लुधि०/मी०/161/-74-75---यतः, मुझे, जी०पी० सिह, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी स० प्लाट तरफ काराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (और इमसे उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्ख 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्य-मान प्रतिफल के लिए रिजरट्री वृत दिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-प्रवोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1 श्रीमती लैजा राय पत्नी अजभूषण राय द्वारा उसके मुक्त्यार धाम श्री राम सरन वैरी पुल लाल खैरु राम, निवासी ई०-14/। बसन्त विहार, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- उ. मैं शुरूदेव धर्माध ट्रस्ट, लुधियाना हारा श्री ओांगन्छ सिंह ग्रेवाल एडवोकेट, रतन बिल्डिंग, मामने जिला कचैहरी, सिविल लाईन्म, लुधियाना (ग्रन्तिरती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यिव कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएँगे और उसकी सूचना हर एमे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतष्ढारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

प्लाट सरफ कारा बारा, लुधियाना, 405 वर्ग गज खेबट खतौनी न० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/21411

खसरा न 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715. 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725 जमांबन्दी 1970-71, कारा बारा नहसील, लुधियाना।

> जी० पीर सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज चण्डीगढ़

विनांक: 27 सिसम्बर 1974

योहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

अध्यमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, नण्डीगढ

चण्डीगढ़ दिनाक 28 मितम्बर 1974

निदेश म० एलडीएच/सी/156/74-75/—-प्रत , मुझ जी०पी० सिह

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

मौर जिसकी मेरिया 'लाट तर्फ कारार्या'न है जा लुधियाना मे स्थित है (प्रौर जससे उपायद्ध प्रनुस्त्री में भ्रीर पूर्ण रूप से वांणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन 1974, मार्च

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य र कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शक्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-काही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --

(1) श्री युज भूषण राय पुत्र श्री कुलबन्त राय १० इ। सिविल लाईन्ज, गामने जिला कचेहरी सुधियाना द्वारा

श्री राम रूपन देरी पुत लाला छंक राम, निषाम ई14/1, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(ध्रम्तरक)

(2) नेहरू सिधान्त केन्द्र, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्द्र सिह गरेवाल, रतन बिस्डिंग सामने जिला, कचेहरी, सिविल नाईन्म, लुधियाना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यवि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की सामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 4051 वर्ग गज

खेवल खतीनी नं० 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2188, 1936/2141।

715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725;

जमा बन्धी 1970/71। तरफ काराबारा तहसील लुधियाना।

जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28-9-1974

सहायक श्रायकर श्रायुक्त नियुक्षणम

मोहर:

प्रजनजज, चण्डीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस० भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चडीगढ

दिनांक चण्डीगढ, २४ मिलभ्यर 1074

निर्देश मं० एल०डी०एच०/सी०/101/74-75/ यत: मझे जी० पी० सिंह महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रायकर ग्रधिनियम 1961 अर्जन रेंज, चडीगरू (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- म० से अधिक है जिसकी स० लाट नं० 191, 192, 193, 194 एण्ड 195 ए है जो तर्फसाईदन लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में बर्णित है), रजिस्द्रीय ता अधिवारी के कार्यालय, सुधियाना में भारतीय रिजस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मार्च,

को पूर्वकित सम्पत्ति के उम्बिस कम के दृश्यमान प्रतिपास के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोश्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (म) अन्तरण से हुई। किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अच्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिक्रिश्वित किए गए है ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गुरभुख सिह, पुत्र श्री सुन्दर सिह, पुत्र श्री अत्तर सिह, निवासी प्रताप नगर, लक्षियाना।

(अन्तरक्र)

(2) श्री आला वलाद इन्बैस्टमैट पराईवेट लिमित्रेड लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्भारा कार्यवाहियां गरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, नो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपस्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर मम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप विया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे रुपक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 191, 192, 193, 194 और 195 ए०, जो कि नर्फ साईदां नहसील लुधियाना।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 24-9-1974

मोहर '

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज, ग्रामृतसर

अमृतसर तारीख 28 मितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/जुल/ए०पी०-1320/ 74-75:——यत मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- करवे से अधिक है और जिसकी सं असम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न ० 10261, 10222,10221,10181 10179 मार्च, 1974 में लिखा है, जो विलकुशा मार्कीट, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणिन है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974, मार्च, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित कां गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया रे:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अत., अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मै आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की सप्रधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

 (1) कमें सिह मान पुत्र वसंत सिंह मान वासी, 289 लाजपतराय नगर, जालंधर ।

- 2. स्वर्ण सिंह जोहल पुत्र लाभ सिंह, जानी शंकर सिंह पुत्र बल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैंट, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर। (अन्तरक)
- (1) क्मलजीत सिंह पुत्र मीता सिंह वामी लिलयान । कुलबत सिंह पुत्र मीता सिंह वासी कालका जी नई दिल्ली ।
- 2 मनजीत सिह पुत्र मीता सिह वासी लोटस रोड, कानपुर। जसवतकौर पुत्री मेहर सिह, अड्डा कपूरथला, जालधर। स० मीता सिह पुत्र ग्रदियाल सिंह, उन्डिस्ट्रियल एरिया 'ए' ल्धियाना।
 - 3 जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि बिह सम्पत्ति में हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के अर्जन के लिये एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिस्षित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यवित को, जिसके ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसत्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूचवाई के समय स्ने जाने के लिए अधिकार होगा।

अनुसूची

दुकान त० 2 ऐ० दिलकुशा मार्कीट जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 10261, 10222, 10221, 10181 और 10179 मार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्सा मधिकारी, जालंधर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II. अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23-9-1974

बन: मुझे पी० एन० मिनल प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी मं० नोंध नं० 128, म्यु० वार्ड नं० 13, रे०म० नं०. 56-2, टी॰पी॰एम॰ 5, असल प्लाट -17 है, जो गाउ छोड रोड, पार्ले पाइंट के पीछे, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपायब ग्रन्-मूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 28+3-74 और 27-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) केबीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:— 27—376 G1/74

- श्री शैलेश कुमार कान्ती लाल जरीवाला बाई मरलाबेन कान्तीलाल जरी वाला , बम्बई । (अन्तरक)
- 2 श्री णान्तीलाल छोटालाल भाह , मूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए एसक्द्रारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर बांध काम सहित अचल सम्पत्ति नोंध नं० 128. म्यु० वार्ड नं० 13. रे० म० नं० 56-2 टी०पी०एम० नं० 5. असल पी० प्लोट नं० 17. एफ० पी० न० 17. पंकी जिसका माप कमण: 875 वर्ग गज श्रीर 1143. 2 वर्ग गज है (बुल माप लगभग 2018 वर्ग गज) श्रीर जो गोड छोड रोड, पार्ले पाइंट के पीछे सूरन में स्थित है। जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरन के मार्च, श्रीर मई 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता विलेखों में नं० 1166 श्रीर 1991 (क्रमणः) में प्रदिणित है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 23-9-74

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1974

निदेश सं० 159/ए०मी० म्यू०-23-247/19-7/73-74-यतः मझे पी० एन० मित्तल अधिनियम (1961 কা आयकर 1961, धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संवनोंध नंव 335-1 श्रीर 335-2, स्युव्याई नंव 13, रें० स० नं० 59-ए, टी० पी० एस०-129 पैकि है, जो प्रथवा लाइनम गोड छोड, रोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्टीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री पुरुषोत्तम अम्बालाल शर्मा

(श्रन्तरकः)

- 2 मैं० टक्कर कसट्टक्शन सुरत की क्रोर से उसके सहियारी :---
 - (1) भगलदास गंगा दास ठक्कर
 - (2) रमनलाल गंगादास ठक्कर
 - (3) मधसदन गंगादास टबकर
 - (4) बिमला बैन बिपिन चन्द्र ठक्कर
 - (5) चम्पाबेन म्लजी भाई ठक्कर

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एत**इहा**रा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो झायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नोंध नं० 335-1 और 335-2, म्यु० वार्ड नं० 13, रे० स० नं० 59-ए, पैंकी लोट नं० 5 और 6.टी० पी० एस०-5, एक० पी० 129 पैंकी कुली जमीन जिसका कुल माप 575 वर्ग गज है और 571 वर्ग गज है कुल माप 1146 वर्ग गज है श्रीर जो श्रथवा ना० चोरियामी जिला सूरन में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी सूरत के मार्च, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1085 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिन्नल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजैन रेज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-9-74

मोहर.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर दिनांक 28 सितम्बर 1974

निर्देश मं० ए० एम० आर०/ज्ल/ए० पी०-1315/ 74-75:---यत:, मुझे डी० एस० ग्प्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-२० से अधिक हैं बाजार भीर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 10-261 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुणा मार्कीट, जालधर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्णस्प से विजन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर मै भारतीय पजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च, को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भन्तरित की गई है और मुद्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्णन के लिए कार्य-बाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रा: श्रन्न, धारा 269-घ के श्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

1. कर्म सिंह मान पुत्र बसंत सिंह मान 389, लाजपत राय नगर, जालंधर ।

स्वर्ण सिंह जौहल पुत्र लाभ सिंह, ज्ञानी णंकर सिंह पुत्र गांपाल सिंह जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैंट ख्राफिस, दिलकुशा मार्कीट, जालंधर । (अन्तरक)

- 2. कमलजीत सिंह पुत्र मीता सिंह वासी लालियान । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियस किए जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा स्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 भाग दुकान न० 2 ऐ० दिलकुणा मार्कीट, जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 10261 मार्च, 1974 को रिज-स्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज श्रमृतसर ।

तारीख :28 मितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचमा कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-,1 दिल्ली-1

नई दिल्ली-2 दिनांक 26 सितम्बर 1974

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस० आर०-1/मार्च 11(61)/788/74-75/2924—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते भाषकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पमें से अधिक है, प्रौर जिसकी स० 23(1/2 भाग) है, जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूवी में पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली म भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1974

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमदन लाल।

(1) श्री बाबू नन्द किशोर पुत्र श्री लाल चन्द (2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री तरलोक चन्द्र निवासी बी-3/16 राजोरी गार्च, नई दिल्ली। (अन्तरक) 2 (1) श्रीमती शकुलाला रानी उर्फ आशा रानी परिशी (2) श्रीमती उषा रानी पत्नी श्री भारत भूषण अ। जनल निवासी 23 राजा गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. सर्वश्रीवी० के० साहनी (पहली मंजिल)

- (2) श्रीमती अमर कुमार सचदेवा (पहली मंजिल)
- (3) श्री एस०के० कोशल (निचली मंजिल)
- (4) श्री जोगिन्दर सिंह (निचली मंजिल)
- (5) एम० हरमोहिन्दर मिह (निचली मंजित)

((बह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभौग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, नो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 मंजिली जायदाद जो कि प्लाट नं ० 23 क्षेत्रफल 272 वर्ग गज जो कि अशोका कालोनी आजकल राजा गार्डन क्षेत्र बन्माई दारापुर ।--- दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित हैं:---

उत्तर:सकान प्लाट नं० ६2 पर

दक्षिण: सड़क पूर्व: प्लाट नं० 24 पण्चिम: प्लाट न० 22

> मी० बी० गुप्ते स**क्ष**म प्राधिकारी, अध्यक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) - 1974 - अर्जन रेज--1 दिल्ली,

नारीख: 26 मिनम्बर 1974 अजन रज -- 1 दिल्ली, मोहर: नई दिल्ली-1। प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारन सरकार

कार्यालय, महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनाक 28 सितम्बर, 1974

ASR / JUL / AP -1328/ निदेश सं० 74-75 :--यतः मुझे डी० एस० गप्ता अधिनियम, 1961 (1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ह० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जेमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10262, 10260, 10223 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुलशा मार्कीट, जालधर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिरदीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1974, मार्चकी पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 फा 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

1 कर्म सिंह मान पुत्र वसंत सिंह मान, 289 लाजपत राय; नगर, जालधर।

- 2. स्वर्ण सिंह जौहल पुन्न लाभ सिंह जौहल ,कानी एकर सिंह पुन्न बल सिंह नौनिहाल सिंह पुन्न गोपाल सिंह जागीर सिंह पुन प्रताप सिंह मार्फत मैंनेजमैंट ग्राफिस दिलकुशा मार्कीट, जालंधर ।
 - 3. मोहिंदर सिह पुत्र गुरदियाल सिंह, हिंदियाबाद, त० पगवाड़ा
 - 4. मुरिंदर सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह, जालंधर केंट।
- 5. चरन सिंह पुत्र गूरिंदियाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी सरहासा त० श्रौर जिला ,जालधर ।
 - 6. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है
- 7. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दुकान न० 16-भी० दिलकुशा मार्कीट, जालधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10262, 10260, 10223 मार्च 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालधर में लिखा है।

> (ही० एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रंज गणतमर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, चन्दीगढ़

चण्डीगढ़, दिनाक 26 सितम्बर, 1974

निदेश सं० बी०डी०म्रार०/(कल०)/4ए०/74-75---यतः, मुझे, जी० पी० मिह,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चन्दीगढ़ आयकर **अधिनियम**, 1961 (1961 **का 4**3) की छारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र० से अधिक है भीर जिसकी सं० जमीन और रोलिंग मिल है जो बहादुरगढ़ रोहतक में स्थत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीक्षरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च को 1974, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और झत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अन, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री प्रताप लोहा उचीग, मार्डन इंण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बहातुरगढ़ जिला रोहतक (हरियाणा)। (भ्रन्तरक)

- (2) शुसील कुमार गुप्ता, 29 सिरी हरीराम गोइनका स्ट्रीट, कलकसा- 7
- (2)दी प्रिसिपल श्रफसर, गरेड स्ट्रक्चरल मैन्फैकचरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, निन सुकिहा, श्रमाम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखे एसबुद्धारा कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थाम नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतष्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वंवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के बाट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग श्राफ रोलिंग मिल 16/4 मील दिल्ली रोहतक रोड़ पर है। बहादुरगढ़।

पूर्व: रोड़ 40 फुट चौड़ी (कच्चा रोड़)

पश्चिम: फैक्टरी बिल्डिंग

उत्तर: खुषी जमीन

दक्षिण: रोड 130 फुट चौड़ी

जीं० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नण्डीगढ

तारी**ज**: 26-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

श्रारा 269 घ(1) के अश्रीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनाक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० एल०डी०एन०/157/74-75---यतः, मुझे, जी० पी० सिंह भ्रायकर श्रिधनियम,

1961, (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या प्लाट काराबारा है जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के घनुसार घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तिनितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा मिशिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः ग्रब, धारा 269-म के भनुसरण में, मैं, भायकर भिषित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्निसित व्यक्तियों ग्रथीत :—

(1) श्रीमती लैंजा राय पत्नी श्री बृज भूषण राय पुत्र श्री कुलबन्त राय कण्डा, मिबिल लाइन्म, सामने जिला कचेहरी, लुधियाना (श्रन्सरक) (2) नेहरू सिद्धांत केन्द्र, लुधियाना द्वारा श्री जोगिन्वर मिह गरेवाल, रतन बिल्डिंग, सामने जिला कचेहरी, सिविल लाईम, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां करता है:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे अ्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 405½ वर्ग गज,

खाता खैनानी नं2 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2185, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141, खसरा नं2 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 725, जमा बन्दी 1970/711 नरफ काराबारा तहसील ल्थायना ।

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28-9-1974 सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: ग्रजैन रेंज, चण्डीगढ़। प्रक्ष आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, भ्रजीन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० ASR/ /JUL |AR-1321| 74-75 :---यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10721 मार्च, 1974 लिखा है, जो दिलकुणा भार्कीट, जालंधर में स्थित है (ब्रीर इससे उपावद अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ब्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1974 मार्च, पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अख्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:— 1. कर्म मार्निमह पुत वसंत सिंह 389 लाजपत राय नगर, जालधर । स्वणं मिह जीहल पुत्र लाभ मिह जोहल, मिबिल लाईन्स जालधर । जानी शकर सिंह पुत्र वल सिंह, गरहा कालोनी, जालधर । (अन्तरक) तौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, जागीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मैनेजमैट श्राफिस, दिलकुणा माकहाट, जालधर । जसपाल सिंह पुत्र लाहौरा सिंह सीकरी वाजार, श्रांसी । (श्रन्तरिती)

जैसा कि न० 2 पर है
(बह वयक्ति जिसके अधिभोग में अधोहम्ताक्षरी जानता है)
ध्यक्ति जो सम्पत्ति में कचि रखता हो को यह मूचना जारी करके
पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता
है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

17-बी० दुकान दिलकुणा मार्कीट जालंघर में, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत जिलेख न० 10721 मार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्त्ता भिधकारी जालंधर में लिखा है।

(डी०एस० गुप्ता) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज श्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज चन्डीगढ़ चन्डीगढ, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश सं० पी० टी० ए०/44/74-75--यतः मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1974 को पूर्वोंकर

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ट्रीकृत फिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत ऋधिव है और यह वि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण में हुई विसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर डेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित न्यक्तियों, अर्थात :----28—376GI/74

- श्रीमति लाज कौर, विधवा पत्नी श्री प्रीतम सिंह शोरिगल जनरल चन्दा सिंह रोड, पटियाला (अन्तरक)
- 2. मैं ॰ सुन्दर इन्ट्रपराइज पिट्याला द्वारा श्री तरलोक सिंह पुत श्री दिवान सिंह भोपिन्द्रा रोड, पिट्याला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्र्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किय। जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुवत गव्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन गिन्ती 554 वर्ग गज, जोक्ति पटियाला में है खसरा नं० 93, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5473, मार्च 1974 को सब-रजिस्ट्रार पटियाला के दफ्तर में लिखा है।

> जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 2-9-1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, भ्रहमदाबाद भहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1974

निर्देश सं० 155/ए० सी० क्यू०/23-162/19-8/74-75 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मृत्य 25,000/- ध्पये से अधिक है **भ्रोर** जिसकी सं० सर्वे नं० 389/ए० 1+2+3 पैकी है जो कवर गाव, ता० चोरियासी, भ्रश्वनीकुमार रोड, सूरत में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबढ़ ब्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5 मार्च 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्देश्य** से उनत अन्तरण फिखित में वास्त्विक रूप से मिथित नही किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- श्री फूल चन्द जैकिशन दास बखारिया नवापुरा, कर्वा रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० के० जे० विद्यारिया एण्ड कं० की भीर से उसके भागीदार:
 - (1) जवाहर कान्तीलाल वखारिया,
 - (2) हरिश्वन्द्र कान्तीलाल वखारिया,
 - (3) जणवन्तीबेन कान्तीलाल वखारिया,
 - (4) वसन्तलाल भ्रमृतलाल वखारिया,
 - (5) इन्द्रवदन ग्रमृतलाल वखारिया,
 - (6) जगदीश चन्द्र भ्रमतलाल वखारिया,
 - (7) उमिलाबेन श्रमृतलाल बखारिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, पदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेयर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण — इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे तं० 389/ए० 1+2+3 पैकी खुली जमीन जिसका कुल माप 3200 वर्ग गज है श्रीर जो कनर गांव, ता० चौरियासी. श्रश्वनीकुमार रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रुजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के मार्च 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 702 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद।

दिनांक 17 सितम्बर 1974। मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, अमृतसर

भ्रम्तसर, विनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० श्रमृतसर/एम०एस०पी०/ए०पी०-1330/74-75— यत:, मुझे डी० एस० गुप्ता , श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4718 मार्च, 1974 में लिखा है, जो गाव सुतेवरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपा- सद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, 'होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भौर/या ;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) य धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यत: भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याम 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रधिलिखित किए गए हैं।

भ्रत: भ्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :—

- (1) श्री करतार चन्द, वतन चन्द, श्रमन्त राम, बनत राम पुल किरपा, साधु सिह, खुशी राम, बखागी उरफ बखाशी राम पुल सरदा हरी राम हरनाम दास जगत राम पुल मोती प्रीतम दास शिव राम, प्रीतम कौर नसीव कौर पुली गोपी चन्द पुल तावा, मेहर सिंह पुल ईश्वर दांस पुल तावा वासी फतेहगढ़ मुतेहरी थाना तहसील होशियारपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री गुरमीत सिंह सेहरा पुत्र गुरबचन सिंह, फतेहगढ़ रोड, होशियारपुर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में घिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति म हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षे,यवि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो श्रविध बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजंन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए प्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान भियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ब्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदहारा मागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के मधीन सूचना दी गई है, माक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार हीगा। स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर

ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, मुतेहरी में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 4718 मार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, होशियारपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28 मितम्बर, 1974

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—— आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण का कार्यालय भ्रजीन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निवेश सं० भ्रम्तसर/एच० एस० पी०/ए०पी०-1331/ 74-75-यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका से श्रधिक है मृत्य 25000/-₹ ग्नौर जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4932 मार्च, 1974 में लिखा है, जो सुतेहरी जिला होशियारपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होणियारपुर मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1974, मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से द्श्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रन्सार भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का प्रन्बह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

श्रौर यत : श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे ब्रारा श्रभिलिखित किए गए है

श्रत : भ्रब, धारा 269-घ के श्रतुसरण में, मैं, श्रायकर उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :—

- (1) श्रीमती लीलावती विधवा करतार सिंह सपुत्र राम किशन वासी गुक नानक नगर, होशियार पुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश गोयल डा० बाल गोपाल गोयल सपुष्त प्यारे लाल, माडल टाऊन, होशियार पुर। (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 पर है (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतवृद्वारा कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के प्रति अक्षेप, यद कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

एतद्वारा यह श्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किये गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदढ़ारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूबवर्ती पैरा के अधीन स्चना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में यथापरिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मूमि मुतेहरी जिला होशियारपुर में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 4932 मार्च, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 28 सितम्बर, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

शायकर श्रिष्टियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कायिक्य, सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निदेश सं० पी०टी०ए०/45/74-75--यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रुपये से अधिक है भौर जिसकी संख्या जमीन है, जो पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भन्सूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय पटियाला में भारसीय रिजस्ट्रीकरण प्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रक्तिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे बारतिवक रूप से विश्वत नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर श्रधि-नियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 1) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुक्षर बनाना:

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रमीत्:—

 श्रीमतो लाज कौर विधवा पत्नी श्री प्रीतम सिह णारिगल जनरल चन्दा सिंह रोड, पटियाला ।

(अन्तरक)

मै० सुन्दर इन्टरपराइज , पटियाला,
 द्वारा श्री देविन्द्र सिह, पुत्र श्री दिवान सिह,
 भोपिन्द्रा रोड, पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्-द्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस मृचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति क्षारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हपट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन गिन्ती 881 वर्ग गज, जोिक पटियाला में है। खसरा नं० 93 है जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5474, मार्च, 1974 को सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा है।

जी∙ पी० सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 2-9-1974

प्रका आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, तारीख 28 सितम्बर1974

निदेश स० ध्रमृतसर/ए०पी०-1329/74 75--यतः मुझे डी० एस० गुःता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- स्पये में अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4256 मार्थ, 1974 लिखा है जो तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची मे और पूर्ण स्प से बणित है), रजिस्ट्रीकृत्ती अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मार्च को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिश (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के निए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिह नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) श्री श्रमीर चन्द पुत्र श्री तुलसी राम श्रग्रवाल 74, मैरीन ड्राईव, बाम्बे। (अन्तरक)
- (2) सर्वश्री राम सिंह, गुरबचन सिंह पुत्र सं० करतार सिंह, चाटीविंड गेट, अमृतसर ।
 - (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए धारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

धरती, तरन-तारन रोड, भ्रमृतसर जैसा कि राजस्त्रीकृत विलेख न० 4256 मार्च, 1974 को राजस्त्रीकर्त्ता भ्रधिकारी, भ्रमृतसर में लिखा है।

> डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख 28 सितम्बर, 1974 मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 21st October 1974

No. A.12025(ii)/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Panna Lal, a permanent Assistant of the Finance cadre, and allotted to the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the results of Section Officers' Crade Limited Departmental Competitive Examination, 1971 and retained as Section Officer in the Defence Division of the Ministry of Finance on loan basis until 2nd September, 1974 (F.N.), when he was relieved from that cadre, to officiate in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 2nd September, 1974 until further orders.

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In partial modification of this office notification of even number dated 11th July, 1974, the President is pleased to appoint Shri Yogınder Nath, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 131 days from 23rd August, 1974 to 26th December, 1974, or until further orders, whichever is earlier.

No. 4.32014/1/74-Admn.HI.—In continuation of this office notification of even number dated 28th August, 1974, the President is pleased to appoint Shri K. S. Datta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 122 days from 1st September, 1974 to 26th December, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

The 31st October 1974

No. A.32014/1/74-Admn III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Offictrs' Grade of the service for a period of 91 days from 18-9-74 to 17-12-74, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32011/5/74-Admn.III.—Consequent on his having been appointed as Section Officer (Special), Shi B. N. Arora, a permanent Assistant of the C.S. cadic of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer, relinquished charge of the office of Section Officer w.e.f. the forenoon of 23-9-1974.

No. A.32011/5/74-Admp.HI.—Consequent on his having been appointed as Section Officer (Special), Shri S. Srinivasan, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, relinquished charge of the Section Officer with effect from the forenoon of 23-9-74.

No. A.32011/5/74-Admn.III.—Consequent on his having been appointed as Section Officer (Special), Shri B. S. Kapoor, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadie of Union Public Service Commission, relinquished charge of the office of Section Officer w.e.f., the forenoon of 23-9-74.

The 12th November 1974

No. A.32013/1/74-Admn.l.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Crade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Pub'ic Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 84 days from 4-10-1974 to 26-12-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy. (Incharge of Administration), Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 18th November 1974

No. A.32014/1/74-Admn.I.—S/Shri R. L. Thakur and K. Sundaram, permanent Grade II officers of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of the Union Public Service Commission were appointed to officiate on a purely adhoc basis in Grade I of the Service vide this office Notification of even number dated 1-8-1974 have reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 15-10-1974.

No. A.32013/2/73-Admn.I.—In continuation to this office Notification No. A. 32013/2/73-Admn.I. dated 30th April,

1974, the President is pleased to allow to continue Shri R. S. Goela, a permanent Officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for the period from 5-10-1974 to 28-2-1975 (both days inclusive), $o_{\rm I}$ until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32013/1/74-Admn.J.—The President is pleased to appoint Shri T. D. Joshi, a permanent officer of the Section Officers' Crade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 48 days with effect from 14-10-74 to 30-11-1974.

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Pandit, a permanent officer of the Section Officer's Gade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 27-9-1974 to 26-12-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 19th November 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 82 days with effect from 6-10-1974 to 26-12-1974 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

No. \(\frac{1.32013}{1/74-Admn.I.}\)—The President is pleased to appoint Shri C. R. Anand a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade 1 of the Service for a period of 85 days with effect from 3-10-1974 to 26-12-1974 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

New Delhi, the 5th November 1974

No. A. 32016/7/72-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Hollerith), in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Superintendent (Hollerith), in the Commission's office for a period of 10 days with effect from the 1st October, 1974 to the 10th October, 1974.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary,
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 11th November 1974

No. A.32013/3/74-Admn.I.—In partial modification to this office Notification No. A.32013/3/73-Admn.I, dated 17-8-1974, Shri K. V. Ramakiishman, an Officer of the Indian Audit and Accounts Service, who was allowed to continue as Controller of Examinations in the office of the Union Public Service Commission upto 28-2-1975, has now been appointed to officiate as Joint Secretary in the same office for the period from 21-10-74 to 28-2-1975.

M. R. BHAGWAT, Under Secy. for Chairman, Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 18th November 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission has been pleased to appoint S/Shri R. L. Thakur and K. Sundaram, Permanent Personal Assistants (Grade II of Central Secretariat Stenographers Service), of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS), for the Committee on Recruitment Policies and Selection Methods set up by the Union Public Service Commission on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of 3 months with effect from 17-10-1974 (F.N.).

P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, for Chairman Union Public Service Commission

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/AP-1329/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4256 of March, 1974 situated at Tarn Taian Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent cinsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Shri Amir Chand s/o Shri Tulsi Ram Aggarwal,
 Marine Drive, Bombay.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Singh, Gurbachan Singh ss/o S. Kartar Singh, Chatiwind Gate. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4256 of March, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28th September 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta-1, the 11th November 1974

Ref No TR 1688/C 463/Cal-1/73-74 -- Whereas J. S K Chakravarty,

being the competent

authority under section 269B of the Income-tax Act,

1961, (43 of 1961), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 13 situated at Dr Ishaque Road (Formerly Kyd Street) Calcutta

(and more fully described in the

Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, 5, Govi Place North, Calcutta on 5 3-1974.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferce has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) (facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income ausing from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely -29-376GI/74

(1) Shri Piirna Lall Seal 53C, Bon Behary Bose Road, Howigh

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Saksena 1 & 2 Jackson Lane Calcutta

(Transferee)

- (1) 1 Shri Baluram Rajak

 - Shri R K Ovalani
 Shri R K Ovalani
 Shri B P Saksena
 Dr N Singh
 Shri C F Lobo
 Shii C F Ellis
 Shri Omprakash Ramchand Subnani
 - Shri litendra Nath Mukherjce Shri B R Parasai

 - 10 Shri Mohit Ranjan Lahiji

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every percon to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided on-twelvth part or share in partly two and partly three storied building bearing premises No 13 Dr Ishaque Road (Formerly Kyd Street), Calcutta containing an area of land measuring 8 K-2 Ch-42 sft

> S K CHAKRAVARTY. Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

P-13, Chowlinghee Square, Calcutta

Daet 11th November 1974

(1) Sri Kumud Behari Basu, 73A, Purna Das Road, Calcutta

(Transfei3r)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Krishna Raman Nag, 52/1 Beniatola St Calcutta

(Fransferee)

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I,A,C, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I CALCUTTA

Calcutta the 11th November 1974

Ref No TR-1670/C-478/Cal I/74_75 —Whereas, I, S K Chakravarty,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 40 situated at Sri Aurobinda Saram, Calcutta (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar of Assurances 5, Govt Place North, Calcutta on 20-3-74 for an apparent consi

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 o f1961) in ispect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of building situated at 40, Shri Aurobinda Sarani Calcutta containing an area of 5K 13 Ch

S K CHAKRAVARTY

Competent Authority,

I A C of Income Tax.

Acquisition Range-I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date . 11-11-74

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE LA.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA,

Calcutta, the 11th November 1974

Ref. No. AC-68|R-II|Cal|74-75,-Whereas I, L, K, Balasubramanian, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No .25 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 29-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(Transferor)

- (1) Sri Jakshman Prosad Poddar,
 (2) A/9/25, Basant Vihar,
 (3) New Delhi-57.

- (2) (1) M/s. Praise Co. Private Ltd.,
 - 10 Netaji Subhash Road, Calcutta-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Cottahs, 9 Chittacks & 15 Sq. ft. together with building and structures marked as Lot 'A' being a portion of 25, Raja Santosh Road, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II,

P-13. Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 11-11-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT [961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 19th October 1974

Ref No 191/Acq R III/74 75/Cal --- Whereas I L K Balasubi amanian

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 72 situated at Beckbagan Row, P S Karaya Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

District Registrar 24 Pargenas Alipore on 13-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pulsuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) 1 Mt, Abdui Rezzaque Osman
 - 2 Mi Mohammed Quasim Osman
 - 3 Mrs Maimunnessa Bai
 - 5 Mrs Hajra Bai
 - 5 Mrs Amna Bai
 - 6 Mis Marium Bai

All of 14A, Ramprasad Saha Lane, Jorasanko, Calcutta 1

- 7 Mrs Jainal Bai
- 8 Mrs Khatija Bai,

Both of Mandyi P S Mandyi Kutch Gujarat (Transferor)

(2) Mr Jahurul Islam of 18, Bright St, Calcutta-17 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in all the piece and parcel of land measuring 5 kattahs 11 chattak and 11 sft more or less situated at 72 Becbagan Row, PS Karaya, Calcutta together with a single storied incomplete birck-built building registered with the District Registrar, 24-Parganas at Alipore by Deed No 1536 of 1974

L K SUBRAMANIAN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date 19 10-74

(3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTICCOMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 19th October 1974

Ref No ASR/BTL/AP-1360/74 75 -- Whereas, I, P N. being the Competent Authority under section 269B

of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No 5791 of March, 1974 situated at Siri Har Govindpur Road, Batala (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Batala, Amritsar in March 1974,

tor an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the trans feror to pay (ax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby untiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

- (1) Shri Satwinder Pal Singh minor
 - s/o Shri Sohan Singh, s/o Shri Amrik Singh,

 - r/o Batala through Sohan Singh, father (Guardian)

(Transferce)

(2) Shii Dev Raj Marwaha, s/o I Ralia Ram Marwah, r/o Purian Mohalla, Batala

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 5791 of March, 1974 of the Registering Authority, Batala

> P N. MAIIK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsai

Date 19th October 1974

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1974

Ref. No. ASR/FDK/AP-1359/74-75.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3717 of March, 1974 situated at Bholuwala Road, Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed heretof), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Faridkot in March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Des Raj, Kashmiri Lal, c/o M/s. Pritam Singh Joginder Singh, Old Grain Market, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar,

s/o Shri Lal Chand Surinder Kumar.

s/o Shri Ram Nath Jagan Nath.

s/o Shri Parbhati Ram Balwinder, Singh

s/o Mohinder Singh.

c/o M/s. Krishan Kumar Jagdish Lal,

Old Grain Market, Faridkot,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3717 of March, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

P. N. MALIK

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 19th October 1974

Seal ·

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 26-R/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-57/58, Sigra, Kasturba Nagar Colony, Varanasi (and more fully described in the Schedule' annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 7-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Mrinal Banetice.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Rani & others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. D-57/58 (1/2 portion) and measuring 8 Biswa, is situated at Sigra, Kasturba Nagar Colony, Varanasi.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 10th October 1974.

Seal ;

- (1) Shri Shanker I al Jalan & Others (Transferor
- (2) Shri Abhimanyu Kumar & Others (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE I UCKNOW

Lucknow the 10th October 1974

Acf No 27 A/Acq —Whereas, I, K N MISRA, I A C, Acquisition Range, Lucknow,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax A.t, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No S-29 411 situated at Mohalla Sheopur, Varanasi (and more fully described in the sche-

dule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 1 3 1974

tor an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter YXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. S-29/411 and measuring 1 Biswa, is situated at Mohalla Sheopur, Varanasi.

K N MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date 10th October 1974

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay-20, the 16th October 1974

Ref. No. AR-II/992/2218/74-75.—Whereas, I. V. R.

GUPTE, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 26 Part of Plot No. 4/1 of the Juhu Vile Parle Dev. Scheme situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has

not been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose; of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

30-376GI/74

the object of-

- (1) Shri Sardulsinh Udaysinh Mahida,
- (2) S/Shri Dulerai Ratilal Mehta and Vinod Dulerai Mehta.
- (4) Smt. Kanchanlaxmi Dulerai Mehta Master Dhiren Dulerai Mehta.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of agricultural land or ground situate in the village of Juhu South Salsette Taluka District Bombay Suburban Registra ion Sub District Bandra admeasuring 1460 square yards i.e. 1220.70 square meters or thereabouts being Plot No. 26 part of Plot No. 4/1 the Juhu Village Patle Development Scheme and bounded on or towards the East by partly Plot No. 32 and 33 on or towards the west by 100 feet Road on or towards the North by plot No. 27 of 4/1 and on or towards the South by Plot No. 25 of 4/1 and being part of S. No. 70D of Juhu Village and which premises have been delineated on the plan hereto annexed and thereon surrounded by a red colourd boundary line.

V. R. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bombay

Date: 16th October 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 19-P/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C. acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of

the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12 situated at Lajpat Rai Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Madan Gopal & others.

(Transferer)

(2) M/s Pradeshiva Industrial and Investment Corporation of U.P. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferree of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 12 is situated at Lajpat Rai Marg. Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 10-10-1974

Seal ·

FORM ITNS ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No 5-I/Acq.—Whereas, I. K. N. MISRA,

I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent au hority under section 269D of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-51/58 situated at Sigra, Kastutba Nagat Colony, Varanusi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 7-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair maker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the accuisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Mrinal Banerjee.

(Transferor)

(2) India Deis & Others.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisit.on of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Building No. D-57/58, is situated at Sigra, Kasturba Nagar Colony, Varanasi.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 10-10-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 24-R/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA.

I.A.C., Acquisition Range, Lucknow

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1319, 1320 and 1322 situated at Civil Lines, Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sitapur on 5-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. U.P. Financial Corporation and Others.
 (Transferor)
- (2) Ramji Lal Khetan and Others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building measuring 2094 sft, with an open land measuring 10,800 sft., is situated at Civil Lines, Sitapur.

K. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 10-10-1974

(1) Shri Prem Chandra Tandon.

(Transferor)

(2) Shri Abul Hasan Ansari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ret. No. 26-A/ACQ.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-739 situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby imtate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot bearing No. 739 and measuring 9840 sq. ft., is situated at Mahanagar Housing Scheme in Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 10-10-1974

Seal

- (1) Smt. Dropadi Devl,
- (Transferor)
- (2) Shri Bishan Singh Sandhu and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, **ACQUISITION RANGE** LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 25-B/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA,

I.A.C., Acquisition Range, Lucknow,

being the Competent Authority under section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 193, situated at Village-Hadela in District Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at

Lakhimpur Kheri on 14-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said. immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30.64 Acres is situated at Village Hadela in Distt. Kheri,

> K. N. MISRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-10-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1974

Ref. No. ASR/GTD/AP-1358/74-75.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Priperty as mentioned in the Registered Deed No. 949 of March, 1974 situated at Jaitu Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regist ring Officer at Jaitu in March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shri Milkhi Ram, s/o Balak Ram, Jaitu

(2) M/s Bant Ram & Co. Jaitu.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by anv Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 949 of March, 1974 of the Registering Authority, Jaitu.

P. N. MALIK

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range,

Amritsar

Date: 19th October 1974

(Transferee)

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I, M. F. Munshi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

portion of Municipal House No. 1 situated at Sultania Road, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- M/s. Rajputana Motora, 13 Maharani Rogd, Indore, (Transferor)
- (2) Mrs. Tahita Ashrai d/o Dr. Mohd. Asghar Ali W/o Dr. Ahmad Yar Khan Kamani Darwaza, Jaora. (Transferee)
- (3) The General Manager, Tele-Communication, M.P. Circle, Bhopal.

[Person in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Municipal House No. 1 situated at Sultania Road, Bhopal.

M. F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-10-1974,

Scal:

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) of the INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I, M. F. Munshi.

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

portion of Municipal House No. 1, Double Storeyed building, situated at Sultania Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in March, 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of 31-376GI/74

- (1) M/s. Rajputana Motors, 13 Maharani Road, Bhopal. (Transferor)
- (2) Miss Farhad Banoo d/o Dr. Mohd. Asghar Ali, House No. 13, Gafoorkhan-ki-Bajaria, H. No. 13, Indore. (Transferee)
- (3) The General Manager, Tele-Communication, M.P. Circle, Bhopal.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Municipal House No. 1 Double Storeyed, situated at Sultania Road, Bhopal.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajputana Motors, 13 Maharani Road. Indore. (Transferor)

(2) Mr. Khalid Ali S/o Dr. Mohd. Asghar All, Gafoorkhan-ki-Bajaria, H. No. 13, Indore. (Transferce)

*(3) The General Manager, Tele-Communication, M.P. Circle Bhopal,

[Person in occupation of the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas I, M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the insertion of the language of th Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas I, believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

portoin of Municipal House No. 1, Sultania Road, Phopal situated at Bhopal (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and and
- (b) facilitating the concealment of any income or any menys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propetry by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Portion of Municipal House No. 1 situated at Sultania Road, Bhopal,

M. F. MUNSHI

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bhopal,

Date: 11-10-1974.

(3) The General Manager, Tele Communication, M.P. Cuele Bhopal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

[Person in occupation of the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAI.

Bhonal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas. I, M. F. Munshi.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

portoin of Municipal House No. 1, Sultania Road, Phopal

situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Rajputana Motors, 13 Maharani Road. Indore. (Transferor)
- (2) Mr. Mumtaz Ali S/o Dr. Mohd. Asghar Ali, Kamani Datwaza, Jaora.

Date . 11-1

Seal:

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby turther notified that every person to whom notice is given under the pieceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Municipal House No. 1 situated at Sultania Road. Bhonal

M. F. MUNSHI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date . 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhonal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ Λ CQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M, F. Munshi.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

one portion of property Municipal No. 1, Sultania Road,

Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Rajputana Motors. 13 Maharani Road, Indore. (Transferor)
- (2) Mr. Abid Ali S/o Dr. Mohd. Asghar Ali Perry Road Bandra, Bombay. (Transferce)
- (3) The General Manager, Tele-Communication, M.P. Circle, Bhopal. (Transferee)

 [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the onicial Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Municipal House No. 1, Sultania Road, Bhopal---Double storeyed.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **NAGPUR**

Nagpur, the 8th October 1974

Ref. No. 1AC-ACQ/37/74-75.--Whereas, I S. S. Roy. known as Chhaya Chitra Mandir, the competent authority under Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 5-1-117 Udgir (Distt. Osmanabady situated at Udgir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udgir on 29-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Bhalchandra Dinanath Save.
 - 2. Shri Jayant Dinanath Save.
 - 3. Shri S. B. Save.
 - 4. Smt. Ramabai w/o Dinanath Save.
 5. Smt. Shantabai w/o Chandulal Save.

(Transferor)

- (2) M/s Mukkawar Brothers, a partnership firm through its partners:
 - 1. Shri Balkrishna s/o Ramchandra Mukkawar.
 - 2. Shri Subhash Ramchandra Mukkawar.
 - 3. Shri Sada heo Ramchandra Mukkawar,
 - 4. Shri Ramesh Chandra Mukkawar.
 - 5. Shri Shyamsundar Ramchandra Mukkawar (minor) n.g. Smt, Shantabai w/o Ramchandra Mukkawar.
 - Vijay . Kumar Ramchandra 6. Shri Mukkawar (minor) n.g. Smt. Shantabai w/o Ramchandra Mukkawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of As days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises, structure and construction of Theatre and out-houses, sheds together with the lands and plot on the said consideration stands alongwith that of the surrounding open piece of land known as 'Chhaya Chitra Mandir' compound wall bounded on or about.

East-Municipal Road. West-Municipal Road. South—Open land of Shri Valluddin, North—P.W.D. Road, at Udgir Distt, Osmanabad (Maharashtra)

> S. S. ROY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-10-1974.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 7th October 1974

Ref. No. Ac-54/R-II/Cal/74-75.--Whereas, I R. L. Butani

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

57/2, situated at Diamond Harbour Road, P. S. Ekbalpore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer District Registrar, 24-Parganas, Alipore, on 2-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any neomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Aruna Rani Daw,
 Shib Krishna Daw Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

M/s. Lands Housings & Development Co.,
 Mangone Lane, Calcutta-1.

[Person in occupation of the property].

[Person whom the understand knows to the interested in the property].

- (1) Smt. Ajanta Dutta.
- (2) Smt. Amita Rani Daw.
- (3) Sri Ashim Chandra Daw.

(4) Archana Rani Daw.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1-Bigha, 1-Chitatck and 41-sq. ft, at No. 57/2, Diamond Harbour Road, P. S. Ekbalpore, Calcutta.

R. L. BUTANI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II.
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 7-10-1974.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th September 1974

Ref. No. 1-3/74(6)27/14.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 29-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1916) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely .-

(1) Durga Prasad Bhatt s/o Shri Mangilal Bhatt, Hindaun Wala r/o plot No. 101, Labour Colony, Bhatt. Bani Park, Jaipur. (Transferor) (2) Om Prakash Sharma s/o Sh. Nand Kishore Khandel. wal Brahman r/o Sotiyon Ka Mohalla, Kundigaron Ka Bhan on Ka Rasta Choukeri Ghat Gate, Jalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion (northern side) of house situated in Kalyanji Ka Rasta Chowki Topkhana, Jaipur city. Total area of land 500 sq. yards.

> V. P. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-9-74.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 28th Soptember 1974

Ref. No. N-11/74(6)/1/297.—Whereas, I. V. P. Mittal being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land at* situated at Nimbahera

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nimbahera on 29-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indlan Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) M/s. Bairam Shah K. Lliava & Sons. Rajasifian H.O. Mahow (M.P.) (ii) Miss Homay d/o Bairam Shah Ilava Parsi, r/o Mhow (M.P.) @ (Transferor)
- (2) Suresh Prakash 5/0 Shri Shri Niwas Sharda R/0 Nimbahera, Distt. Chittorgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

*Distillary Nimbahera.

@(iii) Mrs. Doli W/o Bahramji Masani:—All three through Shri Feroz S/o Shri Baram Shah Ilava and

(iv) Shri Firoz S/o Baram Shah Ilava. Open land at Distillary at Nimbahera having the area of 13557 sq. ft,

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritar the 28th September 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1265/74-75, --Whereas I. D. S.

Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to b'lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 5535 of

March, 1974 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in March 1974,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax 1961 (43 of 1961) to the following persons, Act. namely :-

(1) Smt. Chandarwall wd/o Shri Nathu Shigh alice Hari Singh, Changer Khera.

(Transferor)

- (2) Shri Faq r Chand s/o Girdhari Lal s/o Likhma Ram through Girdhari Lal & Kishan Kumar Vijay Kumar SS/o Likhma Ram through Likhma Ram r/o Changel Khera, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Propertyl
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the p.operty)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersign.d-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 5CHEDULB

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5535 of March, 1974 of the Registering Authority, Fazilka.

D. S. GUPTA.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amricar.

Date: 28.h September, 1974.

(Seal) :

34--376GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D'1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amri.sar the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Malout/AP-1266/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta

being the Competent Au hority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

Lend as monitioned in the Registered Deed No. 228 of Merch 1974 situated at

(and mole fu'ly described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per decd registered under the Indian R gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Malout Mandi in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferor(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ficilitating the reduction or evasion of the transferor to previous under the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometex Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shi Birsh Sinth s/o Taba Singh s/o Mann Singh r/o Bhagwan Pura. (Transfero.)

- (2) Shri Gu m har Singh s/o Fauja Singh s/o Keh Singh r/o Bhagwan Pura. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the growerty. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the monerty]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in erested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Dred No. 2281 of Ma.ch, 1974 of the Registering Authority, Malout Mondi.

D. S. GUPTA,
Comnetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Ra ge,
Amelican

Date: 28 h September, 1974.

(Seal) .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AM., 115AA

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Malout/AP-1267/74-75.—Whereas, I, D. S. Gunta.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and blaning No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2456 of March, 19/4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the onice of the R gistering Officer at

Malout Mandi in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Licome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the accusand property in terms of Chapter had of the income ax Act, 1701 (45 of 1761) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ind Kaur d/o Jawala Singh r/r Jandwala Charat Singh.

(Transferor)

(2) Shri Nachhtar Singh s/o Dharam Singh, Jandwala Charat Singh.

Transferes)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in accupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notile on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place—for—hearing the objections, if any, made in response to—this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paraguaph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2456 of March, 1974 of the Registering Authority, Malout Mandi.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amri sar.

Date: 28th September, 1974.

Saal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritan, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/AP-1262/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baying a fair market value exceeding Rs. 25 030/- and bearing No.

Land as mentioned in the Repus e.ed Deed No. 10080 of March, 1974 situated at Jandiała

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Ind an Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Am.itsar in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the burpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the caquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been tecorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Gujjar Singh s/o Vir Singh r/o Jandiala Guru.
 (Transferor)
- (2) Sant Nirnkari Mandal (Regd) Sant Nirnkari Co'ony, Delhi-9. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seld immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

I and at Jandiala as mentioned in the Registered Deed No. 10080 of March, 1974 of the Registering Officer, Amritan.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commessioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritan.

Date: 28-9-1974

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amricar the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Malout/AP-1268/74-75.--Whereas, I. D.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2483 of March,

1974 situated at Juliundur in February 1974

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Malout Mandi in March 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Harnam Singh etc. s/o Shri Nand Singh R/o Burja Sidhan. (Transferor)

(Transferor)

(2) Shri Gurbaksh Singh s/o Shri Kehar Singh r/o Burja Sidhan. (Transferce)

(Transferee)

- 43) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Propertyl
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a Jate and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as In that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2483 of March, 1974 of the Registering Authority, Malout M.ndl.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritear.

Date: 28th September, 1974.

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amri.sar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/AP-1263/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951), have reason to believe that the immovable property, laying a fair market value exceeding Rs. 25, 00/- and bearing

Land at Mall Rold as men iched in the Registered Deed No. 4045 of Sub Registrar, Amritsar Ci y situated at Mill Rold,

∧:nritsar

(and more fu'ly described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Amritsar City in M rch 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afolesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Lakhbir Schni w/o Satwant Singh Sohon Singh s'o Jawehar Singh, 39, Lawrance Road, Amritser (Transferor)

(2) Sh i S. Bishan Singh s/o Shri San a Singh c/o Tip Top Dry Cleaners, Ram Bagh, Amritsar. (1r.ns-ferce)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Are erron interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nature in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shell have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mall Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4045 of March, 1974 of the Registering Authority, Am. itsar City.

D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Complissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amricar.

Date . 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D'1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritan, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1269/74 75.—Whereas, I D. S. Gupta,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10327 of March 1974 situated at

(a · I moe fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Ma ch 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. P.itam Kaur w/o Col. Malj t S'ngh of 300-R M.T. Jul undur, (Transf ror).
- (2) Smt. Balwinder Kaur w/o Sh-l Kulj't Singh of 300-R M.T. Jullundur, (Transfelee)
- (3) As at S No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this no ice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as men'ioned in the Regis ered Deed No. 10327 of March, 1974 of the Register ng Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax. Acquisition Range,
Amri san.

Date: 28 h September, 1974

Geal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1270/74-75,—Whereas, I. D. S. Gunta.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Property as men ioned in the Registered D:ed No. 10884 of March, 1974 situated at Luxmipura, Jullundur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to nav tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons.

- (1) Shri Jatinder Sondhi s/o Shri Davinder Lal Sondhi s/o Shri Harkishan Lal Sondhi r/o V-9A. Manak Nagar, Lucknow, attorney of Shri Davinder Lal Sondhi s/o Shri Harkishan Lal r/o Salig Niwas, Luxmi Pura, Mohalla Juliundur presently at B.55, Sarvodaya Euclave, New Delhi-17, (Transferor)
- (2) Shri Bishan Singh s/o Chanda Singh s/o Shri Ghulla Singh V & P.O. Garha Teh. Nakodar row r/o 292, Mohalla Luxnipura, Juliundur, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(a) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 292, Moh. Luxmi Pura, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10884 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritage.

Date · 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1271/74-75.--Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act. 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10406 of March, 1974 situated at Police I me Road, Jullundur (and more fully described in the

Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; ard/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
33—376GI/74

- (1) Shii Bagwani, Ravinder Kumar, Dalip Kumar, 85, Civil Lines, Jullundur, (Transferor)
- (2) Smt Lilo Devi w/o Sukhdev R/o Muranwali Tch.
 Gath Shanker through Shri Dogar Singh Malli.
 (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 of property on plot No. 3 & 4 Police lines Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10406 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsan the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL 'AP-1272/74-75,—Whereas, I, D. S. Gupta, being the

competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10158 of March, 1974 situated at Mota Singh Nagar Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Iudian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the tegistering officer at Jullundur in March 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Parma Nand, Kishan Chand SS/o Karam Chand s/o Kirpa Ram 98-99, New Green Market, Jullundur. (Transferor)

- (2) Mrs. Satinder Jeet Kaur w/o Major Narsher Siegh & Miss Sucemar Kaur d/o Late Gurnam Singh through Gursher Singh r/o 696, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(<u>a</u>) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other ptrson interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 764 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10158 of March, 1974 of the Registering Authority, Jallundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax. Acquisition Range,
Amnits r.

Date: 28th September, 1974,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1273/74-75.-Whereas, I, D, S.

Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10593 of March, 1974 situated at Rai Bahadur Badri Dass Colony,

Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974, ary 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:---

Smt. Gian Kaur w/o Kartar Singh Sewak for self & G. A. of Kartar Singh s/o Partap Singh, 391, Laipat Nagar, Juliundur. (Transferor)

(Transferor)

- (2) Smt. Hansa Devi w/o S. Gurdev Ram Bagga r/o Balina Doaba Teh. Jullundur. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Propertyl
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferec of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 of Plot No. 38, R. B. Badri Dass Colony, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10593 of March. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1274/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10592 of March, 1974 situated at R. B. Badri Dass Colony, Jullan-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Smt. Gian Kaur w/o S. Kartar Singh Sewak 391, Lajpat Rai Nagar Juliundur for self and GA of Kartar Singh s/o Partap Singh. (fransferor) (Transferor) (2) Shri Gurdev Ram Bagga s/o Milkhi Ram Bagga r/o Balina Doaba Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property?
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 of Plot No. 38, R. B. Badri Dass Colony, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10592 of March. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AS: T1. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANCE, AMRIJSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1275/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10314 of March, 1974 situated at R B. Badri Dass Colony, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Faqir Chand s/o Prabh Dial r/o Khan Khanaan District Jullundur through Smt. Pritam Devi Sehgal wd/o Shri Iamna Dass r/o 238, Krishanpura Jullundur. (Transfetor)

- (2) Shri Brij Mohan Sehgal s/o Shri Jamna Dass Sehgal s/o Salig Ram, 238, Krishnpura, Jullundur.
 (Transform)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64 R. B. Badri Dass Colony, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10314 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No ASR/IUL/AP-1276/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10313 of March, 1974 situated at R. B. Badri Dass Colony, Jullundur

. (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Faqir Chand s/o Prabh Dial r/o Khan Khausan District Jullundur through Smt. Pritam Devi Sengai Wd/o Jamna Dass r/o 238, Krishanpura, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Brij Mohan Sehgal 8/0 Shri Jamna Dass Sehgal 8/0 Salig Ram r/0 238, Krishanpura, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(a) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to acquisition of the said property may made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 65 R. B. Badri Dass Colony, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10313 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
IAC of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1279/74-75.—Whereas, I, D S. Gunta

being the competent authority under

Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10627 of March, 1974 situated at Kingra, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- Shri Gurcharan Singh s/o Tarlok Singh 481 L Model Town, Jullunder (Transferor)
- (2) Col. Gurdial Singh s/o Harnam Singh, Chaman I al s'o Haidial, Ravinder Kumar, Dalip Kumar ss/o Smt. Bhagwanti w/o Shri Bhim Sain M/s Chaudhaiy Housing organisation, Jullundur.

- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(5) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kingra Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 10627 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II,

P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1.

Calcutta-1, the 7th October 1974

Ref. No. Ac-53/R-II/Cal/74-75.—Whereas. I, R. L. Butani,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 57/2 situated at Diamond Harbour Road, P. S. Ekbalpote

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Archana Rani Daw. 12, Shib Krishna Daw Lane, Calcutta-7. (Transferor)
- (2) M/s. Lands. Housings & Development Co., 3. Mangoe Lane, Calcutta-1. (Transferee)

[Person in occupation of the property].

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

(1) Smr. Aruna Rani Daw,

- (2) Smt. Ajanta Rani Dutta.
- (3) Smt. Amita Rani Daw &
- (4) Si Ashim Chandra Daw.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1-Bigha, 1-Chittack and 41-sq. ft. at No. 57/2. Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore.

> R. L. BUTANI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, P-13. Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date: 7-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACOUISITION RANGE. AMERICAN

Amritsar, the 28th Sentember 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1280/74-75...—Whereas J. D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10626 of March, 1974 situated at Kingra, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974 for an apparent consideration which he is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely:—

34 -376G1/74

- Shii Tarlok Singh Sachar s/o Thau Singh G A. of Harminder Singh R/o 481L, Model Town, fullun dur. (Transferor)
- (2) Col. Gurdial Singh s/o Hainam Singh r/o Bast Bawa Khel Chaman Lal Atland s/o Late L. Hardial, Mandi Fanton Gani. Delip Kumar Vig s/o Shri Bhim Sain and Smt. Bhagwanti Vig w/o Shri Bhim Sain Wig M/s Chaudney Housing Organisation, Central Town, Jullundur through Shri Rai Kum r Chowdhary Managing Outner (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kingran, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10626 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amrilyar.

Date . 28th September, 1974 (Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1280/74-75.—Whereas I D. 5 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as Land as mentioned in the Registered Deed No. 10571 of March, 1974 situated at Maksoodpur, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February. 1974, Jullundur in March 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Shri Sardar Singh s/o Hamam Singh & Nand Kaur w/o Jiwan Singh R/o Rayva District Jullundur, (Transferor) Shri Harbhajan Singh, Paul Singh SS/o Ujagar Singh s/o Bishan Singh Bhandal Teh. Nakodar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and votice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Maksoodpur, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10571 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amrittar,

Date: 28th September, 1974

(Scal):

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1283/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 10423 of March, 1974 situated at Sat Kartar Nagar, Juliundur and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Lt. Col. Didar Singh s/o Kahan Singh s/o Kesar Singh, 631-B, New Plasia, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Rajinder Kaur w/o Sucha Singh r/o Jullundur. (Transferee)
- As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THP SCHEDULE

Land at Sat Kartar Nagar Jullundur as mentioned in the registered Deed No. 10423 of March, 1974 of the Registering authority, Jullundur.

D. S. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritaer.

Date: 28th September, 1974.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTJ. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMERICAL

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-12840/74-75—Whereas, I, D, S. Gupta.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10363 of March, 1974 situated at Sa Kartar Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Juliundur in March 1974, tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Didar Singh s/o Kahan Singh s/o Kesar Singh, 631-B, New Plasia, Indore. (Transferoy)
- (2) Shii Jatindei Singh s/o Sucha Singh i/o Jullundur.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby turther notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sat Kartar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10363 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range.
Amritsar

Date: 28th September, 1974 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1285/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10899 of March, 1974 situated at Preet Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jullundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Tara Singh s/o Jawahar Singh, NB 291, Lakshmi Pura, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Ram Murti s/o Shri Ram Rakha s/o Chatter Singh c/o M/s Delite Rubber Industries, Industrial Area, Juliundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(8) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Preet Nagar, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10899 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
at Income-Tax Acquisition Range,
American.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1286/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10802 of March, 1974 situated at Preet Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appatent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Singh s/o Shri Jawahar Singh, Lakshmi Pura, Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Smt. Kartar Devl w/o Ram Rakha Mal s/o Chattar Singh, EB 171 Kazi Mohalla, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Preet Nagar, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10802 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amrilson.

Date: 28th September, 1974

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritaar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1287/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10851 of

March. 1974 situated at Preet Nagar, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income transferor arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Tara Singh s/o Jawahar Singh s/o Jetha Singh, NB 291 Lakshmi Pura, Jullundur. (Transferor)

- (2) Shri Tilak Raj s/o Ram Rakha Mal s/o Chattar Singh, 6, G. N. Street, Madras through Shri Vinod Kumar his brother. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(4) in occupation of the Property)
- (4) Any person interested in the property. [Person(*) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Preet Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10851 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, **Amerita**er

Date: 28th September, 1974.

(Scal) :

FORM I.T.N.S---

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Malout/AP-1264/74-75. -- Where: I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the registered Deed No. 2268, of March, 1974 situated at Malout Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Malaut Mandl in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Ajaib Singh etc. s/o Gopal Singh R/o Mehmood Kang.

Transferor

(2) Shri Baljeet Singh etc. s/o Jang Singh Mehmood Kang.

(Transferce)

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2268 of March, 1974 of the Registering Authority, Malout Mandi.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 28th September, 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1288/74-75,--Wheras, I, D. S. Gupta.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10795 of March, 1974 situated at Basti Danishmandan, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- any income (b) facilitating the concealment of or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Pritam Chand s/o Jagat Ram s/o Attra r/o Mannaan Distt. Kapurthala now Basti Bawa Khel, Juliundui.

(Transferor)

- (2) Rekha Land (P) Ltd Jullundur, (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property?
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1971 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Basti Danishmandan, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10795 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range **Amrits**ar

Date: 28th September, 1974.

Scal ·

35-376GI/74

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI'. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1277/74-75—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10632 of March, 1974 situated at Kingra Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- following persons, namely:—

 (1) Shui Harbhajan Singh 5/0 Tarlok Singh, 481-L.

 Model Town, Jullundur. (Transferor)
 - (2) Col Gurdial Singh s/o Harnam Singh r/o Basti Bawa Khel Chaman Lal Anand s/o Late L. Hardial, Mandi Fanton Ganj, Dalip Kumar Vig s/o Shri Bhim Sain and Smt Bhagwanti Vig w/o Shri Bhim Sain Wig M/s Chaudharv Housing Organisation Central Town, Jullundur through Shri Raj Kum Chowdhary, Managing partner (Transferee)
 - (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
 - (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for nearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kingra, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10632 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date: 28th September, 1971

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/TUL/AP-1289/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 kothi No. 291 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10920 of March, 1974 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed beacts), has been transferred as new dead resistered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any neomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shii Jai Singh s/o Gurdit Singh s/o Mela Ram, 270, Central Town, Jullundur. (Transferor)

- (2) Smt. Abject Kaur d/o Balwant Singh s/o Didar Singh r/o Jhonowal Distt. Hoshiatpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No 291 in Master Mo.a. Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10920 of March 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amrits r

Date: 28th September, 1974.

(Seal):

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Jul/AP-1290/74-75.—Whereas, 1, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 Kothi No. 291 in Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10936 of March, 1974, situated at Mota Singh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regisat Jullundur in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following ptdsons namely:—

(1) Shri Jai Singh s/o Gurdit s/o Mela Ram 270 Centras Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) S. Bakshish Singh s/o Gurbachan Singh R/o Jhonowal District Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Koshi No. 291 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Dted No. 10936 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974.

Seal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Phg/AP-1291/74-75.—Whereas, J. D. S. GUPTA. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair murket—value exceeding Rs. 25,0001—and bearing No.
Land as mentioned in the Registered Deed No. 2283 of March, 1974, situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registtring Officer at Phagwara in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been fully stated in the said instrument of transfed with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Satnam Kaur wd/o Shri Mohan Singh r/o V. Hadiabad (Phagwara).

(Transferor)

(2) Shri Lal Chand s/o Ram Dass Mal c/o M/s. National Foundry, G. T. Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions ustd herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at G. T. Road, Phagwara, as mentioned in the Registered Deed No. 2283 of March, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1292/74-75.—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating Land as mentioned in the Registered Deed No. 2268 of Maich, 1974, situated at Phagwara Garbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transfere with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mansferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-ta_λ Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-ta_λ Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Gurdev Singh s/o Gurbaksh Singh r/o Rampur Sunura GA of Shri Gurmit Singh s o Pal Singh r/o Palahi.

(Iransferor)

(2) Shri Sukhdev Singh s/o Chanan Singh r/o Bhu'arthi, Nuwair Singh s/o Ram Log of Bhadal Teh. Phillaur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which; ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at Phagwara Garbi as mentioned in the Registered Deed No. 2268 of March, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsan

Date . 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST1. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Annitsar, the 28th September 1974

No. ASR/Phl/AP-1295/74-75 —Wheteas, 1, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4590 of March, 1974, situated at V. Pasla

(and more fully described in the Schedule annexed here-

to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Phillaui in March, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the paid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income ausing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the leasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shii Pagu s/o Ram Chand r/o Pasla Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Shii Ranjeet Singh s/o Kaitai Singh r/o Pasla Phillaui. (Transferce)
- (3) As at 5 No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property] (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the pioperty]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

I and at Pasla Jeh. Phillaur as mentioned in the Registered Deed No. 4590 of March, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsan

Date: 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Jul/AP-1290/74-75.--Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10744 of March, 1974, situated at Basti Danishmandan, Jullundur, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating reduction evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Smt. Durga Devi w. o Shri Amar Nath s/o Kirpa Ram r/o Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Rekha Land (P) Ltd., Branch Office, Naaz Cinema, Jullundur through Krishan Kumar, Managing Director.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Basti Danishmandan, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10744 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date . 28-9-1974.

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Jul/AP-1297/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10717 of March, 1974, situated at Basti Danishmandan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in March, 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—
36-376GI/74

- Smt. Durga Devl w/o Amar Nath s/o Kirpa Ram r/o Basti Bawa Khel, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Rekha Land (P) Ltd., Branch Office. Opp. Naaz Cinema, Juliundur through Krishen Kumar, Managing Director of firm.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Basti Danishmandan, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10717 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITOIN RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-1298/74-75.—Whereas, I, D. S.

being the competent authority unedr section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10871 of March, 1974, situated at Basti Danishmandan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Sub-Registrar, at Jullundur in March, 1974,

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferco(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Shri Bawa Ram s/o Shri Kirpa Ram r/o Basti Bawa-Khen, Jullundur,

(Transferor)

(2) M/s. Rekha Lands (P) Ltd., Jullundur (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Basti Danishmandan, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10871 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

> D. S. GUPTA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar,

Date: 28-9-1974,

Scal,

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Jul/AP-1299/74-75.—Whereas, 1, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 10812 of March, 1974, situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974,

at Jullundur in March, 19/4, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons hamely:—

(1) Shri Dilbag Singh s/o Udham Singh, Attorney Kamaljeet Kaur r/o 300-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. S. I. Bricks & Builder (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10812 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-1300//74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Decd No. 10808 of March, 1974, situated at Basti Sheikh, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jullundur in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tex Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Dilbagh Singh s/o Udham Singh, Attorney Kuljit Singh, 300-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

- (2) M/s. S. l. Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana. (Transferee)
 - (1,4814160)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10808 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritser, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-1301/74-75.—Whereas, 1, D. S. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10309 of March, 1974, situated at Basti Sheikh, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in March, 1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Kanwaljit Kaur d/o Dilbagh Singh & Balwinder Kaur w/o Shri Kuljit Singh of 300-Model Town, Jullundur through S. Dilbagh Singh their G.A.

 (Transferor)
- (2) M/8 S. I. Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana through Darshan Singh their trusty. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in written to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made, such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10309 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 28-9-1974. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Jul/AP-1032/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10504 of March, 1974, situated at Nakodar Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer, at Jullundur in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shrl Dilbagh Singh s/o Udham Singh GA of Kanwal Jit Kaur, Paramjit Kaur, Amarjit Kaur ds/o Dilbagh Singh r/o 300-L, Model Town, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) M/s. S. I. Bricks & Builders (P) Ltd., Deepak Cirema Chowk, Ludhiana.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nakodar Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10504 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974.

(2) M/s. S.I. Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana.

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Jul/AP-1303/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 10502 of March, 1974, situated at Nakodar Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961 in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating, proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Dilbagh Singh s/o Udham Singh GA of Charan Kaur w/o Dilbagh Singh & Smt. Balwinder Kaur w/o Kulject Singh 300-L, Model Town, Jullundur. (Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nakodar Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10502 of March, 1974 of the Registering Authority, at Jullundur in March, 1974

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Abohar/AP-1304/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason of believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2723 of

March, 1974 situated at Giddaranwali Teh. Fazilka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar in March 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Nanak Chand, Kashmiri Lal S/o Shri Jodha Ram s/o Shri Wazir Chand R/o Giddaranwali Teh, Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar, s/o Shri Gian Chand 3/0 Kanshi Ram r/o Giddaranwali Teh, Fazilka.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property],

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Giddaranwali Teh. Fazilka as mentioned in the Registered Deed No. 2723 of March, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1305/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2763 of March, 1974 situated at V. Sukhchian,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as for deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sanil Kumar s/o Banwari Lal, Krishan Kumar s/o Ram Narain self Bhupinder Kumar alias Bhopinder Kumar s/o Ram Narain through Krishan Kumar GA 1/o Seeto Ganno Teh, Fazilka

(Transferor)

(2) Sanil Kumar, Nirmal Kumar, Vijay Kumar SS/o Shri Chetan Ram 1/o Sukhchain,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the 'property].

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Sukhchain as mentioned in the Registered Decd No. 2763 of March, 1974 of the Registerering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amiitsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1306/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10115, 10175, 10118, 10117 & 10116 of March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald propery in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan 389 Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh s/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh Singh s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kamaljit Singh s/o Meeta Singh t/o Numbala Jaswant Kaur d/o Mehar Singh, Adda Kapurthala Jullundur.

Meeta Singh s/o Ourdial Singh, Basti Idapur, Ludhiana Maject Singh s/o Meeta Singh r/o Lotus Road, Kaupur Kulwant Singh s/o Meeta Singh r/o Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfered of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5C, Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10115, 10175, 10118, 10117 & 10116 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA Competent Authority, IAC of Income-Tax, Acquisition Range, Amritear.

Date: 28-9-1974

Scai:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAK

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1307/74-75,---Whereas, I. D. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10552, 10551, 10550, 10549 & 10635 of March, 1974 situated at Dilkusha Market, Jullundur, (and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: -

(1) Shri Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan 389 Laipat Rai Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Giani Shanker Singh s/o

Bal Singh, Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh, Jagir Singh Singh s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Chattir Singh s/o LS Aulak r/o Kalkaji New Delhl, Lahora Singh s/o Gurdial Singh of Bilga Distt. Jullundur. Jaspal Singh s/o Lahora Singh r/o Sikri Bazar, Jhansi, Mohinder Kaur d/o Puran Singh r/o Gurdwara Road, Dehra Dun (U.P.), Davinder Singh 1/0 Lahora Singh r/o Mussoorie (U.P.).

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9C Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10552, 10551, 10550, 10549 & 10635 of March, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1308/74-75.—Whereas, 1 D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deeds No.. 10659. 10658, 10657, 10656 & 10655 of March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering officer at Jullandar in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Karam Singh Maan s/o Basant Singh 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh s/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Market Jullundur.

(Transferor)

Amarjit Singh s/o Bishan Singh s/o Puran Mand, 267 Harnam Dass Pura, Jullundur. Santosh Kumari w/o Amrik Singh s/o Bishan Singh 267 Harnam Dass Pura, Julludur, Amrik Singh s/o Bishan Singh s/o Pooran Chand 267 Harnam Dass Pura, Jullundur. Parminder Singh, s/o Amrik Singh s/o Bishan Singh 267 Harnam Dass Pura Jullundur, Rajinder Singh s/o Amrik Singh s/o Bishan Singh 267 Harnam Dass Pura, Jullundur,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4C at Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed Nos. 10659, 10658, 10657, 10656 & 10655 of March. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1309/74-75.—Whereas, 1 D. S. GUPTA, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 10726 of March 1974 situated at Dilkhusha Market, Jullundur situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Jullundur in March 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the, transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan 389 Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh s/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh s/o Partap Singh c/o Managemnet Office, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Lahora Singh 5, o Gurdial Singh r/o Bilga Teh, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of Shop No. 9A Dilkusha Market, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 1072b of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1310/74-75.—Whereas, I D S. GUPTA, being the competen. Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Decd No. 10683 of March, 1974,

situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent cossideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any n-come or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh Mann s/o Basant Singh 389. Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Shri Swarn Singh Johal s//o Labh Singh, Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Naunihal Singh s/o Gopal Singh, Jagir iSngh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur. (Transferor)

 Mohinder Kaur d/o Shri Puran Singh r/o Gurdwara Road, Dehra Dun (U.P.),

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of Shop No. 9A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10683 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1311/74-75.—Whereas, I.D. S. GUPIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

Property as mer-tioned in the Registered Deed No. 10682 of March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullurdur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan 389 Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Giani Shankar Singh s/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Jaspal Singh s/o Lahora Singh r/o Sikri Bazar, Jhansi (U.P.). (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of Shop No. 9A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10682 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, AMRTSAR,

Amutsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1312/74-75,—Whereas, I. D. S. GUPTA. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 10634 of

March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such rtansfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reductoin or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely ::-

(1) Shri Karam Singh Mann s/o Basant Singh Mann 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Shri Swarn Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Giani Shankar Singh s to Bal Singh,

Naunihal Singh s/o Gopal Singh, Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Davinder Singh s/o Lahora Singh r/o Mussooiic $(U,P_i)_i$

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

175th share of Shop No. 9A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10634 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1313/74-75,—Whereas, I.D. S. GUPTA. being the competent authority under Sec. 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10633 of

March, 1974

situated at Dilkusha Market, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974,

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shii Karam Singh Munn s/o Basant Singh Mann 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swarn Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Naunihal Singh s/o Gopal Singh. Jogir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur, (Transferor)

Chattar Singh s/o L. S. Aulak r/o Kalkaji, New (2)Delhi. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to his notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of Shop No. 9A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10633 of March, 1974 of the Registering Authority, Julhundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritear.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, AMRTSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1314/74-75.-Whereas, I D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10726, 10683, 10682, 10634 & 70633 of March, 1974, situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitationg the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initia'e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Karam Singh Mann s/o Basant Singh 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Shri Swarn Singh Johal s/o Labh Singh Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Naunihal Singh s/o Gopal Singh, Shri Jagir Singh s/o Partap Singh, c'o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur. (Transferor)

- (2) Lahora Singh s.'o Gurdial Singh r/o Bilga Teh. Jullundur.

 Mohinder Kaur d/o Puran Singh, Gurdwara Road, Dehra Dun (U.P.).

 Jaspal Singh s/o Lahora Singh r/o Sikri Bazar, Jhansi.

 Davinder Singh s/o Lahora Singh r/o Mussoorie (U.P.).

 Chattar Singh s/o LS Aulak r/o Kalkaji, New Delhi.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10726, 10683, 10682, 10634 & 10633 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1315/74-75 —Whereas, I, D.S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 10261 of March, 1974. situated at Dilkusha Market, Jullandur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh i Karam Singh Mann s/o Basart Singh Mann 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swarn Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Shri Gianj Shanker Singh s/o Bal Singh, Shri Naumhal Singh s/o Gopal Singh, Shri Jagir Singh s/o Partan Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Kamaljeet Singh s/o Meeta Singh r/o Lalivan. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]
(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shop No. 2A Dilkusha Market, Juliundur as mentioned in the Registered Deed No. 10261 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1316/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10222 of March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Kaiam Singh Maan s/o Basant Singh Maan 389 Lajpat Nagar, Jullundur, Swaran Singh Pohal s/o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh V/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh s/o Partap Singh c/o Management Oilice, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

(2) Kulwant Singh s/o Meeta Singh r/o Kalkaji, New Delhi.

(Transferee

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immevable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EMPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shop No. 2A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10222 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1317/74-75,--Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10221 of March, 1974

situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-

said property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or facilitating the concealment of any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Karam Singh M na s/o Pasant Singh Marn r/o 389 Lajpat Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Giant Shinker Singh 5/0 Laon Singh tonal, Giant Shinker Singh 5/0 Bal Singh, Naunihal Singh s/0 Copal Singh Jagu Singh s/0 Partap Singh c/0 Management Office, Dilku ha Market, Jullundur. (Transferor)

(2) Manjeet Singh s/o Meeta Singh r/o Lotus Road, Kanpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shop No. 2A Dilkusha Market, Jullurdur as mentioned in the Registered Deed No. 10221 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullandan.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amiitsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1318/74-75,—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10181 of March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Shii Karam Singh Mann s/o Basant Singh Mann 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swarn Singh Johal 3/o Labh Singh Johal, Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Naunihal Singh s/o Gond Singh, Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur, (2) Jaswant Kaur d/o Mehar Singh r/o Adda Kapurthala, Jullundur,

(Transfered)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property!

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisit on of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the orbections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shop No. 2A Dilkusha Market, Juliurdur as mentioned in the Registered Deed No. 10181 of March 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, 54, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amitsar, the 28th September 1974

No ASR/JUL AP-1319/74-75,—Whereas, I D. S. GUPI'A, being the competent authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10179 of March, 1974

situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Juliundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, broby initiate proceedings for the acquisition hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

- Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan 389 Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Swaran Singh Johal s'o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh 3/0 Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) S. Meeta Singh s/o Guidial Singh Industrial Area

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or speriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shop No. 2A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10179 of March 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amriter.

Date . 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1320/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10261, 10222, 10221, 10181 and 10179 of March, 1974, situated at Diikusha Market, Jullandur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any neomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh Mann vo Basant Singh 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Shii Swain Singh Johal s/o Labh Singh Johal. Shri Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Naunihal Singh s/o Gopal Singh, Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur. (Transfero)

(2) Kamaljeet Singh s/o Meeta Singh r/o Laliyan. Kulwant Singh s/o Meeta Singh t/o Kalkaji. New Delhi.

Manjeet Singh 5/0 Meeta Singh 7/0 Lotus Road, Kanpur.

Jaswant Kaur d/o Mehra Singh, Adda Kapurthala Jullundur.

S. Meeta Singh s/o Gurdial Singh, Industrial Area 'A' Ludhiana. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2A Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10261, 10222, 10224, 10181, & 10179 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1321-74-75 - Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Property as mentioned in the Registered Deed No. 10721 of March, 1974.

situated at Dilkusha Market, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Karam Singh Maan s/o Basant Singh 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, 39-376GI/74

Shri Swarn Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Civil Lines, Jullundur, Shri Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Garha Colony, Jullundur, Shri Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh, Shri Jagii Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur. ('Fransferor)

- (2) Jaspal Singh s/o Lahora Singh, Sikri Bazar, Jhanni. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

17-B shop in Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10721 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref . No. ASR/JUL/AP-1280/74-75. — Whereas I. D. S. Gupta. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 10570 of March, 1974 situated at 646, 647 Model Town, Jullundur and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at and more fully described in the schedule Jullundur in March 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the jeduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghubir Singh s/o Natha Singh, Jullundur GA of Kuldip Singh s/o Natha Singh r/o Jullundur.
 | Transfero |)
- (2) Shri Didar Singh s/o Mula Singh 1/o Sneempur Masandan, Jullundur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at 646-647 Model Town, Juliandur as mentioned in the Registered Deed No. 10570 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliandur

D. S. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Rang
Amritaar.

Date: 28th September, 1974.

(Seal) :

NOTICE UNDER ECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F.

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. open plot block No. 3, Near Ramson Hotel, Near Alpana Talkies, Hamidia Road, Bhopal Area 3439 sq. ft.

situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 2.3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/s. Husaini Trading Co., Behind Bank of Baroda, Hamidiya Road, Bhopal Through its partners— Acting Partner Shri Haji Ajaib Hussain S/o Shri Vascanuli (balding County) Yascenali (holding General Power of Attorney on behalf of the firm).

(Transferor)

(2) Shri Narendrakumar S/o Shri Chiranjilal Uppal. Block No. 13, Qr. No. 156, Govind Nagar. Kanpur-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot block No. 3, Near Ramson Hotel, Near Alpana Talkies, Hamidia Road, Bhopal Area 3439 sq. ft.

> M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

No. 10-C/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing no.

Cinema Hall, situated at Kachen Road & Ram Nagar Road,

Kashipur, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than listeen pe cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tian feror to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Vidyawati Mohta.

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undermentioned Properties are suitated at Kachen Road and Ram Nagar Road, Kashipur in Distt. Naintal.
1. Land measuring—3452 sqr. yds.

2. Building measuring—18,030 sqr. yds.

K. N. MISRA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-10-74.

Seal.

(Transferee)

(2) M/s. Chima Palace.

(2) Prem Narain & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th October 1974

No. 20-P/Acq.-Whereas, J. K. N. MISRA, J.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 230, situated at Gandhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 18-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Allahabad Iron Syndicate Pvt. Ltd. Allahabad through Sri Raja Ram Jaiswal & others.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A goodown situated at Mohalla Gandhi Nagar, Muthi Gani Distt. Allahabad.

K. N. MISRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-10-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/Jul AP-1278/74-75.—Whereas. 1, D. S. Gupta.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10630 of March, 1974 situated at Kingra, Jullindur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in March 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay fax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tarlok Singh Sachar 3/0 Thau Singh GAVOT Harminder Singh R/0 81-L, Model Town, Jullundur, (Transferor)
- (2) Col. Gurdial Singh s/o Harnam Singh r/o Basti Bawa Khel Chaman Lal Anand s/o Late L. Hardial, Mandi Fanton Gani. Dalip Kumar Vig s/o Shri Bhim Sain and Smt. Bhagwanti Vig w/o Shri Bhim Sain Vig M s Chaudhary Housing Organisation Central Town, Jullurdur through Shri Raj Kumar Chowdhary, Managing partner. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(x) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kingia, Jullundur as mentioned in the Registered Decd No. 10636 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range.

Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th September 1974

Ref. No. N-9/74(6)1/172—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building situated at Chainpura

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Niwal on 5-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sepulchre Bros. (India) Ltd., Regd. office 210 Dr. D. N. Road, Taj Building, Bombay through Shri Ravindra Kak S/o Shri Niranjan Nath Nak Secretary and holding Spl. power of attorney for the above Co.

(Trassferor)

(2) Ravi Mehta S/o Shri Kishore Mal Mehta R/O Kota at presest R/O Niwai Dist. Tonk (Raj.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heared at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed factory building in village Chainpura Teh. Niwai Dlist. Tonk on the land bearing Khesra No. 837, 835, 1000 & 1001. The building consists of factory shed 60'x70'-x30' and over head, water storage Tank 30 feet high, two guest rooms, alongwith stanitary fittings, kitchen, one room constructed in RCC, motor garrage godown & generatory room.

V. P. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 30-9-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75,—Whereas, I.M. F. Munshi being the competent authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Properties situated in village Chirduldih P.C. No 107,

Banobast No. 170, situated in Town,

Tabsil and District Raipur situated at Raipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registra-tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 4-3-74

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

- (1) Shri Thakur Piatapsingh S/o Thakur Ramlalsingh R/o Village Bachhaiwara Tah. Katni, Res. Station Road, Katnı.
 - (Transferor)
- (2) 1. Shri Karmoomal S/o Ledumal, 2. Hari Kishan, 3 Crrichand, 4. Pdakash Sons of Shri Manshamal, 5. Smt. Meerabai W/o Shri Manshamal, 6. Kum. Parmeshwari bai, 7. Kum. Ishwari bai, 8. Kum. Kiishnabai all are daughters of Shri Manshamal—all r/o Ganeshram Nagar Raipur, C/o M/s. Rupkala Cloth Shop, Malyiya Road, Raipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properties situated in Village Chirhuldin, P.C. No. 107, Banobast No. 170 situated in Town Tahsil and District Raipur.

> M. F. MUNSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAB AD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1974

No. Acq. 23-I-347(93)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KA-THURIA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 10 Sub-Plot No. 2, T.P.S. No. 6, situated at

Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Reigstering Officer

at Ahmedabad on 4-3-1974,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shri Babulal Khushaldas Gandhi, Jethabhaini Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Manalal Vadilal Shah, Mangal Parekh's Khanchoo, Shahpur, Ahmedabad, as Trustees of Seth Manilal Ranchhodlal & others.
- (2) Shri Dashrathlal Manaklal Patel, 4, Arpan Society, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferce)
 - (4) (i) Jagdish Ratilal, Veraipara, Khadia, Ahmedabad, (ii) Venus Corporation, Relief Rd., Ahmedabad, (iii) Shri Kanahyialal Bhogilal Shah, Relief Road, above Mohan Boot House, Ahmedabad. (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from me date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 311 Paiki, T. P. Scheme No. 6, F.P. No. 10, Sub-Plot No. 2, admeasuring 3000 sq. yds., situated at Paldi, City Taluka Ahmedabad, as mentioned in the registered deed No. 2116 of March, 1974 of the Registering Officer, Ahmedabad.

> J. KATHURIA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 11-10-1974

Scal.

40-376GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION' RANGE, AMRITS AR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Ph1/AP-1294/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B, of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4527 of March, 1974, situated at V. Pasla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phillaur in March, 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Lakha Singh s/o Ram Singh of V. Pasla Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o Kabal Singh of V. Pasla Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at V. Pasla as mentioned in the Registered Deed No. 4527 of March, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 28-9-1974.

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Laxmi Bai Road, Opp. Phool Bag Gate, Lashkar, Gwalior situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 (1) (i) Shri Bhaskar Rao S/o Shri Balwat Rao Pagnis R/o Bala Bhai-ka-Bazar Lashkar Gwalior (Part 3/4) (ii) Shri Ram Nath Verma S/o Shri Lalla, Ramji Verma R/o Galde Wali Sarak, Lashkar, Gwalior (part 1). (Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Gupta W/o Shri Babulal Gupta R/o Inderganj. Lashkar Gwalior. (2) Shri Gunga Ram S/o Shri Keshri Mal R/o Lohiya Bazar Lashkar. Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Laxmi Bai Road Opp. Phool Bagh Gate, Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY

Bombay-20, the 1st October 1974

No. AP-188/I. A.C./AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. RAO, the Asstt. Cofissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 304, C.T.S. No. 884/8(pt) & 884/9, situated at Mulund (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Bombay on 15th March, 1974,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor, and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Victor Gaskets India Ltd., S-305, Lal Bahadur Shastri Marg, Mulund, Bombay-80.

(Transferor)

- (2) Gabriel India Ltd., S-304, Lal Bahadur Shastri Marg. Mulund, Bombay-80. (Transferee)
- (3) Gabriel India Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(I) All that piece or parcel of land or ground situate lying and being on the Agia Road (now known as Lal Bahadur Shastri Marg) in Mulund in Greater Bombay in the Registration Sub-District and District of Bombay City & Bombay Suburban containing by admeasurement 2508.39 sq. mts. (equivalent to 3,000 sq. yds.) or thereabout being part of Survey No. 304, C.T.S. No. 884/8 (part), 884/9 together with the buildings standing thereon.

(II) All that piece or parcel of land situate on the Agra Road (now known as Lal Bahadur Shastri Marg) in Mulund in Greater Bombay in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban being part of Survey No. 304 & 305 C.T.S. Nis. 884 (part) 884/8 (part), 884/10 containing by admeasurement 6,249.84 sq. mts. (equivalent to 7,475 sq. yds.) OR thereabouts together with the building standing thereon.

The Building standing on this land bears Bombay Municipal Ward and Street No. T-2674, T-2674(2).

G. S. RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 1st October, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th October 1974

Ref. No. 3508/73-74.Acq., file No. 123.—Whereas, J, K. SUBBARAO.

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/538, situated at Near Bus-stand, Machilipatnam (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Machilipatnam on 31-3-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shrimati Vasireddy Kamaladevi Bahadur w/o Sri V, Venkatadri Naidu,
- (2) Vasireddy Jagannadha Sudeendra Bahadur being Minor by guardian monther Smt. Kamaladevi. (Transferor)
- (2) Shri Vemuri Somaiah, Englishpalem, Masulipatnam. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the faoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District—Masulipatnam Registration—Masulipatnam Municipality—Masulipatnam town—Englishpalem—Door No. 7/436, 7/438 and 7/439—Old Door No. 20/10—Ward No. 17—No. 17_538—Building & Site,

BOUNDRIES

East Compound wall of the building to Gumallavri Street, South: Sites of V. Raghavaiah & V. Ramaiah etc. West: Compound wall of the building & site.

North: Contonment Road,

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date . 15-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 27th September 1974

Ref. No. AG-106/R-IV/Cal/74-75.--Whereas, I, GEORGE VARGHESE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 164 (Portion) situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Registrar of Assurances, Calcutta on 6-3-1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Bangur Land Development Corporation Ltd., 5, Deshpran Sasmal Road, Calcutta-33,

(Transferor)

P. N. B. Employees Housing Co-operative Society Ltd., 18, Brabeurne Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Cottah 2 chhattak 7 sq. ft. of land being portion of premises No. 164, Prince Anwar Shah Road, (Plot No. 41 of Nodth Blick 'A' in Bangur Park). Calcutta and as more fully described in the Instrument of Transfer.

GEORGE VERGHESE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta

Date: 27-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Smt. Pratibha Mukerjee.

(Transferor)

(2) Dr. Ramesh Kumar and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

No. 25-R/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Rage, Lucknow,

being the Competent Authority under section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Panna Lal Road, Allahabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Allahabad on 21-3-1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the

same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three Plots details of which are given below are situated at Panna Lal Road, Allahabad.

- 1. Measuring 203 sq. yds.
- 2. Measuring 113 sq. yds.
- 3. Measuring 859 sq. yds.

K. N. MISRA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-10-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th October 1974

Ref. No. IAC/ACO/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot and House in Gondpara, Bilaspur situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bilaspur in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to 22, situated at Kinderdine Lane, Calcutta

(1) 1. Smt. Savitribai, 2. Smt. Kirtibai both wife of Shri Kanhaiyalal, 3. Smt.Raginibai W/o Ganeshprasad, 4. mt. Sunderbai w/o Sunderlal, 5. Smt. Kalabai W/o Kedarnath, 6. Smt. Vidyabai W/o Shri Gopilal C/o Gopilal Saraf, R/o Gond Para, Bilaspur,

(Transferor)

(2) 1. Shri Ramlal S/o Prabhudayal Gupta, 2. Shri Madan Lal S/o Ramkishan Gupta, R/o Pendra Road, Teh. & Distt. Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and House situated in Gond Para, Bilaspur.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No ASR/PhI/AP-1293/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing I and as mentioned in the Registered Deed No. 4650 of March 1974, situated at V. Pasia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office: at Phillaur in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Mehanga Singh s/o Prem Singh V. Pasla Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh alias Sucha Singh, Kashmir Singh ss/o Thakur Singh of Pasla Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4650 of March, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 28-9-1974.

Scal.

41---276GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1974

Ref. No. F. 1044/73-74.— Whereas, I, A. Raghavendra Rao, manian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at 1st Main Road, Kasturiba Nagar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras on 7-3-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. P. Malathy Amma. No. 5, 1st Main Road. Kasturiba Nagur, Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadia Menon. No. 8, 1st Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the bearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground floor admeasuring 1500 Sft. and bearing T.S. No. 11, Block No. 18 situated at Door No. 5, First Main Road, Kasturiba Nagar, Adayar, Madras-20 and holf share in 2 grounds and 1880 Sft. (undivided share) bearing T. S. No. 11, Block No. 18, situated at Door No. 5 First Main Road, Kasturiba Nagar, Adayar, Madras-20.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6,

Date: 30-9-1974

Scal :.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-2 MADRAS-6

Madras-6, the 30th September 1974

a Ref. No. I. 1044/13-74 -Whereas, I. A. Raghavendra Rao. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5, situated at 1st Main Road, Kasturiba Nagar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras on 7-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. P. Malathy Amma 1st Main Road, Kasturiba Nagar, Madras-20

(Transferor)

(2) Smt. R. Rugmani Amma 9-D. Edward Elliots Road. Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that very person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION: The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor flat admeasuring 1300 Sft. and bearing T. S. No. 11. Block No. 18 situated at Door No. 5. First Main Road, Kasturba Nagar, Adayar, Madras-20; and Half share in 2 grounds and 1880 Sft. (Undivided share) bearing T. S. No. 11, Block No. 18 situated at No. 5, First Main Road, Kasturiba Nagar, Adayar, Madras-20.

A. RAGHAVENDRA RAO Competent Authority, inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 30-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2 MADRAS

Madras-6, the 30th September 1974

Ref. No. F. 1044/73-74.—Whereas. I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 5, situated at 1st Main Road, Kasturiba Nagar,

Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Madtas on 7-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any incomearising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Smt. P. Malathy Amma.
 1st Main Road.
 Kasturiba Nagar,
 Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Menon, 8, 1st Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 196) (43 of 1961) shall have the same mean ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 1 ground 1616 Sft. and bearing T.S. No. 11, Plot No. 9 situated at No. 5, 1st Main Road Kasturiba Nagar, Madras-20.

A. RAGHAVENDRA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Madras-6.

Date: 30-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

No. 35-S/Acq.—Whereas, I. K. N. MISRA, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

situated at Vill. Chargawn, Distt Gorakhpur

(and more fully described

in the Schedule annexed heisto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gorakhpur on 23-3-1974,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(a) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the induction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax. Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely.

(1) M/s. Bajaj Flour-Mill.

(Transferor)

(2) M/s. Sethi Flour Mill (Pv!).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE 'A' ABOVE REFERRED TO

ALL THAT the piece of parcel of freehold land containing by measurement as area of 2.70 Acres be the same a little more or less whereon or on part whereof "BAIAJ FLOUR MILL" is creeted and/or built, situate, lying at Khasra No. 23, Mauza Chargam, Tappa Khuthan, Pargana Haveli, Tehsil Sadar, District Gorakhpur in the State of Uttar Pradesh

SCHEDULE 'B' ABOVE REFERRED TO

- (1) ALL THAT three storeyed and partly four storeyed brick built, messuages, hereditments, tenement or Flour Mill premises having an average height of about 55 ft. (59 ft.) and total covered area 1872 Sq. ft. or thereabout together with store rooms, transformer room, compound wall and all other structures and commonly known as 'Bajaj Flour Mill' together with overhead tank and tubewell and all situate and lying at Mauza Chargaun, Tappa Khuthan, Pargana Haweli, Tehsil Dar, District Gorakhpur in the State of Uttar Pradesh.
- (ii) ALL THAT the following brick built pucca several godowns situate and lying at the said 'Bajaj Flour Mill' i.e. at Mauza Chargawn, Tappa Khuthan, Pargana Haveli, Tehsil Sadar, District Gorakhpur in the State of Uttar Pradesh.
 - (a) Wheat godown having an average height 18 feet or thereabout and total covered area 1400 Sq.

- or thereabout. (b) Wheat Hopper Godown having an average height 13 feet of thereabout and total covered area 391 Sq. Feet or thereabout. (c) Wheat products godown having an average height 18 Leer or thereabout
- (d) Wheat products godown having an average height 11 feet 6 inches or thereabout and total covered area 500 Sq. Lect of thereabout.
- (e) Bran godown having average height 9 feet or thereabout and total covered area 666 Sq. Feet or there about
- (a) Office Building Block. Total covered area 925 Sq Feet or thereabout.
- (g) Residential building having average height of 13 Ft. Total covered area 2890 Sq. Feet or thereabout.
- (h) Store Room having average of 12 feet. Total covered area 432 Sq feet or thereabout.
- (i) Contractors' Room: Average height 14 Ft. Total covered area 96 Sq. Ft. of thereabout.
- (j) Iransformer Room Average height [4] let covered area 219 Sq. Ft. or thereabout,
- (k) Staff Quarters. Covered area 415 Sq. F1 or thereabout.
- (1) Court Yard 540 Sq. Ft. or thereabout
- (m) Cattle Shed: 180 Sq. Feet or thereabout,
- (n) Carage: 218 Sq. Ft or thereabout.
- (o) Watchman Rooms: 58 Sq. Ft. o. thereabout,
- (p) Brick Work 10 Ft. height, 9" thick (Boundry Wall) Total 1525 running Ft. or thereabout,
- (q) Goverhead Tank: 20 Ft. in length, 6 Ft. wide and 5 Ft deep measuring 600 Sq. Ft, or thereabout.
- (1) Septic Tank · 25 Ft. long, 6 Ft. wide, 6½ Ft. deep or thereabout.
 - (s) One complete Tubewell

SCHEDULI 'C' ABOVE REFERRED TO

ALTHAT immovable Flour Mill Machineries, Equipments, Spares Parts, Motors, and the machineries, all installed situate and/or lying at Land & Building known as 'Bajaj Flour Mill'. Gorakhpur in the district of Gorakhpur in the State of Uttar Pradesh subject to little varieties, as detailed below

Sl. No.	Quantity.	Particulars		
1.	2 Nos.	Roller Mills Type M 1250/250		
2.	4 Nos.	Roller Mills Type M 4000/250		
3.	2 Nos.	Planshifters - Size : 13'-6" Length X		
		5'-3" width X 4'-3" height Type M 65212, six feed Type clothed francs six. Ccm pletewith 2.5 H.P. Motor.		
4.	2 N 25,	Semplina purifiers complete with ½ H.P. Motor Type RK 2240-size: 8'-10" length X 3'-4" length width X 3'-10" height.		
5.	1. M o.	Gran Washer and Whisser comlete with 7½ H.P. and ½ H.P. Motor Type PR 700		

6,	19 Nos.	Pneumatic Lifts for Milling Plant composed of Hoppers under Ruller Mills Steel Seamlders Tube, Radiuses, Glass Inspection Tubes, Floor rings and clemps, separature with Glass econes, Air Valves, Air Locks with Shafte and Pulleya Supports under
		with Shafte and Pulleya. Supports under cyclones and Electric driven Gears.

- 7. 1 No. High pressure Fan type VV 710 with pullyc.
- 8. 1 No. Low pressure Fan type MK 600 with Electric Motor and Welded Stand. Compl ete with 10 H.P. Motor
- Suction Filter Dust Collector Type VS 50 9. 1 No. with Fabric Sleeves, Air Lock & Electric Motor.
- 10. 1 No. Low pressure Fan Type MK700 with Electric Motor and welded stand complete with 10 H.P. Motor
- Air Pipening for pnoumatic cyclones to 11. 2 Nos. filter High pressure fan and low pressure fans.
- Electric Motors of different types and Horse 12. Powers aggregate upto 183 H.P. Complete with Air Brake.

Star Delta X starters, Oil Immersed combined statement Motor Starter Air Break combinator starter and switches. Amp Motors and Volt Meters. Indigenous and Imported:

	Quantity	H.P.M.	H.P.	Make
(1)	2	720	1 each	Crompton
	1	1440	5	Crompton
	2	1440	10 each	Kirloskar
	1	960	25 each	Kirloskar
	2	960	50 each	Kirloskaı
	1	1440	40 each	Kirloskaı

- (li) 'MEI' Make Auto Transformer Starter for high pressur MEI make type NASD INT air Brake Star/Delta Starters Iron Clad Tripple pole pole contact make swithces, Volt Meters. 600 Amp ICB MEI Type and Lt/LIC Type MEI Motor siwtch 600 Amps. Indigenous.
- 1 No. Milling Separator Indigenous. 13.
- 1 No. Low Air Pressure Fan and other Exhaust 14. System for Milling Separtor.
- Bleaching Plant: Complete with Motor 1 No. 15.
- Worms, Pulleys, Shafte, Elevators, Ball 16. Bearings, Couplings Hangers etc.
- Exhaust system Cyclones, Pipes etc for 17. purifiers.
- Miscellaneous including 18. equipment pumping sets etc.
- All types of tools, Appliances, Equipments. 19. Electrical Installations and fittings, in any shape whatsoever.

K. N. MISRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-10-74.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM'S SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigach, the 2nd September 1974

Ref. No. HSR/17/74-75.—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Chandigarh,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot

Plot No. 89, Behind Old Kutchery Sadar (1/2 share) situated at Hissar (and

more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hissar in March, 1974,

tor an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid propert yand I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferor(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) (i) Shrimati Ishwar Devi, w/o Shri Lal Chand, (ii) Shrimati Lila Wati, w/o shri Arjan Dass, (iii) Shrimati Jamna Bai, w/o Shri Gordhan Dass Residents of Patel Nagar, Hissar, (Transferor)
- (2) Shri Yudhbir Singh, Advocate, Secretary Jat Dharamahala, Hissar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said p operty may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, it any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who ha, made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 of one residential plot No. 89 (measuring 1600 sq. yds.) situated Behind Old Kutchery Sadar Hissar.

G. P. SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 2-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE EXCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMESTAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B.

Chandigath, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/159/74-75.- Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh.

heing the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Taraf Kara Bara, situated at Indhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ludhiana in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating preceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Rai W/o Sh. Kulbhushan Rai, and Shri Kulbhushan Rai S/o Sh. Kulwant Rai Dhanda, Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhlana. (Transferor) (2) Gurdev Dharamarth Trust, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal, Rattan Building, Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141,

Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as per Jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Rasge,
Chandigarh.

Date: 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 26th September 1974

Ref. No. BOR(Cal)4A/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43

of 1961) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

I and with Rolling Mill situated at Bahadurgarh, Rohtak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calrutta in March, 1974,

Registering Officer at Cairutta in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
42—376GI/74

Shri Pratap Loha Udyog,
 Modern Industrial Estate, Bahadurgarh,
 Rohtak (Haryana).
 Shri Sushil Kumai Gupta,
 Sii Haij Ram Goenka St
 Calcutta-7

(Transferor)

(2) The Principal Officer, Grand Structural Mfg Co (P) Itd., Tinsukhia, Assam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPIANATION.—The terms and expression; used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Factory building of Rolling Mill at 16/4 Mile Stone on Delhi Rohta Road, Bahadurgarh.

East: Road 40 ft. wide (Kacha 10ad).

West: Factory Building North; Open Land.

South · Road 130 ft wide

G. P. SINGH.
Competent Authority
Irrepecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 7-11-1974

(Scal):

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No ASR/PKI/AP-1355/74-75.—Whereas, I, D S

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2713 of March, 1974 situated at Sara!

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Pathankot in March 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, no pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Smt. Usha Seth w/o Shri Jatinder Lal Seth Smt. Uma Sood w/o Dr. Subhash Chand Sood Km. Suman Kuthiala d/o Late Roshan Lal Smt, Leela Devi wd/o of Shri Roshan Lal Kuthiala through Ravinder Lal GA and Rajinder Lal through Ravinder Lal GA 170 48 Shiv Dass Nagar, Dhangu Road, Pathankot

(Transferoi)

(2) Shri Dhund Raj 5/0 Shri Kut.j Lal Shri Karan Raj 5/0 Shri Dhund Raj Dalhousie Road Pathankot.

(Transferee)

- (3) An at S.No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property:
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sarai as mentioned in the Registerel Deed No 2713 of March, 1974 of the Registering Authority, Pathankot

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date : 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAI.

Bhopal, the 11th October 1974

Rei. No. [AC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I. M. F. Munshi,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 1 Portion, Sultania Road Bhopal situated at situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rajputana Motores, 13. Maharani Road, Indore

(Transferor)

(2) Mr. Shahzad Ali S/o Dr. Mohd. Asgharali, 6, Ahmedabad, Bhopal.

(Transferec)

General Manager, Tele-communication, M.P. Circle Bhopal.

[Person in occupation of the property].

property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FAPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of Municipal House No. 1 situated at Sultania Road, Bhopal.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7508

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH. 156, SECTOR 9-B,

Chandigath, the 2nd September 1974

Ref. No. PNP/6/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 0/44 & Eastern Part of 0/35 with Bldg. at Industrial Area, situated at Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Panipat in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of tran fer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Aryan Woollen Mills, Panipat uar tuc

 Shri Ashok Kumar, of M/s. Aggarwal Wool Spinning & Weaving Mil Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Plot 0/44 & Eastern Part of 0/35 with Building at Industtial Area, Panipat. (Municipal No. MC-XIX 1421).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3439 of March, 1974 of the Registering Officer, Panipat).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date 2-9-1974.

Scal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarb, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/378/74-75 -- Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-

tion Range, Chandigath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot at Kara Bara situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ludhiana in March, 1974.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income atising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Smt. Uma Devi D/o Sh. Kulbhushan Rai Dhanda, And Shri Kulbhushan Rai S/o Kulwant Rai Dhanda. R/o Opposite District Courts Civil Lines, Ludhiana

(Transferor)

(2) Gurdev Dharam Arath Trust, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal, Advocate Rattan Building, Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in 'the said immovable property with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khataum No. 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126/, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144,
Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as per Jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana

G P SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Chandigarh.

Date 28-9 1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/377/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Taraf Kara Bara, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Rai S/o Sh. Kulbhushan Rai Dhanda, R/o opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Gurdev Dharam Arath Trust, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal, Advocate, Rattan Building, Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144.

Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as p.r Jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 28-9-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 196)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/376/74_75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot at Kara Bara situated at Ludhiana,

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred as per of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kulbhushan Rai S/o Sh. Kulwant Rai Dhanda, Self and as Kaita of his H.U.F. R/o Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Gurdev Dharam Arath Trust, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal, Advocate, Rattan Building, Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126/, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144, Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as per Jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range
Chandigath

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/379/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Chandigath.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), bave reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot at Taraf Kara Bara situated at Ludhiana

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Ludhiana in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 to the following persons namely:—

- (1) Smt. Uma Rani D/o Sh. Kulbhushan Rai Dhanda, and Shri Kulbhushan Rai S/o Sh. Kulwant Rai Dhanda. R'o Opposite District Courts. Civil Lines, (Transferor)
- (2) Nehru Sidhant Kender, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

(3) Members

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141,

Khasra No. 712, 714, 715/1 715/2/1, 715, 717, 919, 720, 727, 728, 729, 730 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath.

Date : 28-9-1974.

Seal ·

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
15b. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/158/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Taraf Kara Bara situated at Ludhiana in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

(1) Shri Kulbhushan Rai S/o Sh. Kulwant Rai as Karta of his H.U.F., Civil Lines, opposite District Courts Ludhiana.

(Transferor)

(2) Nehru Sidhant Kender, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal, Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the IncometaxAct, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44. 558/644, 1870/2017 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141,

Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 919, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
IncomeTax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 28-9-1974.

Seal:

43-376G1/74

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No ASR/JUL/AP-1322/74 75—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing.

Property as mentioned in the Registered Deed No 10722 of March 1074 approach as Dillaythe March 1074.

March, 1974, situated at Dilkusha Market, Juliundur (and more fully described in the hedule anneved hereto) has been transferred as per deed resistered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis_ tering Officer at

Jullundur in March 1974,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferoi(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Shri Karam Singh Maun s/o Basant Singh, 389 Lajpat Rai Nagar, Jullundur Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Giani Shanker Singh s/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Mar-ket, 'ullundur.

(Transferor)

- (2) Mohinuder Kaur d/o Puran Singh, Gurdwara Road, Dehra Dun (UP) (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the foresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation —The terms and expressions used heidin as are defined in Chapter XXA of the Intometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd of Shop No 17-B at Dilkusha Market, rullundur as mentioned in the Registered Deed No 10722 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

> D 5 GUPTA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Amritsar

Date 28-9-74.

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 1st October 1974

Ref. No. Acq. 23-I_118(92)/1-1/74-75.--Whereas, I, J Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 578/1 T.P. Scheme No. 3 situated at Madalpur (Chhadawad), Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4th March 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor: and/or
- the concealment of any income (b) facilitating if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) Smt. Kundanben Ambalal 'Motibaug", Ellisbridge, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Salya Smruti Co-op. Housing Society Ltd. Chairman Shu Kinitkumar Hiralal, Secretary Nanjibhai Popatlal Taliyani Pole, Sarangpur, Ahmedabad.

Member of Committee: Amrutlal Dhanjibhai, Paldi Ahmedabad.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Chimanlal Purshottamrai Acharya,
 - 2. Shri Madhukar Popatlal,
 - 3. Shri Narshibhai Chimanlal
 - _4. Shri Ravjibhal Chunilal Patel,

 - 5. Prof. Shanti Mukerji6. Shri Hareshbhai Vinayakrav Mehta, Moubaug Ellisbridge, Ahmedabad.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Amitkumar Ambalal,

[Person(s) whom the undersigned be interested in the knows to property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfered of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An immovable property consisting of Bungalow garager & out-houses, bearing Municipal Census No. 308, 308/1 308/A/1. 308/A/2, 308/A/3, 308/A/4, 308/A/5, Survey No. 578/10, 578/11, 578/4, 578/5, 578/6, 578/7, 578/8, 578/9, Final Plot No. 578/1 of T. P. Scheme No. 3 situated at Madalpur (Chhadawad) Ahmedabad and bounded as under:

East: F.P. No. 578/2 West: F.P. No. 578/7 North: Public Road.

South: Road of F.P. No 578/4.

(and fully described in the deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad).

> J. KATHURIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-10-1974,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 3rd October 1974

Ref No A-70/DBR/74-75/2689-96.—Whereas, I, N. Pachuau

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

P. No 1, Plot No SW/3/4/34 and 33, Dag No 56 situated at Vill Nijmoncotta, Mouja Mancotta, Khanikar, Dibrugarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dibrugarh on 21-3-74

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferoi(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Abidur Rahaman S/o Late Abdur Rahaman Lakhtokia, Gauhati. (Transferor,
- (2) Nazımuddın Ahmed Panch-Alı, Dibrugarh, Assam. (Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a da'e and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the pieceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigh 1 4 (four) Kattas covered by patta No 1 Plot No SW/3/4/34 and 33 Dag No 56 situated at Vill Nijmoncotta, Mouja Mancotta, Khanikar, in Dibrugath District of Assam State

N. PACHUAU
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong

Date 3-10-1974 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 3rd October 1974

Ref No IAC/ACQ/BPL/74-75—Whereas J, B F Munshi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

652, Nagpur Town Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jabalpur on 13-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Kasturilal Mathuradas S/o late Shri Motiram Mathuradas, R/o 91, Queen's Road Pearl Mansion 5th Floor Bombay-20

(Transferor)

- (2) Shri T N Bhaskar S/o Shri A N Bhaskar 659 Napier Town Jabalpur (Transferee)
- (3) Mis Hakim W/o Shri S P Hakim, Retd District House No 652, Napier Town, Jabalpur

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 652, Napier Town, Jabalpur

M F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 3-10-1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME FAX. ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 3rd October 1974

Ref No SR/IAC/ACQ/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 650/651 Napier Town Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registerd under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jabalpur on 13-3-1974 for an apparent consideration which is less 'than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income unsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Kastutilal Mathuradas S/o late Shri Rai Echadut Motiram Mathuradas, R/o 91, Queen's Road —earl Mansion, 5th Floor, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Shri Vindy Bhaskai S/o Shri T. N. Bhaskai Minor guaidian mother Smt. Gargi Bhaskai R/o 659 Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

*(3) Shri C. L. Uppal 650/65! Napier Town, Jabalpur.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 630/651 Napier Town, Jabalpur.

M. F MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BANGALORE-27

Bangalore-27 the 3rd October 1974

No. C.R. 62/2200/73-74/Acq(B).—Whereas, I, Shri R. Krishna Moorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-27.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 24 Wellington Street Richmond Town Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar, Bangalore

Document No. 4030 on 2-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arlsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

- (1) Mr. Timothy Manu Murari S/o Lt. Col T. Murari, No. 35, Bioxash Road, London S.W.11.
 - (Transferor)
- (2) Dr. Abdul Rahim of Central Hospital Balasharif Littah (Saudi Arabia). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rouse property No. 24 Wellington Street, Richmond Road, Bangalore-25.

Site measuring 2107 Sq. ft. facing East: 92' 6" West: 63' 5"+29'1" Wellington Street Road North: 135' South: 121' 9"+16'8

Document No. 4030 dated 2-3-1974.

R. KIRSHNA MOORTHY Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-10-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123 MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th October 1974

Ref. No. F. 1146/73-74.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 109-B situated at Arcot Road, Kodambakkam, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

JSRO, Madras_on 16-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Shri V. Obaidur Rehman; and
 Shri V. Khaleel Ahamed
 No. 17 Radhakrishna Street, Madras-17.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. A. Baharudeen;
1-79G, Umer Road Athikkadai, Tanjore District.
2. Shri K. M. Abdul Azeez;
1-93A, Jawahar St. Athikkadai, Tanjore District.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 1 ground & 1653 Sft. situated at Door No. 109-B, Arcot Road Kodambakkam Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 8-10-1974,

FORM ITNS----

(2) Shri Jirondra Singh S/o Malkiet Singh Jat-Sikh R/o 14Q Teh & Distt, Sriganganagar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th October 1974

Ref. No. 2/74(5)34/83.—Whereas, 1 V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4HA situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sriganganagar on 27-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Shri Gurbachan Singh S/o Megba Singh Jat in the capacity of natural guardian & father of Shri Kuldeep Singh (minor) R/o 18HA Block, Sriganganagar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion (Westerr part) of plot No. 4HA. H Block Sriganganagar measuring 50' x 30'.

> V. P. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Datt: 8-10-74,

Seal :

44--376GI/74

FORM-ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Inipur, the 8th October 1974

Ref. No. G-2/74(5)33/82,—Whereas, I, V. P. Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4HA situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 27-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have passen to believe that the fair market

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbachan Singh S/o Megha Singh Jat in the capacity of natural guardian & father of Shri Kuldeep Singh (minor) R/o 18HA Block Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shrimati Raniect Kaur W/o ohn Malkiat Jat Sikh R/o 14Q Joh & Distt Stiganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Açi, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Half portion (Eastern part) of plot No 4HA. H Block Sriganganagar measuring 50' x 30'.

V P. MITTAL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisitiin Range Jaipur,

Datt: 8-10-74,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE LA.C. OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th October 1974

Ref. No. N-11/74(6)6/302.—Whereas, I, V. P. Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. open land at Distillary situated at Nimbahera

Nimbahera on 25-4-1974

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nimbahera 25-4-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) M/s. Bairam Shah K. Ilava & Sons Rajasthan H.O. Mhow (M.P.), (ii) Miss Homay D/o Shri Bairam Shah Ilava Parsi R/o Mhow (M.P.)*.

(Transferor)

(2) (i) S/Shri Mahosh Prakash (ii) Surondra Prakash Ss/o Shri Chandmalji Sharda R/o Nimbahora Distt. Chittorgath (Rajasthan). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- "(iii) Mrs. Doli W/o Sh. Bahramji Masani:—All three through Shri Feroz S/o Shri Baram Shah Ilava and
- (iv) Shri Firoz S/o Shri Bairam Shah Ilaya. Open land at distillary at Nimbahera having the area of 9855 sq. ft.

V. P. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitiin Range Jaipur

Date: 8-10-74.

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th October 1974

Kel. No. B-3//4(6)1/292.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property begins that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building situated at Bali (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bali on 12-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Shri Sire s/o Shri Anray Caste Jain Oswal R/o Kot Teh. Bak Distt. Pali (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Sant. Ghewari Bai w/o Sh. Mohan lal, (il) Ma Dilip Kumar, (ili) Master Mafat lal, (iv) Master Hars Kumar Ss/o Sh. Mohan lal, Through Sh. Mohan lal & Smt., Ghewari Bai guardians of No. (ii) & (iii) (iv) being minor sons.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the SARRIN meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building naer old post office Bali Distt. Pall (Rajasthan).

> V. P. MITTAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range Jaipur.

Date: 8-10-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th October 1974

1.1(3426)/73-74 — Whereas, I, K. Ref. No. -Subbaxao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Door No. 46-1-7 situated at Veeresalingam Road. Ward

No. 24, Danavaipeta, Rajamurdry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajahmundry in 15-3-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

(1) Shri Vadrevu Venkata Subbarao, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transleror)

(2) Dwarampudi Bhamireddy, Jampeta, Rajahmundry, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Last Godavari Dist,-Rajahmusdry Sub-Registration-Rajahmunday Municipality-Rajahmundry Town-Danavaipeta-Door No. 46-1-74, Veeresalingam Road-Ward No. 24 **Boundries**

East: Site of Namane Dhanaraju 101.3 ft

South . Rajaveedi 66.6 ft.

West. Property of Shri Motiki Ramarao etc.

North: Site of Sesirekha 70 ft.

K. SUBBARAO

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date 7-10-1974. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 30th September 1974

Ref No. 194/Acq. R-III/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. 9 situated at Lower Rowdon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 27-3-1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have bee recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Lionel Edwards Ltd. of 21, Old Court House St., Calcutta. (Transferor)
- (.) Smt. Tarulata Shyam of 6, Mall Rd., Dum Dum. 24-Pgs.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha Hichattaks more or less together with a two storied brickbuilt building, outhouses, garage and other fittings viz. tank motor etc. a 9, Lower Rowdon St., Calcutta by deed No 1807 of 1974

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rufi Ahmed Kidwai Rd. Calcutta-16

Date: 30-9-74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (13 OF 1961)

Oti No 25/1. JCO National Defence Academs P.O. Kharakvasala, POONA-3 (Transferor)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 16th September 1974

Ref No CHD/60/74-75—Whereas, I, G P Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 244 Sector 19-A situated at Chandigarh (and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigath in March, 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(4) and the transferee(8) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) S/Sh Murati Lal Bansal, and Ram Kumar Bansal, Ss/o Shri Charanji Lal Bansal, Show Room No. 24, Sector 7-C Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

Plot No 244, Sector 19-A, Chandigarh

G P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax Acquisition Range,
Chandigath

Date 16-9-1974

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDI OOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th September 1974

No. PR.162/Acq./23-251/19-B/73-74.—Whereas, I, P. N. MITT'AL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Non-lh No. 1889 Paiki-Mun. Ward No. 8, situated at Senghadia Wad, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(a) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Iniome-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganpatilal Chhotubhai Vakil Ushaban Ganpatlal Vakil. Surat.

(Transferor)

- (?) M/s. Dharma Builder: Surat through its partners
- (1) Dhansukhlat Magaulal Shah;
 - (2) Hansaben Dhansukhlal Shali;
- (3) (Minor) Smitha Dhansukhlal Shah:
 - (4) Maganlal Motilal Shah;
 - (5) Geeta Natverlal Shah;
 - (6) Sanmukhlal Maganlai Shah;
 - (7) Maheshchandra Jeevanji Desai:
 - (8) Kantaben Maganlal,

(Transferee)

- (3) (1) The Dy. Director of Industries;
 - (2) Sr. Inspector of Industries.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property (land and building) in Muni. Ward No. 8 bearing Nondh No. 1889 paiki—Land admeasuring 250 Sq. Yds. situated at Senghadiawad, Gopipura, Gulabdas Vakil Road, Surat. as mentioned in the registered deed No. 1161 of March 1974 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 30-9-1974. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No ASR/JUL/AP-1339/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10989 of March, 1974, situated at Near Model Town, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

45-37 6GI/74

- (1) Smt. Sarswati Bai wd/o Shri Ram Lal s/o Shri Ram Chand WF-145 Ali Mohalla, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Amrit Co-operative House Building Society
 Ltd., Jullundur.
 (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land near Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10989 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1338/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land mentioned in the Registered Deed No. 10803 of March, 1974, situated at Bastl Sheikh, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respec tof any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shr iKartar Singh s/o Ram Singh s/o Udham Singh of V. Lama Distt. Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Aji Stingh s/o Puran Snigh and Balwan Stuigh s/o Amar Snigh ss/o Shri Sham Singh r/o Basti Sheikh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b. by any of the person intersected in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to carry every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10803 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUFTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Dato: 28-9-1974

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/AP-1337/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10984 of March, 1974, situated at Tung Pai Teh. Amritsar, (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at Amritsar in March 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Ved Vyas s/o Pt. Anant Ram Brahman r/o Krishanpura, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ram Lal s/o Shri Ram Rakha Mal Gali No. 5, Sharif Pura Krishan Lal s/o Munshi Ram, 30 Mewa Mandi, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Tung Pai ,Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 10984 of March, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Amritsar

Date . 28-9-1974

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/KPL/AP-1336/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Compeetnt Authority under Sectoin 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the unmovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2876 of March, 1974, situated a tSheikhupur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kapurthala in March, 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) ni respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Bakhshish Gopal s/o L. Shanker Dass V. Shamupur.

(Transferor)

- (2) Lahori Ram s/o L. Des Raj c/o Lahori Ram Avtar Krishan, Mandi, Kapurthala Vir Bhan s/o Sita Ram through Lahori Ram, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sheikhupura as mentioned in the Registered Deed No. 2876 of March, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/NS/AP-1335/74-75.—Whereas, I, D S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4354 of March, 1974.

situated at V. Katarian,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Office at Nawan Shehar March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Ac,t 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Malkiat Singh s/o Nirmal Singh ss/o Laboo Ramar/o Chandili Teh. Garh Shanker

(Transferor)

(2) Gurdev Singh s/o Kehar Singh s/o Pritam Singh r/o Munna Teh. Nawan Shehar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b. by any of the person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Katarian as mentioned in the Registered Deed No. 4354 of March. 1974 of the Registering Authority. Nawan Shehar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/NS/AP-1334/74-75.--Whereas, I D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4353 of March, 1974.

situated at V. Katarian.

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawan Shehar in March 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conand that the consideration for such transfer as sideration agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

of section 269C, 1 Now, therefore, in pursuance hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) to the following persons, namely :-

Piara Singh s/o Waryam Singh s/o Chajja Singroo Kotla Teh. Garh Shanker.

(Transferor)

Kehar Singh s/o Pritam Singh s/o Ram Singh r/o Munna Teb. Nawan Shehar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from hte date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Katarian as mentioned in the Registered Deed, No. 4353 of March, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1325/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable proprty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No. 10262 of March, 1974, situated at Dilkusha Market, Jullundur.

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March, 1974.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax 9ct, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan, 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur. Shri Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal. Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Shri Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh,
 - Shri Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh s/o Gurdial Singh, Hadiabad Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S, No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of Shop No. 16-B Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10262 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Dat e: 28th September, 1974.

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar the 28th September 1974

No ASR/JUL/AP-1324/74-75 -Whereas, I, D S GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deeds Nos 10721, 10722 and 10684 of March, 1974. situated at Dilkusha Market, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March, 1974 an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the

- object of --
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer, and/or
 - (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely --

(1) Shri Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maa 389, Lajpat Rai Nagar, Juliundur Shri Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Shri Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Shri Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh s/o Lahora Singh Sıkrı Bazar, Jhansi. Mohinder Kaur d/o S. Puran Singh Gurdwara Road, Dehra Dun (UP.) Shri Lahora Singh s/o Gurdial Singh, Kalkajı, New Delhi

(Transferee)

- (3) As at SI No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette (b) by any

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable will be fixed, and notice thereof shall be every person who has made such objection, property the transferce of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right of he heard at the hearing of the objections

The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) EXPLANATION —The terms and shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 17-B, Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds Nos 10721, 10722 & 10684 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur

> D S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 28th September, 1974

(Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1323/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 10684 of March, 1974, situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(8) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Karam Singh Maan s/o Basant Singh, 389, Lajpat Rai Nagar, Jullundur. Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal Giani Shanker Singh s/o Bal Singh Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh Jagir Singh s/o Partap Singh c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.

(Fransferos)

(2) Lahora Singh s/o Gurdial Singh r/o Kalka Ji, New Delhi

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above.

[Person(s) occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/3rd share of Shop No. 17-B at Dilkusha Market Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10684 of March, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-74.

Seal.

46-376GI/74

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME TAX

ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-1, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380009, the 17th September 1974

No PR.155/Acq 23-162/19-8/74-75.—Whereas, I. P. N. MITTAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

Sur. No. 389/A 1+2+3 Paiki, situated at Katargam, Tal Chorasi, Ashwiriqumar Road, Surat

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 5-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Fulchand Jekisondas Vakharia, Navapura, Karva Road, Surat.

(Transferor)

- (2) M/s. K. J. Vakharia & Co., on behalf of the finpartners—
 - (1) Jawahar Kantilal Vakharia;
 - (2) Harishchandra Kantilal Vakharia;
 - (3) Jashwantiben Kantilal Vakharia:
 - (4) Vasantlal Amratlal Vakharia;
 - (5) Indravadan Amratlal Vakharia;
 - (6) Jagdishchandra Amratlal Vakharia;
 - (7) Urmilaben Amratlal Vakharia;
 - (8) (Minor) Jayantkumar A. Vakharia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 389/A 1+2+3 paiki admeasuring 3200 Sq. Ydrs. situated at Katargam, Tal. Chorasi, Ashwinikumar Road, Surat, as mentioned in the registered deed No. 702 of March, 1974, of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-9-1974,

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 27th September 1974

Ref. No. LDH/C/162/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Plot at Taraf Karabara, situated at Ludhiana. (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Lúdhiana in March, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction OL of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- actitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by (b) facilitating the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weal-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Shri Brij Bhushan Rai S/o Shri Kulwant Rai Dhanda through his General Power of A'torney Shri Ram Saran Beri S/o L. Kheru Ram, R/o E-14/1, Basant Vihar, New Delhi.

(2) Gurdev Dharam Arath Trust, Ludhiana. through Shri Joginder Singh Grewal, Advocate, Rattan Building, Opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferec of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 405\(\frac{1}{2}\) sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017. 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126. 1928/2127, 1929/2128. 1936/2144. Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as per Jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

> G. P. SINGH, Connetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-9-1974.

Seal :

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th September 1974

Ref. No. LDH/C/161/74.75—Whereas, I, G. P. SINGH. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot at Taraf Karabara, situated at Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office or the registering officer at Ludhiana in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt Laija Rai W/o Sh. Brij Bhushan Rai through her General Power of Attorney, Shri Ram saran Berl S/o L Kheru Ram, R/o E-14/1, Basant Vihar, New Delhi. (2) Gurdev Dharam Arath Trust, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal, Advocate, Rattan Building, Opposite District Courts, Civil I mes, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to where notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot at Taraf Karabara, Ludhiana

405 sq vds out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141,

Khasia No 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as per Jamabandi 1970/71 situated at Karabara Tehsil Ludhiana

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date · 27-9-1974

Seal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd October 1974

Ref. No. JDR/12/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land in Vill. Madowala situated at Teh. Jagadhri District Ambala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhri in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Parkash Chander Aggarwal S/o L. Chiranji Lal. C/o Shri Nand Lal Gupta, Bawana Road. Jagadhri.

(Transferor)

(2) S/Shri Barkat Ram, Choudhary Ram, Gulshan Kumar s/o Shri Chanan Ram, and Smt, Vidya Vanti W/o Shri Om Parkash. R/o Jagadhri, Anaj Mandi, Jagadhri District Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

115 Kanal, 16 Marias.

Land in village Madowala Tehsil Jagadhri District Ambala.

Khewat Khatauni No. 3/11, 3/12, 3/13, 3/15, 3/17, 3/18, 3/20, 3/21.

3/20, 3/21.		
Khewat Khatauni No.	Khasra No.	Kanal Marla
3/11	5/15	0-9
3/12	5/23, 8/3/1, 8/3/2,	8-00,6-8,1-12,
	8/8,8/9.	6-18,8.0
3/13	5/22/2, 8/1/1, 8/1/3, 3-7, 0-4, 5-10,	
	8/2.	8-0.
3/15	5/16/2, 5,17/2, 5/24, 3/16, 6-13,	
		7-10, 3-4, 5-2,
3/17	5/12/1, 5/12/2,	3-8, 2-4
3/18	5/21, 6/25.	6-15, 0-2.
3/19	8/1/2, 7/5/1.	_ · _
3/20	7/5/2, 8/1/1.	0-9, 0-5.
3/21	5/18-5/19, 8/20,	8-0, 8-0, 2-8,
	8/22/1.	4-13.
	, · · ·	

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 3-10-1974

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 156 SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

Ref. No. HSR/18/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 89 behind District Courts (1/2 shate) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hissai in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

No., therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Das, s/o Shri Chander Bhan, Resident of House No. 45, Block No. 18, Hissar. (Transferor)
- (2) Shri Yudhbir Singh, Advocate, Secretary, Jat Dharamshala, Hissar. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Plot No. 89 behind District Courts, Hissar. (Measuring 800 sq yards.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 2-9-1974.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, RANGE-II, ACQUISITION RANGE-2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23id September 1974

Ref. No. PR.159 Acq.23-249/19-7/73-74 —Whereas, I, P. N. Mittal.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 335-1 & 335-2 in Mun. Ward No. 13—Rev. S. No. 59A, TPS 5 FP. 129 Paiki situated at Athwa Lines, God-Dhod Road Surat

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-3-1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Weal h Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Purshottam Ambalal Sharma, (Transferor)
- (2) M/s. Thakkar Construction, Surat on behalf of the firm—its partners:
- (1) Mangaldas Gangadas Thakkar
- (2) Ramanlal Gangadas Thakkar
- (3) Madhusudan Gangadas Thakkar
- (4) Vimlaben Bipinchandra Thakkar
- (5) Champaben Muljibhai Thakkar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is gvien under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 335-1 and 335-2 in Mun. Ward No. 13, Rev. Sur. No. 59A Paiki plot No. 5 & 6 in T.P.S. No. 5 F.P. No. 129 paiki admeasuring 575 Sq. yds. and 571 Sq. yds. respectively, total area being 1146 Sq. yards situated at Athwa Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 1088 of March 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 23-9-1974.

FORM LT.N S-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, RANGE-II. ACQUISITION RANGE-2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad_380009, the 25th September 1974

Ref. No. PR-160 Acq 23-148/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh Nos. 1112 to 1117 and 1118-B and 5186, Muni Ward

No. 4 situated at Danapeeth Begumpura, Surat

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 22-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating-the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) M/s B. D. Theatres, Bombay through its partn.
- (1) Bejan Dadiba Bharucha (2) Smt. Garatud Bejan Bharucha (3) Smt. Ala Faramroz Poonawala (4) Dadi Faramroz Poonawala (5) Burjor Faramroz Poonawala
- (6) Sayaras Faramroz Poonawala (7) Ravindra Purshottam Patel (8) Surendra Ratilal Patel (9) Harshad Ratilal Patel
- (10) Dhirubhai alias Dharamsukh Ranchhodbhai Desai
- (11) Babubhal Maganbhai Desai
- (12) Harishbhai Manubhai Patel

- (Transferor)
 (2) (1) Sureshchandra Gamanlal Chokshi (2) Rameshchandra Gamanlal Chokshi (3) Anjaniben Pravin-chandra Chokshi (4) Jayashriben Bipinchandra Chokshi-SURAT, (Transferee)
- (3) (1) Proprietors of Neelam Restaurant (2) M/s General Cycle Mart (3) M/s Gupta Munshi & Co. (4) Sanjay Exhibitors [Person in occupation of the propertyl
- (4) Shri Natverlal, [person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisit on of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property known as 'Moti Talkles' (land and building) bearing Nondh Nos. 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117 and 1118-B and 5186 in Muni. Ward No. 4 admeasuring 1210 Sq. yds. 138 Sq. yds. 135 Sq. yds. 31 Sq. yds. 30 Sq. yds. 30 Sq. yds. 56 Sq. yds. and 27 Sq. yds. respectively—total area amounting to 1657 Sq. yds. situated at Danapeeth Begumpura, Surat as mentioned in the registered deed No. 2648/73R of March 1974 of the Registering Officer, Rombay Bombay

P. N. MITTAL.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge-II. Ahmedabad

Dated 25-9-1974. Seal:

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME TAX
ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 23rd September 1974

No. PR-158/Acq.23-248/19-7/73-74.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 128 Mun. Ward No. 13, Rev. S. No. 56-2 TPS 5—Original plot 17-F.P. 17 paiki, situated at God-Dhod Road, behind Parle-point, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,

at Surat on 28-3-1974 and 27-5-1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcasid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

47-376 GI/74

 Shaileshkumar Kantilal Jariwala, Bai Saralaben Kantilal Jariwala, Bombay.

(Transferor)

(2) Shantilal Chhotalal Shah, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and structures—Land bearing Nondh No. 128 in Muni. Ward No. 13 Rev. S. No. 56-2 in TPS No. 5, original plot No. 17 and FP. No. 17 Paiki admeasuring about 875 Sq. Yds. and about 1143.2 Sq. Yds. (total area about 2018 Sq. Yds.) situated at Cod-Dhod Road, behind Parle-point, Surat as mentioned in the registered deeds No. 1166 March, 1974 and No. 1991 of May 1974 respectively, of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 23-9-1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1340/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10233 of March, 1974, situated at Gobind Garh, Jullundur.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Daya Wati wd/o Dina Nath r/o Moh. Krishan Nagar, Jullundur.

(Transferor)

 Gurmej Kaur w/o Attar Singh V. Kaki Teh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Moh. Gobind Garh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10233 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1341/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10512 of March, 1974, situated at Maqsoodpur, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Pt. Charanjit Rai s/o Pt. Beli Ram s/o Jiwan Dass r/o Vill. Maqsoodan Teh. Jullundur c/o Jullundur Cold Storage G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Hamco Industries (P) Ltd. Maqsoodan through Shri Om Parkash s/o Dhirat Ram, Managing Director.

(Transferee)

- (3) As at S.No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Magsudpur as mentioned in the Registered Deed No. 10512 of March, 1974 of the Registering Authority. Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1342/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10517

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10517 of March, 1974, situated at G.T. Road Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Juliundur in March 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Kishore Chand s/o Fateh Chand s/o Gujar Mal of EF 139, Br. Paparian, Jullundur GA of Bikram Chand s/o Mool Chand r/o Jullundur Chief Engineer Sugar Mill and Shri Jagdish Chand s/o Rattan Chand of Delhi and Parkash Chand Iqbal Chesological Amin Chand of Juliundur, Mohalia Mohind Juliundur.

(Transferee)

(2) Gurdarshan Singh Jasbir Singh, Rajindera Singh, Gurbaksh Singh ss/o Jagtar Singh r/o Lasara Teh. Phillaur? And Paramjit Singh, Gurmeet Singh ss/o Shri Joginder Singh r/o Lasara.

(Transferor)

(3) As at S.No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at G.T. Road, Jullundur near Pb. Roadways H.O. as mentioned in the Registered Deed No. 10517 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1343/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 10105 of

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10105 of March, 1974, situated at Lama Pind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration

which is Jess than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Jiwan Dass s/o Ram Saran Dass s/o Amrik Rai r/o EF 474 Krishan Nagar Jullundur GA of Smt. Harnam Devi wd/o Shri Sham Lal and R. K. Kapoor present Calcutta. (2) Malkiat Singh, Mukhtiar Singh, Sohan Singh s/o Ganga Singh, Baldev Singh s/o Gurmail Singh s/o Naranjan Singh s/o Ganga Singh Harnek Singh s/o Ranjit Singh s/o Ganga Singh Mohinder Singh s/o Ganga Singh s/o Shiv Dial Chak Hussaina Lama Pind, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the accuisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

Itis hereby notified that a date and place for hearing the notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land in Lama Pind, as mentioned in the Registered Deed No. 10105 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

Scal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1344/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority

under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10108 of March, 1974, situated at Lama Pind,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely •—

(1) Jiwan Dass s/o Ram Saran Dass s/o Amrit

r/o EF 474 Krishan Nagar Jullundur GA of ...mt.

Harnam Devi wd/o Shri Sham Lal and R. K.

Kapoor present Calcutta.

(Transferor)

(2) Malkiat Singh, Mukhtiar Singh, Sohan Singh s/o Ganga Singh, Baldev Singh, Gurmail Singh ss/o Naranjan Singh s/o Ganga Singh Harnek Singh s/o Ranjit Singh s/o Ganga Singh Mohinder Singh s/o Ganga Singh s/o Shiv Dial Chak Hussaina, Lama Pind, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S.No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

It is hereby notified that a date and place for healing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Lama Pind as mentioned in the Registered Deed No. 10108 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur,

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/AP-1345/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing door

No. 1/2 of Kothi No. 1260 Civil Lines 8 G.T. Road Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4226 of March, 1974, situated at Civil Lines Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Balwant Rai Nagpal, D-139 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sulakshna Aggarwal w/o Shri Charanjiv Lal 53 Daya Nand Nagar, Amritsar, Raj Pal and Jagdish Lal s/o Jai Ram 51 Kt. Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

(9) As at S.No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 of Kothi No. 1260 Civil Lines, 8 G.T. Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4226 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No.ASR/AP-1346/74-75.-Whereas, I D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4327 of March, 1974, situated at Shustri Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

(1) Raj Kumar s/o Chaman Lal Bhatia Lawrance Road (No. 13), Amritsar & Hira Lal s/o Chaman Lal, Gotam Nagar, Alka Puri.

(Transferor)

Sampuran Singh s/o Hardit Singh Br. Chowk Darbar Sahib. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 194, Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4327 of March, 1974 of the Registering Authority, Amritsar,

> D. S. GUPTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/Phg/AP-1347/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- und bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2219 of March, 1974, situated at Jamalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Coffice of in the office of the Registering Officer at

Phagwara in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: namely: -

(1) Shri Ganesha Singh s/o Gurdit Singh s/o Jawala Singh Vill. Chachrarl, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Hazara Ram s/o Diwan Chand s/o Ghandhu Ram, Bhanukee.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period (a) by any expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Jamalpur as mentioned in the Registered Deed No. 2219 of March, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1350/74-75,—Whereas, I D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 11002 of March, 1974, situated at Phagwara Gate, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in March 1974, for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

ment of transler with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

 Shri Akal Saran Singh s/o Amir Singh s/o Jit Singh r/o 9 I ajpat Rai Nagai, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram Sahni s/o Moti Ram Sahni r/o 217 I ajpat Rai Nagar, Jullundur, Harbans Lal Anand s/o Godar Shah Anand r/o 217 Lnjpat Rai Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested In the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Phagwara Gate, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 11002 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1351/74-75. Whereas, I, D. S. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10852 of March, 1974, situated at Industrial Area, Jullundur, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Sheela Wati w/o Mangal Singh r/o WB-7 Mohalla Khazoora, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Tara Singh s/o Jawahar Singh r/o NB 291 Lukshmi Pura, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It i, hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Industrial Area, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10852 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/PKT/AP-1352/74-75.—Whereas I, D. S. CUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 304 of

Property as mentioned in the Registered Deed No. 304 of March, 1974, situated at Pathankot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Delhi in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bawa Timber (P) Ltd, 8 Canal Road, Jammu. (Transferor)
- Shri B N. Makkar (r/o Makerian) s/o Shri A. N. Makkar.

Prop: Embassy Hotel, Dhangu Road, Pathankot,

(Tranşferee)

- (3) As at S.No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Prop.
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Pathankot (Site No. 16, Plot No. 4) as mentioned in the Registered Deed No. 304 of March, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amrilsar.

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1353/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 11025 of March, 1974, situated at Sodal Road, Juliundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registat Jullundur in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Ranbir Kumar Jandiala s/o Prithvi Raj r/o 270-R. Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Jagdish Raj, Janak Raj, Rajinder Parshad Sham Sunder and Satish Kumar ss/o Sansar Chand EC-119, Khingran Gate, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S.No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Opp: Building Shiv Chand Aggarwal on Sodal Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 11025 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

-Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/TT/AP-1354/74-75.--Whereas, I. D. S. GUPTA,

being the competent

authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mertioned in the Registered Deed No. 7086 of March 1974 situated at V. Jhabaal

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Taran Taran in March 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) S. Mota Singh s/o S. Atma Singh r/o Jhabaal.

(Transferor)

(2) S.Sardul Singh s/o S. Tara Singh S. Tara Singh s/o Lachhman Singh Smt. Gurdev Kaur w/o S. Kapoor Singh S. Mota Singh s/o S. Atma Singh S. Mola Singh S/O. Adha Singh Smt. Jaswant Kaur d/o S. Thakar Singh S. Balwinder Singh s/o Piara Singh c/o Dhillon Rice and General Mills, Jhabaal.

(Transferce)

- (3) As at S.No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- Any person interested in the property, [Person(3) whom the undersigned k interested in the property] knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(a).

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 7086 of March, 1974 of the Registering Authority, Tarn Taran.

> D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-9-1974

(2) Sachdeva Steel Rolling Mill, Jaitu.

(Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) As at S No 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Amritsar, the 28th September 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

No. ASR/Jaitu/AP_1348/74-75.—Whereas, I D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 947 of March, 1974, situated at Mukatsar Road,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described in the Schedule

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu in March 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Land at Mukatsar Road as mentioned in the Registered Deed No. 947 of March, 1974 of the Registering Authority, Jaitu

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

(1) Shri Mulkhi Ram s/o Balak Ram Jaitu.

Date: 28-9-1974

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 28th September 1974

No ASR/AP-1349/74-75—Whereas, I D S GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4198 of March 1974, situated at Putlighar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Nath s/o Sham Dass Chalia Kaurian, Amritsar

(Transferor)

(2) M/s Shaktı Printers, Putlighar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S No 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a p-riod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice it, given under the pieceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land in Putlighar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No 4198 of March, 1974 of the Registering Authority, Amritsar

D. S GUPTA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1974

152-Acq./23-234/20-1/74-75,---Whereas, I, P. N. No. MITTAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having reason to believe that the immovable property, a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and City Sur. No 121 Sheri/Street No. 47-Parcota Sheri, situated at Nani-Daman

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Daman-vide Deed of Conveyance (Deed of Sub, lease) made on 13-10-73 registered on 2-3-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the con-sideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1967 (27 of 1967).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Shri Hormasji Mancherji Vaid, Zarda Chowk, Vapi (Dist. Bulsar)

(Transferor)

(2) Shri Sukkarbhai Naranbhai Makia (Tander) Parcota Sheri, Nani Daman.

(Transferee)

Nil. (3)

(Person in occupation of the property)

(4) By virtue of 'Deed of Sub-lease' made on 13th October, 1973.

As per list attached. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACCOMPANIMENT TO THE NOTICE U/S 269D(1)-(COL.

157-Acq.-23-234/20-1/74-75.—Transferce 5hri Sukkarbhai Natanbhai Bakia (Taldel), Nani-Daman, by virtue of Deed of Sub-lease made on 13th October, 1973:

Quesrichande Motichande, Nani-Doman—Constituted Power of attorney for and on behalf of .-

The Original Lessons :-

(1) Mrs. Olge Mascaranhas, widow of Dr. Jarge Mascarenhas daughter of Eduardo Ferreira, residing at Panaji,

(2) Antonio Francisco Alfredo Mascarenhas, son of Dr. Albert de costa, Bangalore.

(3) Mrs. Maria Mighen de costa Mascarenhas, daughter of Dr. Albert de costa, Bangalore.

(4) Mr. Alvato Francisco Agnelo Mascarenhas, son of Dr. Jorge Mascarenhas, Bangalore.
 (5) Mrs. Aurea Silvarira Diniz Mascarenhas, physician,

daughter of Adelino Selvador DINIZ, residing at Panaji, Goa.

(6) Caotana Diogenes de Piedade Mascarenhas, Dentist, son of Caotano Polibio Mascarenhas, Panaji, Goa.

(7) Mis. Ivete Teresa Olinda María do Perpetuo Secorra da

(1) Mis. Ivete Teresa Olinda Maria do Perpetuo Secorra da Costa Pinto Mascarenhas, Panaji, Goa.
 (8) Miss Maria Zini—a Aurea da Cunha Mascarenhas, daughter of Joaquim Jose Mascarenhas, Mapuca, Goa, daughter of Joaquim Iose Mascarenhas Ribeiro, daughter of Joaquim Iose Mascarenhas, Mapuca, Goa,
 (10) Jose Olavo Riberiro, son of Florencio Mariano, residing at Mariaca, Goa

ing at Mapuca, Goa.

(11) Arnauto Francisco Ferreira Mascarenhas, residing at BISSAU, Africa.

(12) Mrs. Amrta Ferreira Mascarenhas, residing at BISSAU, Africa.

(13) Mrs. Maria Augusta Pareira-Guerreiro and her minor children—residing at Lisbon being the original lessors.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every whom notice is given under the proceeding shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being a two-storeyed building alongwith the lease-hold rights in Land admeasuring 1675 Sq. Yds. situated in Parcota Sheri, Nani-Daman—vide registration No 25 dated 2-3-1974, of the Registering Officer, Daman.

> P. N. MITTAL. Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Ahmedabad: 9-9-1974.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) ()F THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX ACQUISITION RANGE CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. FDH/C/153/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range, Chandigath,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot at Tarai Karabara situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Ludhiana in March, 1974.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Rai S/o Sh. Kulbhushan Rai S/o Shri Kulwant Rai Dhanda, & Shri Kulbhushan Rai Opnosite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Nehru Sidhant Kender Ludhiana through Shri Loginder Singh Grewal, Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141, Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720 727, 728, 729, 730, 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-9-1974.

Seal;

(1) Shri Kulbhushan Rai S/o Sh, Kulwant Rai Dhanda, opposite District, Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nehru Sidhant Kender, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTNT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 28th September 1974

Ret. No. LDH/C/154/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Chandigarh.

Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Taraf Kara Bara situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred,

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1974.

for an apparent consideration which

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer wih the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by one of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the bearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2144.

Khasta No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-9-1974.

7564

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVI-RNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/155/74-75,--Whereas, I, G, P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under

section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot at Kara Bara situated at Teh. Ludhiana

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

- the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Smt. B. Rai W/o Shri Kulbhushan Rai and Kulbhushan Rai S/o Sh. Kulwant Rai S/o Chaudhry Tulsi Ram Dhanda, Civil Lines, opposite District Courts, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Nehru Sidhant Kender, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal, Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to ing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 339 sq. yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44. 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2185, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141,

Khasra No. 712, 714, 715/1 715/2/1, 715, 717, 719, 720. 727, 728, 729, 730, 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

> G. P. SINGH, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

Date: 28-9-1974.

FORM NO. ITNS-----

(1) Shri Gurmukh Singh S/o Sh. Sunder Singh S/o Shri Attar Singh. R/o Partap Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Atam Valab Investment Private Limited, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 24th Stptember 1974

Ref. No. LDH/C/375/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plots No. 187 to 190 situated at Faraf Saidan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in Ma.ch, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And Whereas the leasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to revery person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots No. 187 to 190, at Taraf Saidan, Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGII.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date · 24-9-1974.

(1) Shri Gurmukh Singh S/o Sh Sunder Singh S/o Shri Attar Singh R/o Partap Nagar, Ludhiana.

(2) Atam Valub Investment Private Limited Ludhiana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE CHANDIGARIT

156 SECTOR 9-B

Chandigarh the 24th Stptember 1974

Ref No LDH/C/101/74-75—Whereas I, G P Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigath

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing Plots No 191, 192, 193, 194 and 195A situated at Tarat

Saidan, Ludhiana

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhana in March, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons withm a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other porson interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and rotice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots No. 191 192 193, 194 and 195A at Taraf Saidan Ichsil Ludhiana

G P SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date 24-9 1971

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONFR
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
PATNA

Patna, the 27th September 1974

Ref. No. III-85/Acq./74-75/984.--Whereas, I. J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 2.83 Acres with building etc. situated at Dalan, Katihar (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Calcutta on 19-3-1974,

for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transfer and the transfere has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Shri Daluram Agarwalla, 134/1 Mahatma Gandhi Road Room No. 38, Calcutta-700007.

(Transferor)

(2) Shri Vhajanlal Agarwalla. At/P.O.—Raiganj. West Dinajpur (W B).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Firstly all those piece or parcel of land containing an agregate area of 2.83 Acres = 8½ Bighas in Mouza Dalan, P.O. and P.S. Katihar in the District of Purnea together with all buildings and another structures erected thereon. Secondly all the beneficial interest in the business of "Shri Hanuman Industries" together with the stock-in-frade, book and other debts benefits of contract and the goodwills as stated in the Deed No. 1-1543 dated 19-3-1974.

J. NATH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
Patna.

Date : 27-9-1974

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PATNA

Patna, the 26th September 1974

Ref. No. III-87/Acq./74-75/983.—Whereas, I. J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax. Acquisition Range Patna. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.S. No. 192. M.H. No. 2027. Plot No. 1242 and 1243 situated at Morabadi. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 15-3-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranjit Kumar Mullick At No. 8-A, Sir Hatiram Go nka etrect, Calcutta. (Transferor)
- (2) L. S/Shii Mangal Singh.
 - 2. Sitaram Singh,
 - 3. Sudama Singh,
 - 4. M. K. Singh. At Hesal, Ranchi, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 3 Bighas 9 Kathas 9 chattaks together with an old building at Motabadi Town Ranchi bearing P.S. No. 192, M. H. No. 2027 W. No. VIIA, Plot No. 1242 and 1243

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Patna.

Date: 26-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 27th September 1974

Ref. No. Acq.23-1-328(91)/1-1/74-75.—Whereas, KATHURIA.

being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 80 Sub-Plot No. 7-8,F.P No. 180, T.P.S. No. 20 situated at Kochrab Ahmedabad

20 situated at Kochrab, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ahmedabad on 28-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arlsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhanumatiben Bhailal Chokshi, Temlani Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (2) Shri Madhukar Prabhudas, 5, New Commercial Housing Society, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

An immovable property admeasuring 728-50 sq. yards bearing Survey No. 80, Final Plot No. 180, Sub-Plot No. 7-B, T.P.S. No. 20 and situated at Kochrab, Ahmedabad.

> J. KATHURIA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 27-9-1974

Seal ·

50-376GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

4-A/14, ASAF ALI ROAD. 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 26th September 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/Mar.II/787(60)/74-75/2924. Whereas, I, C. V GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23(1/2 share) si uated at Raja Garden. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfor; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Babu Nand Kishore. s/o L. Lal Chand, R/o B-3/16, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

- (2) Smt. Shakuntala Rani alias Asha Rani w/o Shri Madan Lal. r/o B-4/638, Weit Ganj, Ludhiana (Punjab).
 (Pransferee)
- (3) 1. Shri V. K. Sahney. (1st floor)
 - 2. Smt. Amar Kaur Sachdeva (1st floor)
 - 3. S. Joginder Singh (Ground floor)
 - 4. Shri S. K. Kaushal (Ground floor)
 - S. Harmohinder Singh (Ground floor).
 (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a proiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided house built on Plot No. 23 measuring 272 sq. yards situated in the colony known as Ashoka Colony now Raja Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and is bounded as under ·

North: House No. 62

South: Road East: Plot No. 24 West: Plot No. 22.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date: 26-9-74.

Seal .

(1) Paragji Durlabhbhai Nayak Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Navinchandra Dharamchand Chauhan Navsari. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigsed.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 23rd, September 1974

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. PR-157/Acq.23-247/7-4/73-74.—Whereas, I, P. N. MIIIAL,

> It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property of the property.

being the competent authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Sur, No. 12/1 Paiki—Muni. Wa.d No. 3—H. No. 713-E, situated at Zaveri Sadak, Navsari—Dist Bulsar,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Navsari on 13-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with

> defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

An immovable property being land and building known as "Aranav" bearing Sur. No. 12/1 Paikl in Muni. Ward No. 3, House No. 713-E situated at Zaveri Sadak, Navsari, Dist. Bu sar. Land admeasuring 4156 Sq. ft. With construction on 1357 Sq. ft. of area—as mentioned in the registered deed No. 540 of March 1974 of the Registering Officer, Navsari.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

P. N. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Date: 23-9-1974.

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/157/74-75,-Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

kange, Chandigarn, being the competent authority under section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Kara Bara situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as 'agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Smt. Laija Rai W/o Sh. Brij Bhushan Rai S/o Shri Kulwant Rai Dhanda, Civil Lines, opposite District Courts, Ludhiana.

(Transfero-

(2) Nehru Sidhant Kender, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal, Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 405½ sq.yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44. 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141,

Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729 730, 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th September 1974

Ref. No. LDH/C/156/74-75,--Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Chandigarh.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot at Taraf Kara Bara situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Ludhiana in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Brij Bhushan Rai S/o Shri Kulwant Rai Dhanda, Civil Lines opposite District Courts, Ludhiana through Shri Ram Saran Beri S/o Lala Kheru Ram R/o E 14/1, Basant Vihar New Delhi. (2) Nehru Sidhant Kender, Ludhiana through Shri Joginder Singh Grewal Rattan Building opposite District Courts, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of 405½ sq.yds. out of Khewat Khatauni No. 29/44, 558/644, 1870/2017 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141.

Khasra No. 712, 714, 715/1 715/2/1, 715, 717, 919, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725 as per jamabandi 1970/71 situated at Taraf Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date · 28-9-1974.

Scal.

(Transferor)

FORM I.T.N.S.---

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1356/74-75.—Whereas, I, D. S.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 10366 of March 1974 situated at Mota Singh Nager, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registraunon Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in March 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the rensons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- Shri Rameshwar Singh s/o Dr. Capt. Karam Singh,
 Model Town, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Tara Singh s/o Kishan Singh r/o Birhan Teh. Garh Shanker through Sub. Major Jagat Singh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 757 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10366 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Renge, Amritsar

Date: 28-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANCE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th September 1974

No. PR.161/Acq./23-250/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No 532, Plot No. 76 and part of 72 plot, situated at Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda

tand more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Borada on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:....

(1) Shri Satishbhai Manubhai Desai, 91, Kunj Society, Alkapuri, Boroda.

(Transferor)

- (2) Shri Aaratlal Keshavlal Modi, 404-13, Fertilisenapar,
- 1. Shri Prabhaker Jamnashanker Pandya.
- 2. Smt. Indiraben Rameshbhai Patel.
- 3. Smt. Jyotsnaben Jayantkumar Patel.
- 4. Shri Mohit Mukundral Patwari.
- 5. Shri Mallesh Pundrik Pandya.
- 6. Smt. Bhanuben Jayantijal Patel.
- 7. Smt. Sejal Padmakant Parikh,
- 8. Shri Bharatsinh Lalsinh Solanki.
- 9. Smt. Kamlaben Manubhai Desal.
- 10. Shri Rashmikant Parmananddas Shah. 11. Shri Shirishbai Manlbai Desai.
- 12. Shri Dharmendra Bhagwandas Patel.
- 13. Smt. Ushaben Praphulbhai Amin.
- 14. Shri Kevalkrishna Gurucharan Tuli,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 532 plot No. 76 and part of plot No. 72 admeasuring 952 Sq. meters situated in Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed registered under Registration No. 1364 on 30-3-1974 by the Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date . 30-9-1974.

Scal:

(1) Smt. Raj Rani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mangal Sen Chandel.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 28-M/Acq.—Whereas, I. K. N. MISRA, I.A.C.. Acquisition Range, Lucknow,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Moballa Sagar. Sarai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Moradabad on 29-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double Storeyed House measuring 92 sq. yards situated at Mohalla Sagar Sarai in Distt. Moradabad

K. N. MISRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dato: 10-10-74,

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-III/Mar,-I/1699/74-75/2539,---Whereas, I, D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-51 situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-3-74.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely .---

57-376GI 74

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40F, Connaught Place. New Delhi (Transferor)
- (2) (1) Sohan Singh Giant S/o Shri Krishan Singh Giant (2) Smt. Jagdish, Giani R/o A-1/128, Dava Nand Colony Lajpat Nagar, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX \ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and Parcel of Land being Plot No. M-51 measuring 262 Sq. Yds in the residential colony known as Greater Kallash-II situated at village Baharput in the Union Territory of Delhi & bounded as under .

East: Road North: Plot No M/49 West: S Lane South: S Lane

D. B. LAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner, Income-Tax Acquisition Range-f Delhi/New Delhi

Date: 7th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, 4/14A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BLDG ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ.I/\R-llI/Mar-J/1712/74-75/2539.—Whereas, I. D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 45 situated at Block No M Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at registering officer at Delhi on 15-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/* D.L.F. United Ltd., 40F. Connaught Place New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Satya Gopal Duggel s/o Lat. Shu Dewan Madan Goral Duggal and (2) Sint Raj Duggal w/o Shri Satva Gopal Duggal, R/o D-346, Defence Colony. New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 45, in Block No 'M' measuring 250 sq. yds situated in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi and bounded as under -

Fast: Road West: S Lane

North : Plot No South Plot No M-43 M-47

> D B LAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi/Now Delhi

Date: 7th September, 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR. NEW DELHI

New Delhi, the 26th September 1974

No. IAC/Acq.II/SR.I/Mar.II(61)/788/74-75/2924,---Where-V. GUPTE, as I, C.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23(1/2 share) situated at Raja Garden, New Delhi (and more fully describ-

ed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-3-1974.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

- 1. (1) Shri Babu Nand Kishoro, 8/0 L. Lal Chand
 - (2) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Tarlok Chand (Transferor)

R/o B-3/16, Rajouri Garden, New Delhi.

- 2.(1) Smt. Shakuntala Rani alias Asha Rani w/o Shri Madan Lal.
 - (2) Smt. Asha Rani, w/o Shri Bharat Bhusan, now residing at 23, Raja Garden, New Delhi.

(Transferce)

- (3) 1. Shri V. K. Sahney, (1st floor)

 - 2. Smt. Amar Kaur Sachdeva (1st floor) 3. Shri S. K. Kaushal (Ground floor)
 - 4. S. Joginder Singh (Ground floor)
 - 5. S. Harmohinder Singh (Ground floor). (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One half undivided house built on Plot No. 23 measuring 272 sq. yards situated in the colony known as Ashoka Colony now Raja Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and is bounded as under:

North: House No. 62

South: Road East: Plot No. 24 West: Plot No. 22.

C. V. GUPTE.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Delhi/New Delhi

Date: 26th September 1974.

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I, 4/14A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BLDG. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref No IAC/ACQ I/SR-III/Mat-II/1727/74-75/2539.— Whereas, I. D. B. Lal,

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W:89 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

tand more fully des_ cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-3-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) M/s DIF, United Ltd., 40F, Connaight Place New Delhi (Transferor) (2) (1) Shri Ashok Paul S/o Dr D. Paul (2) Miss Mala Paul D/o Dr D. Paul (3) Dr. D. Paul S/o Shri Nanak Chand R/o DE-105. Tagore Garden, New Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of Land being No. 89 in Block No. W admeasuring 1000 sq. yds. situated in residential colony known as Greater Kailash-IL New Delhi and is bounded as under —

East: Road
West: S. Lane
South: Others Land
North: Plot No W/89A

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 7th September, 1974

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref No IAC/ACQI/1737/74-75/2539,---Whereis I DB Lul being the competent

authority under section 269B of the Income tax Act, 1961, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No 7, Hanuman Road situa ed at New Delhi

(and more fully described in the

Rs 25,000/- and bearing

Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25 8-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the frability of the transferor to pay tax under the Income-tax Net 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter $XX\Lambda$ of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atores and property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the Income (1) Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely

- (1) Shri Krishan Swarup S/o Late Sh. Braham Swarup (2) Smt. Sham Dulari W/o Late Shri Brahm Swarup Acting through her son & Genl. Attorney Shri Krishan Swarup, Residents of Mohalla Ded Raj Jind, Haryana.

 (Transferor)
- (2) Shri Ganesh Lal Rathi S/o Late Shri Ganga Das Rathi Resident of R-59. Greater Kailash, New Delhi-48 (Transferce)
- (3) (1) Dr. P D Dhameja, (2) Mrs Dhiraj Khanna, (3) Sh Ishwar Dass Malik, (4) Shri Ram Sarup all r/o 7, Hanuman Road, New Delhi [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

1 XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed Kothi situated at 7 Haniman Road measuring 8985 90 square feet with an out house, a garage and an extensive compound bounded as follows:—

East Lane

North: Kothi No 9 South Kothi No 5

West . Hanuman Road.

D. B LAL Competent Au hority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I

Delhi/New Delhi

Date 7th September, 1974

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I. 4/14A (3RD FLOOR) SAHIB SINGH BLDG, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. 1AC/ACQ.1/SR-III/Mar,-II/1740/74-75/2539.—Whereas, J. D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-76 situated at Greater Kailash-II. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on 26-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40F, Connaught Place New Delhi, (Transferor.) (2) Shri Hans Raj Taneja, 8/o Late Sh. Bhoja Rasa Taneja, 928, Kucha Kabul Attar, Chandani Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot No. 76 in Block No. S measuring 409 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kallash-II, New Delhi & bounded as under ·—

North: Road

South: Plot No. S-78 Fast: Service Lane West: Road

> D. B. I AL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II,

> > Delhi/New Delhi

Date . 7th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE 1.

CENTRAL REVENUES BUILDINGS 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref No IAC/ACQ I/SR-III/Mar-II/1747/74 75/2539 — Whereas, I, D B, Jal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 10 Todar Mal Road, situated at New Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on 27-3-1974.

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Smt Thakur Devi W/o Late Prof Ram Dev R/o 1-49 Jangpura Extension New Delhi (2) Sh Suresh Kumar Chawdhry S/o 1 ite Prof Ram Dev R/o 114, Nebhana, Pali Hill Road, Bandra Bombay-50 through 56 Surendra Kumar General Attorney. (3) Sh Surendra Kumar Chowdhia S/o Late Prof. Ram Dev R/o 1-49, Jangpura Extension, New Delhi (Transfero)

- (2) Smt Madhu Rani W/o Shri Natesh Parshad Singhal R/o CIT Road, Calcutta now 10 Todar Mal Road New Delhi (Transferee)
- (3) Smt Swarna Chandra D/o Late Prof. Ram Dev. R/o 10, Todar Mal Road alleged to be in occupation of a portion in the house as per Sale Deed [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevel period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All property being leasehold rights in the residential Plot No. 10. Todar Mal Road, behind Modern School, New Delhi bounded as under:—

North · Service Road South · Main Road

Fast: Plot No 74 (12 Todar-Mal Road)

West · Service Road.

D. B. LAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 7th September, 1974 Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1974

Ref .No. IAC/Acq.II/SRI/SRI/784/74-75/2601.—Whereas I, C. V. GUPTE,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. H/87 situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on 30-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of nability of the transferer to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Urmila Jain w/o Shri R. K. Jain R/o 23/5, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Jain, w/o Shri Ravi Kumar Jain, R/o 93-E. Kamla Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 200 sq. yards (30' × 60') at Plot No. H-87, Kirti Nagar, New Delhi area of village Baseai Darapur, Delhi and bounded as under :—

North: House No. H/88

East · Road

South: House No. H/86

West: S. Lane

C. V. GUPTE.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Delhi/New Delhi,

Date · 10th September 1974.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 5th August 1974

No. A-49/TSK/74-75/1406-12.—Whereas, I, N. Pachuau, being the Competent Authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 2018(Old). P.P. No. 114, situated at Tinsukhia Town, Ward No. 11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

Tinsukhia on 30-3-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—52—376GI/74

 M/s. Tinsukia Development Corporation Ltd., Tinsukia.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarayanan Khaitan, Tinsukhia.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property]. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11750 Sft. on the back side of State Transport Office of Tinsukia Town. It is bounded on all the four sides by Dag No. 2018.

N. PACHUAU,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 5-8-1974.

(2) Smt. Prakash Jain, w/o Shri Ravi Kumar Jain, R/o 93-E, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi the 10th September 1974

Ref. No IAC/Acq.[1/785/74-75/2601.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H/87 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 30-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and for fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

(1) Smt. Urmil Jain, w/o Shri R. K. Jain 1/0 23/5, Kala Bhawan, Shakti Nagar, Delhi-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the obiections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 200 sq. yds. (30 $^{\circ}$ \times 60 $^{\circ}$) at Plot No. H-87 situated in an approved colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi and

bounded as under :--North: House No. H/88 South: House No. H/86

East Road West: S. Lane

> C. V. GUPTE. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 10th September 1974

Seal ·

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th August 1974

Ref. No. F. Acq/82/Agra/73-74/1551,—Whereas, I. Y. Khokhar.

being the competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/15 situated at North Vijay Nagar Colony, Agra situated at Dilkusha Market, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Agra on 14-3-74

for an apparent cossideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Har Devi W/O Ram Lal Dang, 372, Ratanpura, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W/O Sri Lal Bansal 27/15, North Vijay Nagar Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 27/15, situated at North Vijay Nagar Colony, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 51,000/-.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting-Assistant Commissioner of
Incometux, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 26-8-74.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 4th July 1974

No. 95A/Acq/KNP/73-74/1073,—Whereas, I, Y. KHO-KHAR,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

76/157, situated at Badhshahi Naka, Bazar,

* Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 25-4-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the atoresaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

I. Sii Vishamber Nath Shukla;
 Sri Jai Karan Nath Shukla;
 Ss/o Sri Vishwa Nath Shukla
 R/o 27/142, Harbans Mohal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Lala Phool Chand S/o L. Panna Lal Jain, 76/128, Coolie Bazar, Kanpur.

(Transferce)

- (3) 1. M/s. Panchoo Gopal & Sons;
 - 4. M/s. Suresh Iron Industries;
 - 3. M/s. Kailash Nath Kashi Nath;
 - 4. Mohan Lal Ashok Kumar;
 - 5. M/s. Baij Nath Amar Nath;
 - 6. M/s. Vishwanath Gupta & Sons;
 - 7. M/s. Behari Lal & Jai Ram Dass;
 - 8. Th. Shiv Kumar Singh;
 - 9. M/s. Kalika Pd. Uma Raman;
 - 10. Sri Sarju Pd, C/o Navjiwan Land Karyalaya;
 - 11. M/s. Khandelwal Bros. (P) Ltd;
 - 12. Bhoop Narain Tripathi;
 - 13. Kedar Nath Dixit;
 - 14. Brij Bhusan Singh;
 - 15. M/s. Nav Nirman Land Karyalaya;
 - 16. Sri Mukut Behari S/o Sri Gajadhar Pd.

All C/o 76/157, Badshahi Naka, Coolie Bazar, Kanpur.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have at right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ undivided share in House property No. 76/157, in a total area approximately 210 sq. yds. situated at Badshabi Naka, Coolie Bazar, Kanpur transferred for 35.000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Kanpur,

Date: 4-7-1974.

FORM I.T.N.S.-

(2) Smt. Shanti Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th July 1974

No. 32-S/Acq.—Whereas, I, K. N. MISRA, Inpecting Assistant Commissioner Acquisition being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CK-23/28, situated at Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 4-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Satdal Basni Devi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house description of which is given below is situated at Mohalla Galli—Chadu Hazam (Now known as Rani Kuan, Kuncha Pran Nath), in Varanasi Distt.

- 1. Main Building area 1858 Sq ft.
- 2. Platform covered by Plinth 54.59 Sq. ft.
- 3. Projection by platform, footpath 148.5 Sq. ft.

K. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Dated: 11-7-1974.

(Scal):

(2) Shri Anandilal Bazari, Tinsukia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 5th August 1974

No. A-48/TSK/74-75/1418-22.—Whereas, I, N. Pachuau, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 2018(Old), P.P. No. 114(Old) situated at Ward No. 11, Tinsukia Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukhia on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ffacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incofe-tax Ait, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s. Tinsukia Development Corporation Ltd., Tinsukia.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10852 Sft. on the back side of State Transport Office of Tinsukia Town. It is bounded on all the four sides by land covered by Dag No. 2018.

N. PACHUAU,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 5-8-1974.

(Seal) :

(2) 1. Shri S. I. Habeebullah, 2 Shri S. I. Sathukkathullah & 3. Shri, S. I. Rahamathullah residing at Sheik Saw Mills, Kandal, Ooty. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th August 1974

Ref. No. F. 2155/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 & 1A situated at Ward No. 16, Oolacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ootacamund on 11-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transteree(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Mrs Shanta Rameshwar Rao, W/o Raja Sri J. Rameshwar Rao, 3-5-820 Hyderguda Hyderabad. (Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 1.02 acres and bearing R.S. No. 2733/2 situated at Ward No. XVI, Door Nos. 1 & 1A, ("Lourdes Ville"), Ootacamund.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-2,
Madras-6

Date - 27-8-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th September 1974

Ref. No. Acq. 23-I-144(90)/16-6/73-74.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the competent authority under section 269B of the Income-Fax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000.'- and bearing

Survey No. 345 and 346 situated at Near Nutan Saurashtra Press Sedar, Rajkot

(and more fully described in the sche-

dule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 15-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sadarangmal Gurumukhdas Motwani, Near Nutan Saurashtra Press, Sadar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Zubedabhai Nazarali Patel, "Colombo House", Near Jansatta Press, Rajkot,

(Transferre)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 307-1½ sq. yds., bearing Survey No. 345 and 346 situated near Saurashtra Press, Sadar, Rajkot and bounded as under:

East: Other building.

West: Nutan Saurashtra Press.

North · Nala.

South : Nutan Saurashtra Press Road.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 13-9-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380009, the 13th September 1974

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ref. No. Acq. 23-I-153 (89)/11-4/73-74.--Whereas I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 5313 and 5314 situated at Northern side of Railway Station

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regitering Officer at

Porbander in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(a) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trassferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) 1. Shri Vrajlal Kanji Datani, 53-376GI/74

- 2. Girjashanker Muljibhai Thanki, Partners of M/s. Datani Industries, C/o. M/s. P. Datani, M. G. Road, (Transferor) Porbandar.
- (2) 1. Shri Gordhandas Vallabhdas,
 - 2. Shri Chhotalal Vallabhdas,
 - 3. Manubhai Vallabhdas, Limbda Chowk, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure admeasuring 5408-7-0 Sq. Yds, bearing City Survey No. 5313 and 5314, situated at northern side of Railway Station, Porbandar and bounded as under:
East: Transferor's property.
West: Quarters of Maharana Mills.
North: Quarters of Maharani Mills.
South: Railway Line.

J. KATHURIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 13-9-1974

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 18th September 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/786/74-75/.—Whereas, I. C. V.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2/14 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narain Dass 9/o Shri Uttam Chand 5/2, Singh Sabha Road, Subzi Mandi Delhi. (Transferer)
- (2) Shri Ram Lal. s/o Shri Lakhsmi Chand, 569, Gandhi Market, Chandni Chowk Delhi. (Transferee)
- (3) 1. Shri Prehlad Kumar Sawhney, 's/o Shri Ram Lal Sawhney,
 - 2. Shii Gulshan Kumar Sawhney, 9/0 Shri Ram Lal Sawhney.

3. Shri Rajinder Kumar Sawhney, 4/o Shri Ram Lal Sawhney,

All residents of A-2/6, Model Town, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every per on to whom notice? given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 450 sq. yds, at No. A 2/14 situated at the Colony known as Model Town area of Village Malikpur Chhaoni, Delhi and bounded as under North: Building on Plot No. A-2/14A

South Building on Plot No. A-2/13 West : Road

East: Lane

C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-JI, New Delhi.

Date · 18th September, 1974 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

No. BGR/(DL1)31/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section

269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14, Industrial Colony DLF, Industrial Estate No. II, situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer

Delhi in March, 1974,

for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for mitiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269(D) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Ita Lal, s/o Shri Gopi Ram, Resident of 11, 12 and 13-Shanti Niwas, Janpath Lanc, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Vasdev Arora, s/o Shii Karam Chand Arora. Resident of F-31, Kirti Nagar, New Delhi. (Transfesse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot (measuring 2329 sq. yards) No. 14, situated in Industrial Colony, D.L.F. Industrial Estate No. II, Stone No. 13/5, Delhi Mathura Road, Faridabad, District Gurgaon (Haryana).

G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 2-9-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-III/Mar-II/1742/74-75/2539.—Whereas, I D. B. Lal,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-96A situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid properly in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor) (2) M/s Runwell India Pvt. Ltd. Pataudi House. Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. E 96A & measuring 317 sq. yds. situated in residential colony known as Greater Kallash-II, New Delhi situated in the Union Territory of Delhi and bounded as under :--

North: Plot No. E-98 South: Plot No. E-96

East: Road

West: Service Lane

D. B. LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Fax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 7th September, 1974.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. 1AC/ACQ,I/SR-III/Mar-II/1741/74-75/2539.—Whereas I D. B. Lal,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No W-42 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 26-3-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the, transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40E. Company Place New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Nagar Mall Nath Mall Radhey Shyam and Om Parkash Kejriwal S/o Shri Bril Lal Kejriwal No. 13, IV Lajpat Nagar, Ring Road, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of Land being Plot No. 42 Block No. W admeasuring 1642 Sq. Yds in the residential colony known as Greater Kailash II situated at Village Bahappu in the Union Territory of Delhi and bounded as under .—

East: Service Lane North: Road West: Road

South: Plot No. W/44

D. B. LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 7th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1974

Ref. No. Acq. 23-I-148/16-6/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 8-Kashi Vishwanath Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 1-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maganlal Bhaichand Doshi, "Rasık Villa" Opposite Girnar Cınema, Rajkot. (Transferor)
- (2) (1) S/Shri Dhirajlal Bachulal Doshi, (2) Khantilal Bachulal Doshi, (3) Ashwinkumar Bachulal Doshi, (4) Ashokkumar Bachulal Doshi, (5) Chandrakant Bachulal Doshi, C/o Kiran Trading Co., Ram Mandir Road, Yeotmal, Maharashtra.

(Transferee)

(3) Industries Superintendent, Rajkot (Person in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 312-6-72 sq. yds. situated at 8-Kishi Vishwanath Road Rajkot and bounded as under:—

Fast: Road

West: Building of Shri Dolakrai Hiralal Anjaria North Bilding of Smt. Saryuben Khantilal Doshi

South: Road.

I. KATHURIA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 3-9-1974.

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- - - - -

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th July 1974

No F 95/Acq/KNP/73-74/1074—Whereas, I, Y. KHO-KHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/r and bearing

No. 76 157 situated at Bodshahi Naka, Coolie Bazar, Kanpur (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Kanpur on 30-4-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid projecty and J nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Vishamber Nath Shukla & Jai Karan Nath Shukla 's/o Sri Vishwa Nath Shukla, 62/143. Hatbans Mohal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Phool Chand S o L. Panna I al Jain, 76/178, Coolie Bazar, Kaupur.

(Transferee)

- (3) L. M/s. Panchoo Gopal Kaimokar & Sons;
 - 2. M s. Suresh Iron Industries;
 - 3.. M/9 Kailash Nath Kashi Nath;
 - 4. M/s. Mohan I al Ashok Kumar;
 - 5. M/s. Baij Nath Amar Nath;
 - 6. M/s. Vishwanath Gupta & Sons;
 - 7. M/s. Behari Lal Jai Ram Das;
 - 8. Th. Shiv Kumar Singh;
 - 9. M/s. Kalika Prasad Uma Raman;
 - 10. Sri Sarju Prasad C/o Navjiwan Land Karyalaya;
 - 11. M/s. Khandelwal Bros. (P) Itd;
 - 12. Bhoop Narain Tripathi;
 - 13. Kedar Nath Dixit;
 - 14. Brij Bhushan Singh;
 - 15. M/s. Nav Nirman Land Karyalaya;
 - 16. Sri Mukut Behari S/o Sri Gajudhar Prasad;

All C/o 76/157, Badshahi Naka, Coolie Bazar,

Kanpur.

[Person(.) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ undivided share in House property No. 76/157, in a total area approximately 210 sq. yds situated at Badshahi Naka, Coolie Bazar, Kanpur transferred for Rs. 35,000/-.

Y. KHOKHAR.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Kanpur.

Date: 4_7-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpul the 27th August 1974

Ref No F Acq/81/Agra/73-74/1552 — Whereas, I Y. Khokhar.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 14/293 situated at Mandi Said Khan, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration

Agra on 18-3-74

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely.—

(1) Shri Ishwar Prasad M Thakar alias Bhai Lal M Thakar S/O Sri Mohan Lal Thakar, R/O Mandi Said Khan Agra (Transferor)

o 01 100

(2) Su Jawahai Lal Jain, Sri Sikandar Lal Jain, Sri Surendra Pal Jain, Su Devendra Rumar Jain Ss/O Sri Kapoor Chand Jain R/O Jain Goshala, Belangani, Agra

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of-publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One house and land appurtenant measuring about 1064 Yards bearing old No 251/307, and new number 14/293, situated at Mandi Said Khan Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Kanpur

Date: 27-8-74

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAFALI ROAD, 3rd FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th September 1974

No. IAC/Acq.II/SRI/777/74_75/2488.--Whereas, I. C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under

section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of Plot No. 14/75 situated at Punjabi Bagh, New Delhi-26, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 14/6/1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-54-376 GI/74

- (1) Shri Subhash Chander Aggarwal s/o Shri Madan Lal Aggarwal.
- (2) Shri Narinder Kumar Goel S/o Shri Madan Lal Aggarwal, R/o 26/64, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh Chadha, S/o S. Sunder Singh Chadha, 7/15, Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in written to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapte, XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A half peice of free hold plot of land bearing Plot No. 14, measuring 544.45 sq. yds. on Road No. 75, Punjabi Bagh, New Delhi area of Village Basai Dara Pur, Delhi state bounded as under :-

North: Plot No. 14-B; South: Plot No. 16; East: Service Lane: West: Road No. 75.

> C. V. GUPTE. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4th September, 1974.

Seal.

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. AC/Acq.II/SR.III/Mar.II/1765_12539/74-75.-

Whereas, I, D. B. LAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-389A situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Delhi on 30-3-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfree(s) has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi.
- (Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh, s/o Shri Nagiya Singh. R/o 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from said from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that date and place hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 389-A in Block E measuring 255 sq. vards situated in residential colony known as Greater Kailash-Il, New Delhi and bounded as under :-

East: Service Lane

North · Plot No. E-391

West: Road

South: Plot No. E-389

D. B. LAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 7th September 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFALI ROAD, 3rd FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th September 1974

No. IAC/Acq.II/SRII/778/74-75/2488,—Whereas, I, C. V. GUPTE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 2/3rd of Plot No. 7/61, situated at Punjabi Babh, New

Delhi .

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30/3/1974, for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Dwarka Nath Sethi,
 - Shi Joginder Pal Sethi,
 Ss/o Shri Amar Nath Stthi,
 R/o House No. 6478, Qasab Pura, Idgah Road,
 New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Yash Pal Sethi S/o Shri Amar Nath Sethi, R/o A/13, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd share of Plot No. 7 Road No. 61, Class 'C' measuring 547.22 sq. yds, in Punjabi Bagh, Delhi area of Village Madipur, Mile No. 5, Rohtak Road, and bounded as under:—

East: Road No. 61; West: Service Lane

North: Plot No. 5 South: Plot No. 9,

C. V. GUFTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi, New Delhi.

Date: 4th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th September 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/74-75/779/2488.—Whereas, I. C. V. Gupte,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of

1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half of 15-B situated at Bhagwan Dass Nagar, Punjabi Bagh Delhi-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Trilok Nath Aggarwal s/o Shri Ram Dass Aggarwal, r/o 18, Ashoka Park Extension, Rohtak Road, New Delhi-35. (Transferor) (2) Shri Gangadhar s/o Manohar r/o 4012, Naya Bizar, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share (i.e. 298½ sq. yds.) in plot No. 15-B Bhagwan Dass Nagar, Delhi-34 measuring 597 sq. yds situated in the area of Mauja Sakurpur and bounded as under:—

East · Plot No. 16-B West : Property No. 14-B North : Service Lane

South: Other half of Plot No. 15-B.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 4th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE IN-COME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, UHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

No. CHD/77/74-75.—Whereas, 1 G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the Competent Authority under Section 269B of the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 39, Street 'C', Sector 21-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annoxed hareto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

 Shri Manohar Lal Mittal s/o Shri Shiv Karan Dass, Malgodam Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) (i) Smt Raj Kaur, w/o
Shri Ascharaj Singh,
(ii) Shri Preet Mohinder Singh, s/o
Shri Ascharaj Singh,
Residents of 2081, Sector 21-C, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a Jate and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Old) Plot No. 39, Street 'C'. Sector 21-C, Chandigarh. (New) Plot No. 2085, Street 'C'. Sector 21-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 2-9-1974

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 4-A/14A ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/783/74-75/2601.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.H /87, situated at Kirti Nagar, New Delhi,

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 24-5-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been trufy stated to the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putpose; of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Prakash Jain, w/o Shri Ravi Kumar Jain, R/o E-93, Kamla Nagar Delhi-7.

(Transferor)

 Shri Rajinder Kumar. s/o Shri Lal Chand, r/o 8/41, Ramesh Nagar, New Delhi. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 200 sq. yds. (30' × 60') at Plot No. H-87 situated in an approved colony known as Kirti Nagar, New Delhl area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: H. No. H/88

East: Road

South: H. No. H/86

West: S. Lane

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 10th September 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-J'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

SHILLONG

Shillong, the 3rd September 1974

Ref. No. A-69/Gau./74-75/2217-27.—Whereas, J. N. Pachuau

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 2018, K.P. Patta No. 332 situated at Fency Bazar, Gauhati

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 23-3-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such rtansfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely::—

(1) Shri Ashok Goenka. Fancy Bazar, Gauhati C/O M/s Flutos, Fancy Bazar, Gauhati. (Transferor)

- (2) Shri Shyam Sundar Goenka, Fancy Bazar, Gauhati C/o M/s Liberty Cloth Stores, Fancy Bazar, Gauhati. (Transferce)
- (3) 1. M/s. Roy & Co., Fancy Bazar, Gauhati. 2. M/s Gauhati Hardware Stores, Fancy Bazar, Gauhati. 3. Shri Ramani Mohan Paul, Prop. M/s R&M Paul. Fancy Bazar Gauhati. 4. M/s Somani Biothers, Fancy Bazar Gauhati. (Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) katta covered by Dag No. 2018, K.P. Patta No. 332, situated at Fancy Bazar, Gauhati, District Kamrup, Assam,

N. PACHUAU

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax (C.A.) Acquisition Range.
Shillong

Date: 3-9-74

FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/April.I/74-75/781/2488.—Whereas, I. C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 518/1 situated at Village Sahibabad Daulatpur, Bawana Road, Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 24-4-1974, for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transfere has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Shadi Lal Gulati, s/o Shri Chet Ram r/o 6932 Bagh Beriwala Pul Bangash, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Madan Gopal Gulati, 8/0 Shri Nand Lal Gulati, R/0 6257, Pacci Gali, Baya Hindu Rao, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 highas & 17 biswas bearing Khasra No. 518/1, situated in the avera of Village Sahibabad Daulatpur on Bawana Road, Delhi.

C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Runge II, Delhi/New Delhi

Date: 4th September, 1974.

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 18th July 1974

No. F. Acq./113/KNP/74-75/1196.—Whereas I. Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9, situated at Block K-Sisamau Nala Scheme XXVII, situated at Khalasi Line, Kanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

55-376 GI/74

 Shri Satya Narain Singh S/o Sri Sukhlal Singh, R/o Murarpur, P.O. Bijli, Teh. Bindki, Distt Fatchpur.

(Transferee)

(2) Shri Madhuram S/o Sri Jethanand, R/o 88/134, Prem Nagar, Kanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 area 467 Sq. Yds. Block K. Sisaman Nala Scheme XXVII, situated at Khalasi Line Kanpur which is a leasehold plot.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,

Kanpur.

Date: 18-7-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE.

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 16th September 1974

Ref. No. CHD/DLI)/29/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40. Sector 7-C. situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbans Singh Tuli, 10F/11. Vasant Vihar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh, H. No. 56 Sector 9-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40 Sector 7-C, Chandigath,

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax. Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 16-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

Ref. No. PTA/45/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Patiala in March 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lej Kaur, Wd/o Shii Pritam Singh Shergill, General Chanda Singh Road, Patiala. (Transferor)

(2) M/s Sunder Enterprises, Patiala, through Shri Dewinder Singh, s/o Shri Diwan Singh, Bhupindera Road, Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION S-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 881 sq. yards at Patiala. Khasra No. 93. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 5474 of March, 1974 of the Registering Authority, Patiala).

South:—Plot of transferee Smt. Laj Kaur.

North:—Lower Mall.

East :--Kacha lane as an approach to transferor's property.

West :- Property of S. Bharpinder Singh.

G. P. SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 2-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

Ref. No. PTA/44/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under section 269B of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Patiala in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Laj Kaur, wd/o Shri Pritam Singh Shergill, General Chanda Singh Road, Patiala, (Transferor)
- (2) M/s Sunder Enterprises, Patiala, through Shri Tarlok Singh, s/o Shri Diwan Singh Bhupindera Road. Patiala

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferre of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 554 sq. yards at Patrala Khasra No. 93. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 5473 of March, 1974 of the Registering Authority, Patiala).

South :- Plot of transferee Smt. Lai Kaur. North: -- Lower Mall

East :—Kacha lane as an approach to transferor's property. West .- Property of S. Bharpinder Singh,

> G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date 2-9-1974.

(2) Shri Rattan Lal. 3/0 Shri Girdhari Lal, G. T. Road. Gobindgarh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigath, the 2nd September 1974

Ret. No. AML/1/74-75.-Whereas I, G P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1974.

Amloh in March, 1974, for an apparent consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent confideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferoe(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with

the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: namely:-

(1) (1) Shu Chiranji Lal, (11) Shri Hari Chand, (iii) Shri Harbans Lal, sons of Shi Bishna Mal, Resident of Gobindgath. Presently: Prop. Road Master Industry tries, Rajpura. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 74 Min. bounded as

North:-Kothi Shri Benarsi Dass.

South :--Street

East :-- House of Shri Gobind Lal Isher Dass.

West:-Plot of Smt, Pritabha Devi, w/o Shri Rattan Lal situated in Ward No. 5, Mandi Gobindgarh,

> G. P. SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 2-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

Ref. No. AML/1/74-75 —Whereas I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Mandi Gobindgarh

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in April, 1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Chiranji Lal (ii) Shri Harl Chand, (iii) Shri Harbans Lal, sons of Shri Bishna Mal, Resident of Gobindgarh, Presently, Prop. Road Master Industries, Rajpura. (Transferor)

(2) Smt Pritibha Devi, w/o Shri Rattan Lal, c/o Mds Girdhari Lal Sarup Chand, G. T. Road, Gobindgarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, Khasra No. 74 Min. Bounded as-

North: -Kothi Shri Benarsi Dass.

South :--St eet.

East:—Plo. of Shri Rattan Lal, husband of Smt. Pritibha Devi

West:-Railway Road.

situated in Ward No. 5, Mandi Gobindgarh,

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax. Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 2-9-1974.

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Gurdev Dhasam Arath Trust, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal, Advocate,

Rattan Building, Opposite District Courts,

Civil Lines, Ludhiana,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. 156, SECTOR 9-P, CHANDIGARH,

Chandigarh, the 27th September 1974

Ref. No. LDH/C/160/74-75,--Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot at Taraf Karabara, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to consideration for such transfer as agreed to transferor and the transferec has not been truly sta between the truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Shri Kulbhushan Rai S/o Sh. Kulwant Rai, Self and as Karta of his H.U.F. R/o Opp. District Courts, Ludhiana,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Chapter XXA of 1961 (43 of 1961) Income-tax Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Taraf Karabara, Ludhiana, 339 sq. yds, out of Khewat No. 29/44, 558/644, 1870/2017, 556/642, 1089/1185, 1926/2125, 1927/2126, 1928/2127, 1929/2128, 1936/2141.

Khasra No. 712, 714, 715/1, 715/2/1, 715, 717, 719, 720, 727, 728, 729, 730, 731, 725, as per Jamabandi 1970/71 situated at Karabara Tehsil Ludhiana.

G. P. SINGH, Competent Authority. I.A.C. of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 27-9-1974.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th September 1974

No F Acq/80/Agra/73-74/1694 -- Whereas, I, Y, KHO-KHAR, Competent Authority under Section being the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market v Rs 25,000/- and bearing No. Khata No 42 situated at Village Gopalpura, valne exceeding (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agia on 6-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax A.t, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely -

(1) Shii Gauri Shankar Sharma S/o Sri Ram Prasad R/o Gopal Pura Urf Garhi Bhadoria Pargana and District Agra. (Transferor)

Date · 10-9-1974

Seal;

(2) Shii Bhikam Chand Sharma S o Pt Mitthan Lal Sharma, R/o Gopalpuri Agra Secretary Pandaynagar Grah Ni man Samiti Ltd.,

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

1/3rd portion out of khata No 42 measuring 12 bighas & 16 biswas, situated at Village Gopalpura, Agra transferred for an apparent consideration of Rs 106,666 66

> Y. KHOKHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Kanpur

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1974

No. F. 1141/74.75.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

situated at Vacant land in Vada Agaram village bearing S. Nos. 6 and 8 (part) (Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on May, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating, proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: 56---376GI/74

- (1) 1. Paranthaman;
 - 2. Padmanabhan:
 - 3. Chowdry;
 - 4. Jayachandtan; Sreenivasan;

 - 6. Pappiah; and 7. Rani, 66, Tirupathy Street, Madras-1.

(Transferor)

- (2) 1. S. A. R. Fathimuthu;
 - 2. Z. A. Razcena;
 - 3. N. S. Abdul Cader Ummal;
 - 4, M. S. Sainab Nachi;

 - 5. N. S. Ajward;
 6. V. S. S. Sheik Abdul Cader Ummal;
 7. S. K. Kiluru Fathima; and
 8. N. S. Fathima,

No. 54, Moore Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land bearing S. Nos. 6 and 8 (part) situated in Vada Agarum village. (Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras).

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II,

Madras-6.

Date: 12-8-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 7th September 1974

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/Mar-II/1768, 74-75/2539,—Whereas, I. D. B. LAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No. W-43 situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the 'chedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 30-3-1974 for an appa-

tent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by have not transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/s. D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. S. Amar Singh Josan S/o S. Deva Singh Josan. S. Santokh Singh Josan S/o S. Amar Singh.
 S. Savinder Singh Josan S/o S. Amar Singh Josan, R/o S-3 Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being Plot No. 43, Block No. W measuring 2654 Sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi bounded as under :-

North · Site for dispensary South: Plot No. W/41

East: Road West: Others land

D. B. LAL.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I,

Delhi/New Delhi.

Date: 7th September 1974

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

No. CHD/70/75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1010, Sector 27-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Chandigarh in March, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Prem Chand Pandit, House No. 31, Sector 4, Chandigarh. (i) Shri Anand Swarup Trehan, (ii) Mrs. Sudesh Rani,

(iii) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Anand Swaruf Trehan

(iv) Shri Arun Kumar s/o Shri Anand Swarun Trehan.

Residents of 510 Sector 8-B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1010, Sector 27-B, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1401 of March, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh)

G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath.

Date: 2-9-1974

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

No. RTK/8/74-75.—Whereas, I.G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Jhajjer Road, Near Octroi Post situated at Rohtak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in March, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferes as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the following persons, namely:—

- Smt. Misri Devi w/o Shri Bakhtawar Singh, r/o Ladian Tehsil Jhajjer, District Rohtak. (Transferor)
- (2) (i) Shri Amar Singh,
 (ii)Shri Raj Singh,
 (iii) Shri Chander
 sons of Shri Bhagwana,
 Residents of Sunari Khurd, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jhajjer Road, Near Octroi Post

East: Jhajjer Road. West: Galli, Kacha.

North: Plot of Shri Yashwant Singh. South: Plot of Shri Yashwant Singh.

Rohtak.

G. P. SINGH, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 2-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1974

Ref. No. 1AC/Acq.11/SR(May)/74-75/782/2601 —Whereas 1, C. V. GUPTE,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 40, Block C situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as for deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 30-5-1974

tor an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Harjeet Singh, 2. Sh. Paramjit Singh, Sh. Kanwaljit Singh, Sons of Shri Pritam Singh, r/o C-42 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being Plot No. 40, Block No. C measuring 1102 sq. yds. in the residential colony known as Rajouri Garden, situated at Village Basaidarapur, in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 10th September 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 7th September 1974

Ref. No. LDH/C/163/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, 12 Kanal 15 Marla, situated at Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed

registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/s. Sant Parshad Trust, Ludhiana through Shri Joginder Singh, Advocate, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Gur Parshad Trust, Ludhiana, through Shri Inder Mohan Singh, Managing Trustee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph' shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kara Bara, Ludhiana, 12 Kanal 15 Maila (Property as mentioned in the Registered Deed No. 12673 of March, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

12 Kanal 15 Marla (one half share) out of 25 kanal 10 marla Khata No. 1404/1505. Khasra No.

73, 69, 73, 69 69 69 73, 73, 73, 73, 73, 73,

24	4	23	24	23	23	23	4	4	4	4	4	4
1	1	_2	1	_2	2	2	1	1	1	1	1	1
1	2	13		14	15	16	42	45	46	27	28	29
73,	73,	73,	73	7.	3	73	7 3	73	69 7	3 69	69	69
4	2	2	2	3 3	1	2	2 2	2	22 1	1 22	22	21
1	2	2	2	1 1	2	2	1 2	$\frac{-}{2}$	1 2	1 1	1	2
30	80	81	82	8.	3 9	0	93	<u>-</u>	3 11	6 1		_
									1			
69	69	73		69	73	. 7	73	73	73	69	73	
19	22	1, 1	1, 2,	24	4	_ 3	3, 3	2, 2	1	22	2, 3	3, 3,
7	1	2 7	7 2	1	1	1	2	2 1	2	1	2]	2
_	3				31		71	74	115	3		
											25	

69	73
4	3 2 3 8
1	$\frac{-}{2}$, $\frac{-}{2}$, $\frac{-}{1}$, $\frac{-}{2}$
26	
	73

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 7-9-1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedahad-380009, the 19th September 1974

No. 153/Acq.23-152/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/· and bearing S. No. 122/1 Palki—Open land admeasuring in aggregate 33300 Sq. 1t. situated at Harni Road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 4-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferece(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 S/Shri Bhikhubhai Visrambhai Contractor Chhotubhai Nathabhai Suri Raghvaji Liladhar Bharatwala, Baroda.

(Transferor)

(2) Eklingjee Krupa Co-operative Housing Society Ltd., through its Chairman Natverlal Govindram Pandya, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Survey No. 122/1 Palkki and admeasuring in aggregate 33300 Sq. ft. situated on Harni Road, Baroda—as described in Sale Deeps Registered under Registration Nos. 898 and 900 dated 4-3-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Asquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 19th Sept., 1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1328/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10262, 10260 & 10223 of March, 1974 situated at Dilkusha Market, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

therefore, in pursuance of section 269C, I that proceedings for the acquisition of the vty by the issue of this notice under of section 269D of the Income-tax (1961) to the following persons,

(1) Shri Karam Singh Maan s'o Basant Singh Maan, 289, Lajpat Rai Nagar, Jullundur. Shri Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Shri Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh, Shri Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur,

(Transferors)

(2) Shri Mohinder Singh s/o Gurdial Singh, Hadiabad Teh. Phagwara. Shri Surinder Singh s/o Gurdial Singh. Jullundur Cantt. Shri Charan Singh s/o Gurdial Singh, s/o Harnam Singh R/o Sarhala, Teh. & District Jullundur.

(Transferees)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned know to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16-B Dilkusha Market, Juliundur as mentioned in the Registered Deeds Nos. 10262, 10260 & 10223 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Dat e 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1327/74-75,--Whereas f, D. S. GUPTA being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deeds No. 10223 of March, 1974. situated at Dilkusha Market, Jullundur.

(and more fully described in the

Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--57-376GI/74

- (1) Shii Katam Singh Maan s/o Basant Singh Maan, 389, I ajpat Rai Nagar, Jullundur. Shri Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Shri Shanker Singh s/o Bal Singh, Shii Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh, Shri Jagir Singh s/o Partap Singh, e o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur.
- (2) Shri Charan Singh s/o Gurdial Singh. s/o Hainam Singh r/o Sarhala Teh. & District Jullundur.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at S, No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of Shop No. 16-B Dilkusha Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10223 of March, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

> D. S. GUPTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range,

> > Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/JUL/AP-1326/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deeds No. 10260 of March, 1974. situated at Dilkusha Market, Jullundur.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

therefore, in pursuance of section 269C, I proceedings for the acquisition of the ty by the issue of this notice under section 269D of the Income-tax Act, 961) to the following persons,

- (1) Shri Karam Singh Maan s/o Basant Singh Maan, 389, I ajpat Rai Nagar, Jullundur.
 Shri Swaran Singh Johal s/o Labh Singh Johal, Shri Shanker Singh s/o Bal Singh, Shri Nau Nihal Singh s/o Gopal Singh, Shri Jagir Singh s/o Partap Singh, c/o Management Office, Dilkusha Market, Jullundur
- Shri Surinder Singh s/o Gurdial Singh, Jullundur Cantt.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at S, No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of Shop No. 16-B Dilkusha Market Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10260 of March, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax.
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, EHANDIGARH

Chandigarh, the 2nd September 1974

No. CHD/99/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1010. Sector 27-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1974

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of .961) to the following persons, namely:—

 Shri Prem Chand Pandit, House No. 31, Sector 4, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Shri Anand Swarup
(ii) Mrs. Sudesh Rani,
(iii) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Anand Swarup
(iv) Shri Arun Kumar s/o Shri Anand Swarup
Residents of 510 Sector 8-B, Chandigath.
(Transferee)

Objections, if any to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1010, Sector 27-B, Chandigarh,

Property as mentioned in the Registered Deed No. 109 of April 1974 of the Registering Authority, Chandigarh.)

G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 2-9-1974

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/HSP/AP-1332/74-75 —Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4906 of March, 1974.

situated at V. Patiari Tch. Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of have been recorded by me.

in pursuance of section 269C, I dings for the acquisition of the aforesaid of this notice under sub-section (1) of me-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the

 Shri lagdish Singh, Gian Singh, Mohinder Singh, Pirthi Singh ss/o Hira Singh Smt. Kaushalya Devi, Shanti Devi, Krishan Devi ds/o Shri Hira Singh V. Patiari, District Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Amin Chand & Company, Bharwain Road, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saià' immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Patiari District Hoshiarpur as mentioned in the Registered Deed No. 4906 of March, 1974 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

D. S. GUPTA, Competent Authority, IAC of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28th September, 1974,

Seal:

٧ :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

A CONTRACT OF THE PARTY OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsm, the 28th September 1974

No. ASR. HSP/AP-1331/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and as mentioned in the Registered Deed No. 4932 of March, 1974.

situated at Sutehri District Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Smt. Lila Wati wd/o Kartar Singh s/o Ram Kishan r/o Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamlesh Goel w.o Dr. Bal Gopal Goel s/o Pyaie Lal r/o Model Town, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As at S No 2 above.

 [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sutehri District Hoshiarpur as mentioned in the Registered Deed No. 4932 of March, 1974 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

D. S. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28th September, 1974.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th September 1974

No. ASR/HSP AP-1330/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 209B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Land as memoria 4718 of March, 1974. Sutehn. (and more fully des-Registered Deed No. cribed in the Schedulc annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in March, 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

in pursuance of section 269C I hereby for the acquisition of the aforesald propetry notice under sub-section (1) of section v-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the vly:--- (1) Shri Kartar Chand, Wattan Chand Anant Ram, Bant Ram SS/o Kirpa, Sadhu Singh, Khushi kam, Bakshi alias Bakshi Ram ss/o Sardha, Hari Ram Harnam Dass, Jagat Ram SS/o Moti, Pritam Dass Shiv Ram, Pritam Kaur, Nasib Kaur ds/o Gopi Shand s/o Taba, Mehar Singh s/o Ishar Dass s/o Taba R/o Fatehgarh Sutehri Thana Teh Hoshiarpur, Sunder Dass, Ram Chand s/o Taba r/o Sutehri, Thana Teh, Hoshiarpur,

(Transferor)

(2) Shri Gurmit Singh Sehra s/o Gurbachan Singh, Fatehgarh Road, Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sutehri as mentioned in the Registered Deed No. 4718 of March, 1974 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Amritsat.

Date: 28th September, 1974.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE- IL, 4-A/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1974

Ref. No. 1AC/Acq.II/March/74-75/780/2488.---Whereas, I C V Gunte.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No Half of 15-B situated at Bhagwan Dass Nagar, Punjabi Bagh, Delhi-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 30-3-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shii Tirlok Nath Aggarwal s/o Shii Ram Dass Aggarwal, r/o 18, Ashoka Park Extension, Rohtak Road New Delhi-35 (Transferor)

(2) Sv/Shri (1) Om Piakash, (2) Kunj Behari, (3) Shyam Lal (4) Arjun Lal, (5) Shu Bhagwan Dass, (6) Roshan Lal, s/o Sh Narsi Dass, i/o Nai Mandi, Hissai (Haryana) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall share (i.e. 298½ sq. yds.) in plot No. 15-B, Bhagwan Dass Nagar, Delhi-34 measuring 597 sq. yds situated in the area of Mauja Sakurpur, and bounded as under:—

East Plot No. 16-B West Plot No. 14B

North : Other half of plot No 15-B

South · Road

C. V. GUPTE, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 4th September, 1974

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th September 1974

No ASR/NS/AP-1333/74-75—Whereas I. D. S. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 4352 of March. 1974

situated at V. Kotaria.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shii Waryam Singh s/o Chajja Singh r/o Kotla Attorncy of Saiwan s/o Waryam Singh, V. Kotla Teh. Garh Shankei
 - (Transferor)
- (2) Shti Kewal Singh, Santokh, Singh, Gian Singh, Sho Pittam Singh, V. Mona Teh, Nawan Shehar
 - (Transferee)
- (3) As at S No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and in V. Kotaria as mentioned in the Registered Deed No. 4352 of March, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date · 28th September, 1974.

Seal